देहरादून, मंगलवार
2 जुलाई, 2024
नगर संस्करण *
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

जून में 1.74 लाख करोड़ रहा जीएसटी संग्रह 13

टी-20 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम में रोहित समेत छह भारतीय 14

wildcraft.com

ADVENTURE READY FROM HEAD TO TOE

ALL-WEATHER CLOTHING

ALL-TERRAIN FOOTWEAR

ALL- PURPOSE BACKPACKS

EXPLORE NOW

WILDCRAFT

#ReadyForAnything

Available at exclusive Wildcraft stores and leading retail outlets near you

Flipkart Myntra lifestyle SMART BAZAAR LuLu SPAR

For corporate or trade enquiries, give a missed call on +91 86550 97266

****

wildcraft.com

ADVENTURE READY CARGO

Made for movement

Convertible

Rugged by design

Smart multi-pocket storage

EXPLORE NOW

WILDCRAFT

#ReadyForAnything

Available at exclusive Wildcraft stores and leading retail outlets near you!

Flipkart Myntra lifestyle CENTRO SPAR

For Corporate or Trade Enquiries, give a missed call on 8655097266

देहरादून, मंगलवार
2 जुलाई, 2024
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com

उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

जून में सामान्य से 11% कम वर्षा, जुलाई में अधिक बारिश के आसार 15

भारतीय सेना आत्मनिर्भर बनने को तत्पर 15

VECTUS®
टंकी मतलब वैक्टस!
वैक्टस ग्रुप ब्रांड्स | Ganga waterwell
टोल फ्री नं. : 1800 202 6666 | व्हाट्सएप: 8800097939
For enquiry on WhatsApp
scan QR code
VECTUS cool

हिंदुओं को हिंसक कहने पर लोस में संग्राम

राहुल बोले-खुद को हिंदू कहने वाले हिंसा फैलाने में लगे हैं, मोदी ने कहा-हिंदुओं को हिंसक कहना गंभीर मसला

संजय मिश्र ● जागरण

- लोकसभा में राहुल ने नीट पेपर लीक, मणिपुर हिंसा और विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा
- सरकार को रचनात्मक सहयोग की पेशकश करते हुए कहा कि विपक्ष दुश्मन नहीं, देश को आगे बढ़ाने में भागीदार

लोकसभा में सोमवार को नेता विपक्ष राहुल गांधी के आरोपों का स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिकार किया ● वीडियोग्रैब/एएनआइ

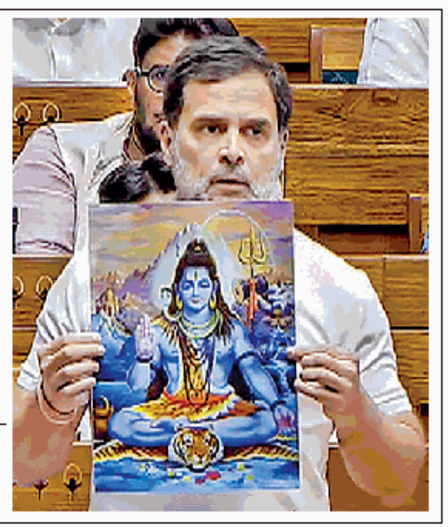

लोकसभा में सोमवार को चर्चा के दौरान भगवान शिव के चित्र के साथ नेता विपक्ष राहुल गांधी ● वीडियोग्रैब/प्रेट्र

मोदी के कहने पर लागू की गई अग्निपथ योजना: राहुल गांधी >> पेज 11

नई दिल्ली: लोकसभा में नेता विपक्ष के रूप में अपने पहले संबोधन में ही राहुल गांधी ने भाजपा-संघ के हिंदुत्व पर तीखा प्रहार किया। कहा कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं, वे चौबीसों घंटे हिंसा और नफरत फैलाने में लगे हैं। राहुल के आरोपों का खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिकार किया और गृह मंत्री अमित शाह ने उनसे माफी की मांग की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हिंदुओं को हिंसक कहना गंभीर मामला है। हालांकि, अपनी टिप्पणी को हिंदू समुदाय के खिलाफ बताने के भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के एतराज को खारिज करते हुए राहुल ने कहा कि यह बात उन्होंने भाजपा के संदर्भ में कही है। भाजपा-आरएसएस तथा नरेन्द्र मोदी ही पूरा हिंदू समाज नहीं हैं और यह भाजपा का ठेका नहीं है। लेकिन अमित शाह ने राहुल गांधी के बयान को शब्दशः सामने रखते हुए इसे पूरे हिंदू समाज के खिलाफ करार दिया। शाह ने कहा कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक बताने के लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। गृह मंत्री ने कहा, राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं, वे हिंसा में लिप्त हैं। देश में करोड़ों लोग गर्व से खुद को हिंदू कहते हैं। क्या वे सभी हिंसा की बात कर रहे हैं? हिंसा को किसी धर्म से जोड़ना, वह भी संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति द्वारा...मेरा मानना है कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

अपने हाथों में भगवान शंकर की तस्वीर लिए राहुल ने भाजपा-संघ ब्रांड के हिंदुत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि अहिंसा, प्रेम और बिना डरे सत्य की राह पर चलना ही हिंदू धर्म है। मृत्यु से भी भयभीत नहीं होने की भगवान शिव की निडरता के सहारे ही सत्ता की ताकत के खिलाफ विपक्ष ने यह चुनावी लड़ाई लड़ी है। राहुल ने भगवान शिव, गुरु नानक, ईसा मसीह, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की तस्वीरें दिखाईं तो इस्लाम में दुआ मांगने की स्वीकृत तस्वीर रखते हुए कहा कि सभी धर्म की शिक्षाओं में निडरता और सत्य-अहिंसा मूल है। स्पीकर ने नियम का हवाला देकर उन्हें रोका तब कुछ तस्वीरें उन्होंने आसन को सौंप दी, मगर भगवान शिव की तस्वीर को आखिर तक पास रखा और कई मौकों पर अपनी बात रखने के लिए इसका सहारा भी लिया। राहुल ने नीट पेपर लीक, मणिपुर हिंसा, हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से लेकर महंगाई जैसे मुद्दे पर घेरते हुए राजग सरकार को सबको डराने की कार्यशैली छोड़ने की सलाह दी और कहा कि विपक्ष उसका दुश्मन नहीं बल्कि देश को आगे ले जाने के लिए अपना पूरा सहयोग और समर्थन देने को तैयार हैं। राहुल गांधी ने अयोध्या में भाजपा की हार का उल्लेख करते हुए कहा कि अयोध्या की जनता ने उसके उम्मीदवार को हराकर स्पष्ट संदेश दिया है। अयोध्या में लोगों में गुस्सा और आक्रोश इसलिए है कि क्योंकि उनके घर-दुकान तोड़ दिए गए हैं, कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि नरेन्द्र मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहते थे और उन्होंने दो सर्वेक्षण करवाए, जिनमें साफ संकेत मिला कि वह वहां से हार जाएंगे। इसलिए वह वाराणसी भाग गए और बड़ी मुश्किल से खुद को बचा पाए।

राहुल गांधी ने खुद पर हुए प्रहारों का जिक्र करते हुए कहा कि देश भर में उनके खिलाफ 20 मुकदमे दर्ज करना, दो साल की सजा सुनाना, घर छीन लेना यह सब प्रधानमंत्री के इशारे पर किया गया। इसके बावजूद वह भाजपा की सत्ता की ताकत से नहीं डरते हैं, बल्कि इसके उलट भाजपा ही कांग्रेस से डरती है। भाजपा पर मुस्लिम, सिख और ईसाई जैसे अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए नेता विपक्ष ने कहा कि वे चट्टान की तरह देशभक्त हैं और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में देश का प्रतिनिधित्व कर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है।

राहुल ने नीट पेपर लीक पर कहा कि छात्रों का इस परीक्षा से भरोसा उठ गया है, क्योंकि नीट पेशेवर से कमर्शियल परीक्षा बन गई है।

हिंदुओं को हिंसक बताने पर बिफरी भाजपा बोली-तुरंत माफी मांगें राहुल गांधी

- संसदीय नियम और मर्यादा नहीं सीख पाए पांच बार के सांसद राहुल : जेपी नड्डा
- वैष्णव ने अग्निवीर और अयोध्या में मुआवजा को लेकर दिए बयान को झूठा बताया

राज्यसभा में सोमवार को चर्चा के दौरान नेता सदन जेपी नड्डा ● एएनआइ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : हिंदुओं को हिंसक बताने के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान ने राजनीतिक पारा चढ़ा दिया है। संसद में कांग्रेस नेता द्वारा दिए गए इस बयान पर बिफरी भाजपा ने गंभीर आरोप लगाया कि राहुल ने आज संपूर्ण हिंदू समाज को हिंसक बताया है और यह कांग्रेस की पुरानी पद्धति रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, किरण रिजिजू और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल पर झूठे बयान और अमर्यादित आचरण से नेता प्रतिपक्ष के पद की गरिमा गिराने का आरोप लगाया। साथ ही तंज भी कसा कि अध्यक्ष पीठ से कही गई बात राहुल को समझ में नहीं आती, भला नए चुनकर आए सांसद उनसे क्या सीखेंगे?

लोकसभा में राहुल गांधी के बयान और व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि हिंदुओं को हिंसक बताने पर राहुल को तुरंत माफी मांगनी चाहिए। यह वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने विदेशी राजदूतों के सामने हिंदुओं को आतंकवादी कहा था। नड्डा ने कहा कि पांच बार के सांसद राहुल संसदीय नियम और मर्यादा नहीं सीख पाए हैं। बहस की गरिमा को बहुत नीचे गिरा दिया है। अध्यक्ष पीठ के प्रति उनका व्यवहार बहुत आपत्तिजनक था। राहुल के बयानों को झूठ और हिंदुओं के प्रति नफरत से भरा बताते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वह लगातार तीसरी हार और 2024 में मिले जनादेश को समझ नहीं पाए हैं। 60 वर्षों में पहली बार हुआ है, जब जनता ने किसी विपक्षी दल को लगातार तीसरी बार खारिज किया हो। वहीं, पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हमेशा सत्ता का सुख भोगते राहुल गांधी ने पहली बार कोई जिम्मेदारी संभाली है। इसके बावजूद आज उन्होंने अति गैर जिम्मेदाराना बयान दिए हैं।

अग्निवीर और अयोध्या में मुआवजा को लेकर दिए बयान को झूठा बताते हुए उन्होंने कहा कि सबसे अधिक आपत्तिजनक और गंभीर विषय है संपूर्ण हिंदू समाज को हिंसक व असत्यवादी कहना। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। यह कांग्रेस की पुरानी पद्धति है।

2010 में तत्कालीन गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने हिंदुओं को आतंकवादी कहा था। 2013 में तत्कालीन गृह मंत्री सुशील शिंदे ने भी हिंदुओं को आतंकवादी कहा था। 2021 में राहुल गांधी ने कहा था कि हिंदुत्ववादियों को देश से बाहर निकाल देना चाहिए। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी याद दिलाया कि तत्कालीन गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने 2013 में जयपुर में कहा था कि भाजपा और आरएसएस की तरफ से हिंसक गतिविधियों के लिए कैंप चलाए जा रहे हैं। फिर सदन में इस पर माफी मांगी थी। सुशील शिंदे से सीखकर राहुल को भी माफी मांग लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल ने जो बोला है, वह संपूर्ण कांग्रेस की फितरत बन चुकी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि हमने 2004 से राहुल गांधी को देखा है। किसी पद पर नहीं थे तो व्यवहार में हल्कापन था। नाटकीय व्यवहार दिखता था। अब वह नेता विपक्ष हैं, तो हम उम्मीद कर रहे थे कि उनके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आएगा, लेकिन आज जिस तरह से उन्होंने बात कहना शुरू किया तो स्पीकर को कहना पड़ा कि बार-बार स्पीकर की तरफ पीठ न करें।

1 द हिडन हिंदू
लेखक : अक्षत गुप्ता
अनुवाद : अक्षत गुप्ता
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
अद्भुत कल्पनाशक्ति से पौराणिक घटनाओं का जीवंत चित्रण करती यह लंबी कहानी है। सनातन भारतीय मान्यताओं के विज्ञान सम्मत वर्णन को पढ़ते हुए संस्कृति और अध्यात्म से साक्षात्कार होता है।

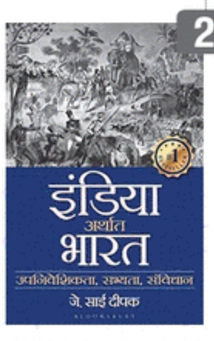

2 इंडिया अर्थात भारत
लेखक : जे. साई दीपक
अनुवाद : पंकज सक्सेना
प्रकाशक : ब्लूम्सबरी प्रकाशन
पुस्तक यूरोपीय औपनिवेशिक मानसिकता की पड़ताल करती है, साथ ही भारतीय संविधान की उत्पत्ति का रेखांकन भी। इसमें 'सहिष्णुता', 'धर्मनिरपेक्षता' और 'मानवतावाद' को खोजने का प्रयास भी है।

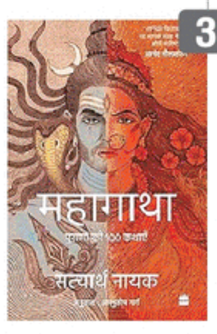

3 महागाथा : पुराणों से 100 कहानियां
लेखक : सत्यार्थ नायक
अनुवाद : आशुतोष गर्ग
प्रकाशक : हार्पर कोलिंस पब्लिशर्स
पुस्तक में 100 पौराणिक कथाओं के साथ सुंदर चित्रांकन इसे संग्रहणीय बनाता है। हिंदुत्व और वास्तविक जीवन में उसके प्रयोग को भी पुस्तक बेहतर ढंग से समझाती है।

4 द हिडन हिंदू 2
लेखक : अक्षत गुप्ता
अनुवाद : अक्षत गुप्ता
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
तीन पुस्तकों की शृंखला द हिडन हिंदू की यह दूसरी कड़ी है। इसमें पौराणिक पात्रों को समसामयिक संदर्भों व वास्तविक पृष्ठभूमि में रुचिकर काल्पनिक कथा में पिरोया गया है।

5 महाभारत का अनावरण
लेखक : अमी गणात्रा
अनुवाद : अमी गणात्रा
प्रकाशक : ब्लूम्सबरी प्रकाशन
प्रबंधन पेशेवर और योग प्रशिक्षक अमी भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृत की विद्वान भी हैं। उनकी शोधपरक पुस्तक महाभारत को बेहतर ढंग से समझाने के साथ अनेक भ्रांतियों को दूर करती है।

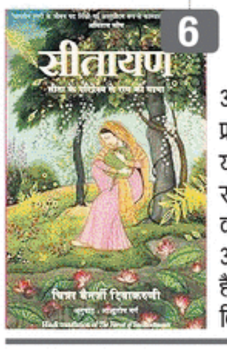

6 सीतायण
लेखक : चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी
अनुवाद : आशुतोष गर्ग
प्रकाशक : मंजुल पब्लिशिंग हाउस
यह पुस्तक एक स्त्री के प्रेम और स्वाभिमान कथा को पिरोती है। इसमें कहानी को नए संदर्भ में लिखने और समझाने का प्रयास किया गया है। यह सामान्य धारणा से अलग बिल्कुल एक नए तरह की पुस्तक है।

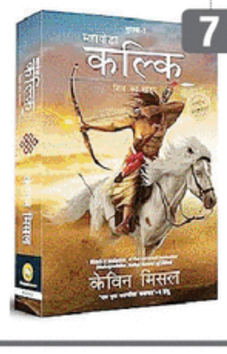

7 महायोद्धा कल्कि शिव की तलवार
लेखक : केविन मिसल
अनुवाद : रचना भोला
प्रकाशक : प्रकाश बुक्स
पुस्तक में लेखक की गहन और शानदार कल्पना पौराणिक कथा प्रेमियों को आकर्षित करती है। अंत में यह पुस्तक आपको कुछ मीठी और कड़वी यादों से भर देगी।

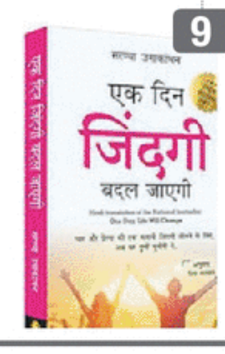

8 मोदी : चुनौती 2024 की भारतीय राजनीति की अग्निपरीक्षा
लेखक : मिन्हाज मर्चेंट
अनुवाद : किरण मोघे
प्रकाशक : मंजुल पब्लिशिंग हाउस
किताब पड़ताल करती है कि क्या विपक्षी एकजुटता राजनीति को प्रभावित कर पाएगी! मोदी के क्षेत्रीय से वैश्विक नेता बनने की प्रगति का वर्णन किया गया है।

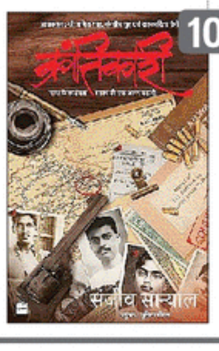

9 एक दिन जिंदगी बदल जाएगी
लेखक : सरण्या उमाकांथन
अनुवाद : प्रिया लटवाल
प्रकाशक : प्रकाश बुक्स इंडिया
जीवन अनिश्चितताओं से भरा सफर है। सपनों के बिखरने और उसे सहेजने से मिलती सीख इस कहानी में रोमांच पैदा करती है। यह कहानी आपको जीवन को नए दृष्टिकोण से देखने के लिए भी प्रेरित करती है।

10 क्रांतिकारी : भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक अलग कहानी
लेखक : संजीव सान्याल
अनुवाद : शुचिता मीतल
प्रकाशक : हार्पर कोलिंस
पुस्तक बताती है क्रांतिकारी गतिविधियां वृहत आंदोलन का हिस्सा थीं।

कल पढ़िये कविता श्रेणी की सूची

भविष्य के लिए उम्मीद जगा गया 'जागरण संवादी'

अभिव्यक्ति के उत्सव 'जागरण संवादी' के आयोजन से उत्साहित हैं दून के संवादधर्मी, निरंतर होते रहने चाहिए ऐसे आयोजन

- जागरण संवादी के तहत आयोजित सभी 12 सत्रों में हर आयुवर्ग के संवादधर्मी हुए शामिल
- समापन पर बोले, आयोजन सारगर्भित एवं दूरदृष्टि वाला हो तो उसे पसंद किया जाता है
- हमेशा प्रासंगिक होते हैं संवाद के ऐसे मंच, लिहाजा बनी रहनी चाहिए इनमें निरंतरता

जागरण संवाददाता, देहरादून: अभिव्यक्ति के उत्सव 'जागरण संवादी' के सफल आयोजन से दून के संवादधर्मी खासे उत्साहित हैं। उनका कहना है कि 'दैनिक जागरण' का यह भविष्य के लिए उम्मीद जगाने वाला आयोजन था। संवाद के ऐसे मंच हमेशा प्रासंगिक होते हैं और भविष्य में भी रहेंगे। लिहाजा इनमें निरंतरता बनी रहनी चाहिए और हर वर्ग को अभिव्यक्ति के उत्सव का मंच सजना चाहिए। उन्होंने बताया कि 'जागरण संवादी' के तहत दोनों दिन आयोजित सभी 12 सत्र समाज के लिए निश्चित रूप से उपयोग साबित होंगे। इन सत्रों में सभी आयुवर्ग के लोगों ने समान रूप से रुचि ली।

इससे स्पष्ट है कि आयोजन सारगर्भित एवं दूरदृष्टि वाला हो तो उसे पसंद किया जाता है। उन्होंने कहा सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि 'जागरण संवादी' का आयोजन 'हिंदी हैं हम' अभियान के तहत किया गया, क्योंकि हिंदी भविष्य की संभावनाओं वाली भाषा है और हिंदी के विकास के लिए सभी को जिम्मेदारी के साथ आगे आना चाहिए। खुशी की बात है कि जागरण हिंदी को जन-जन के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। 'संवादी' से इसे और गति मिलेगी। उनका कहना है कि संवाद की यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहनी चाहिए। यह एक स्वस्थ परंपरा है। इससे श्रोताओं का ज्ञान बढ़ा और उन्हें समझ विकसित करने में मदद मिली।

संवादी के दोनों दिन के कार्यक्रम बहुत सुंदर एवं सराहनीय रहे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में व्यस्त रहने के कारण मैं व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं रह सकी, लेकिन समाचार पत्र में विस्तृत विवरण पढ़ा। मेरा भी मानना है कि इस तरह के संवाद इस युग के माध्यम से बना रहना चाहिए।
डा. सुधा पांडेय, पूर्व कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

संवादी में 'साहित्य के मायने' विषय सबसे अच्छा रहा। यहां वक्ताओं ने जो बातें कहीं, उन्होंने मन को काफी प्रभावित किया। दरअसल साहित्य नाम सुनते ही लोग ऊब से जाते हैं, लेकिन यहां कार्यक्रम में सभी उत्साह के साथ लाभ उठाते रहे। ऐसे आयोजन आगे भी होते रहें।
रजनीश त्रिवेदी, पूर्व महाप्रबंधक, ओएनजीसी

साहित्य के असल मायने क्या हैं, यह इस कार्यक्रम में देखने को मिला। जो लोग साहित्य में कम रुचि भी रखते होंगे, इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनका उत्साह और बढ़ गया होगा। हम भी काफी उत्साहित हैं कि इस तरह के बड़े आयोजन दैनिक जागरण देहरादून में करा रहा है।
जसनीत कौर, साहित्य प्रेमी

आज हम सभी के लिए इस तरह के आयोजन में शामिल होना गौरवान्वित करने वाला विषय है। दैनिक जागरण के इस संवादी कार्यक्रम में हम सभी को देश का विभिन्न क्षेत्रों में मान बढ़ाने वाली और उत्तराखंड को गौरवान्वित करने वाली विभूतियों से रूबरू होने का अवसर मिला।
डा. वीएल विजल्वाण, सेवानिवृत्त विज्ञानी, सीएसआइआर

दैनिक जागरण का लंबे समय से नियमित पाठक रहा हूं। आमजन की समस्या से लेकर गंभीर मुद्दों तक को दैनिक जागरण प्रमुखता से उठाता आया है। दो दिवसीय संवादी कार्यक्रम हर वर्ग के लिए खास है। दोनों दिन के विभिन्न सत्रों में वक्ताओं की ओर से कही गई बातों ने श्रोताओं को काफी प्रभावित किया।
संदीप गुप्ता, व्यापारी एवं गीत प्रेमी

आइडिया आफ इंडिया विषय पर वक्ताओं ने जो बातें कहीं, वह अपने-अपने तर्कों के आधार पर सही प्रतीत होती हैं। हम अपनी कला, साहित्य व संस्कृति को अलग रखकर नया भारत नहीं बना सकते। हमारा सनातन संस्कार ही आइडिया आफ इंडिया को मार्ग दिखाएगा।
अभिषेक मैंदोला, रंगकर्मी

यदि इस तरह के आयोजन होते रहेंगे तो साहित्य जैसा शब्द सुनकर अब लोग ऊबेंगे नहीं, बल्कि रोचकता से सुन व समझ सकेंगे। दैनिक जागरण की ओर से संवादी का यह प्रयास बेहतर है। इस तरह के कार्यक्रम में साहित्य से जुड़े विद्वानों के साथ संवाद होना हर वर्ग के लिए बड़ी बात है।
वीना वेंजवाल, साहित्यकार

मैं दैनिक जागरण की वर्षों से नियमित पाठक रही हूं। जागरण जो भी मुद्दे उठाता है, उनका प्रभाव भी देखने को मिलता है। संवादी कार्यक्रम के जरिये लोगों को हर विषय व सत्र को बारीकी से समझने का मौका मिला। साहित्यकारों ने भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया और एक दूसरे से रूबरू भी हुए।
सुनीता चौहान, लेखक एवं साहित्यकार

संवादी कार्यक्रम के दूसरे दिन रविवार को विज्ञापन की सपनीली दुनिया सत्र को नींबूवाला स्थित डीडी कालेज की शिक्षिकाओं ने ज्ञानवर्धक बताया। प्राचार्य डा .ज्योत्सना रमोला के नेतृत्व में आठ फैकल्टी और 25 उच्च शिक्षा में प्रोफेशनल कोर्स के छात्र-छात्राएं पूरे सत्र में उपस्थित रहे। छात्राओं ने मकैन वर्ल्ड ग्रुप इंडिया के चीफ आपरेटिंग आफिसर जितेंद्र डवास से सवाल भी पूछे • जागरण

चकराता रोड स्थित आइटीएम संस्थान के छात्र नवदीप सिंह व सेजल भाटिया के नेतृत्व में भी संवादी के दूसरे दिन विज्ञापन की सपनीली दुनिया सत्र में पहुंचे। छात्रों ने कहा कि विशेषज्ञ मकैन वर्ल्ड ग्रुप इंडिया के चीफ आपरेटिंग आफिसर जितेंद्र डवास ने कई ऐसी जानकारियां दीं, जिसके बारे में हम पहले नहीं जानते थे। उन्होंने छात्रों के सवालों का जवाब देकर जिज्ञासा को भी शांत किया • जागरण

पेंशनर अपने-अपने क्षेत्र में अवश्य लगाएं एक पेड़

देहरादून: राजकीय पेंशनर्स संगठन की मासिक बैठक में सभी पेंशनर से अपने-अपने क्षेत्र में पेड़ लगाने की अपील की गई।

सोमवार को परेड ग्राउंड स्थित संगठन के कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह कृपाली की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक का संचालन प्रदेश महासचिव रमेंद्र सिंह पुंडीर ने किया। उन्होंने बताया कि 10 नवंबर 2022 को हुई समन्वय समिति की बैठक में संगठन ने कुछ मांगें रखी थीं, लेकिन शासन ने अभी तक कोई आदेश जारी नहीं किया। कहा कि ओपीडी में दवाई और जांच की निश्शुल्क व्यवस्था पर शासन शीघ्र निर्णय ले। पेंशनर के गोल्डन कार्ड बनाए जाएं। बैठक में आरएस परिहार, रोशन सिंह, एमएस गुसाईं, रमेंद्र सिंह पुंडीर, मोहन सिंह रावत, आरएस बारोलिया, जबर सिंह पंवार, चंद्र प्रकाश, शोभा पांडेय, चंद्रमोहन उनियाल, शूरवीर सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।(जासं)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर होगा उच्चीकृत, बड़ी आबादी को राहत

जागरण संवाददाता, देहरादून : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर के दिन अब फिरने वाले हैं। इसे तीस बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (20 अतिरिक्त बेड) के रूप में उच्चीकृत किया जा रहा है। जिसके लिए 14.10 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें प्रथम किश्त के रूप में चार करोड़ रुपये की राशि अवमुक्त की जा रही है। अस्पताल उच्चीकृत होने से रायपुर, मालदेवता, केसरवाला, द्वारा, सौड़ा सरौली, रांझावाला, नथुवावाला सहित आसपास की बड़ी आबादी को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर में अभी मात्र 10 बेड हैं। स्वास्थ्य विभाग के मानकों के अनुरूप किसी पीएचसी के माध्यम से करीब 30 हजार की आबादी को कवर किया जाता है। जबकि सीएचसी के लिए यह मानक एक लाख से ज्यादा की आबादी है। लेकिन रायपुर व उसके आसपास की आबादी तीन गुना अधिक है। ऐसे में अस्पताल में सुविधाएं व संसाधन बढ़ाए जाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। जनता की मांग पर क्षेत्रीय विधायक उमेश शर्मा काऊ ने भी इस ओर प्रयास शुरू किए हैं। जिसके बाद उच्चीकरण के प्रस्ताव को मंजूरी मिली, लेकिन डीपीआर लंबे वक्त तक अटकी रही। डीपीआर पर मामला सुलझा तो रायपुर क्षेत्र में प्रस्तावित एडमिन सिटी पर आकर अटक गया। एडमिन सिटी की जरूरत के अनुसार नए सिरे से अस्पताल के लिए भूमि की तलाश शुरू हुई। भूमि की अनुपलब्धता और जनहित को देखते हुए अब अस्पताल के उच्चीकण को वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। स्वास्थ्य सचिव डा. आर राजेश कुमार ने इस संबंधी आदेश जारी किए हैं।

स्थानीय वास्तुकला के अनुरूप होगा निर्माण, बनेगी ग्रीन बिल्डिंग

अस्पताल के नए भवन का निर्माण स्थानीय वास्तुकला के अनुरूप किया जाएगा। यही नहीं इसमें ग्रीन बिल्डिंग के मानकानुसार आवश्यक प्राविधान किए जाएंगे। स्वास्थ्य सचिव की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता का भी ख्याल रखा जाए। यह भी हिदायत दी है कि कार्य प्रारंभ करने से पहले मृदा परीक्षण व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट भी प्राप्त कर ली जाए। पार्किंग की समस्या को देखते हुए भवन में स्टिल्ट का प्राविधान करने को कहा गया है। कहा कि भविष्य में आवश्यकतानुसार छठी मंजिल के अतिरिक्त निर्माण को अलग से योजना स्वीकृत की जा सकती है।

रायपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र • जागरण आर्काइव

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर के उच्चीकरण को वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत का आभार। रायपुर में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवा का हमारा सपना अब जल्द पूरा होगा। सिर्फ रायपुर विधानसभा ही नहीं, बल्कि इससे लगते हुए विधानसभा क्षेत्रों की ग्रामीण आबादी को भी इसका लाभ मिलेगा। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो गई है और अब जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा।
उमेश शर्मा काऊ, विधायक रायपुर

नागरिक सुरक्षा विभाग के स्वास्थ्य शिविरों में 2300 मरीजों का इलाज

जागरण संवाददाता, देहरादून: डाक्टर्स डे पर नागरिक सुरक्षा विभाग ने शहर में जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर लगाए, जहां 2300 मरीजों की जांच व उपचार किया गया। इस दौरान ग्राफिक एरा अस्पताल व डीम्ड यूनिवर्सिटी के चेयरमैन कमल घनशाला को नागरिक सुरक्षा विभाग का चीफ वार्डन नियुक्त किया गया।

श्यामेंद्र कुमार साहू, उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा की देखरेख में बंजारावाला, मुख्य राजपुर रोड, कालिंदी एन्क्लेव पार्क, श्याम सुंदर मंदिर, पटेलनगर, पर्थेश्वर महादेव मंदिर पथरीबाग, मनोरंजन सदन यमुना कालोनी, प्राचीन शिव खेड़ा मंदिर कारगी, शिव मंदिर आर्य नगर, पंचायत भवन कौलागढ, गुरुद्वारा दिलाराम बाजार, श्री श्री शिव दुर्गा साई मंदिर मोहनी रोड, घनसाला डेंटल क्लीनिक बल्लूपुर, शिव मंदिर चुक्खु मोहल्ला, बल्लीवाला चौक, राधा कृष्ण मंदिर दिलाराम चौक, ग्रीन फील्ड स्कूल मोहनी रोड, बाल उपवन शिक्षा संस्थान आर्यनगर ग्रीन फील्ड एकेडमी भगत सिंह कालोनी, गुरुद्वारा दिलाराम बाजार, अंबेडकर धर्मशाला आर्यनगर, जैन धर्मशाला में शिविर आयोजित किए गए। शिविर में निश्शुल्क परामर्श व दवाइयां भी वितरित की गईं।

अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के 111वें जन्म जयंती समारोह में गढ़ीकैंट स्थित दुर्गा मल्ल पार्क में उनके चित्र पर माल्यापर्ण कर श्रद्धांजलि देते उत्तराखंड राज्य नेपाली भाषा समिति व गोर्खाली सुधार सभा के पदाधिकारी • जागरण

111वीं जयंती पर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल को किया याद

जागरण संवाददाता, देहरादून: शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की 111वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर नेपाली भाषा समिति और गोर्खाली सुधार सभा ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया।

सोमवार को गढ़ी कैंट स्थित शहीद मेजर दुर्गा मल्ल योग पार्क में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, उत्तराखंड राज्य नेपाली भाषा समिति के अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा और इंजीनियर मेक बहादुर थापा ने मेजर दुर्गा मल्ल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मीडिया प्रभारी प्रभा शाह ने बताया कि दुर्गा मल्ल का जन्म आज के दिन वर्ष 1913 में डोईवाला निवासी गोरखा राइफल्स के नायब सुबेदार गंगाराम मल्ल क्षेत्री एवं पार्वती देवी के घर हुआ था। उन्होंने गोरखा मिलिट्री इंटर कालेज में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और वर्ष 1931 में गोरखा राइफल्स में भर्ती हो गए। वर्ष 1942 में आजाद हिंद फौज के गठन के बाद उन्हें मेजर की पदवी से नवाजा गया और गुप्तचर शाखा का महत्वपूर्ण कार्य मिला। 27 मार्च 1944 को महत्वपूर्ण सूचनाएं एकत्र करते समय मेजर दुर्गा मल्ल को अंग्रेजी सेना ने मणिपुर में कोहिमा के पास उखरुल में पकड़ लिया। उन्हें यातनाएं देकर माफी मांगने का दबाव बनाया, लेकिन मल्ल ने माफी नहीं मांगी। इस मौके पर श्याम राना, सीईओ हरेंद्र सिंह, राजेंद्र मल्ल, डीएस खड़का मौजूद रहे।

जिला चिकित्सालयों में संचालित आयुष विंग में विशेषज्ञ तैनात

- आयुष सचिव के निर्देश पर 25 चिकित्सकों को दी गई तैनाती
- सभी चिकित्सक रोटेशन के आधार पर अस्पताल में देंगे सेवा

जागरण संवाददाता, देहरादून: जिला चिकित्सालयों में संचालित आयुष विंग में 25 विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की गई है। इनमें शल्य तंत्र, पंचकर्म, धनवंतरी शालक्य (नेत्र रोग), रोग निदान एवं विकृति विज्ञान, बाल रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, रस शास्त्र, कौमारभृत्य आदि विशेषज्ञता के चिकित्सक शामिल हैं। यह सभी चिकित्सक रोटेशन के आधार पर सेवाएं देंगे। आयुष सचिव डा. पंकज कुमार पांडेय के निर्देश पर आयुर्वेद विभाग ने तैनाती आदेश जारी किए हैं।

टिहरी जिले में डा. पंकज रतूड़ी, डा. तुषिता बधानी, पिथौरागढ़ में डा. यामिनी, डा. अतुल बडोनी, देहरादून में डा. नेहा जोशी, चमोली में डा. विपुल बड़थ्वाल, उत्तरकाशी में डा. प्रीति सिंह, डा. अतुल जोशी, रुद्रप्रयाग में डा. गीतिका आर्या, डा. दिव्या पाठक, डा. उदय नारायण पांडेय, डा. नीलम सजवाण, चंपावत में डा.इकरा खान, डा.भास्कर मेहंदीरत्ता, पौड़ी में डा. नीता शैलानी, डा. डीपी सिंह, अल्मोड़ा में डा. पंकज कुमार, हरिद्वार जिले में डा. सौरभी सोनकर, नैनीताल में डा. रंजना आर्या, बागेश्वर में डा. अन्नू वर्मा, डा.बलराज टम्टा, डा. विजय कुमार, ऊधमसिंह नगर जिले में डा. पंकज राय, डा. संदीप कुमार को तैनात किया गया।

इन डाक्टरों की तैनाती से अब आयुर्वेद चिकित्सा से उपचार कराने वाले मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं मिलेंगी।

बदरीनाथ धाम में मंदिर के समीप आयुष स्टाल

आयुष विभाग ने बदरीनाथ धाम में मंदिर के समीप आयुष स्टाल की स्थापना की है। जहां तीर्थयात्रियों को आयुष चिकित्सा पद्धति के माध्यम से चिकित्सीय परामर्श मिल सकेगा। यहां मर्म चिकित्सा, अग्निकर्म, आयुर्वेदिक न्यूरोपैथी सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। ऐसे ही स्टाल केदारनाथ व गंगोत्री मंदिर में भी स्थापित किए जा रहे हैं।

भारतीय वैश्य महासंघ तीन अगस्त को मनाएगा तीजोत्सव

जागरण संवाददाता, देहरादून: भारतीय वैश्य महासंघ की ओर से तीन अगस्त को तीजोत्सव मनाया जाएगा। जिसमें महिलाओं की ओर से रंगारंग प्रस्तुति देखने को मिलेगी। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

शिवाजी धर्मशाला में महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल की अध्यक्षता में बैठक हुई। महानगर अध्यक्ष विनोद गोयल ने बताया कि तीन अगस्त को तीज महोत्सव सर्वे चौक स्थित आइआरडीटी सभागार में आयोजित किया जाएगा। जिसमें महिलाओं की ओर से नृत्य, गीत व विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। प्रदेश संयोजक राजेंद्र गोयल ने बताया कि दीपावली पर कुलदेवी महालक्ष्मी की भव्य एवं अद्भुत सामूहिक महाआरती होगी।

कार्यालय : ऊधम सिंह नगर डिस्ट्रिक्ट को-आपरेटिव बैंक लि०
पंजीकृत एवं प्रशासनिक कार्यालय : म०न०-एस.आर.ए-3, काशीपुर बाईपास रोड, रुद्रपुर जिला-ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड) ई-मेल-usndcb@usndcb.in, दूरभाष : 05944-246344, 247362, 244713

पत्रांक : 789 / प्रशा० / AMC विज्ञप्ति / 2024-25 दिनांक : 01.07.2024

निविदा सूचना

ऊधमसिंह नगर डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक लि० की 38 शाखाओं व मुख्यालय में कम्प्यूटर हार्डवेयर, विंडोज व साफ्टवेयर इंस्टालेशन, प्रिंटर (पासबुक, लेजर एवं डी.एम.पी.) स्कैनर, मॉडम, राउटर कांफिग्रेशन, पैक्स कम्प्यूटर एवं लेन नेटवर्क के वार्षिक रख-रखाव, मरम्मत एवं बदलवाने हेतु फर्मों से निविदायें आमंत्रित की जानी है। नियम एवं शर्तों की अधिक जानकारी बैंक प्रधान कार्यालय रूद्रपुर से प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र का मूल्य 100.00 रूपये हैं जो कि दिनांक 02.07.2024 से 17.07.2024 तक सांय 5:00 बजे तक प्रधान कार्यालय रूद्रपुर से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 18.07.2024 की दोपहर 12.00 बजे तक जमा किये जा सकते है। निविदायें 18.07.2024 तिथि को अपराहन 3.00 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा नामित अधिकारी द्वारा प्रधान कार्यालय ऊधमसिंह नगर डिस्ट्रिक्ट को-ऑप. बैंक लि. काशीपुर बाईपास रोड रूद्रपुर में खोली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार बैंक को होगा।

सचिव / महाप्रबन्धक

कार्यालय मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण देहरादून

पत्रांक: 264 / उधान / नि.सू. / 2024-25 दिनांक 1-7-2024

ई- निविदा सूचना

उपाध्यक्ष एम.डी.डी.ए., देहरादून में पंजीकृत फर्मों से मसूरी विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत 10 कार्यों हेतु ऑन लाईन के माध्यम से निविदा दिनांक 22-7-2024 को अपरान्ह 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण ई टेन्डर बैवसाईट uktenders.gov.in पर उपलब्ध है। यदि उक्त निविदाओं के सम्बन्ध में किसी प्रकार के संशोधन आदि किये जाने की आवश्यकता होती है तो उसकी सूचना उक्त वैबसाईट के माध्यम से दी जायेगी।

अधिशासी अभियन्ता

BIHAR AGRICULTURAL UNIVERSITY
SABOUR (BHAGALPUR)

Advt. No. 02/2024 Dated : 01.07.2024

ADVERTISEMENT FOR RECRUITMENT TO THE POST OF ASSOCIATE PROFESSOR-CUM-SENIOR SCIENTIST/ SENIOR SCIENTIST-CUM-ASSOCIATE PROFESSOR/ASSOCIATE PROFESSOR

Bihar Agricultural University, Sabour invites applications from eligible candidates to fill up 195 **(A. Backlog - 08 and B. Current - 187)** vacancies of different discipline for the post of **Associate Professor-cum-Senior Scientist/Senior Scientist-cum-Associate Professor/ Associate Professor** on direct recruitment basis. Eligible candidates may fill up the application through offline mode by visiting university website www.bausabour.ac.in Candidates working in Govt./Semi Govt./Public Sector Undertaking / Autonomous Institutions etc. are required to submit applications through proper channel. However, they must submit advance copy with requisite fee within stipulated time. Only eligible candidates will be called for interview. Application form will be available on the university website www.bausabour.ac.in from **02.07.2024.**

i. Last Date of submission of Application Form along with payment slip and all relevant documents through Registered Post only in the office of Recruitment Cell, BAU, Sabour. : *16.08.2024 (06:00 PM)*

ii. Last Date of submission of Application Form through proper Channel : *31.08.2024 (06:00 PM)*

All further communications related to the recruitment will be displayed on the university website i.e. www.bausabour.ac.in from time to time. Any personal communication will not be entertained.

By the order of the Vice Chancellor
Officer-In-charge (Recruitment)

देहरादून, मंगलवार
2 जुलाई, 2024
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

आरएसएस पर खरगे की टिप्पणी पर राज्यसभा में जमकर हंगामा 11
संकट में धर्म, जाति, भाषा और संस्कृति से ऊपर होता है राष्ट्रप्रेम 12

संपादकीय

बहुत कुछ कहने वाली विजयगाथा: टी-20 विश्व कप विजय ने न केवल वर्षों से आइसीसी खिताब की प्रतीक्षा समाप्त की, बल्कि राहुल द्रविड़, रोहित शर्मा और विराट कोहली को यादगार विदाई भी दी। **तरुण गुप्त** का आलेख।

नियमों के तहत सहायता मांगें राज्य: विशेष राज्य के दर्जे को लेकर दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर विचार किए जाने की आवश्यकता है। **सीबीपी श्रीवास्तव** का विश्लेषण।

● पेज 10

दैनिक जागरण सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का

मन की अवस्था लाती है जीवन में प्रसन्नता
जगत के नाथ की मानवोचित लीला

पेज-12

जागरण विशेष

जलवायु परिवर्तन के अनुकूल सब्जियों की प्रजाति विकसित

वाराणसी: जलवायु परिवर्तन के कारण पड़ रही भीषण गर्मी से खाद्यान्न संकट भी खड़ा हो सकता है। ऐसे में विज्ञानी पौष्टिकता बढ़ाने के साथ जलवायु के अनुकूल सब्जियों की किस्मों को विकसित कर रहे हैं।

पेज-15

jagran.com वेबसाइट पर पढ़ें

संविधान की कापी, शिव की तस्वीर फिर हिंदुओं पर बयान; जोरदार हंगामे के बीच राहुल गांधी क्या-क्या बोले?

विश्वास.News

राष्ट्रगान के दौरान संसद में ही थे राहुल गांधी?

विश्वास न्यूज की पड़ताल ● पेज- 11

बारबाडोस में ही फंसी भारतीय टीम ● खेल पेज

खतौनी की आनलाइन प्रति 15 जुलाई तक उपलब्ध कराएं : धामी

- मुख्यमंत्री के निर्देश, राजस्व न्यायालयों में सप्ताह में दो दिन करें अनिवार्य सुनवाई
- सेवा के अधिकार के अंतर्गत समय पर सेवाएं नहीं तो अधिकारी होंगे जवाबदेह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में आयोजित बैठक में राजस्व विभाग की समीक्षा की ● साभार- सूवि

खतौनी में सह खातेदारों का बनेगा नवीन डाटाबेस

मुख्यमंत्री ने खतौनी पुनरीक्षण अथवा अद्यतन करने और खतौनी में दर्ज खातेदारों व सह खातेदारों का नवीन डाटाबेस तैयार करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अभिलेखों में दर्ज संपूर्ण भूमि का आधुनिक विधि से शीघ्र सर्वे करने के निर्देश भी दिए। बैठक में अवस्थापना अनुश्रवण परिषद उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, चंद्रेश यादव, अपर सचिव विजय जोगदंडे और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून: प्रदेश में खतौनी की अधिकृत प्रति के लिए व्यक्तियों को तहसील के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 15 जुलाई तक खतौनी की आनलाइन अधिकृत प्रति उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने राजस्व न्यायालयों में सप्ताह में दो दिन सुनवाई अनिवार्य करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अपुणि सरकार पोर्टल' के अंतर्गत सेवा के अधिकार में जो सेवाएं दी जा रही हैं, वे निर्धारित समयावधि में मिलनी चाहिए। इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी ने सोमवार को सचिवालय में राजस्व विभाग की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि खतौनी की प्रति लेने के लिए व्यक्तियों को तहसील जाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। आनलाइन माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद उन्हें आनलाइन ही प्रति उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण के लिए सप्ताह में दो दिन सुनवाई की अनिवार्य व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ में किसी कारणवश मजिस्ट्रेट के न्यायालय में नहीं बैठ पाने की स्थिति में इसका उल्लेख कोर्ट डायरी में अनिवार्य रूप से करने को कहा है।

अपुणि सरकार पोर्टल से जोड़ें अधिक सेवाएं: मुख्यमंत्री ने भूमि के दाखिल खारिज की कार्यवाही में ढुलमुल रवैये को गंभीरता से लिया। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि जमीन के दाखिल खारिज की कार्यवाही निर्धारित समयावधि में पूर्ण की जाए। गढ़वाल और कुमाऊं के मंडलायुक्तों को दाखिल खारिज और राजस्व न्यायालयों के वादों को निस्तारण के संबंध में नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की अधिक से अधिक सेवाएं 'अपुणि सरकार पोर्टल' से जोड़ी जाएं। तहसीलों में आने वाले व्यक्तियों के लिए बैठने, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था होनी चाहिए। दोनों मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को समय-समय पर तहसीलों की विभिन्न व्यवस्था का निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

ग्रेस मार्क्स पाने वाला कोई भी छात्र नीट यूजी में नहीं हासिल कर सका 720 अंक

- 1563 छात्रों का एनटीए ने फिर से जारी किया रिजल्ट
- इनमें 813 छात्र ही फिर से परीक्षा में हुए थे शामिल

बिना ग्रेस के 640 अंक लेने वाली अंजलि के आए 677 अंक

जागरण संवाददाता, झज्जर: नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने ग्रेस प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए 23 जून को आयोजित हुई नीट की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल व केंद्रीय विद्यालय के लिए अलाट हुए 494 विद्यार्थियों में से करीब 58 प्रतिशत विद्यार्थियों ने दोबारा से यह परीक्षा दी थी। पिछले परिणाम में रैंक 1 हासिल करने वाली अंजलि के बगैर ग्रेस 640 अंक हासिल किए थे। दोबारा परीक्षा देने पर उन्होंने 677 अंक प्राप्त किए हैं। रैंक 1 पर रहने वाले कृष के पिछली बार से पांच अंक कम आए हैं। कृष के पिता धर्मेंद्र छिल्लर ने बताया, बेटे के 637 अंक आए हैं। परीक्षा वाले दिन भी कृष ने बताया था कि उसके कैमिस्ट्री में दो प्रश्न छूटे हैं। दूसरा, वह पांच मई को हुई परीक्षा के बाद से पढ़ाई के ज्यादा संपर्क में भी नहीं था।

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: मेडिकल में दाखिले से जुड़ी नीट-यूजी में गड़बड़ी को लेकर मचे बवाल के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सोमवार को संशोधित परिणामों की घोषित कर दिए। परिणाम आने के बाद शीर्ष रैंक पाने वाले उम्मीदवारों की संख्या 67 से घटकर 61 रह गई है। दोबारा परीक्षा देने वाले पांच छात्रों में से कोई भी 720 अंक प्राप्त नहीं कर सका। इन छात्रों को कितने अंक मिले एनटीए ने इसकी जानकारी नहीं दी है। एनटीए के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था कि 67 छात्रों ने पूर्ण 720 अंक प्राप्त किए थे।

संशोधित परिणाम की घोषणा 1,563 छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करने के बाद की गई। इन छात्रों को पहले पांच मई को छह केंद्रों पर देर से परीक्षा शुरू होने के कारण समय की हानि की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। इसमें 720 अंक पाने वाले छह उम्मीदवार ऐसे थे, जिन्हे ग्रेस मार्क्स मिले थे। इनमें से पांच ने दोबारा परीक्षा देने का विकल्प चुना जबकि एक ने बिना ग्रेस मार्क्स वाले अंकों का विकल्प चुना। एनटीए से इस संबंध में संपर्क भी किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया।

इनमें 813 ऐसे छात्र भी है, जिन्होंने फिर से 23 जून को आयोजित की गई नीट-यूजी में हिस्सा लिया था। यह परीक्षा पांच राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश के सात केंद्रों पर आयोजित की गई थी। हालांकि, इनमें से जिन छात्रों ने परीक्षा नहीं दी है, उनका बगैर ग्रेस मार्क्स के रिजल्ट जारी किया गया है। एनटीए ने ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 छात्रों का नए सिरे से रिजल्ट जारी करने की जानकारी के साथ परीक्षा में शामिल सभी छात्रों की रैंकिंग भी नए से जारी करने की जानकारी दी है। हालांकि, उसकी ओर से यह नहीं बताया गया है कि इससे टापर्स और रैंकिंग में कितना बदलाव आया है। एनटीए ने 1563 छात्रों को दिए गए ग्रेस मार्क्स को रद करने का यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में पूरे मामले को पहुंचने के बाद दिया था। कोर्ट के रुख को देखते हुए एनटीए ने इसे रद कर दिया था। साथ ही इन सभी छात्रों को फिर से परीक्षा का विकल्प दिया गया था।

यूएसडीएमए के दो अधिकारियों ने दिए त्यागपत्र

- पूर्ववर्ती डीएमएमसी के दौरान हुई अनियमितता के मामले में ईडी पीयूष रौतेला व एसईओसी प्रभारी राहुल जुगरान को दिए गए थे नोटिस
- शासन को नोटिस का जवाब देने के स्थान पर दोनों अधिकारियों ने दिए त्यागपत्र, सोमवार को विभाग की बैठक में भी नहीं हुए शामिल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून: आपदा प्रबंधन विभाग के अंतर्गत गठित यूएसडीएमए (उत्तराखंड स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथारिटी) के दो अधिकारियों ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। इनमें ईडी (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर) डा पीयूष रौतेला व एसईओसी (स्टेट इमरजेंसी आपरेटिंग सेंटर) के प्रभारी राहुल जुगरान शामिल हैं। दोनों को पूर्ववर्ती डीएमएमसी (डिजास्टर मैनेजमेंट एंड मिटिगेशन सेंटर) के दौरान हुई अनियमितता के मामले में शासन ने नोटिस भेजा था। इसका जवाब देने के स्थान पर इन्होंने अपने त्यागपत्र शासन को भेज दिए। सोमवार को वे विभागीय बैठक में भी शामिल नहीं हुए।

पूर्ववर्ती डीएमएमसी में कुछ कार्मिकों के वेतन का गलत निर्धारण कर दिया गया था। यह भी शिकायत थी कि ग्रेच्युटी का पैसा भी अपने बैंक खातों में मंगा लिया गया, जो उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद मिलना था। कार्मिकों के जीवन बीमा में भी अनियमितता की बात सामने आई थी। बाद में यूएसडीएमए का गठन होने के बाद डीएमएमसी का उसमें विलय कर दिया गया था, लेकिन पूर्ववर्ती डीएमएमसी में अनियमितता का मामला तूल पकड़ता रहा। शासन के कड़े रुख के बाद कुछ कार्मिक कोर्ट चले गए थे। कोर्ट ने शासन को प्रकरण निस्तारित करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में शासन ने कुछ समय पहले छह कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए। साथ ही सुनवाई की तिथियां तय कीं। सूत्रों के अनुसार चार कार्मिक सुनवाई में उपस्थित हुए और स्पष्ट किया कि शासन जो भी वेतन का निर्धारण करेगा, उन्हें स्वीकार है। दो कार्मिकों ईडी डा पीयूष रौतेला और एसईओसी प्रभारी राहुल जुगरान ने नोटिस का जवाब नहीं दिया। नोटिस में उनसे पूर्ववर्ती डीएमएमसी में हुई अनियमितता के दृष्टिगत विभिन्न बिंदुओं पर पूछा गया था।

सचिव आपदा प्रबंधन डा रंजीत कुमार सिन्हा के अनुसार डा रौतेला व जुगरान से पूर्व में हुई गड़बड़ी को लेकर जवाब मांगा गया था। जवाब देने के स्थान पर दोनों ने त्यागपत्र दे दिया। डा सिन्हा के अनुसार इस प्रकरण के संबंध में पूरा ब्योरा वित्त एवं कार्मिक विभाग को भेजा जाएगा।

उत्तराखंड में तीन दिन भारी वर्षा का रेड अलर्ट

- देहरादून, टिहरी गढ़वाल, हरिद्वार और पौड़ी में भारी से बहुत भारी वर्षा का आरेंज अलर्ट जारी
- प्रदेशभर में अगले दो दिन भारी वर्षा का अनुमान, पांच एवं छह जुलाई को अतिवृष्टि से राहत

सोमवार को दोपहर बाद देहरादून के कुछ हिस्सों में तेज वर्षा हुई। इस बीच रायपुर रोड से छाता लगाकर जाती छात्राएं ● जागरण

जागरण संवाददाता, देहरादून: मानसून की वर्षा प्रदेशभर में जोर पकड़ने लगी है। मंगलवार को समूचे कुमाऊं मंडल में कहीं-कहीं भारी से अत्यंत भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान नैनीताल, बागेश्वर, चंपावत, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ एवं ऊधमसिंह नगर में कहीं-कहीं भारी से अत्यंत भारी वर्षा हो सकती है। वहीं, गढ़वाल मंडल के देहरादून, पौड़ी और टिहरी, हरिद्वार में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। इसको लेकर चारों जनपदों में आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

सोमवार तड़के देहरादून जनपद के पर्वतीय क्षेत्रों के अलावा गढ़वाल और कुमाऊं के कई हिस्सों में भारी वर्षा हुई। पिछले 12 घंटे में बागेश्वर जनपद के सामा में सर्वाधिक 222 मिमी वर्षा हुई। इसके अलावा लोहाघाट में 176.3 मिमी, नैनीताल में 145.2 मिमी, पौड़ी के रिखड़ीखाल में 145 मिमी व हरिद्वार के रोशनाबाद में 96.2 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। देहरादून से टिहरी को जोड़ने वाला मालदेवता-सेरकी गांव मार्ग मलबा आने से सुबह नौ बजे से अवरुद्ध है। बीती रात चमोली और रुद्रप्रयाग जनपदों में भारी वर्षा होने से कई मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। मौसम का मिजाज बदलने से तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि मंगलवार से कुमाऊं के लगभग सभी जनपदों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा हो सकती है। जिसके अगले तीन दिन तक जारी रहने का अनुमान है। इस दौरान गढ़वाल मंडल के दून सहित चार जनपदों में आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यह वर्षा मानसून के उत्तराखंड में सक्रिय होने के बाद पहली बार सामान्य से अधिक हो सकती है। पांच व छह जुलाई को कम वर्षा हो सकती है।

संबंधित समाचार >> पेज 5

नैनीताल में बादल फटा

नैनीताल: सरोवर नगरी में रविवार मध्य रात्रि बादल फटने से भीषण पानी बरसा। एक घंटे में 96 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। ब्रिटिशकालीन ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त होने से किसी तरह के जानमाल की क्षति नहीं हुई। मौसम विभाग ने अल्मोड़ा को छोड़ कुमाऊं के पांच जिलों में मंगलवार से तीन दिन के लिए रेड अलर्ट जारी कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार रविवार रात 12 बजे अचानक भीषण पानी बरसना शुरू हो गया। वर्षा का वेग इतना तीव्र था कि नाले उफान पर आ गए और सड़कें जलमग्न हो गई। हल्द्वानी मार्ग, कालाढूंगी व भवाली मार्ग में कई स्थानों में मलबा आ गया। इसकी वजह से सुबह करीब दो घंटे हल्द्वानी-नैनीताल व कालाढूंगी-नैनीताल मार्ग करीब दो घंटे बाधित रहा। मूसलधार बारिश से एक ही रात में झील के जलस्तर में एक फीट की वृद्धि दर्ज की गई। संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को रात के समय अधिक सावधानी बरतने की अपील की गई है।

आपराधिक मानहानि में मेधा पाटकर को पांच माह की सजा

- साकेत कोर्ट ने 23 वर्ष पुराने मामले में सजा के साथ 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया
- दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पाटकर के खिलाफ दर्ज कराया था मुकदमा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली की साकेत कोर्ट ने नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को आपराधिक मानहानि के मामले में पांच महीने साधारण कारावास की सजा सुनाई है। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने कहा कि पाटकर की उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए एक या दो साल की अत्यधिक सजा नहीं दी जा रही है। बता दें कि 25 नवंबर, 2000 को मेधा पाटकर ने एक बयान में वीके सक्सेना पर हवाला के जरिये लेनदेन करने का आरोप लगाया था और उन्हें कायर कहा था। मेधा पाटकर ने कहा था वीके सक्सेना गुजरात के लोगों और उनके संसाधनों को विदेशी हितों के लिए गिरवी रख रहे थे, तब वीके सक्सेना अहमदाबाद स्थित 'काउंसिल फार सिविल लिबर्टीज' नामक एनजीओ के प्रमुख थे।

कोर्ट ने मेधा पाटकर पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने पाटकर को आदेश के खिलाफ अपील दायर करने का मौका देने के लिए एक महीने के लिए सजा निलंबित कर दी है। पाटकर ने जमानत अर्जी दाखिल कर दी है। इससे पहले कोर्ट ने सात जून को सजा की अवधि पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

भारत ने दुनिया का सबसे ताकतवर गैर-परमाणु विस्फोटक बनाया

- गेम चेंजर साबित होंगे सेबेक्स समेत तीन नए विस्फोटकों के फार्मूलेशन
- मारक क्षमता बढ़ने के साथ देश के रक्षा निर्यात को भी लगेंगे पंख

नई दिल्ली, जेएनएन: भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रहा है। इसी सिलसिले में भारत ने दुनिया का सबसे शक्तिशाली गैर-परमाणु विस्फोटक बनाने में कामयाबी हासिल की है। यह विस्फोटक ट्राइनाइट्रोटोलुइन (टीएनटी) की तुलना में दोगुने से भी अधिक घातक है। इस विस्फोटक को सेबेक्स 2 नाम दिया गया है। इसका सफल परीक्षण भी कर लिया गया है।

नई विधि से तैयार सेबेक्स 2 की खासियत यह है कि यह बिना वजन बढ़ाए बम, गोले की मारक क्षमता बढ़ाने में सक्षम है। इसी वजह से इसकी पूरी दुनिया में मांग हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि हाई मेल्टिंग एक्सप्लोसिव्स (एचएमएक्स) पर आधारित सेबेक्स 2 को दुनिया के सबसे शक्तिशाली गैर-परमाणु विस्फोटकों में से एक माना जाता है। यह टीएनटी की तुलना में लगभग 2.01 गुना अधिक घातक है। इससे न केवल सशस्त्र बल की मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी, बल्कि रक्षा निर्यात के क्षेत्र को भी पंख लगने की उम्मीद है। उच्च टीएनटी वाले विस्फोटकों में अधिक मारक क्षमता और विनाशकारी शक्ति होती है।

नागपुर स्थित सोलर इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी इकोनमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) ने 'मेक इन इंडिया' के तहत सेबेक्स 2 समेत तीन नए विस्फोटक फार्मूलेशन विकसित किए हैं। सोलर इंडस्ट्रीज के अधिकारियों ने कहा, ईईएल ने तीन नए विस्फोटक फार्मूलेशन विकसित किए हैं, जो मारक क्षमता में वृद्धि के साथ सशस्त्र बलों के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। भारत में अभी इस्तेमाल किया जा रहा सबसे शक्तिशाली पारंपरिक विस्फोटक ब्रह्मोस मिसाइल के वारहेड में इस्तेमाल हो रहा है। यह लगभग 1.50 टीएनटी का है। डेंटेक्स/टारपेक्स जैसे पारंपरिक विस्फोटक, जिनका उपयोग दुनिया भर में पारंपरिक वारहेड्स, हवाई बमों और कई अन्य गोला-बारूद में किया जाता है, उनकी टीएनटी तुल्यता 1.25-1.30 होती है।

सुप्रीम कोर्ट तक से तीन वर्ष के भीतर मिलेगा न्याय : शाह

- केंद्रीय गृह मंत्री ने तीनों कानूनों को लेकर फैलाए जा रहे भ्रमों को किया खारिज
- कहा, तीन-चार वर्षों में पूरी तरह लागू हो पाएंगे तीनों कानून
- पुलिस हिरासत पुराने कानून की तरह सिर्फ 15 दिन की

नए आपराधिक कानूनों के संबंध में सोमवार को नई दिल्ली में प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ● प्रेट्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: तीनों नए आपराधिक कानूनों को पास कराने पर फैलाए जा रहे भ्रम को खारिज करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आजादी के बाद सबसे अधिक विचार-विमर्श इन्हीं कानूनों को लेकर हुआ है। उन्होंने संसद में पर्याप्त चर्चा नहीं होने के विपक्ष के आरोपों का खारिज करते हुए बताया कि लोकसभा में 9.29 घंटे और राज्यसभा में 6.17 घंटे चर्चा के बाद इन्हें पास किया गया। इसके पहले चार वर्षों तक अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा की गई। सरकार अभी भी किसी नए सुझाव पर विचार करने को तैयार है। नए कानूनों में त्वरित ट्रायल के प्रविधान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी तरह लागू होने के बाद नए कानूनों के तहत तीन वर्ष में सुप्रीम कोर्ट तक से सजा सुनिश्चित की जा सकेगी। शाह के अनुसार, नए कानून के तहत पहला केस रात 12.10 बजे ग्वालियर के एक थाने में मोटर साइकिल चोरी का दर्ज किया गया।

अमित शाह के अनुसार, तीनों कानूनों में से भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तो 30 जून और एक जुलाई की रात 12 बजे से लागू हो गई है। वहीं, भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत जांच सुनिश्चित करने के लिए आधारभूत संरचना और प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने का काम पूरी गति से चल रहा है। नए कानून के तहत सात वर्ष से अधिक सजा के मामले में फोरेंसिक जांच अनिवार्य है। इसी तरह से ई-बयान और ई-पेशी का भी प्रविधान है।

शाह ने कहा कि तीनों कानून संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 24 भाषाओं में उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि पहली बार 140 करोड़ भारतीयों को दंड के बजाय न्याय आधारित आपराधिक न्यायिक प्रणाली मिल रही है। नए कानून में आरोपित के 60 दिन की पुलिस हिरासत के प्रविधान को गलत बताते हुए उन्होंने कहा कि इसमें आरोपित की 15 दिन की पुलिस हिरासत का ही प्रविधान है, जैसा पुराने कानून में था। पुलिस 60 दिन के भीतर आरोपित की कभी भी 15 दिन के लिए रिमांड मांग कर सकती है। नए कानूनों को लागू करने के लिए 22.5 लाख पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दी है और 23 हजार से अधिक मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं।

पीड़ित को सुने बिना वापस नहीं लिया जा सकेगा केस: सीआरपीसी की धारा-321 के तहत फैसला सुनाए जाने से पहले अभियोजकों को अदालत की अनुमति से किसी भी समय केस वापस लेने की अनुमति थी और इस चरण में पीड़ित को सुने जाने का कोई प्रविधान नहीं था। लेकिन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-360 में यह प्रविधान किया गया है कि केस वापस लेने की अनुमति देने से पहले पीड़ित को सुना जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि यह आपराधिक मुकदमे में पीड़ित को एक हितधारक के रूप में मान्यता देने का एक महत्वपूर्ण प्रविधान है।

संबंधित समाचार >> पेज 6 व 14

Pearl Academy
BBA & MBA
DEGREE* PROGRAMS
Fashion and Lifestyle Business Management
Global Luxury Brand Management
Global Immersion#
Start-Up Support
TOP RECRUITERS
Emporio Armani | Bottega Veneta | Coach | Gucci
JJ Valaya | GAP | Puma | Tommy Hilfiger | Vaishali S
and more...
BBA Degree Program: Class 12th marks and CUET scores accepted^
MBA Degree Program: CAT, MAT and NMAT scores accepted^
Merit-Based Scholarship Available**
APPLY BY: 7TH JULY'24
www.pearlacademy.com | 1800 103 3005
EXPLORE MORE
Bengaluru | Delhi-South | Delhi-West | Jaipur | Mumbai
*From Rajiv Gandhi National Institute of Youth Development (Recognised University of National Importance)

****

तय मार्ग पर चलेंगे कांवड़ यात्री, यातायात नियंत्रण चुनौती

22 जुलाई से दो अगस्त के बीच होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर अंतरराज्यीय व अंतर इकाई समन्वय बैठक का आयोजन

जागरण संवाददाता, देहरादून : 22 जुलाई से दो अगस्त के बीच होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर इस बार पुलिस के सामने यातायात व्यवस्था चुनौती से कम नहीं होगी। सोमवार को पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अभिनव कुमार की अध्यक्षता में आयोजित अंतरराज्यीय व अंतर इकाई समन्वय बैठक में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, सीआरपीएफ, रेलवे सुरक्षा बल, अभिसूचना ब्यूरो के अधिकारियों ने प्रत्यक्ष व आनलाइन रूप में प्रतिभाग किया।

पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कहा कि कांवड़ एक बड़ा धार्मिक आयोजन है। जिसमें न केवल हरिद्वार, बल्कि पड़ोसी जनपदों एवं राज्यों में भी कानून व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात प्रबंधन की चुनौती रहती है। पूर्व में यह यात्रा केवल उत्तराखंड को ही प्रभावित करती थी, लेकिन अब उत्तरी भारत के राज्यों को भी प्रभावित करती है। कहा कांवड़ यात्री तय मार्ग पर ही चलें और यातायात में व्यवधान उत्पन्न न हो। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार परमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि विगत 15-20 वर्षों से प्रत्येक वर्ष कांवड़ यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हो रही है। इस वर्ष संपूर्ण कांवड़ क्षेत्र को 14 सुपर जोन, 36 जोन और 130 सेक्टर में विभाजित किया गया है, जिसमें लगभग 7,000 पुलिसकर्मी व्यवस्था में लगेंगे। उन्होंने कांवड़ यात्रा की व्यवस्था में लगे सभी नोडल अधिकारियों का वाट्सएप ग्रुप बनाने, बैरियरों पर संयुक्त पुलिस चेकिंग करने, इंटरनेट मीडिया पर भेजे जाने वाले संदेशों की निगरानी रखने के संबंध में सभी अधिकारियों से सहयोग की अपील की। बताया कि हरिद्वार पुलिस की ओर से कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए क्यूआर कोड जारी किया गया है। क्यूआर कोड https://www.haridwarpoliceyatra-mela.in/ वेबसाइट से लिंकड है, जहां पर यात्रा संबंधी रूट मैप व जानकारी प्रसारित की जाएगी। वेबसाइट पर हरिद्वार पुलिस के हेल्पलाइन नंबर से चेटिंग का प्रावधान भी दिया गया है।

इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था उत्तराखंड एपी अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था उत्तर प्रदेश अमिताभ यश, पुलिस महानिरीक्षक सीआइडी हरियाणा मनीष चौधरी, विशेष पुलिस आयुक्त आपरेशन दिल्ली पुलिस रजनीश गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था पंजाब अर्पित शुक्ला, पुलिस महानिरीक्षक सुरक्षा राजस्थान राजेश मीणा, पुलिस उपमहानिरीक्षक प्रशिक्षण व पुलिस मुख्यालय जम्मू-कश्मीर साराह रिजवी, प्रिंसिपल चीफ सिक्योरिटी कमिश्नर आरपीएफ उत्तर रेलवे अंबिका नाथ मिश्रा, पुलिस महानिरीक्षक सीआरपीएफ भानु प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक सिरमौर, रमन कुमार मीणा, पुलिस उपमहानिरीक्षक पी रेणुका देवी ने भी विचार रखे।

कांवड़ यात्रा की समन्वय बैठक में उपस्थित पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार व अन्य राज्यों से आए पुलिस अधिकारी • सामान्य पुलिस

डीजे पर बजने वाले गानों की मानिटरिंग पर दिया जोर

डीके ठाकुर अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन ने कांवड़ यात्रा के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन प्लान के लिए जन शक्ति के उपयोग डीजे व शिविरों में बजने वाले गानों की मानिटरिंग करने पर जोर दिया। उप्र व उत्तराखंड की सीमा के प्रवेश बिंदुओं पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फीड हरिद्वार स्थित कंट्रोल रूम से शेयर की जाएगी। उन्होंने हरिद्वार से वापस आ रहे कांवड़ियों के संबंध में सीसीटीवी फीड उप्र के साथ साझा करने के लिए अनुरोध किया। उपद्रव करने वालों को रोकने में एक दूसरे का पूरा सहयोग करने की बात कही।

इन विंदुओं पर भी किया गया विचार विमर्श

- कांवड़ यात्रियों पर सीसीटीवी और ड्रोन से नजर रखी जाएगी, ताकि कोई अनहोनी न हो।
- सीमावर्ती राज्यों के जिलों के क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों के साथ समन्वय गोष्ठी करने का निर्णय लिया गया।
- कांवड़ यात्री को अपना परिचय पत्र साथ रखने, सात फीट से ऊंची कांवड़ न बनाने, रेल की छतों पर यात्रा न करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।
- कांवड़ यात्रा में नियुक्त सीमावर्ती प्रदेशों में नियुक्त अधिकारी हरिद्वार स्थित कंट्रोल रूम में बैठेंगे।
- सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए वाट्सएप ग्रुप बनाया जाए। इसमें उप्र, उत्तराखंड, हरियाणा के कांवड़ मार्ग के थाना प्रभारी व सीओ तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।
- आवादी वाले स्थानों, अस्पताल, स्कूलों, एवं वरिष्ठ नागरिकों के आवासों के पास डीजे के प्रयोग पर नियंत्रण रहे।
- कांवड़ यात्रा के दौरान चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए उनके लिए पृथक मार्गों का निर्धारण करते हुए दिल्ली से ही चारधाम यात्रा मार्ग का व्यापक प्रचार किया जाए।

मतांतरण के आरोप में घिरे अधिवक्ता की सदस्यता समाप्त

- पछवादून बार एसोसिएशन ने अधिवक्ता पर दर्ज मुकदमे की पैरवी न करने का लिया निर्णय
- हरबर्टपुर में हिंदू युवती का मतांतरण कर मुस्लिम युवक से विवाह कराने का मामला

संवाद सहयोगी जागरण • विकासनगर: हरबर्टपुर चौकी क्षेत्र की एक युवती का मतांतरण कराकर मुस्लिम युवक से विवाह कराने के आरोप में घिरे अधिवक्ता की पछवादून बार एसोसिएशन ने सदस्यता समाप्त कर दी है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अधिवक्ता के विरुद्ध दर्ज मुकदमे के संबंध में पैरवी नहीं करने की बात भी कही है।

बार एसोसिएशन के सदस्य रईसुद्दीन सिद्दीकी पर हरबर्टपुर क्षेत्र के एक गांव की हिंदू युवती का विवाह मुस्लिम युवक से कराने व उसका मतांतरण कराने का आरोप लगा है। अधिवक्ता के खिलाफ हरबर्टपुर पुलिस चौकी में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है।

सोमवार को पछवादून बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बैठक बुलाई। इसमें अधिवक्ता की एसोसिएशन से सदस्यता समाप्त करने का निर्णय लिया गया। सचिव संजय गुप्ता ने कहा कि अधिवक्ता पर पहले में भी इस प्रकार के आरोप लग चुके हैं। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि अदालत में उनके किसी मुकदमे में बार से संबंधित कोई भी अधिवक्ता पैरवी नहीं करेगा।

बैठक में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी विजयपाल सिंह, उत्तराखंड बार काउंसिल के पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र मित्तल, रविंद्र लक्खरवाल, एमएस पंवार, संदीप बर्त्वाल, विवेक गुप्ता, अनिल कांडपाल, आशाराम जोशी, सतपाल सिंह राठौर, अनिल गुलेरिया, शशि तोमर, सुरेंद्र चौहान, नरेश चौहान, विजय भारद्वाज, राहुल ठाकुर, अनूप गौतम, बलजीत आदि मौजूद रहे।

देहरादून की खबरें पढ़ें
www.jagran.com/state/uttarakhand

बच्चे नहीं आए स्कूल, हटाए गए शिक्षक धरने पर

संवाद सूत्र जागरण • कालसी: एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के गेट पर हटाए गए संविदा शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों का धरना 27 वें दिन भी जारी रहा। उधर सोमवार को समाप्त हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश के बावजूद एक भी बच्चा विद्यालय नहीं पंहुचा। अभिभावकों ने साफ किया कि जब तक अनुभवी शिक्षकों की तैनाती नहीं होगी तब तक वह अपने बच्चों को विद्यालय नहीं भेजेंगे।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में लंबे समय से कार्य कर रहे संविदा शिक्षक-शिक्षिकाओं व अन्य कर्मचारियों को 30 मई को एकसाथ कार्यमुक्त कर दिया था। जिससे नाराज सभी संविदा शिक्षक व कर्मचारी विद्यालय के गेट पर धरने पर बैठे हैं। उधर ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद एक जुलाई को विद्यालय खुला, परंतु कोई भी विद्यार्थी नहीं पहुंचा। क्रमिक अनशन पर बैठे अतुल काला, अमिता रावत ने बताया कि अभिभावकों ने साफ कर दिया है कि जब तक अनुभवी शिक्षकों व कर्मचारियों की तैनाती विद्यालय में नहीं की जाती है, तब तक वह अपने बच्चों को विद्यालय में नहीं भेजेंगे। उन्होंने बताया कि शिक्षकों व कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने की कार्रवाई से उनके परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। जिसके संबंध में वह एकलव्य विद्यालय संगठन समिति व प्रशासन के उच्चाधिकारियों से लगातार मांग कर रहे हैं। परंतु अभी तक उनकी मांग को सुना नहीं जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभिभावकों ने स्पष्ट रूप से यह चेतावनी दी है कि यदि दस दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वह समिति व प्रशासन के विरूद्ध आंदोलन प्रारंभ करेंगे। धरनास्थल पर अमिता रावत, सुमन, सचिन चमोली, अतुल काला, सुनील सिंह सजवाण, देवेश पंवार, चंद्रमोहन शर्मा, चंद्रमोहन रावत, कीर्ति नेगी उपस्थित रहे।

कालसी स्थित एकलव्य विद्यालय में धरने पर बैठे संविदा कार्मिक • सामान्य कर्मचारी

जर्जर भवन में विद्यालय संचालित किया तो प्रधानाचार्य नपेंगे

विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में 2,785 सरकारी स्कूल भवन हैं जर्जर, वर्षा में रहता है ज्यादा खतरा

जागरण संवाददाता, देहरादून : प्रदेश के जर्जर घोषित सरकारी विद्यालयों में किसी भी कमरे में भी यदि कक्षाएं संचालित की गईं तो विभाग सीधी कार्रवाई संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक/ प्रधानाचार्य पर करेगा। वर्षा काल प्रारंभ हो चुका है, ऐसे में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को देखते हुए समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारियों से माध्यमिक शिक्षा निदेशक महावीर सिंह बिष्ट ने जर्जर भवनों की नवीन सूची तलब की है। उन्होंने छात्रों की सुरक्षा पुख्ता करने को कहा है।

30 जून 2023 तक विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में 2,785 सरकारी स्कूल भवन जर्जर हैं। वर्षा में इन स्कूलों के बच्चों की जान को खतरा बना रहा। यह हाल तब है, जब पूर्व में जर्जर स्कूल भवनों की वजह से कई हादसे हो चुके हैं। विभाग का कहना है कि 2026 तक सभी स्कूलों को ठीक कर लिया जाएगा। प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के नाम पर न सिर्फ कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, बल्कि हर साल नए प्रयोग किए जा रहे हैं। इसके बावजूद वर्षा में तमाम स्कूल भवन जर्जर हैं। स्कूलों में मलबा आने, शौचालय की छत गिरने आदि की पूर्व में हुई घटनाओं में स्कूली बच्चे की जान चले गई थी।

जर्जर भवनों को लेकर भी तस्वीर साफ नहीं: शिक्षा विभाग के पास जर्जर स्कूल भवनों की सूची तो है, लेकिन यह रिकार्ड नहीं है। हर वर्ष समग्र शिक्षा के तहत मिलने वाले बजट से कितने स्कूलों में नए भवन बन गए हैं और पुराने जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित नहीं की जाती। इन जर्जर भवन का इसलिए ध्वस्तीकरण नहीं हो पा रहा है, क्योंकि जिला प्रशासन की अनुमति इसके लिए जरूरी है। विभाग का दावा है कि किसी भी जर्जर भवन में कक्षाएं नहीं चलती, क्योंकि किसी स्कूल के सभी भवन जर्जर नहीं होते, बल्कि एक-दो कमरे जर्जर होते हैं, स्कूल के मुखिया को यह भी निर्देशित किया गया है कि इन जर्जर भवन के आसपास भी कोई छात्र न जाए।

- प्रदेशभर में 1,437 प्राथमिक, 303 जूनियर हाईस्कूल और 1,045 माध्यमिक विद्यालयों में नहीं संचालित हो पाएंगी कक्षाएं
- माध्यमिक शिक्षा निदेशक महावीर सिंह बिष्ट ने सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों की तय की जिम्मेदारी

जिलों में ये है स्थिति

शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में 1,437 प्राथमिक, 303 जूनियर हाईस्कूल और 1,045 माध्यमिक विद्यालय भवन आज भी जर्जर हैं। इसमें बागेश्वर जिले में 94, चमोली में 204, चंपावत में 123, देहरादून में 206, हरिद्वार में 170, नैनीताल में 160, पिथौरागढ़ में 193, रुद्रप्रयाग में 128, टिहरी गढ़वाल में 352, ऊधम सिंह नगर में 175 और उत्तरकाशी जिले में 185 स्कूल भवन जर्जर हाल हैं।

"बीते गुरुवार को प्रदेशभर के मुख्य शिक्षा अधिकारियों (सीईओ) के साथ वर्चअल बैठक की गई। सभी सीईओ को निर्देश दिए गए हैं कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद एक जुलाई को सभी विद्यालय खुल गए हैं। जून अंतिम सप्ताह में उत्तराखंड में मानसून पहुंच चुका है और कई क्षेत्रों में जोरदार वर्षा भी हो रही है। वर्षा काल के मद्देनजर किसी भी जर्जर विद्यालय भवन में कोई कक्षा संचालित करने का मामला संज्ञान में आया तो सीधे कार्रवाई उस विद्यालय के प्रधानाचार्य पर होगी।

- महावीर सिंह बिष्ट, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा

पुरानी एसीपी बहाल करने में अब देरी न करे प्रदेश सरकार

- राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने वित्त सचिव से की मुलाकात
- वेतन विसंगति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग भी की

जागरण संवाददाता, देहरादून: राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रतिनिधिमंडल की सोमवार को वित्त सचिव दिलीप जावलकर के साथ बैठक हुई। जिसमें कर्मचारियों के लंबित प्रकरणों पर जल्द कार्रवाई की मांग की गई। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि पुरानी एसीपी बहाली की मांग पर अब देरी न की जाए। वेतन विसंगति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग भी उन्होंने की है।

सचिवालय में आयोजित बैठक में अध्यक्ष अरुण पांडे ने कहा कि पुरानी एसीपी 10, 16 एवं 26 वर्ष का लाभ देने को वित्त विभाग के पास कर्मचारियों को संवर्गवार आंकड़ा प्राप्त हो चुका है। पदोन्नत वेतनमान को दोबारा बहाल किया जाए। विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगति दूर किए जाने को वेतन विसंगति की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना (गोल्डन कार्ड) के अंतर्गत ओपीडी में जन औषधि केंद्रों से कैशलेस दवा एवं सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालयों में कैशलेस जांच, राजकीय कार्य के लिए की जाने वाली यात्रा में केंद्र सरकार की भांति 5400 ग्रेड पे प्राप्त कार्मिकों को हवाई यात्रा की सुविधा, यात्रा अवकाश सुविधा (एलटीसी) में अधिकतम 15 दिन अथवा वास्तविक यात्रा के आधार पर अवकाश की व्यवस्था, वाहन भत्ता प्रतिमाह 1200 से बढ़ाकर 2500 रुपये करने, विभिन्न विभागों में पदोन्नति सेवा नियमावली एवं पुनर्गठन को मुख्य सचिव के स्तर पर बैठक, निगम, निकाय, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, अशासकीय विद्यालय सहित अन्य समान प्रकृति के कार्मिकों को राज्य कर्मियों की भांति सुविधाएं, समस्त वर्दीधारियों को पुलिस कर्मियों की भांति सुविधाएं, पुरानी पेशन व्यवस्था लागू करने, विभिन्न विभागों में एकलपदों की पदोन्नति को ढांचा पुनर्गठन, आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों की सेवा बरकरार रखने, राजधानी के विभागीय निदेशालयों एवं आयुक्त कार्यालयों में सचिवालय की भांति पांच दिवसीय कार्यालय दिवस, 30 जून एवं 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों को वेतनवृद्धि का लाभ, शिथिलीकरण की अवधि को पुनः बढाने व प्रोवेशन की शर्तों को हटाने, कार्यभारित कार्मिकों के पेंशन प्रकरणों पर अध्यादेश के जरिये लगाई गई रोक हटाते हुए पूर्व की भांति लाभ प्रदान करने, राज्य कर अधिकारी के पदों पर की जा रही कटौती पर रोक और छठे वेतन आयोग के आधार पर वेतन प्राप्त कर रहे कार्मिकों को केंद्र की भांति नौ प्रतिशत महंगाई भत्ते की वृद्धि की मांग भी उन्होंने की।

आइएमए की ओर से सोमवार को डाक्टर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम में डाक्टरों को सम्मानित किया गया • जागरण

आइएमए ने किया चिकित्सकों का सम्मान

डाक्टर्स डे

जागरण संवाददाता, देहरादून: इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने सोमवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों को सम्मानित किया। डा. वीपी चोपड़ा और डा. बीएस जज को स्वस्थ समाज के लिए उनके अथक प्रयास के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। इस दौरान चिकित्सा शिक्षा, पर्यावरण सहित अन्य क्षेत्र से जुड़ी हस्तियों को भी सम्मानित किया गया। वहीं, आइएमए देहरादून शाखा के सदस्यों के बच्चे भी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित हुए।

राजपुर रोड स्थित होटल मधुबन मे आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि निदेशक पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन डा. एसपी सुबुद्धि, विशिष्ट अतिथि स्वास्थ्य महानिदेशक डा. तारा आर्या, स्वास्थ्य विभाग में आइईसी अधिकारी डा. कुलदीप सिंह मर्तोलिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संजय जैन, आइएमए के स्टेट कोआर्डिनेटर डा. डीडी चौधरी और प्रदेश महासचिव डा. अजय खन्ना ने की।

मुख्य अतिथि ने राष्ट्र निर्माण में चिकित्सकों के योगदान को रेखांकित किया। स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्तर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निजी व सार्वजनिक क्षेत्र के तालमेल को जरूरी बताया। इस अवसर पर स्वास्थ्य महानिदेशक ने समाज की सेवा के लिए चिकित्सक समुदाय की प्रशंसा की। कहा कि डाक्टर निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करते हैं।

यह आयोजन डा. कृष्ण अवतार, डा. तरुण मित्तल और डा. पीके अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान डा. सीमा अवतार, आइएमए देहरादून शाखा के अध्यक्ष डा. पुनीत ओहरी, सचिव डा. सिद्धार्थ खन्ना सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक उपस्थित रहे।

इन चिकित्सकों को किया सम्मानित

डा. सुनील सैनी, डा. डीएस गौड़, डा. नम्रता गौड़, डा. पुनीश सदाना, डा. संजय साधु, डा. गौरव लूथरा, डा. पुनीत अरोड़ा, डा. सचिन सूरी, डा. कैपी जोशी, डा. संजोय दास, डा. अनु धीर, डा. जेपी शर्मा, डा. पुनीत त्यागी, डा. ज्योति शर्मा, डा. विनीत गुप्ता, डा. अनुराग गुप्ता, डा. प्रवीण मित्तल, डा. अमर पाल गुलाटी व डा. सुधीर।

राज्य कर अधिकारियों के पदों में कटौती के विरोध में कार्य बहिष्कार

देहरादून : राज्य कर विभाग के पुनर्गठित ढांचे में राज्य कर अधिकारियों के पदों की कटौती के विरोध में कर्मचारियों ने दो घंटे का कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। सोमवार को राज्य कर मुख्यालय में राज्य कर कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले कर्मचारियों ने धरना देते हुए पदों में कटौती को लेकर नाराजगी जाहिर की।

कार्य बहिष्कार के दौरान आयोजित धरने को संबोधित करते हुए मोर्चा के अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी ने कहा कि राज्य कर अधिकारी संवर्ग के कुल स्वीकृत 243 पदों में से सहायक आयुक्त के 50 प्रतिशत पदों पर विभागीय कर्मचारियों की पदोन्नति की जाती है। संशोधित ढांचे में राज्य कर अधिकारियों के पद गायब कर दिए जाने से कर्मचारियों को राजपत्रित पद पर कार्यरत होने की उम्मीद धूमिल हो गई है।

इस अवसर पर कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के महासचिव अरविंद जोशी ने कहा कि यदि शीघ्र पदों में की गई कटौती को वापस नहीं लिया गया तो कार्य बहिष्कार के बाद क्रमिक अनशन, मुख्यालय और सचिवालय घेराव भी किया जाएगा। धरने पर बैठने वालों में वैयक्तिक सहायक/अधिकारी सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष मदनलाल सपरा, विपिन डंगवाल, राजेंद्र जोशी, नैन सिंह पंवार, रूबी ममगाईं, सुरक्षा, श्रद्धा, बृजेश सिंह आदि शामिल रहे। (जासं)

प्रदेश में जल्द शुरू होगी टीचिंग शेयरिंग व्यवस्था : शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत • जागरण आर्काइव

- एक-दूसरे संस्थान में पढ़ाएंगे शिक्षक, विभिन्न बोर्डों के बीच बनी सहमति
- राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों को निशुल्क प्रशिक्षण देगा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

जागरण संवाददाता, देहरादून : प्रदेश के नौनिहालों को क्वालिटी एजुकेशन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्यालयी शिक्षा विभाग में टीचिंग शेयरिंग व्यवस्था शुरू की जा रही है। इसके लिए राज्य में संचालित विभिन्न बोर्डों के बीच शीघ्र ही अनुबंध होगा। शैक्षणिक गतिविधियों में व्यापक सुधार के लिए सीबीएसई, राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों को निशुल्क प्रशिक्षण दिगा जाएगा। इसके अलावा स्कूली बच्चों के तनाव को कम करने के उद्देश्य से बस्ते का बोझ कम करने के साथ ही प्रदेश के समस्त विद्यालयों में माह में एक दिन बैग फ्री डे निर्धारित किया जाएगा।

सोमवार को ननूरखेड़ा स्थित सर्व शिक्षा सभागार में विभिन्न बोर्ड के अधिकारियों की शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने की। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के महत्वपूर्ण प्रविधानों के तहत राज्य में टीचिंग शेयरिंग व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया। साथ ही शिक्षक प्रयोगशाला व अन्य संसाधनों का उपयोग भी कर सकेंगे। जिसका फायदा छात्र-छात्राओं को मिलेगा। डा.धन सिंह रावत ने बताया कि टीचिंग शेयरिंग व्यवस्था को लागू करने के लिए शीघ्र ही विभिन्न शिक्षा बोर्डों के साथ अनुबंध किया जाएगा। प्रथम चरण में इस व्यवस्था के तहत जिला एवं ब्लाक स्तर पर आसपास के विद्यालयों का एक समूह विकसित किया जाएगा। इसके बाद सभी विद्यालयों में इस व्यवस्था को लागू कर दिया जाएगा। स्कूली बच्चों के बस्तों का बोझ कम कर उनके सर्वांगीण विकास की सिफारिश की गई है। राज्य में सभी बोर्ड के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में माह में एक दिन बैग फ्री डे अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। इस दिन विद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। बैठक में विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी, एससीईआरटी की निदेशक बंदना गर्ब्याल, माध्यमिक शिक्षा निदेशक महावीर सिंह बिष्ट, बेसिक शिक्षा निदेशक रामकृष्ण उनियाल आदि मौजूद रहे।

एसी ने नहीं किया काम गर्मी से मरीज बेहाल

देहरादून: दून मेडिकल कालेज चिकित्सालय में मरीज व तीमारदारों सोमवार को गर्मी में तपना पड़ा। लो वोल्टेज की समस्या के कारण एसी ठप पड़ गए। करीब पौने एक बजे स्थिति सामान्य हो सकी। ऐसे में तकरीबन तीन-चार घंटे तक मरीज उमस के कारण बेहाल रहे। चिकित्सकों व स्टाफ को भी इस कारण अत्याधिक परेशानी झेलनी पड़ी। दून मेडिकल कालेज चिकित्सालय में न केवल शहर बल्कि पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों से भी मरीज इलाज के लिए आते हैं।

सोमवार को सप्ताह का पहला दिन होने के कारण यहां मरीजों का अत्याधिक दबाव रहता है। इन मरीजों को सोमवार को एसी ठप होने के कारण परेशानी झेलनी पड़ी। लंबे वक्त तक मरीज व तीमारदार गर्मी से बेहाल रहे। बताया गया कि विद्युत आपूर्ति सुबह से ही प्रभावित रही। कम वोल्टेज के कारण एसी ने लोड नहीं लिया। जिसका खामियाजा मरीज व तीमारदारों को उठाना पड़ा।(जासं)

वालीबाल में टिहरी, रुड़की, धारचूला, फुटबाल में आइएमए बीरपुर व पिथौरागढ़ जीते

- केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग की ओर से तीन दिवसीय 53वीं संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन
- देहरादून के अलावा रायवाला, रुड़की और हरिद्वार में खेले गए 20 मुकाबले, प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम
- केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग के 47 विद्यालयों के तकरीबन दो हजार छात्र कर रहे हैं प्रतिभाग

जागरण संवाददाता, देहरादून : केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग की ओर से तीन दिवसीय 53वीं संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता के तहत अंडर-14, 17 व 19 वर्ग में 20 से अधिक खेलों में प्रतिभागी छात्रों ने दमखम दिखाया। वालीबाल के अंडर-17 में केंद्रीय विद्यालय नई टिहरी, केंद्रीय विद्यालय रुड़की क्रमांक-2, अंडर-14 में केवि धारचूला ने जीत दर्ज की। फुटबाल अंडर-17 में पीएम श्री केवि आइएमए, अंडर-17 हैंडबाल बालक वर्ग में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हाथीबड़कला क्रमांक-1, अंडर-14 फुटबाल प्रतियोगिता में केवि बीरपुर, बालक वर्ग के अंडर-17 फुटबाल में केवि पिथौरागढ़ ने अपने-अपने मुकाबले जीते।

सोमवार को देहरादून के सभी विद्यालयों के अलावा रायवाला, रुड़की व हरिद्वार के विद्यालयों में विभिन्न मुकाबले खेले गए। रंगारंग सांस्कृति प्रस्तुति के साथ बच्चों ने आर्ट क्राफ्ट व पेंटिंग बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। देहरादून संभाग के 47 विद्यालयों के तकरीबन दो हजार से अधिक छात्र-छात्राएं अंडर-14, 17 व अंडर-19 वर्ग में प्रतिभाग कर रहे हैं। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भारतीय सैन्य अकादमी में खेले गए फुटबाल प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग के सहायक आयुक्त ललित मोहन बिष्ट, प्राचार्य माम चंद ने किया। फुटबाल अंडर-17 के मुकाबले में पीएम श्री केवि आइएमए ने केवि एफआरआइ को 2-0, बास्केटबाल के बालिका वर्ग में पीएम श्री केवि आइएमए ने केवि ओएलएफ को 21-18 के अंतर से हराया। एथलेटिक्स के अंडर-19 की 100 मीटर दौड़ में प्रिया नेगी ने स्वर्ण जीता। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हाथीबड़कला क्रमांक-1 में मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष व डिप्टी सर्वेयर जनरल सर्वे आफ इंडिया प्रशांत कुमार ने शिरकत की। प्राचार्य मयंक शर्मा ने प्रतिभागियों को खेल में अनुशासन की भूमिका पर जोर दिया। इसके बाद अंडर-17 हैंडबाल बाल वर्ग में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हाथीबड़कला क्रमांक-1 ने पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय ओएनजीसी को 24-19, केंद्रीय विद्यालय ओएनजीसी ने केंद्रीय विद्यालय भेल हरिद्वार को 21-9 से पराजित किया।

इसके अलावा अंडर 17 बालक वर्ग के क्रिकेट ट्रायल हुए। केवि एफआरआइ में आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन एफआरआइ की निदेशक डा. रेनू सिंह ने किया। बालक वर्ग के अंडर-17 फुटबाल में पीएम श्री केवि आइएमए ने केवि ओएलएफ को 2-0, केवि पिथौरागढ़ ने केवि रायवाला को 2-1, केवि एफआरआइ ने केवि ऋषिकेश को 1-0, जबकि केवि ओएफडी ने केवि रायवाला को 2-0 से हराया। केवि संगठन देहरादून संभाग की उपायुक्त डा. सुकृति रैवानी ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पदक प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय आइएमए में 53वीं संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता में मौजूद छात्र-छात्राएं • सामान्य- केवि

फुटबाल के सेमीफाइनल में पहुंचा केवि बीरपुर

केंद्रीय विद्यालय बीरपुर में अंडर-14 फुटबाल प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय बीरपुर ने केंद्रीय विद्यालय रायवाला व पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय आइएमए को 2-0, 2-0 के अंतर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले मुकाबले में आर्यन बिष्ट व समर्थ थापा, दूसरे मुकाबले मे समर्थ थापा व सक्षम ने गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। इसके अलावा केवि एफआरआइ व पीएम श्री केवि ओएनजीसी व पीएम श्री केवि अपर कैम्प व ओएनजीसी का मुकाबला बराबरी पर रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्तराखंड फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष देवेंद्र बिष्ट ने किया।

वास्केटबाल में केवि ओएलएफ ने केवि हल्द्वानी को हराया

पीएम केवि आइआइपी में प्रतियोगिता का उद्घाटन प्राचार्य मिक्की खुल्बे ने किया। बास्केटबाल में केवि ओएलएफ ने केवि हल्द्वानी शिफ्ट-1 को 24-2 से पराजित किया। पीएम श्री केवि ओएनजीसी में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ ओएनजीसी के महाप्रबंधक चंदन सुशील साजन व प्राचार्य सुशील कुमार धीमान ने किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पेंटिंग बनाकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। वालीबाल के अंडर-17 में केवि नई टिहरी ने केवि कौसानी को 25-11 व 25-12, केवि रुड़की क्रमांक-2 ने केवि मुक्तेश्वर को 25-20, 25-22 से हराया। अंडर-14 में केवि धारचूला ने नई टिहरी को पराजित किया।

आज का मौसम

देहरादून, पौड़ी, टिहरी तथा हरिद्वार जनपदों में कहीं-कहीं भारी वर्षा को लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
देहरादून		
02 जुलाई	29.0	24.0
03 जुलाई	29.0	25.0
हरिद्वार		
02 जुलाई	31.0	26.0
03 जुलाई	31.0	27.0
कोटद्वार		
02 जुलाई	30.0	26.0
03 जुलाई	30.0	26.0

डिग्री सेल्सियस में

प्रणाम

- केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता विभिन्न विद्यालयों में सुबह 10 बजे से।
- सदर तहसील में तहसील दिवस का आयोजन सुबह 10 बजे से।
- डीएवी पीजी कालेज के सभागार में दयानंद शिक्षा संस्थान के पूर्व महामंत्री दिवंगत यशस्वी देव एवं जागेंद्र स्वरूप की जयंती पर गोष्ठी 11 बजे।
- नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में एनएसयूआइ का जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना दोपहर 12 बजे।
- घंटाघर स्थित प्राचीन शिव हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ रात नौ बजे।

सिल्ला सेरकी मोटर मार्ग ध्वस्त, जोखिम में जान

धनोल्टी को जोड़ने वाले इस मार्ग से जुड़े हैं 30 से अधिक गांव, सड़क की दशा खराब

तेज वर्षा से नुकसान

जागरण संवाददाता, देहरादून: राजधानी दून से सटे दूरस्थ सिल्ला सेरकी सिल्ला मोटर मार्ग बीती देर रात हुई तेज बारिश के बीच बुरी तरह ध्वस्त हो गया। यह जानकारी सोमवार सुबह तब मिली, जब कुछ ग्रामीण देहरादून से सिल्ला जा रहे थे। सूचना पर पीएमजीएसवाई की मशीनरी ने किसी तरह मलबा हटाकर सड़क को कामचलाऊ हालत में पहुंचाया। हालांकि, सड़क पर अभी भी खतरा बरकरार है और यहां से गुजरना जान जोखिम में डालने से कम नहीं।

मालदेवता-सिल्ला-सेरकी मोटर मार्ग मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है और यह धनोल्टी को जोड़ता है। वर्ष 2013-14 में भारी वर्षा के दौरान मार्ग पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। तब से अब तक मार्ग की दशा में सुधार नहीं किया जा सका है। मानसून सीजन में मार्ग हर साल मलबा आने से बाधित हो जाता है। शहरवासी लंबे समय से मार्ग में सुधारीकरण को लेकर मांग कर रहे हैं, लेकिन पीएमजीएसवाई के अधिकारी इसकी सुध नहीं ले रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सिल्ला सेरकी मार्ग से 30 से अधिक गांव जुड़े होने के बाद भी इसकी बदहाल स्थिति व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। उधर, जिलाधिकारी सोनिका ने कहा कि मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर संबंधित एजेंसी से जानकारी प्राप्त की जाएगी। मार्ग की दशा में सुधार के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

रविवार मध्यरात्रि को हुई वर्षा से मसूरी टिहरी बाईपास मार्ग पर आए मलवे को हटाती एनएच की जेसीबी • जागरण

वर्षा के चलते सिल्ला-सेरकी मार्ग पर मलबा आने से गांव का संपर्क टूट गया है। यहां लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं • जागरण

पांच घंटे बंद रहा गौरीकुंड हाईवे

फाटा: गौरीकुंड हाईवे सोमवार को डोलिया देवी फाटा के पास मलबा एवं बोल्डर आने से पांच घंटे तक अवरुद्ध रहा। इस दौरान राजमार्ग पर दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। इससे यात्रियों के साथ ही स्थानीय लोगों को खासी दिककतें उठानी पड़ीं। रविवार रात केदारघाटी में हुई तेज बारिश से गौरीकुंड हाईवे पर फाटा के पास डोलिया देवी में सुबह अचानक पहाड़ी से भारी-भरकम मलबा व बोल्डर आने से हाईवे अवरुद्ध हो गया। इससे मार्ग पर यातायात बंद हो गया। मार्ग बंद होने से वाहनों की लंबी कतार लग गई।

एक घंटे अवरुद्ध रहा गंगोत्री हाईवे

उत्तरकाशी: गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भुक्की के पास सोमवार सुबह मलबा आया। इससे राजमार्ग करीब एक घंटे तक अवरुद्ध रहा। बीआरओ ने मलबा हटाकर राजमार्ग को यातायात के लिए सुचारू कराया। वहीं रविवार रात भटवाड़ी और गंगनानी क्षेत्र में काफी वर्षा हुई। वर्षा न होने से जिला मुख्यालय, चिन्यालीसौड़, डुंडा क्षेत्र के लोगों को उमस भरी गर्मी से खासा परेशान होना पड़ा। (जासं)

दून-मसूरी और टिहरी मार्ग पर आया मलबा

मसूरी : मूसलधार वर्षा के कारण मलबा आने से मसूरी-देहरादून हाईवे और मसूरी-टिहरी बाईपास कई घंटे बंद रहे। इस बीच मार्गों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जिससे वाहन सवारों को परेशानी झेलनी पड़ी। जेपी बैंड के पास रात को ही मलबा हटाकर मसूरी-देहरादून हाईवे यातयात के लिए बहाल कर दिया गया। जबकि मसूरी-टिहरी बाईपास से सोमवार को मलबा हटाया गया। इसके बाद यहां यातायात सुचारु हो पाया।

रविवार मध्य रात्रि लगभग साढ़े 11 बजे मूसलधार वर्षा शुरू हुई, जो कई घंटे तक जारी रही। इससे बरसाती नाले उफान पर आ गए। इससे जेपी बैंड के पास मलबा और बोल्डर बहकर मसूरी-देहरादून हाईवे पर आ गए। इससे यातायात अवरुद्ध हो गया। वर्षा हल्की होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्मिकों ने जेसीबी से मलबा हटाकर यातायात सुचारु करवाया। जेपी बैंड से टिहरी-धनोल्टी मार्ग पर करीब आधा दर्जन जगहों पर भारी बोल्डर व मलबा आ गया। जिससे मार्ग बंद हो गया। सोमवार को सुबह से दोपहर तक मार्ग सुचारु करने का कार्य चला। दूसरी ओर पिक्चर पैलेस-लंढौर अपर मालरोड क्षेत्र में जैन धर्मशाला के समीप पुस्ता धंसने से सड़क के लिए खतरा पैदा हो गया है। पालिका के अधिशासी अधिकारी राजेश नैथानी ने बताया कि टीम क्षेत्र की सड़कों की सफाई कर रही है। सड़क किनारे निर्माण सामग्री रखने वालों का एसडीएम के निर्देश पर चालान किया जा रहा है। (संस)

P.K. GROUP OF INSTITUTIONS
MATHURA (U.P.)
Courses Approved by AICTE/ UGC
Faculty of Engineering & Technology:
POLYTECHNIC
B.TECH
M.TECH
(Lateral Entry in Diploma & B.Tech)
ADMISSION OPEN
2024-25
अपने करियर की मजबूत नींव रखिए हमारे साथ
प्राइवेट कंपनी/ प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत कर्मचारी हमारे संस्थान से इंजीनियरिंग कोर्स पूर्ण कर पदोन्नति हेतु अवसर प्राप्त कर सकते हैं। सीट सीमित है प्रवेश हेतु शीघ्र संपर्क करें।
Campus:Hathras Road, Sonai, Mathura (U.P.)
Mob.: +91-9897379333
www.pkuniversity.edu.in

डेंगू की रोकथाम अभियान के तहत एक घर में जांच करती आशा • जागरण

एक नजर में

ग्रीन बिल्डिंग के बाहर कूड़ा डालने पर किया चालान

देहरादून: शहर में खुले में कूड़ा फेंकने वालों के विरुद्ध नगर निगम प्रशासक सोनिका के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य अनुभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में सोमवार को हरिद्वार रोड स्थित स्मार्ट सिटी की निर्माणाधीन ग्रीन बिल्डिंग के बाहर कूड़ा फेंकने पर निगम की टीम ने एक रेस्तरां के कर्मचारी का 10 हजार रुपये का चालान किया। बताया गया कि रेसकोर्स स्थित रेस्तरां का कर्मचारी खुले में कूड़ा फेंक रहा था, जबकि निगम की ओर से डोर-टू-डोर कूड़ा उठान की सुविधा दी जा रही। शुल्क से बचने के लिए कुछ व्यापारी व रेस्तरां संचालक अपने प्रतिष्ठान का कूड़ा गुपचुप ढंग से सड़क किनारे फेंक देते हैं। (जासं)

दलाई लामा के जन्मदिन पर फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित

देहरादून: तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा के जन्मदिन पर जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें ढांडुलीप एफसी, गढ़वाल एफसी, आइपीएफ ने मुकाबले जीते। पहला मुकाबला डीडीएसए और ढांडुलीप एफसी के बीच खेला गया। जिसे ढांडुलीप ने 4-1 से जीता। दूसरा मुकाबला हिमालय एफसी और गढ़वाल एफसी के बीच खेला गया। गढ़वाल एफसी 4-1 से मुकाबला जीता। तीसरा मुकाबला नई बस्ती एफसी और आइपीएफ के बीच खेला गया। आइपीएफ 1-0 से मैच जीता। आइपीएफ के सनम पुन ने एक गोल किया। इस मौके पर सत्य प्रकाश जोशी, धीरज थापा, हर्षित चौहान, विमल सिंह रावत, हिमांशु प्रजापति मौजूद रहे। (जासं)

सीएम सुरक्षा में खड़े फायर दमकल में लगी आग

देहरादून: सचिवालय के बाहर मुख्यमंत्री की सुरक्षा में खड़े फायर ब्रिगेड के वाहन में आग लगने से हड़कंप मच गया। दमकल के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सचिवालय के बाहर मुख्यमंत्री की सुरक्षा में फायर ब्रिगेड का वाहन खड़ा होता है। सोमवार दोपहर को वाहन से अचानक धुआं निकलने लगा। वाहन में तैनात फायर ब्रिगेड कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट के चलते वाहन में आग लगी थी। (जासं)

दून में आज हो सकती मूसलधार वर्षा, नदियों में उतरने से बचें

देहरादून में सोमवार सुबह आशारोड़ी में 22.4 मिमी वर्षा की गई रिकार्ड, अधिकतम तापमान में आई कमी

दोपहर बाद हुई तेज वर्षा के दौरान रायपुर रोड पर भीगकर जाता युवक • जागरण

जागरण संवाददाता, देहरादून : दून शहर और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को एक से दो दौर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। जिससे आसपास के नदी-नाले का जलस्तर बढ़ सकता है। ऐसे में नदी-नालों में उतरने और उसके किनारों पर रहना खतरे से खाली नहीं है। मौसम विभाग ने आमजन से सचेत रहने की अपील की है।

सोमवार को दून के अधिकांश क्षेत्र में दिनभर वर्षा नहीं हुई, जिससे उमस ने बेहाल किया। केवल सुबह के समय प्रेमनगर के समीप आशारोड़ी में 22.4 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। इस दौरान दून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक 32.9 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक अधिक 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। टिहरी का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम 27.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 19.1 डिग्री सेल्सियस रहा। पंतनगर का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक 35.1 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक 23.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक अधिक 15.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि मानसून को सक्रिय हुए एक सप्ताह हो गया है। अभी देहरादून व आसपास के क्षेत्रों में औसत वर्षा हुई है। मंगलवार को सुबह से ही कई क्षेत्रों में रुक-रुककर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। जिससे अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आने का अनुमान है। दून के पहाड़ी क्षेत्रों में मैदान के मुकाबले ज्यादा वर्षा हो रही है, जिस कारण नदी-नालों का जलस्तर अचानक बढ़ जा रहा है। इसके देखते हुए किनारे वाले क्षेत्रों में जाने से बचें।

छुट्टी का फर्जी आदेश प्रसारित होने से असमंजस

इंटरनेट मीडिया में मंगलवार को दून में भारी वर्षा होने के कारण स्कूलों में छुट्टी का फर्जी आदेश प्रसारित हो गया। जिससे शिक्षक, छात्र और अभिभावकों में असमंजस की स्थिति बनी रही। हालांकि, जिला प्रशासन की ओर से इस प्रकार कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। दून में मंगलवार को भारी वर्षा का आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि समूचे कुमाऊं मंडल में भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहां कुछ जनपदों में स्कूलों की अवकाश घोषित किया गया है।

डेंगू की रोकथाम को घर-घर पहुंच रहीं आशाएं, लोगों कर रहीं सचेत

- वृहद लार्वा साइट की दैनिक रिपोर्ट सीएमओ कार्यालय को देंगी
- नगर निगम के सहयोग से नष्ट की जाएंगी लार्वा साइट

जागरण संवाददाता, देहरादून: डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम अभियान के अंतर्गत सोमवार से नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों में आशाओं ने घर-घर जाकर डेंगू लार्वा उन्मूलन अभियान, जागरुकता अभियान तथा सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। अभियान के तहत पूरे मानसून सीजन आशाएं घर-घर दस्तक देकर लोगों को जागरूक करेंगी। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में लार्वा साइट को नष्ट करेंगी। इस दौरान चिह्नित वृहद लार्वा साइट की दैनिक रिपोर्ट जनपद स्तर पर प्रेषित करेंगी। जिसके उपरांत नगर निगम के साथ समन्वय स्थापित कर लार्वा साइट को नष्ट किया जाएगा।

सोमवार को धर्मपुर, रेसकोर्स, बंजारावाला, जीएमएस रोड, माजरा, मोथरोवाला, राजेंद्रनगर, अजबपुर, क्लेमेनटाउन, चुक्खूवाला, बड़ोवाला, राजपुर रोड, केदारपुरम, डालनवाला, विकासनगर, लक्खीबाग, भगत सिंह कालोनी, इंदिरा कालोनी, सरस्वती विहार, सिंघल मंडी, निरंजनपुर, बालावाला सहित रायपुर, सहसपुर व विकासनगर ब्लाक के शहरी आबादी वाले क्षेत्रों में सघन जागरूकता एवं लार्वा उन्मूलन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत आशाओं ने घरों में भ्रमण कर डेंगू से बचाव के एहतियाती उपायों की भी जानकारी दी। इसके साथ ही कई स्थानों पर लार्वा साइट को नष्ट भी किया। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संजय जैन ने बताया कि एक जुलाई से शहरी क्षेत्र में एहतियाती गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। डेंगू सर्वेक्षण के माध्यम से आशाएं वृहद लार्वा साइट चिह्नित कर संवेदनशील क्षेत्रों की रिपोर्टिंग कर रही हैं। आम जनमानस से अपील है कि डेंगू से बचाव को एहतियाती उपायों को अपनाएं।

19 साल बाद मां से मिला मोनू भावुक होकर छलके आंसू

- नौ साल की उम्र में घर के पास से हुआ था अपहरण, राजस्थान में चराई भेड़-बकरी
- किसी के सहयोग से देहरादून पहुंचा युवक, एसएसपी से लगाई मदद की गुहार

जागरण संवाददाता, देहरादून: 19 साल पहले अपनों से बिछड़ा मोनू मां को पाकर भावुक हो उठा। मां व बेटे की आंखों से आंसू का सैलाब उमड़ पड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि युवक ने पुलिस कार्यालय आकर बताया कि उसे लगभग 18 से 19 वर्ष पूर्व (जब उसकी आयु लगभग नौ वर्ष थी) एक व्यक्ति घर के पास से उठाकर राजस्थान ले गया था। उससे भेड़-बकरी चराने का कार्य करवाया जाता था। वर्तमान में किसी व्यक्ति की सहायता से वह देहरादून पहुंचा, लेकिन उसे घर का पता व स्वजन के संबंध में कोई जानकारी नहीं है और न ही उसे अपना वास्तविक नाम याद है।

उसे यह याद था कि उसके पिता की परचून की दुकान थी तथा घर पर उसकी मां तथा चार बहने हैं। पुलिस ने युवक के रुकने व खाने की व्यवस्था की। साथ ही इंटरनेट मीडिया पर उसकी फोटो साझा कर जानकारी जुटानी शुरू कर दी। एक जुलाई को बंजारावाला निवासी आशा शर्मा पुलिस कार्यालय पहुंची और बताया कि उनका बेटा मोनू वर्ष 2008 में घर से गायब हो गया था। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश व अन्य कई स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने युवक को महिला से मिलवाया तो महिला ने पुरानी बातें याद कराई। युवक ने महिला की पहचान अपनी मां के रूप में की। युवक भावुक होकर अपनी मां के गले से लिपट गया।

उत्तराखंड की खबरें पढ़ें
www.jagran.com/state/uttarakhand

29वां प्रो. जीराम रेड्डी स्मृति व्याख्यान आज

देहरादून : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) 29वां प्रो. जीराम रेड्डी स्मृति व्याख्यान मंगलवार को आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम दिल्ली मुख्यालय की ओर से आनलाइन होगा। सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर इसका प्रसारण होगा। कार्यक्रम का आयोजन साढ़े 11 बजे होगा। मुख्य अतिथि जवाहरलाल नेहरू विवि, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी व पद्मभूषण भाषाविद प्रो. कपिल कपूर होंगे।

इग्नू के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डा. अनिल कुमार डिमरी ने बताया कि प्रो. रेड्डी भारत में मुक्त विश्वविद्यालय के विचार के अग्रदूत थे। वह भारत के पहले मुक्त विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश मुक्त विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि के संस्थापक कुलपति थे। उस्मानिया विवि व लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स से शिक्षा प्राप्त करने वाले जीराम रेड्डी राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन के प्रतिष्ठित विद्वान थे। उन्होंने भारत में यूजीसी, आइसीएसएसआर, नैक सहित उच्च शिक्षा के कई संस्थानों की स्थापना की। (जासं)

एक राज्य-एक चुनाव को लेकर गरजे पंचायत प्रतिनिधि

जागरण संवाददाता, देहरादून: एक राज्य एक पंचायत व एक चुनाव की मांग को लेकर उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों ने सभी जिला मुख्यालयों (हरिद्वार व चमोली को छोड़कर) में प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर एक हफ्ते के भीतर अमल नहीं किया गया तो देहरादून में सड़कों पर उतरेंगे।

सोमवार को जिला मुख्यालयों में जिलों के वार्ड सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र व जिला पंचायत सदस्यों ने मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। देहरादून में भी संगठन से जुड़े प्रतिनिधि जिलाधिकारी कार्यालय पर एकत्र हुए। यहां मांगों को लेकर नारेबाजी करते प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाधिकारी सोनिका को ज्ञापन सौंपा। ग्राम प्रधान संगठन सहसपुर के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि वर्ष 2019 में चुनी पंचायतों का कोरोनाकाल के कारण दो वर्ष का कार्यकाल ठप रहा। जिससे विकास कार्यों का बजट खर्च नहीं हो पाया। पंचायतें अपनी बैठक तक नहीं कर पाईं। इसलिए दो वर्ष के कार्यकाल को पंचायत के शेष कार्यकाल के साथ जोड़कर नहीं देखा जा सकता है।

पंचायत प्रतिनिधि मीनू क्षेत्री ने कहा कि अभी तक हरिद्वार का अन्य सभी जिलों के साथ चुनाव नहीं हो पा रहा है। एक राष्ट्र-एक चुनाव के संकल्प के साथ ही उत्तराखंड में एक राज्य-एक पंचायत चुनाव को साकार करने के लिए भी जनहित में दो वर्ष का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए। झारखंड सरकार ने वर्ष 2020 में अध्यादेश लाकर वहां की पंचायत का कार्यकाल बढ़ाया है।

इसी तर्ज पर उत्तराखंड में भी अध्यादेश लाकर पंचायत के कार्यकाल को बढ़ाया जाए।

सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन से जुड़े सदस्य • जागरण

चमोली में आचार संहिता के चलते नहीं किया प्रदर्शन

उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के कार्यक्रम संयोजक जगत मर्तोलिया ने बताया कि बदरीनाथ विधानसभा सीट पर विधानसभा उपचुनाव के चलते लगी आचार संहिता के कारण पंचायत प्रतिनिधियों ने चमोली जिला मुख्यालय में प्रदर्शन नहीं किया। यहां सिर्फ जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। कहा कि एक हफ्ते के भीतर यदि संगठन के प्रतिनिधिमंडल को सरकार ने वार्ता के लिए नहीं बुलाया तो देहरादून कूच किया जाएगा।

कोर्ट की रोक के बाद किया रास्ता बंद, जिलाधिकारी ने दिए जांच के आदेश

- जनसुनवाई में जिलाधिकारी के समक्ष आई 94 शिकायतें
- अधिकतर का निस्तारण, भूमि के मामलों में निरीक्षण करें अधिकारी

जागरण संवाददाता, देहरादून: जिलाधिकारी की जनसुनवाई में सोमवार को अधिकतर प्रकरण भूमि विवाद से संबंधित दर्ज किए गए। जिनमें जिलाधिकारी ने जांच कर शीघ्र कार्रवाई के आदेश जारी किए।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में एक महिला ने बताया कि पड़ोसियों ने उनके रास्ते को दीवार बनाकर बाधित कर दिया है। कोर्ट की रोक के बाद यह कार्रवाई की गई है। जिलाधिकारी सोनिका ने उपजिलाधिकारी सदर को मौके पर जांच कर शीघ्र उचित करवाई के निर्देश दिए। इसी तरह ग्राम रामसावाला के एक कृषक ने बताया कि अवैध प्लाटिंग के लिए खेतों को जाने वाली गूल को दबा दिया गया है। जिलाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते को तहसीलदार विकासनगर को तत्काल कार्रवाई के निर्देश जारी किए। तहसील विकासनगर के ही धौलास क्षेत्र में श्मशान घाट की भूमि पर अतिक्रमण के मामले में भी जिलाधिकारी ने स्थलीय जांच कर जल्द कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए। रानीपोखरी में सरकारी भूमि पर कब्जे की शिकायत पर उपजिलाधिकारी ऋषिकेश को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी सोनिका ने कहा कि सभी अधिकारी भूमि प्रकरण/अतिक्रमण की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें। ऐसे मामलों में स्थलीय जांच से परहेज न किया जाए। इसके अलावा विभिन्न अन्य मामलों में भी आवश्यक निर्देश जारी कर जिलाधिकारी ने अधिकतर का मौके पर ही निस्तारण कर दिया था। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन जयभारत सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा संजय जैन, उप नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल आदि उपस्थित रहे।

लोगों की समस्याओं का निस्तारण करतीं जिलाधिकारी सोनिका • जागरण

निर्माण कार्य में विभागीय अधिकारी करें सहयोग : सोनिका

विद्युत लाइनों को भूमिगत किए जाने को लेकर जिलाधिकारी सोनिका ने विभिन्न विभागों की बैठक ली। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्माणदायी एजेंसी को सहयोग करने व आपसी समन्वय स्थापित करने को कहा। सोमवार को ऋषिपर्णा सभागार में जिलाधिकारी सोनिका ने जल संस्थान, यातायात पुलिस, नगर निगम, लोक निर्माण, स्मार्ट सिटी, विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। जिलाधिकारी सोनिका ने कहा निर्माणदायी संस्था एडीबी एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की ऐसी रूपरेखा तैयार की जाए कि एक ही बार में सड़क खोदने के साथ ही विद्युत लाइन, टेलीकाम कंपनी, नगर निगम की स्ट्रीट लाइट के केबल भूमिगत हो सकें।

आइसीएआइ ने मनाया चार्टर्ड एकाउंटेंट डे

जागरण संवाददाता, देहरादून: द इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया (आइसीएआइ) की देहरादून शाखा ने चार्टर्ड एकाउंटेंट डे धूमधाम से मनाया।

सुभाष रोड स्थित शिखर भवन में हुए कार्यक्रम का पीएनबी के निदेशक डा. संजीव के सिंघल और उत्तराखंड बाल संरक्षण अधिकार आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना ने शुभारंभ किया। इस मौके पर देहरादून चैप्टर की अध्यक्ष तेजिंदर कौर व कोषाध्यक्ष जसमीत सिंह ने बताया कि सप्ताहभर चलने वाले समर्पण उत्सव में पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, खेल गतिविधियां आयोजित होंगी।

कुकरेजा इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन,
अजबपुर, देहरादून
बी०एड० प्रवेश सत्र 2023-25
माननीय उच्च न्यायलय उत्तराखण्ड नैनीताल द्वारा पारित आदेश सं0 SPA No-182of 2024 में कुकरेजा इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, देहरादून को बी०एड० पाठ्यक्रम के सत्र 2023-25 प्रवेश हेतु U.G.C/N.C.T.E के मानकानुसार न्यूनतम योग्यता स्नातक या परा स्नातक में सामान्य वर्ग के लिये 50% आरक्षित वर्ग के लिये 45% अंको के साथ उत्तीर्ण अभ्यार्थी विज्ञापन प्रकाशन के एक सप्ताह के अन्दर आवेदन कर सकते है।
नोट- प्राप्त आवेदन के मेरिट के आधार पर प्रवेश मान्य होगे।
सम्पर्क सूत्र-9319527733

त्वरित न्याय व तकनीक को बढ़ावा देगी नई न्याय प्रणाली

मुख्यमंत्री ने तीन नए कानूनों पर आधारित आइओ एप्लीकेशन का किया शुभारंभ

सुगम होगा न्याय

जागरण संवाददाता, देहरादून : अनुशासन, निष्पक्षता और न्याय हमारे देश की परंपरा रही है। एक जुलाई से देश में लागू हुए तीन कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 से सभी को पारदर्शी व त्वरित न्याय मिलेगा। नए कानून अत्याधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने का कार्य करेंगे। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को भारतीय न्याय व्यवस्था में लागू इन तीन नए आपराधिक कानूनों के राज्य में औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर कही।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने तीन नए कानूनों पर आधारित आइओ एप्लीकेशन का शुभारंभ किया एवं विभिन्न विवेचक पुलिसकर्मियों को टेबलेट वितरित किए। मुख्यमंत्री ने भारतीय न्याय व्यवस्था में तीन नए कानून के लागू होने पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए एतिहासिक दिन है। अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे पुराने और गैरजरूरी कानूनों को हटाकर वर्तमान परिस्थिति के हिसाब से नए आपराधिक कानून लागू हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए कानून न्याय की अवधारणा को मजबूत करेंगे और न्याय मिलने की प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाने में पुलिस और न्यायालयों की मदद करेंगे। अब हमारी न्याय प्रणाली पूरी तरह से स्वदेशी होगी, जो देश के लिए और भारतीय संसद की ओर से बनाए गए कानूनों के अनुसार संचालित होगी। नए कानून नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के साथ कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करेगी। ई-एफआइआर की सुविधा शुरू की गई है। अब न्यायालय पीड़ित को सुनवाई का अवसर दिए बिना मुकदमा वापस लेने की सहमति नहीं देगा। नए कानूनों में टेक्नोलाजी के प्रयोग और फारेंसिक विज्ञान को बढ़ावा दिया गया है। इस मौके पर सचिव शैलेश बगौली, सचिव गृह दिलीप जावलकर, डीजीपी अभिनव कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक पीवीके प्रसाद, अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन अमित सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक वी मुरुगेशन आदि शामिल रहे।

- सीएम ने कहा, वर्तमान हालात के हिसाब से नए आपराधिक कानून लागू हो रहे हैं
- अब कोर्ट पीड़ित को सुनवाई का अवसर दिए बिना मुकदमा वापस लेने की सहमति नहीं देगा

तीन नए कानूनों पर आधारित आइओ एप्लीकेशन का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री धामी। इस दौरान मौजूद सीएस राधा रतूड़ी व डीजीपी अभिनव कुमार • जागरण

भगोड़ों की अनुपस्थिति में भी चल सकेगा मुकदमा

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार हमारे कानून आतंकवाद, संगठित अपराधों और आर्थिक अपराधों को पूरी तरह परिभाषित करेंगे। नए कानूनों में माब लिंचिंग को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। भगोड़ों की गैर मौजूदगी में भी मुकदमा चलाने के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। नई संहिता में 533 गैर जरूरी धाराओं को खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नए कानूनों को लागू किए जाने के लिए राज्य सरकार ने अलग से 20 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि सभी थानों में एफआइआर भी नई धाराओं में दर्ज की जाएगी। ब्रिटिश काल से लेकर आज तक पुराने कानून जो चल रहे थे उनके स्थान पर वर्तमान परिस्थिति के हिसाब से नए आपराधिक कानून लागू हो रहे हैं।

प्रदेश में तीन मुकदमे, हरिद्वार में पहला

जागरण संवाददाता, देहरादून: भारतीय नागरिक न्याय संहिता लागू होने के बाद एक जुलाई को पहला मुकदमा हरिद्वार की ज्वालापुर कोतवाली में दर्ज किया गया। वहीं पहले दिन प्रदेश के 166 थानों में केवल तीन ही मुकदमे दर्ज किए गए। दूसरा मुकदमा देहरादून के राजपुर थाने में अज्ञात के विरुद्ध हिट एंड रन में दर्ज किया गया। इसके अलावा उत्तरकाशी जनपद की कोतवाली में बोंगा गांव निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही एक अन्य व्यक्ति के विरुद्ध गाली-गलौज का मुकदमा दर्ज कराया। एक जुलाई से देश में भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 लागू हो चुके हैं। भारतीय नागरिक न्याय संहिता के तहत हरिद्वार जिले के ज्वालापुर कोतवाली में लूट का मुकदमा सोमवार सुबह 10:48 बजे दर्ज हुआ। शिकायतकर्ता विपुल भारद्वाज निवासी ग्राम लठारदेवा, झबरेड़ा ने तहरीर दी कि एक जुलाई की सुबह वह रविदास घाट के पास बैठे थे। इस दौरान दो अज्ञात व्यक्तियों ने चाकू दिखाकर उनसे मोबाइल व 1,400 रुपये लूट लिए। इसके बाद आरोपितों ने उन्हें गंगा की तरफ धक्का दिया और फरार हो गए। इस मामले में ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। कुछ ही देर बाद हरिद्वार पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी ओर दून के राजपुर थाने में हिट एंड रन का मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता गुड्डू निवासी तरला काठबंगला, राजपुर ने थाने में तहरीर दी। उनका बेटा सौरभ 30 जून की रात 12:10 बजे ड्यूटी से घर आ रहा था। तभी शिप्रा विहार गेट के सामने एक काले रंग की थार चालक ने उनके बेटे को टक्कर मार दी और फरार हो गया। भारतीय न्याय संहिता के तहत लापरवाही से वाहन चलाकर घायल करना व टक्कर मारकर भागने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

तीन जिलों को छोड़ बाकी में कोई मुकदमा दर्ज नहीं

हरिद्वार, देहरादून व उत्तरकाशी को छोड़कर गढ़वाल परिक्षेत्र व कुमाऊं परिक्षेत्र के अन्य जिलों में एक भी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। कुछ थानों में शांतिभंग के तहत कार्रवाई की गई। इत्तेफाक ही है कि एक जुलाई को प्रदेश में शांति रही। थानों में 30 जून रात 12 बजे से पहले की शिकायतें तो आईं, लेकिन 12 बजे के बाद थानों में कोई शिकायत नहीं पहुंची।

प्रदेश में तीन नए कानूनों के लिए ढांचागत विकास की कवायद

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादून: उत्तराखंड में भी तीन नए कानून लागू होने के बाद सरकार ने इनके बेहतर क्रियान्वयन के दृष्टिगत ढांचागत विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। इसी कड़ी में 22 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों को नए कानूनों से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा चुका है। शुरुआती दौर में विवेचना के लिए पुलिस के पास अभी फारेंसिक लैब, फारेंसिक मोबाइल वैन व फारेंसिक जांच किट उपलब्ध है। सीसीटीएनएस में आवश्यक बदलाव करते हुए पहले चरण में आनलाइन एफआइआर दर्ज करने की व्यवस्था कर दी गई है। अब उपकरणों की खरीद की ओर कदम बढ़ाए जा रहे हैं, जिसके लिए सरकार ने 20 करोड़ रुपये का प्रविधान किया है। साथ ही अन्य संबंधित विभागों राजस्व, न्याय, कारागार व अभियोजन में कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया चल रही है। इनमें उपकरण व सामग्री का क्रय किया जाना शेष है। सभी विभागों में ढांचागत बदलाव भी किया जाना है।

प्रदेश में तीन नए कानून लागू करने के लिए सरकार ने काफी पहले से तैयारियां शुरू कर दी थीं। इसमें पुलिस विभाग पर सबसे अधिक फोकस किया गया। इसके तहत 'आई गाट कर्मयोगी' पोर्टल पर 22476 पुलिस कार्मिकों को पंजीकृत किया गया। इनमें से विवेचना से संबंधित कार्मिकों को जिलों में प्रशिक्षण दिया गया। जो सीधे विवेचना में शामिल नहीं होते, उन्हें आनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही तीनों कानूनों की संक्षिप्त जानकारी संबंधी हस्तपुस्तिका तैयार की गई है, जो सभी पुलिस चौकी व थानों में वितरित कर दी गई है। घटनाओं की जांच में साक्ष्य संकलन के लिए आइओ (इन्वेस्टिगेशन आफिसर) एप बनाया गया है। इसी में पूरी केस डायरी बनेगी।

प्रदेश के प्रमुख 140 थानों में वीडियो कांफ्रेंसिंग कम फारेंसिक इन्वेस्टिगेशन कक्ष के निर्माण कार्य के लिए प्रस्ताव बनाए जा रहे हैं। बजट में इसके लिए अभी पांच करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। साथ ही टेबलेट, बाडी वार्न कैमरा, मोबाइल क्राइम किट, थर्मल फिंगर प्रिंट स्कैनर, मोबाइल क्राइम किट की खरीद का प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है। शुरुआती दौर में ये उपकरण सब इंस्पेक्टर स्तर तक के 1480 अधिकारियों को मुहैया कराए जाएंगे। इसके बार इसे जांच में शामिल हेड कांस्टेबल तक देने का प्रस्ताव है। फारेंसिक जांच के लिए प्रदेश में दो फारेंसिक लैब रुद्रपुर और देहरादून में बनी हुई है। सात मोबाइल लैब अभी संचालित है और छह नई मोबाइल लैब और खरीदी जा रही हैं।

- अभियोजन, राजस्व, न्याय व कारागार में दिया जा रहा कार्मिकों को प्रशिक्षण
- सरकार ने नए उपकरणों की खरीद के लिए की है 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था

प्रदेश में नए कानूनों को लागू करने के लिए सिस्टम में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। आइओ एप लांच किया जा चुका है। नए उपकरणों की खरीद के लिए बजट में भी 20 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रविधान किया गया है।

दिलीप जावलकर, सचिव गृह

छह जिलों को मिलेगी चलती-फिरती फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला

गुजरात के गांधीनगर में तैयार किए जा रहे अति आधुनिक संसाधनों से लैस छह वाहन

सोबन सिंह गुसाईं • जागरण

देहरादून: एक जुलाई से लागू हुए तीन नए कानूनों को लेकर पुलिस विभाग ने संसाधन जुटाने शुरू कर दिए हैं। नए कानूनों में साक्ष्यों को अहम रखा गया है। सात साल से अधिक सजा वाले अपराध में फारेंसिक साक्ष्यों की भूमिका अहम होगी, जिसके आधार पर अदालती कार्रवाई चलेगी। पुलिस विभाग फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने के लिए जल्द ही प्रदेश में आधुनिक संसाधन से जुड़े छह वाहन खरीदने जा रहा है। यह वाहन गुजरात के गांधीनगर में तैयार किए जा रहे हैं।

तीन करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से खरीदे जा रहे यह वाहन चलती फिरती फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला होंगे। घटना होने पर यह वाहन घटनास्थल पर जाएंगे। फोरेंसिक टीम फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी के अलावा सभी प्रकार के सैंपल लेगी। वाहनों की खरीद के लिए केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से बजट जारी किया गया है। जल्द ही यह वाहन तैयार होकर उत्तराखंड पहुंच जाएंगे। मौजूदा समय में फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने को सात वाहन हैं, लेकिन वह काफी पुराने हैं, इनमें आधुनिक उपकरण भी नहीं हैं।

- घटनास्थल से फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने के लिए 3.92 करोड़ रुपये से खरीदे गए हैं वाहन
- वर्तमान में फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने को सात वाहन, इनमें नहीं हैं आधुनिक उपकरण

जीजीआइसी श्रीनगर में आयोजित संगोष्ठी में छात्राओं और शिक्षकों को नए कानून के बारे में बताते पुलिस अधिकारी • सामान्य पुलिस

अब वाहरी लैब पर नहीं होना पड़ेगा निर्भर

हैंडराइटिंग व हस्ताक्षरों की जांच अब देहरादून स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में हो सकेगी। पुलिस विभाग ने ढाई करोड़ की लागत से एक मशीन खरीदी है, जिससे दस्तावेजों की जांच आसानी से की जा सकेगी। अभी तक पुलिस विभाग को बाहरी केंद्रीय लैब पर निर्भर होना पड़ता था। पूर्व में रजिस्ट्री घोटाले व भर्तियों की धांधली की जांच के लिए दस्तावेजों की जांच के लिए सैंपल केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) चंडीगढ़ व हैदराबाद भेजे गए। रिपोर्ट देरी से आने के चलते विवेचना भी प्रभावित हुई।

फोरेंसिक जांच के लिए वाहनों की खरीद की जा रही है। यह वाहन गुजरात में तैयार हो रहे हैं। अतिआधुनिक तकनीकी से लैस इन वाहनों में फोरेंसिक जांच के लिए सभी उपकरण उपलब्ध रहेंगे। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की ओर से भेजे गए प्रस्ताव में केंद्र सरकार की ओर से वाहनों की खरीद के लिए बजट जारी किया गया है।

नीलेश आनंद भरणे, प्रवक्ता पुलिस मुख्यालय

विज्ञानियों की भर्ती के लिए शासन को भेजा प्रस्ताव

अब फोरेंसिक में भी काम का दबाव बढ़ने जा रह है। ऐसे में पुलिस विभाग ने विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा है। शासन की ओर से अनुमति मिलने के बाद विभाग की ओर से नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी तत्काल विज्ञानियों की नियुक्तियों को लेकर दिशा निर्देश जारी किए हैं।

संशय में राजस्व पुलिसकर्मी नहीं दिया गया है प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी: अपराधों पर कार्रवाई और आपराधिक प्रक्रिया तय करने वाले तीन नए कानून देश में लागू हो चुके हैं। प्रदेश में 22 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों को नए कानूनों से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा चुका है। लेकिन जिले के राजस्व निरीक्षक और उप निरीक्षक संशय की स्थिति में है। उनका कहना है कि करीब 30 प्रतिशत क्षेत्र राजस्व पुलिस के अंतर्गत आता है। 150 गांवों में आज भी राजस्व पुलिस ही है। राजस्व पुलिस तकनीकी और संसाधनों के अभाव से जूझ रही है। उन्हें नए कानूनों के संबंध में अब तक कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया है। इस बारे में बताया भी नहीं गया है। इस संबंध में पर्वतीय राजस्व निरीक्षक, उप निरीक्षक एवं राजस्व सेवक संघ उत्तरकाशी ने जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया है। संगठन के जिला अध्यक्ष चंद्र विकास ने कहा कि नए कानूनों में आनलाइन प्रथम सूचना रिपोर्ट के पंजीकरण की व्यवस्था के साथ नए पुलिस प्रपत्रों में अपराध पंजीकरण, विवेचना, मृत्यु समीक्षा, नतीजा मुकदमा आदि की व्यवस्था हैं।

दैनिक जागरण क्लासीफाइड कम दाम, ज्यादा काम
For online booking log on to www.jagranclassifieds.com

सूचना

सर्वधारण को सूचित किया कि मेरे पिता स्व0 श्री अनिल डेविड पुत्र स्व0 श्री जेराल्ड डेविड निवासी– 112 इन्दर रोड, डालनवाला, का स्वर्गवास दिनांक 18.07.2021 को हो गया था। मैं भारत से बाहर नौकरी करता हूँ उस समय मेरी बुआ श्रीमती नीना सोंस पत्नी श्री एच0पी0एम0 सॉस निवासी 215 अमिरल्टी मैनर 13 क्रॉस, 6 मैन इन्दरानगर, 2 स्टेज बैगलोर, नॉथ बैगलोर, कनार्टक हमारे घर पर आयी और मेरे पिता जी के लॉकर (सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया देहरादून), से मकान के मूल रजिस्ट्री के साथ अन्य बहुमूल्य सामग्री भी अपने पास ले गयी जब मै आया तो उक्त सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जबकि मैं अपने पिता की सम्पत्ति और मकान संख्या 112, इन्दर रोड (नगर निगम सम्पत्ति आई0डी0 संख्या– H Tax–25–000355) देहरादून का इकलौता वारिस हूँ अगर कोई भी व्यक्ति मेरी बुआ श्रीमती नीना सॉस से उक्त सम्पत्ति (मकान) की खरीद फिरोख करता है तो यह सौदा अवैध होगा जिसमें मेरी कोई जिम्मेदारी नही होगी। डॉ0 आशीष जॉय पुत्र स्व0 अनिल डेविड R/o 53 सी राजपुर रोड देहरादून।

खोया-पाया

मेरी हाईस्कूल उत्तरांचल बोर्ड वर्ष 2006 अनुक्रमांक 0022632 की मार्कशीट कहीं खो गयी है। परमजोत पुत्री श्री सतपाल सिंह निवासी छबील बाग, काँवली रोड खुडबुडा, देहरादून।

मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट रोल नंबर –22006810, सन 2022 वास्तव में कहीं खो हो गई है। मनीष पुत्र श्री रणवीर सिंह , निवासी– ग्राम कटारपुर ,पोस्ट कनखल, हरिद्वार।

मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट रोल नंबर –22006854, सन 2022 वास्तव में कहीं खो हो गई है। आफरीन पुत्री श्री मौ0 फैयाज, निवासी–ग्राम कटारपुर, पोस्ट कनखल, हरिद्वार।

मेरा हाई स्कूल वर्ष 1996 अनु 1482165 एवं इण्टरमीडिएट वर्ष 2007 अनु. 0106277 के प्रमाण पत्र कहीं खो गये है। मुन्नी पुत्री प्रेम सिंह निवासी ग्राम जाख पो0 जाखचौरा पटटी उदयकोट, टिहरी गढ़वाल

नाम परिवर्तन

मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम अमशिका थापा गलत दर्ज है। वास्तविक नाम अंशिका थापा है। आर्मी न. 5246658X EX NK सुधीर थापा नि0 ग्राम सेवली पो.ओ. प्रेमनगर देहरादून

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम सोहैल से बदलकर मौ. सोहैल कर लिया है। भविष्य में मुझे मौ.सोहैल पुत्र श्री शहजाद अली के नाम से जाना पहचाना जाए । निवासी पार्षद वाली गली, उत्तरांचल एलेक्ट्रोनिकल्स, वार्ड न– 77, माजरा, पो.ओ. माजरा, देहरादून उत्तराखंड – 248171

मेरी टीसी समेत सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों में पिताजी का नाम अचपाल अंकित है जो गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम अजपालिया पुत्र गुंदरू है। नरेन्द्र लाल सरबडियाड पुरोला।

सैन्य अभिलेखों में मेरे दोनों पुत्र का नाम त्रुटिवश सौरभ सिंह व गौरव सिंह दर्ज हो गया है। जबकि वास्तविक एवं सही नाम सौरभ राठौर व गौरव राठौर। भविष्य में मेरे दोनों पुत्रों को उनके सही एवं वास्तविक नाम सौरभ राठौर व गौरव राठौर के नाम से जाना एवं पढ़ा जाए। सोहन कुमार राठौर पुत्र गोविंद राठौर निवासी डाक्टरगंज पुल नंबर– 01 विकासनगर जिला देहरादून। आधार कार्ड नंबर 979462000569

मैं, कीर्ति मणि कानूनी रूप से पिता No. 15347623A NK सुनील भट्ट निवासी ग्राम– गुरियाली, तहसील– नरेंद्र नगर, जिला– टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड। मेरे पुत्र के सेवा अभिलेखों में मेरा नाम कीर्तिमणि भट्ट और जन्म तिथि 05.07.1948 दर्ज है, जो कि गलत है। जबकि मेरा सही नाम कीर्ति मणि और मेरी सही जन्मतिथि 12.05.1946 है।

शपथ पत्र संख्या IN–UK 26864457627302W के अनुसार मेरे सैन्य अभिलेखों में भूलवश पुत्री का नाम निकिता हो गया है। उसका सही नाम निकिता रावत है। 4082028H Ex.NK मनोज सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह, ग्राम/पो. सकिंडा, लैंसडौन, गढ़वाल

मैं, Bedamo Devi मां 15451802M SEP/ORA जितेन्द्र कुमार साह निवासी एम एच देहरादून ने अपना नाम Bedamo Devi से बदलकर Bedami Devi कर लिया है देहरादून, उत्तराखंड में नोटरी बीरेंद्र सिंह के समक्ष दिनांक 31.05.2024 को शपथ पत्र के माध्यम से।

मैं, लखपति कानूनी रूप से माता No. 15347623A NK सुनील भट्ट निवासी ग्राम– गुरियाली, तहसील– नरेंद्र नगर, जिला– टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड। मेरे पुत्र के सेवा अभिलेखों में मेरा नाम LAKHPATHI और जन्म तिथि 04.04.1953 दर्ज है, जो कि गलत है। जबकि मेरा सही नाम LAKHPATI और मेरी सही जन्मतिथि 18.08.1953 है।

आठ साल लिव इन में रहने वाली महिला ने पति के साथ मिलकर प्रेमी को मार डाला

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: हरिद्वार जिले के सिडकुल क्षेत्र में आठ साल से लिव इन में रहने वाली महिला ने पति के साथ मिलकर प्रेमी को जहर देकर मौत के घाट उतार दिया। महिला झारखंड के दुमका जिले की निवासी है। जबकि प्रेमी पीलीभीत उत्तर प्रदेश कर रहने वाला था। आठ साल बाद सत्संग में पति और बेटे से मुलाकात के बाद महिला ने प्रेमी की मदद से उनको भी साथ रख लिया। शक होने पर प्रेमी ने रोक-टोक की तो पति के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर केस की गुत्थी सुलझाते हुए पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने सिडकुल थानाध्यक्ष मनोहर भंडारी को शाबाशी दी है।

एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि सिडकुल क्षेत्र में रावली महदूद चौहान मार्केट के पास कमरे में एक फैक्ट्री कर्मचारी लक्ष्मण निवासी ग्राम खजुरिया धुरिया पलिया थाना माधोटांडा कलीनगर जिला पीलीभीत का शव मिला था। इस मामले में लक्ष्मण के भाई श्रीराम ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। थानाध्यक्ष मनोहर भंडारी ने बताया कि जांच में सामने आया कि लक्ष्मण आठ साल से अंजू निवासी ग्राम कुण्डवे थाना जरमुडी जिला दुमका झारखंड के साथ लिव इन में रहता आ रहा था। अंजू विवाद के चलते पति व मासूम बेटे को छोड़ आई थी। बरेली में उसकी मुलाकात लक्ष्मण से हुई थी। पोकलैंड चलाने वाला लक्ष्मण के घरवालों ने शादीशुदा महिला को घर लेकर आने पर आपत्ति जताई तो दोनों काम की तलाश में हरिद्वार आ गए और सिडकुल क्षेत्र में रहने लगे।

हरिद्वार के प्रेमनगर आश्रम में परिचितों से मिलने के दौरान कुछ दिन पहले सत्संग में अंजू देवी की मुलाकात अपने पति मधु राय से हो गई। गिले शिकवे दूर होने और कई साल बाद अपने आठ साल के बेटे को देखकर अंजू देवी को अच्छा लगा। उसने अपने प्रेमी लक्ष्मण को बोलकर कमरे के पास ही मधु राय व बेटे की रहने की व्यवस्था करा दी। आसपास वालों को बताया कि वे उसका भाई और भतीजा है। रोज मिलना जुलना होने पर लक्ष्मण को शक हुआ तो उसने अंजू को रोका। यहां तक की मारपीट भी हुई। तब पति-पत्नी ने लक्ष्मण को अपने रास्ते से हटाने की योजना बनाई। मौका पाकर दोनों ने खाने में जहर देकर लक्ष्मण को मार डाला और कमरा बंद कर भाग गए। टीम में थानाध्यक्ष मनोहर सिंह भंडारी, कांस्टेबल कुलदीप डिमरी, महिला कांस्टेबल शांता व मुकेश कुमार शामिल रहे।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपित दंपती • जागरण

- सिडकुल क्षेत्र में बंद कमरे में मिला था पीलीभीत के युवक का शव
- पुलिस ने झारखंड निवासी दंपती को गिरफ्तार कर सुलझाई गुत्थी

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री धामी को बताई समस्याएं

देहरादून : लंबित मांगों पर कार्रवाई की मांग को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सेविका मिनी कर्मचारी संगठन ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की और संगठन की समस्याएं बताईं। जिस पर मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सेविका मिनी कर्मचारी संगठन की प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी ने बताया कि संगठन की प्रमुख मांग भोजन माता, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए गठित महिला कल्याण कोष के तहत जमा धनराशि का लाभ देना, सेवानिवृत्त एवं सेवाकाल के दौरान अकस्मात मृत्यु होने पर 10 लाख की धनराशि स्वजन को दिए जाने को लेकर है। कार्यकर्ता मांगों को लेकर शासन, प्रशासन के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं की जा रही है। चेतावनी दी कि यदि मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। (जासं)

मुख्यमंत्री धामी से की ठेका श्रमिकों को नियमित करने की मांग

जागरण संवाददाता, देहरादून : जल निगम-जल संस्थान संयुक्त मोर्चा कार्मिकों ने ठेका प्रथा में तैनात श्रमिकों को विभाग में समायोजित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। विभाग के राजकीयकरण की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराने की गुहार लगाई।

सोमवार को जल संस्थान-जल निगम संयुक्त मोर्चे ने मुख्य संयोजक जितेंद्र देव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। विभाग के राजकीयकरण किए जाने एवं इस प्रक्रिया में समय लगने की स्थिति में पेयजल निगम एवं जल संस्थान के कार्मिकों व पेंशनरों को ग्लोबल सिस्टम के अंतर्गत ट्रेजरी के माध्यम से वेतन भत्ते आदि के भुगतान कराने के संबंध में मांग पत्र दिया। कार्मिकों ने बताया कि पेयजल अनुभाग ने उक्त प्रस्ताव को वित्त विभाग के पास स्वीकृति के लिए प्रेषित किया है। सीएम ने आश्वासन दिया कि वित्त विभाग से आवश्यक औपचारिकता पूर्ण होने के बाद कैबिनेट से स्वीकृति दी जाएगी। कार्मिकों ने ठेकेदारी प्रथा पर कार्यरत श्रमिकों को विभाग में समायोजित करने और मासिक पारिश्रमिक 25,000 रुपये करने की मांग की। इस दौरान प्रदेश संयोजक रमेश बिंजोला, विजय खाली, इंजीनियर अजय बेलवाल, श्याम सिंह नेगी, संदीप आदि उपस्थित रहे।

- जल संस्थान-जल निगम संयुक्त मोर्चा के कार्मिकों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से की मुलाकात
- विभाग के राजकीयकरण की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराने की लगाई गुहार

Classifieds दैनिक जागरण
YOU CAN BOOK CLASSIFIED ADVT. OVER PHONE in Dehradun
For More Details Contact
Vivek Sharma
9897830666
0135-2728285

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एचएनबी को 21वीं रैंक

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: देशभर के विश्वविद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था, शोध कार्यों, प्लेसमेंट आदि को लेकर इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आइआइआरएफ) देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन करता है। वर्ष 2024 को लेकर आइआइआरएफ दिल्ली द्वारा किए गए मूल्यांकन में देशभर के 50 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में गढ़वाल केंद्रीय विवि ने 21वीं रैंक प्राप्त की है। शिक्षण और शोध कार्यों के साथ ही प्लेसमेंट, कोर्स और टीचर ओरियंटेशन को लेकर पिछले तीन-चार वर्षों में विश्वविद्यालय द्वारा तेजी से की गई प्रगति के कारण उसकी रैंकिंग में निरंतर सुधार आ रहा है।

वर्ष 2023 में गढ़वाल केंद्रीय विवि को इस मूल्यांकन में 30वीं रैंक मिली थी। 2024 के आइआइआरएफ मूल्यांकन में 961.69 समग्र सूचकांक (स्कोर) के साथ देशभर के 50 से अधिक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में इस वर्ष गढ़वाल केंद्रीय विवि की रैंकिंग 21वीं रही है। आइआइआरएफ देश में एक गैर सरकारी रैंकिंग संस्था है, जो देश के विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कालेजों को उनके शोध, शिक्षण आदि कार्य मानकों के आधार पर रैंकिंग देती है। कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने आइआइआरएफ रैंकिंग में इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए विवि के सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी की कठोर मेहनत की बदौलत विवि को यह उपलब्धि हासिल हुई है।

- इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विवि ने लगाई छलांग
- पिछले वर्ष हासिल किया था 30वां स्थान, नौ रैंक की सुधार

देहरादून की और भी खबरें पढ़ें www.jagran.com

Latest Jobs JAGRAN Josh www.jagranjosh.com

HCL: 56 जूनियर मैनेजर पद
- अंतिम तिथि: 21 जुलाई 2024
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय /संस्थान से डिप्लोमा/ग्रेजुएट एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: hindustancopper.com

HINDUSTAN COPPER LIMITED (A Govt. of India Enterprise) The Copper Miner to the Nation

RRC NER: 1104 अप्रेंटिस पद
- अंतिम तिथि: 11 जुलाई 2024
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड /संस्थान से 10वीं/ ITI एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: ner.indianrailways.gov.in

North Eastern Railway

SSC: 8300+ MTS एवं अन्य पद
- अंतिम तिथि: 31 जुलाई 2024
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड /संस्थान से 10वीं एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: ssc.gov.in

BPSC: 1339 सहायक प्राध्यापक पद
- अंतिम तिथि: 26 जुलाई 2024
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय /संस्थान से संबंधित विभाग में एमडी/ डीएनबी एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: bpsc.bih.nic.in

नौकरी टिप्स

10वीं पास युवाओं के लिए है मेडिकल अटेंडेंट की नौकरी के ढेरों मौके

अगर आप 10वी पास युवा हैं तो मेडिकल अटेंडेंट की सरकारी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं. जी हाँ, केंद्र एवं राज्य सरकारों के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालयों के अधीन विभिन्न अस्पतालों, सीजीएचएस सेंटरों, ईएसआइसी सेंटरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, चिकित्सा शिक्षण संस्थानों आदि में मेडिकल अटेंडेंट के नौकरियों के लिए हमेशा अवसर उपलब्ध होते हैं. कोई भी 10वी पास युवा जिसने फर्स्ट-ऐड सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण किया हो, वह मेडिकल अटेंडेंट की सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकता है.

अधिक जानकारी के लिए विजिट करें www.jagranjosh.com या डाउनलोड करें Jagran Josh Sarkari Naukri App

AMITY UNIVERSITY GURUGRAM

AMITY GURUGRAM
YOUR NEXT LEVEL OF SUCCESS STARTS HERE

RANKED **AMONGST THE TOP 100 UNIVERSITIES IN INDIA 2023**
NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK

RANKED IN BAND **EXCELLENT 2022** BY ARIIA
ARIIA ATAL RANKING OF INSTITUTIONS ON INNOVATION ACHIEVEMENTS
(NOW **NIRF INNOVATION RANKINGS UNDER MoE)**

RANKED **TOP PVT. UNIVERSITY OF HARYANA** BY INDIA TODAY
INDIA'S BEST UNIVERSITIES (June'17 issue)

AMITY SCHOOL OF ENGINEERING & TECHNOLOGY RANKED **#8 IN NORTH ZONE 2023** BY DATAQUEST
TOP T SCHOOL RANKINGS (Mar.'23 issue)

AMITY BUSINESS SCHOOL RANKED AMONGST **INDIA'S TOP 10 PVT. B.SCHOOLS THIRD TIME IN A ROW 2022, 2023 & 2024** BY THE TIMES OF INDIA
TIMES B-SCHOOL RANKINGS

RANKED **#1 PVT. MULTI-DISCIPLINARY UNIVERSITY IN NORTH ZONE (DELHI-NCR) 2021** BY THE WEEK
HANSA RESEARCH SURVEY 2021

AMITY SCHOOL OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, RANKED **#5 IN NORTH ZONE 2024**
TIMES ENGINEERING
AMONGST THE TOP ENGINEERING INSTITUTES BY THE TIMES OF INDIA

RANKED **#32 GLOBALLY FOR AFFORDABLE & CLEAN ENERGY**

#63 IN THE WORLD FOR CLEAN WATER & SANITATION BY TIMES HIGHER EDUCATION
THE IMPACT RANKINGS 2022

RANKED **BEST PRIVATE UNIVERSITY OF HARYANA** BY CMAI 2014

SUPERCHARGING CAREERS & PLACEMENTS
- Student Committee on Placements (SCOP) to facilitate campus placements
- Unique 3-tier mentorship by a corporate leader, alumni & faculty for enhanced career guidance
- Career networking opportunities with 700,000+ well-heeled alumni
- Market driven curricula designed in consultation with Industry Advisory Boards
- Collaboration with diverse corporates across business horizons
- Experiential learning through live projects, industrial visits etc.

RESEARCH DRIVEN EXCELLENCE
- Faculty have filed 254 patents, authored 714 books/ chapters and published 6,678 research papers
- Students' innovation initiatives like solar car, bio-arm, gyroscopically controlled aircraft, quadcopter amongst others
- 104 Government funded research projects undertaken & 684 submitted in partnership with CSIR, ICMR, DST, BRNS, NISE, MGIRI, AMT (USA)
- Socio-economic initiatives: Kiran Mazumdar Shaw Centre for Affordable Innovations; Mohd. Yunus Social Business Centre; Kailash Satyarthi Centre for Child Rights

NEW-AGE WORLD CAMPUS
- Modern library with 56,000 books and 110 Journals
- 2,160 Seater on-campus hostel
- 3,000 Seater auditorium
- 1.3 Gbps wi-fi smart campus
- 20 Acre sports complex with facilities for tennis court, cricket field, football ground, etc.
- Campus awarded LEEDS (USA) Platinum Certification

2024 SESSION ADMISSIONS OPEN
FOR UG & PG PROGRAMMES IN THE FOLLOWING DOMAINS

- ANIMATION
- APPLIED SCIENCES
- ARCHITECTURE
- ARTIFICIAL INTELLIGENCE
- ATMOSPHERIC TECH. & Sc.
- BANKING & FINANCE
- BIOTECHNOLOGY
- BUSINESS ANALYTICS
- COMMERCE
- COMPUTER SCIENCE/ IT
- DATA SCIENCE
- DEFENCE TECHNOLOGY
- EARTH & ENVIRONMENTAL SCIENCE
- ECONOMICS
- ENGINEERING
- ENGLISH LITERATURE
- FASHION DESIGN
- FINE ARTS
- FOREIGN LANGUAGES
- FORENSIC SCIENCES
- HOTEL MANAGEMENT
- INTEGRATED SCIENCES & HEALTH
- INTERIOR DESIGN
- LAW
- LIBERAL ARTS
- MANAGEMENT
- MEDIA & COMMUNICATION
- MEDICAL
- MOLECULAR & STEM CELL TECHNOLOGY
- PHARMACY
- PSYCHOLOGY
- TRAVEL & TOURISM

FOR ADMISSIONS, APPLY AT:
www.amity.edu/gurugram
BY: **20th July 2024**
OR SCAN THE QR CODE

HELPLINE : **7303-399-399**

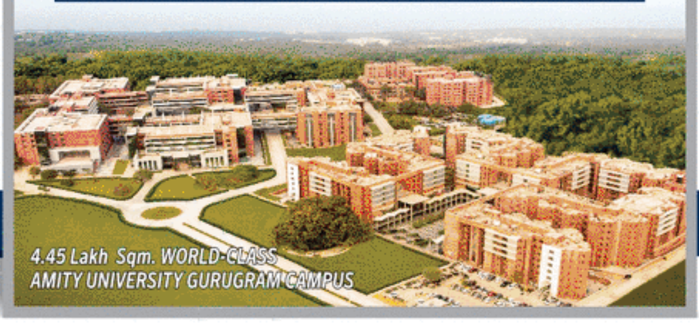

810+ Distinguished faculty, scientists and staff

200+ Hi-tech labs & learning studios

Overseas prestigious placements in 2024 in Japan, Dubai, UK...

37+ Student start-ups incubated by campus incubator

19 Centres of Excellence for Stem Cells, Financial Analytics, AI, BRICS Studies, Bio-fuels....

5 - Week Study Abroad Program at Amity campuses in New York, Singapore, London, Dubai or Melbourne

CEO Dinner Series, Industry Mentorship & Conversation Programs

Tie-ups for skills development with IBM, Oracle, Sun Microsystems...

Student Clubs like Udaan, Ek Awaaz, Saakar etc. for round-the-year social, literary & cultural activities

AMITY MERIT SCHOLARSHIPS

UG		PG	
Scholarship	10+2	10+2	Grad.
100%	93%	93%	80%
50%	88%	88%	75%
25%	80%	-	-

MBA		
Scholarship	Percentile/(CAT/MAT)	Score GMAT/ GRE
100%	90	650/161
50%	85	600/157
25%	80	500/152

Ph.D programmes also available

FOR OPEN HOUSE SESSION AT CAMPUS (SATURDAY OPEN), REGISTER AT: www.amity.edu/gurugram/openhouse

AMITY UNIVERSITY GURUGRAM, AMITY EDUCATION VALLEY, GURUGRAM, MANESAR | **E:** admissions@ggn.amity.edu

सेंट्रल डेयरी लैब में अब दुग्ध पदार्थों और शहद की भी हो सकेगी जांच

- तीनपानी बाईपास पर शिफ्ट होगी प्रदेश की पहली डेयरी सेंट्रल लैब, 20 सेकेंड में हो जाएंगी सभी जांचें
- लैब में पांच करोड़ रुपये की लगेंगी आधुनिक हाईटेक मशीनें, डेढ़ करोड़ की लागत से बन रहा भवन

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी: तीनपानी बाईपास पर प्रदेश की पहली डेयरी सेंट्रल लैब को जल्द ही शिफ्ट किया जाएगा। लैब में पांच करोड़ रुपये की लागत की आधुनिक हाईटेक मशीनें लगाई जाएंगी। जिसमें दुग्ध पदार्थों के साथ ही शहद की भी जांच हो सकेगी। दरअसल, वर्तमान में लालकुआं में स्थित सेंट्रल लैब में एफटी-1 मशीनों से दुग्ध पदार्थों की जांच होती है। लेकिन तीनपानी बाईपास पर लैब बनने के बाद इसमें एफटी-3 हाईटेक मशीन लगाई जाएंगी। जिसके बाद दुग्ध पदार्थों की 32 पैरामीटरों में मात्र 20 सेकेंड में सभी जांचें पूरी हो जाएंगी।

लालकुआं स्थित सेंट्रल डेयरी लैब में वर्तमान में फैट, एसएनएफ, बैक्टेरियल काउंट, यूरिया, चीनी, कास्टिक रसायन समेत 32 पैरामीटरों पर जांच होती है। लेकिन पुरानी हो चुकी मशीन में कभी-कभी दुग्ध पदार्थों की जांच होने में समय लग जाता है। साथ ही लैब छोटी होने पर अब तीनपानी बाईपास पर बड़ी लैब बनाई जा रही है। इसमें एफटी-3 हाईटेक मशीन लगाई जाएगी। जिसमें सिर्फ कुछ सेकेंड में ही दुग्ध पदार्थ सहित शहद की भी जांच हो सकेगी। दरअसल, भारत सरकार की राष्ट्रीय डेरी विकास योजना के तहत सेंट्रल डेरी लैब का तीनपानी बाईपास पर निर्माण किया जा रहा है। इसमें डेढ़ करोड़ की लागत से लैब का भवन बनाया जा रहा है। जबकि पांच करोड़ रुपये की लागत से लैब में मशीन लगाई जाएगी। मशीन में दुग्ध पदार्थों की एफसीआइ के मानकों के तहत जांच की जाएगी।

यही नहीं एनएबीएल (परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) के मानकों के तहत सेंट्रल डेरी लैब का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए बकायदा एनएबीएल कंसल्टेंट को नियुक्त किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक लैब का भवन बनने के बाद जल्द ही हाईटेक मशीन के टेंडर निकाले जाएंगे।

> डेयरी निदेशालय का नया भवन बनने के साथ ही तीनपानी बाईपास पर लैब का भी निर्माण किया जा रहा है। लैब बनने पर हाई टेक मशीनें लगाई जाएंगी। जिससे दुग्ध पदार्थों की जांच करने में और आसानी होगी। यही नहीं, हाईटेक मशीनें से चंद सेकड में दुग्ध पदार्थों की रिपोर्ट मिल जाएगी, इसमें शहद आदि की भी जांच हो सकेगी।
> – संजय कुमार, डेरी निदेशक।

प्यार व डेटिंग के मामलों में लड़कों की ही गिरफ्तारी क्यों: हाई कोर्ट

- अधिवक्ता मनीषा की याचिका पर केंद्र व राज्य सरकार से मांगा जवाब हल्द्वानी जेल में ऐसे ही आरोपों से संबंधित 20 किशोर बंद मिले
- मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में हुई मामले की सुनवाई

जागरण संवाददाता, नैनीताल: प्यार व डेटिंग के मामलों में नाबालिग लड़के-लड़कियों के पकड़े जाने पर लड़के को ही गिरफ्तार किए जाने को लेकर हाई कोर्ट ने पूछा है कि ऐसा क्यों? कोर्ट ने मामले में केंद्र व राज्य सरकार से जबाव दाखिल करने को कहा है।

सोमवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में अधिवक्ता मनीषा भंडारी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। जिसमें कहा गया है कि नाबालिग लड़के-लड़कियों के प्यार के मामले में हमेशा दोषी लड़के को माना जाता है। जबकि कुछ मामलों में लड़की बड़ी होती है तो भी लड़के को ही हिरासत में लिया जाता है। उसे अपराधी बनाकर जेल में डाल दिया जाता है। जबकि उसकी गिरफ्तारी के बजाय काउंसलिंग होनी चाहिए। जिस उम्र में उसे स्कूल-कालेज में होना चाहिये वह जेल में होता है। किशोर न्याय अधिनियम के तहत ऐसे मामलों में लड़का-लड़की और उनके स्वजन की काउंसलिंग की जानी चाहिए। भारतीय दंड संहिता में भी 16 से 18 साल के अपराध में लिप्त किशोरों को दंड देने के बजाय उनकी मानसिक स्थिति को जानने के लिए बोर्ड का गठन करने का प्रविधान है। इसके विपरीत पोक्सो एक्ट की कुछ धाराओं में जेल भेज जाता है। यह सोचनीय विषय है और इस पर विचार किया जाना आवश्यक है। सुनवाई के दौरान ही कोर्ट के संज्ञान में आया कि कुछ माह पूर्व विजिट के दौरान हल्द्वानी जेल में ऐसे ही आरोपों से संबंधित करीब 20 किशोर बंद मिले। खंडपीठ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्र व राज्य सरकार से जबाव मांगा है।

यूट्यूबर सौरभ जोशी से मिलने इंदौर से भागकर हल्द्वानी पहुंचा नाबालिग

हल्द्वानी: इंटरनेट मीडिया में ब्लाग देखने का क्रेज बढ़ रहा है। हर कोई अपने पसंदीदा यूट्यूबर से मिलने की इच्छा रखता है। मध्य प्रदेश के इंदौर का रहने वाला 13 साल का बालक हल्द्वानी के यूट्यूबर सौरभ जोशी से मिलने रविवार रात 12 बजे उनके घर पहुंच गया। सौरभ ने उससे बात की। इसके बाद सकुशल स्वजन तक पहुंचाने के लिए पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया। साथ ही सूचना उसके स्वजन को दे दी है। स्वजन हल्द्वानी के लिए निकल गए हैं। तब तक बालक को बाल संप्रेक्षण गृह में रखा गया है। बालक इंदौर से दिल्ली और फिर हल्द्वानी ट्रेन से पहुंचा है। बाल कल्याण समिति के अधिकारियों ने नाबालिग के स्वजन से बात की। पता चला वह कक्षा आठ का छात्र है। मां इंदौर में संचालित राइस मिल में काम करती है। बड़ा भाई इंदौर सिटी बस में कंडक्टर है। यूट्यूबर से मिलने के लिए उसने शहर की एक किराना दुकान पर काम करके रुपये जुटाए। (जासं)

गोशाला में सांड पालने के लिए अब प्रतिदिन मिलेंगे 80 रुपये

हल्द्वानी: गोशालाओं में सांड को पालने के लिए राज्य सरकार की ओर से अब प्रतिदिन प्रति पशु 80 रुपये का भुगतान किया जाएगा। जबकि पहले सिर्फ 30 रुपये का भुगतान किया जाता था। ऐसे में लोग बेसहारा सांड को पालने के लिए आगे नहीं आते थे। लेकिन जैसी ही पशुपालन विभाग ने रकम बढ़ाई तो 19 लोग सांडों के संरक्षण के लिए आगे आ गए हैं।

पशुपालन विभाग की बंद पड़ी ग्राम गोसेवक योजना को जिले में दोबारा शुरू कर दिया गया है। पुरानी योजना के दौरान लोगों को सिर्फ 30 रुपये प्रति पशु प्रतिदिन दिया जाता था। गायों को पालने के लिए 80 रुपये प्रतिदिन प्रति पशु दिया जाता है। पशुपालन विभाग की ओर से कई बार ग्राम गोसेवक के लिए आवेदन निकालने के बाद जिले में 19 लोग सांडों के संरक्षण में रुचि ले रहे हैं। हालांकि पशुपालकों को सिर्फ पांच सांड पालने की अनुमति मिलेगी। जिसमें पशुपालन विभाग की ओर से 12 हजार रुपये गोसेवकों को भुगतान किया जाएगा। पशुपालन विभाग ने ग्राम गोसेवकों के निदेशालय में प्रस्ताव भी भेज दिया है। (जासं)

कार्बेट में आपरेशन मानसून नभ, थल व जल से निगहबानी

जागरण संवाददाता, रामनगर: मानसून सीजन शुरू होते ही कार्बेट टाइगर रिजर्व(सीटीआर) में वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए आपरेशन मानसून शुरू हो गया है। आज सोमवार से शुरू हुए आपरेशन मानसून के दौरान जंगल में नभ, थल व जल से निगहबानी की जाएगी।

कार्बेट टाइगर रिजर्व की दक्षिणी सीमा उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से लगी हुई है। इस रास्ते शिकारियों के घुसपैठ का खतरा बना रहता है। बरसात में संपर्क मार्ग खराब होने के साथ ही झाड़ियां भी बड़ी हो जाती है। पर्यटन गतिविधियां काफी सिमट जाती है। ऐसे में घुसपैठ से निपटने के लिए विभाग बरसात में आपरेशन मानसून के तहत सुरक्षा कड़ी कर देता है। इसके लिए जंगल की 125 वन चौकियों में वनकर्मियों के लिए साढ़े तीन माह का राशन एक साथ भेजने के अलावा प्राथमिक उपचार किट व सर्पदंश प्रतिरोधक दवा भेजी जा रही है। संपर्क बनाए रखने के लिए वायरलैस सिस्टम भी दुरुस्त किए गए हैं। जंगल में पेट्रोलिंग भी की जाएगी। स्टाफ की मदद के लिए हाथियों को भी रखा गया है। जंगल में ड्रोन से भी नजर रखी जाएगी। इसके अलावा स्नीफर डाग की भी गश्त में मदद ली जाएगी। रामगंगा नदी में मोटर वोट से कर्मचारी गश्त करेंगे। छोटी व लंबी दूरी की रोजाना पैदल गश्त होगी।

यह होगा कार्य

कार्बेट के जंगल के अलावा बाहर आबादी क्षेत्र में चेकिंग की जाएगी। चार स्नीफर डाग से बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन व घुमंतू परिवारों की जांच होगी। फ्लैग मार्च भी निकाला जाएगा। अंतरराज्यीय, अंतरप्रभागीय लंबी दूरी की पैदल गश्त की जाएगी। इसके अलावा एटीबी बाइक से भी नदी व रोखड़ किनारे गश्त की जाएगी। अत्याधुनिक ई सर्विलांस कैमरों से भी रोजाना निगरानी होगी।

> आपरेशन मानसून के तहत सीटीआर अलर्ट है। बरसात में जंगल की स्थितियां विपरीत हो जाती है। घुसपैठ का खतरा बढ़ जाता है। अत्याधुनिक उपकरणों व परंपरागत तरीकों से गश्त की जाएगी।
> – डा. धीरज पांडेय, निदेशक कार्बेट टाइगर रिजर्व

पुलिस कर्मी की छत से गिरकर मृत्यु

रुद्रपुर : चारधाम ड्यूटी पर गए रुद्रपुर में तैनात यातायात पुलिस कर्मी की रुद्रप्रयाग के गुप्तकाशी में बैरक की छत से गिरकर मृत्यु हो गई।

मूलरूप से थल डीडीहाट और हाल जिला हरिद्वार के थाना ज्वालापुर सुभाष नगर निवासी गणेश कुमार रुद्रपुर में यातायात पुलिस में तैनात थे। वह मई में चारधाम ड्यूटी पर गए थे। शनिवार को थाना गुप्तकाशी की बैरक की छत से नीचे गिर गए। उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां मृत घोषित कर दिया गया। (जासं)

सीआरपीएफ के सिपाही पद की शारीरिक दक्षता परीक्षा 10 से

हल्द्वानी: केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में सिपाही के पद की शारीरिक दक्षता परीक्षा व दस्तावेजों की जांच काठगोदाम सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र काठगोदाम में 10 जुलाई से 10 अगस्त तक होगी। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र के डीआइजी शंकर दत्त पांडेय ने बताया कि परीक्षा में सिपाही, चालक, फिटर, कारपेंटर, ब्रास बैंड, टेलर, विगुलर, कुक आदि की सीबीटी परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा, दस्तावेजों की जांच की जाएगी। (जासं)

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

हरिद्वार
पिन कोड- 249404

संख्या: 206/01/डी0आर0(डिग्री)/सेवा-2/2021-22 दिनांक: 01 जुलाई, 2024

विज्ञप्ति

एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि उत्तराखण्ड शासन के उच्च शिक्षा विभाग के लिए **असिस्टेंट प्रोफेसर (राजकीय महाविद्यालय) चयन-2021** के विज्ञापन दिनांक 04 दिसम्बर, 2021 विज्ञप्ति दिनांक 19 जनवरी, 2022 एवं दिव्यांगजन हेतु शुद्धिपत्र दिनांक 23 दिसम्बर, 2022 द्वारा प्राप्त ऑनलाईन आवेदन पत्रों में अंकित ए0पी0आई0 स्कोर के आधार पर घोषित शार्टलिस्टिंग परिणाम दिनांक 13 अप्रैल, 2022 में सफल अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र में किये गए दावे के आधार पर प्राप्त अभिलेखों की सन्निरीक्षा के क्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी (ENGLISH), विषय के अर्ह अभ्यर्थियों का साक्षात्कार दिनांक 24 व 25 अप्रैल, 2024 को आयोजित किया गया। उक्त साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों का चयन परिणाम, कट-ऑफ मार्क्स एवं साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों का विवरण आयोग की वेबसाइट **psc.uk.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट का अवलोकन अवश्य करें।

यह भी सूचित किया जाता है कि अभ्यर्थियों को इस संबंध में पृथक से सूचना प्रदान नहीं की जायेगी।

(गिरधारी सिंह रावत) सचिव।

कार्यालय जिला सूचना अधिकारी, बागेश्वर।

पत्रांक-212/सु.वि./वाहन/निविदा/2024-25 दिनांक-27 जून, 2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

जिला सूचना अधिकारी कार्यालय, बागेश्वर को 31 मार्च, 2025 तक शासकीय कार्यों के प्रचार-प्रसार के उपयोगार्थ एक डीजल चालित महिन्द्रा बुलेरो नवीनतम वाहन जो 01 जनवरी 2023 से पूर्व का पंजीकृत न हो, की आवश्यकता है। जिसके लिए पंजीकृत वाहन स्वामियों/ट्रेवल एजेन्सियों से दिनांक 14.07.2024 के अपराहन 05:00 बजे तक पंजीकृत डाक से सीलबन्द निविदाएं आमन्त्रित की जाती है जो दिनांक 15.07.2024 को पूर्वाहन 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष, गठित निविदा समिति द्वारा खोली जायेंगी।

निविदा फार्म एवं शर्तें जिला सूचना कार्यालय, बागेश्वर से दिनांक 13.07 2024 तक राजकीय अवकाश को छोड़कर किसी भी कार्य दिवस में प्रात: 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक रू0 200.00 (दो सौ मात्र) के नगद भुगतान पर प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदा लिफाफे के ऊपर वाहन हेतु निविदा अंकित करना अनिवार्य है। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा फार्म में विस्तृत रूप से उल्लिखित है। किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी/समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

पत्रांक-22633/सु0एवं0लो0स0वि0 दिनांक-1.7.2024

जिला सूचना अधिकारी बागेश्वर।

उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, (दक्षिण), 18, ई0सी0 रोड, देहरादून
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या U40109UR2001SGC025867

विद्युत बाधित सूचना

कृपया उपरोक्त विशयक संज्ञान में लाना है कि विद्युत वितरण उपखण्ड, निरंजनपुर, दे०दून के अन्तर्गत निम्नलिखित 33/11 के०वी० उपसंस्थान निरंनजपुर, दे०दून से निकलने वाले 11 के०वी० माजरा, इंजीनियर्स एन्कलेव, ब्राहमणवाला फीडरों की लाईन की तारों को बदलने का कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिस कारण उक्त फीडरों से पोषित होने वाले क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति निम्नांकित तिथियों में पूर्ण/आंशिक रूप से बाधित रहेगी।

दिनांक	समय	33/11 के०वी० उपसंस्थान का नाम	33 के0वी0 एवं 11 के०वी० फीडर का नाम	बाधित क्षेत्र
02.07.2024 से 10.07.2024	प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक	निरंजनपुर	माजरा	एल०बी०एस० मार्ग, शक्ति विहार, शिव विहार कालोनी, चौधरी कालोनी, मूलचन्द एन्कलेव, सेवला कला, प्रीति एन्कलेव इत्यादि।
			इंजीनियर्स एन्कलेव	रावली एन्कलेव, खादी ग्रामोद्योग, मेघ एन्कलेव, इंजीनियर्स एन्कलेव, जी०एम० एस० रोड़, कांवली, चौधरी फार्म हाउस का निकटवर्ती क्षेत्र इत्यादि क्षेत्र।
			ब्राहमणवाला	उमंग विहार, पी०पी०सी०एल० कालोनी, इन्द्रलोक कालोनी, ब्राहमणवाला, राजीव जुयाल मार्ग, रूचीपुरा, मदनी कालोनी, हरिद्वार बाईपास रोड़ इत्यादि।

अतः समस्त सम्मानित उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की जाती है।

No.: 303/EE(CM)/UPCL/A-2 Date: 01.07.2024 अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें।
(टोल फ्री नं. 1912) विद्युत बिलों के 24X7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं।
(विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं. 1800 180 4185/फैक्स संख्या 0135-2760911 पर दें।)

ALLOTMENT OF REGIMENTAL SHOPS

1. Sangeen Shakti Shopping Complex invites applications for following Shops on contract basis for a period of five years: -
(a) Tailor Shop - 02 (b) Barber Shop (c) Stationery Shop
(d) Wet Canteen (e) Juice Shop (f) Mobile & Gift Shop
(g) Cycle Shop (h) Photo Studio
(j) Grocery Shop-Shopping Complex (k) Grocery Shop-Dogra line
2. Above Regimental Shops are 100% reserved for war widows/widows of defence personnel killed while on duty/disabled soldier/ex-servicemen and spouses/widows of ex-servicemen.
3. The Shops will be allotted to the highest bidder as per bid selection process. The applications can be collected from the account office from 0900-1400hrs on any working day.
4. Last date of submission of application & documents is within 15 days from the date of publication of this advertisement.

OIC, Sangeen Shakti Shopping Complex
HQ 135 Inf Bde
Roorkee Cantt

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी, चमोली

संख्या-1610/29-पोस्टल बैलेट/उप निर्वाचन-2024 दिनांक 01 जुलाई, 2024

प्रेस नोट

एतद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 04-बद्रीनाथ विधान सभा उप निर्वाचन-2024 के सम्पादनार्थ मतदान हेतु मतदेय स्थलों पर तैनात मतदान कार्मिकों/सुरक्षा कार्मिकों, वाहन चालकों, क्लीनरों एवं निर्वाचन सम्बन्धी विभिन्न कार्यो को सम्पन्न करने हेतु तैनात किये गये कार्मिकों तथा अनुपस्थित मतदाता आवश्यक सेवाओं (AVES) को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की सुविधा प्रदान करने हेतु पोस्टल वोटिंग सेन्टर (Facilitation Centre) एवं तिथियां/समय निम्नानुसार निर्धारित की गयी हैं।

क्र. सं.	सुविधा केन्द्र/पी.वी.सी. की संख्या	सुविधा केन्द्र/पी.वी.सी. के स्थल का नाम	संचालित तिथियां	संचालन समय
1	सुविधा केन्द्र संख्या-01	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर-प्रशासनिक भवन भूतल सभागार कक्ष	02.07.2024 एवं 03.07.2024	09.00Am to 05.00 Pm
2	सुविधा केन्द्र संख्या-02	राजकीय क्रीड़ा स्थल, गोपेश्वर वाटर प्रूफ टैन्ट में	07.07.2024, 08.07.2024 एवं 09.07.2024	06.00Am to 05.00 Pm
3	पोस्टल वोटिंग (पी.वी.सी.) केन्द्र संख्या-3	जिला कलैक्ट्रेट गोपेश्वर कक्ष संख्या-05	04.07.2024, 05.07.2024 एवं 06.07.2024	09.00Am to 05.00 Pm

(हिमांशु खुराना)
जिलाधिकारी/
जिला निर्वाचन अधिकारी, चमोली

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पाबौ

E-Mail ID-eecdpwdpaboo@gmail.com, eecdpab.pwduk@gov.in

पत्रांक-825/12 ए0सी0 दिनांक 29/06/2024

सिंगल बिड ई-आर0एफ0पी0 निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, पावौ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आर0एफ0पी0 गुणवता और लागत आधारित चयन (QCBS) के अधार पर ई-टेण्डरिंग द्वारा (सिंगल बिड) के अन्तर्गत आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित सभी सूचनाए www.uktender.in पर दिनांक 05.07.2024 से उपलब्ध होगी।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी
1	जिला पौड़ी गढ़वाल के अन्तर्गत उत्तराखण्ड रोडसाइड भूमि नियन्त्रण अधिनियम की आवश्यकता के आधार पर सर्वेक्षण करने एवं लैण्ड प्लान (1:500 माप पर) तैयार करने हेतु इंजीनियरिंग कन्सल्टेंसी की नियुक्ति (थैलीसैण चौरीखाल चिपलघाट मोटर मार्ग (राज्य मार्ग संख्या 02) कि0मी0 1.00 से 43.00 कुल 43.00 कि0मी0 लम्बाई)	56000.00	2000+ 18% GST	120 दिन	06 माह	NH/NHAI/ASU /राज्य सरकार के अधीन समान प्रकृति के विस्तृत सर्वेक्षण कार्य का अनुभव
2	जिला पौड़ी गढ़वाल के अन्तर्गत उत्तराखण्ड रोडसाइड भूमि नियन्त्रण अधिनियम की आवश्यकता के आधार पर सर्वेक्षण करने एवं लैण्ड प्लान (1:500 माप पर) तैयार करने हेतु इंजीनियरिंग कन्सल्टेंसी की नियुक्ति (कर्णप्रयाग नौटी पैठाणी मोटर मार्ग (राज्य मार्ग संख्या 34) कि0मी0 1.00 से 30.30 कुल 30.30 कि0मी0 लम्बाई)	39000.00	2000+ 18% GST	120 दिन	06 माह	-तदैव-
3	जिला पौड़ी गढ़वाल के अन्तर्गत उत्तराखण्ड रोडसाइड भूमि नियन्त्रण अधिनियम आवश्यकता के आधार पर सर्वेक्षण करने एवं लैण्ड प्लान (1:500 माप पर) तैयार करने हेतु इंजीनियरिंग कन्सल्टेंसी की नियुक्ति (मरचूला -सराईखेत-बैजरों-पोखड़ा-सतपुली-पौडी मोटर मार्ग (राज्य मार्ग संख्या 32) कि0मी0 148.00 से 193.00 कुल 45.00 कि0मी0 लम्बाई)	59000.00	2000+ 18% GST	120 दिन	06 माह	-तदैव-

अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, पाबौ

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, रोशनाबाद, हरिद्वार
दूरभाष: 01334-239734

निविदा तिथि विस्तार सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 03/2024-25 एवं 04/2024-25 जिसके खुलने की तिथि 02-07-2024 रखी गयी थी, को विस्तारित करते हुए निविदा प्रपत्र खरीदने की अन्तिम तिथि 08-07-2024 को 15:00 बजे तक एवं निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि 09-07-2024 को 12:00 बजे व उसी दिन 13:00 बजे सम्बन्धित निविदादाताओं के सम्मुख खोली जायेंगी।

अन्य नियम व शर्तें यथावत् रहेंगी।

पत्रांक: 603/वि0वि0म0ह0/2024-25/टी-2 दिनांक: 01/07/2024 अधीक्षण अभियन्ता

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" टोल फ्री नं0 1800-419-0405

नीलामी सूचना

पत्रांक संख्या-705/रा०लि०-2024/नीलामी, दिनांक 29 जून, 2024

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपजिलाधिकारी महोदय विकासनगर के आदेश संख्या 2121 दिनांक 25.06.2024 के द्वारा प्रधान ग्राम पंचायत सहसपुर में पीठ बाजार की नीलामी किये जाने की अनुमति प्रदान की गई है तथा अधोहस्ताक्षरी को नीलाम अधिकारी नियुक्त किया गया है। उक्त नीलामी पंचायत घर सहसपुर में दिनांक 08.07.2024 को प्रातः 11.30 बजे की जानी है। नीलामी में नियत तिथि/समय पर प्रतिभाग कर सकते हैं। नीलामी की शर्तें नीलाम अधिकारी द्वारा मौके पर अवगत कर दी जाएगी।

नीलाम अधिकारी/तहसीलदार विकासनगर

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत जानपद मण्डल
कौलागढ पावर हाऊस देहरादून दूरभाष न0 : 0135-2752599

"ई-निविदा सूचना"

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा अनुभवी/प्रतिष्ठित तथा जानपदीय कार्य कर रहे पंजीकृत निविदाकार जोकि ईन्कम टैक्स, जी0एस0टी0, ई0पी0एफ0 एवं ई0एस0आई0 में पंजीकृत हों, से हस्ताक्षरयुक्त मोहरबन्द निविदाएं दिनाक **18.07.2024** को अपरान्ह 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जोकि दिनाक **18.07.2024** को ही अपरान्ह 3:00 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी।

1. निविदा संख्याः- ई0सी0सी0-13/2024-25
2. निविदा संख्याः- ई0सी0सी0-14/2024-25
3. निविदा संख्याः- ई0सी0सी0-15/2024-25
4. निविदा संख्याः- ई0सी0सी0-16/2024-25
5. निविदा संख्याः- ई0सी0सी0-17/2024-25
6. निविदा संख्याः- ई0सी0सी0-18/2024-25

उपरोक्त निविदाओं की विस्तृत जानकारी, शर्तें एवं निर्धारित प्रपत्र वेबसाईट **www.uktenders.gov.in** पर देखें।

पत्रांक: 824/वि0जा0म0/दे0दून/टी-5 दिनांक: 01/07/2024 अधीक्षण अभियन्ता

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें"

कार्यालय जनपद मत्स्य प्रभारी/ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक रूद्रप्रयाग

पत्रांक-44/मु0म0स0योजना/2024-25 दिनांक-28.06.2024

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु मत्स्य विभाग रूद्रप्रयाग में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (राज्य सेक्टर) एवं जिला योजना के अन्तर्गत Small RAS Biofloc, एंग्लिंग बीट विकास, केन्द्र सरकार की एफ0आई0डी0एफ0 (FIDF), अवसंरचनाओं एवं लाईवस्टॉक का बीमा, एक्वाकल्चर हेतु सोलर पावर सर्पोट सिस्टम, ट्राउट रियरिंग यूनिट, ट्राउट रेसवेज निर्माण एवं निवेश, मत्स्य सहेली, सघन मत्स्य पालन, कार्यान्वयन एजेंसी को सहायता, पर्वतीय क्षेत्रों में कलस्टर आधारित मत्स्य पालन (तालाब निर्माण), पर्वतीय क्षेत्र में तालाब सुधार, समन्वित मत्स्य पालन (पर्वतीय क्षेत्र), मत्स्य आहार वितरण, मत्स्य बीज एवं अन्य इनपुट सामग्रियों, इत्यादि हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहें हैं, योजना का लाभ प्रथम आओ, प्रथम पाओ के आधार पर दिया जायेगा। विस्तृत जानकारी विकास भवन रूद्रप्रयाग में स्थित जनपद मत्स्य प्रभारी के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

जनपद मत्स्य प्रभारी, रूद्रप्रयाग।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत द्वितीय कार्य खण्ड, 18-ई0सी0 रोड, देहरादून
दूरभाष/फैक्स नं0 : 0135-2712924, कॉरपोरेट आइडेंटिटी संख्या : U40109UR2001SGC025867

पत्रांक : 280/वि0द्वि0का0ख0/दे0/प्रकाशन/2024-25 दिनांकः 01/07/2024

अति आवश्यक सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 220/33 के०वी० उपस्थान चम्बा से पी०जी०सी०आई०एल० कोटेश्वर (टिहरी) तक निर्मित 33 के०वी० लाईन के ऊर्जीकरण का कार्य दिनांक 03.07.2024 या इसके पश्चात् कभी भी किया जा सकता है। अतः उक्त लाईन के मार्ग में पड़ने वाले क्षेत्र चम्बा, थान, रानीचौरी, चामनी, पल्ली, दिवाड़ा, नकोट, तुंगोली, मालदा, जखैटी, नैचोली, नोल्टा, काण्डाखेत, चंदेली, तेला, सॉटियाल गाँव, पावर ग्रिड, कोटेश्वर के समीप तथा आस-पास के क्षेत्र के समस्त क्षेत्रवासियों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त 33 के०वी० विद्युत लाईन के तार को न छुयें, टॉवरों पर न चढ़ें, ना ही पशुओं को खम्बों से बाँधें, स्टे तार को न छुयें और लाईन के नीचे सूखीघास, लकड़ी या अन्य ज्वलनशील पदार्थ न रखें, क्योंकि इससे जानमाल का खतरा हो सकता है।

अतः इस सूचना के जारी होने के उपरान्त यदि कोई व्यक्ति इस लाईन के तार व पोलों को छेड़ता है, टॉवरों पर चढ़ता है तो उससे होने वाली जानमाल की क्षति के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्रहित में बिजली बचायें, किसी भी विद्युत समस्या के लिए सम्पर्क करें टोल फ्री नं0 : 1800 419 0405 अथवा 1912, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें, विद्युत बिलों के 24x7 ऑन लाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाए। (विद्युत चोरी की सूचना हेतु कॉल करें 1800 180 4185, फैक्स नं0 0135-2760911 पर दें)

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल)

पत्रांक-2023-24/45 दिनांक-30.06.2024

कैन्टीन निविदा आमंत्रण सूचना

मण्डी समिति कोटद्वार अपने नवीन मण्डी स्थल कोटद्वार में स्थित जलपान गृह को वित्तीय वर्ष 2024-25 (दिनांक 12 जुलाई 2024 से 31 मार्च 2025 तक) के लिए ठेके पर देने हेतु निविदा आमंत्रित करती है। निविदा फार्म रू0 1000.00 (रूपये एक हजार मात्र) जमा करके समिति कार्यालय से दिनांक 09.07.2024 सांय 05 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। दिनांक 10.07.2024 के सांय 05 बजे तक निविदा फार्म शीलबन्द जमा करनी होगी, दिनांक 11.07.2024 को प्रातः 11 बजे प्रशासक महोदय की मौजूदगी में खोली जायेगी।

अतः इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वह नियत समय पर निविदा फार्म प्राप्त करके समिति कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करें। निविदा की शर्तें किसी भी कार्य दिवस को मण्डी समिति के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

परमवीर सिंह, प्रभारी सचिव — डा0 आशीष चौहान, प्रशासक
कृषि उत्पादन मण्डी समिति, कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल)

कार्यालयः मुख्य कृषि अधिकारी, देहरादून

सार्वजनिक अल्पकालीन नीलामी सूचना

पत्रांक- 583 / मु०कृ०अ० / भण्डार / रबी-प्रक्षेत्रनीलामी / 2024-25/ दिनांक-01.07.2024

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय जैविक कृषि प्रक्षेत्र, ढकरानी में राजकीय जैविक प्रक्षेत्र, ढकरानी व बीज उत्पादन कार्यक्रम से प्राप्त कुल छानस 118.70 कु० एवं आठ (08) कटहल पेंडों के फलों की नीलामी दिनांक 06.07.2024 को पूर्वाहन 11.00 बजे नामित समिति के समक्ष की जायेगी। नीलामी से सम्बन्धित समस्त जानकारी, मुख्य कृषि अधिकारी, देहरादून कार्यालय किसान भवन, रिंग रोड, देहरादून एवं प्रक्षेत्र अधीक्षक, राजकीय जैविक कृषि प्रक्षेत्र, ढकरानी से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

नीलामी की शर्ते-

1. छानस, कटहल पेड के फल "जहां है जैसे है के आधार पर नीलाम किया जायेगा।
2. नीलामी से पूर्व बोलीदाता को रू0 10,000.00 (रु० दस हजार रू० मात्र) का नकद / बैकड्राफ्ट / डी०डी० के रूप में मुख्य कृषि अधिकारी, देहरादून के पदनाम से राजकीय कृषि प्रक्षेत्र अधीक्षक के पास जमा करनी होगी, नीलामी के बाद जिन बोलीदाताओं की बोली स्वीकृत नही होंगी, को बन्धक राशि मूल रूप मे वापस कर दी जायेगी।
3. स्वीकृत बोली दाता को नीलामी की सम्पूर्ण धनराशि नीलामी स्थल पर ही जमा करानी होगी। इसके असफल रहने पर धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी एवं द्वितीय उच्चतम बोलीदाता के नाम पर बोली छोड दी जायेगी।
4. स्वीकृत बोलीदाता को नीलामी के बाद सामग्री को ले जाने की व्यवस्था एवं रखवाली आदि की जिम्मेदारी का निर्वहन स्वयं करना पडेगा।
5. स्वीकृत बोलीदाता को नीलामी की धनराशि बैकड्राफ्ट / डी०डी० के रूप में मुख्य कृषि अधिकारी, देहरादून के पदनाम से नीलामी के उपरान्त तैयार कर राजकीय कृषि प्रक्षेत्र अधीक्षक को उपलब्ध करानी होगी, उसके उपरान्त ही सम्बन्धित स्वीकृत बोलीदाता को नीलामी की सामग्री को स्थल से उठाने का अधिकारी होगा।
6. विना किसी कारण बतायें नीलामी को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार समिति का होगा।

मुख्य कृषि अधिकारी देहरादून।

एक नजर में

सूचना विभाग में 13 कार्मिक पदोन्नत

देहरादूनः सूचना एवं लोक संपर्क विभाग में 13 कार्मिकों की पदोन्नति हुई है। इसके तहत कार्मिकों को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, संवीक्षक से अनुवादक, प्रधान सहायक से प्रशासनिक अधिकारी एवं वरिष्ठ सहायक से प्रधान सहायक के पद पर कार्मिकों को पदोन्नत किया गया है। संघ के अध्यक्ष रणजीत सिंह बुदियाल ने कहा यह अवसर सभी कार्मिकों के लिए उत्साह एवं खुशी का है। (राब्यू)

राजपाल लेघा को निदेशक खनन का जिम्मा

देहरादूनः शासन ने भूतत्व व खनिकर्म विभाग में अपर निदेशक राजपाल लेघा को निदेशक खनन के पद पर पदोन्नत किया है। वह अभी तक निदेशक खनन का प्रभार देख रहे थे। (राब्यू)

राज्यपाल से मिले कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज

देहरादूनः राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से सोमवार को राजभवन में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने उनसे चार धाम यात्रा सहित अन्य विभिन्न विषयों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उधर, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से सोमवार को राजभवन में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने मुख्य सचिव से राज्य के विभिन्न समसामयिक विषयों पर जानकारी प्राप्त की। (राब्यू)

मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक आज

देहरादूनः राज्य में मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना शीघ्र आरंभ होगी। इसके क्रियान्वयन के लिए गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की अध्यक्षता में विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में सुबह 11 बजे होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को मंत्रिमंडलीय उपसमिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। (राब्यू)

कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने संभाला कार्यभार

नई टिहरीः श्रीदेव सुमन विवि के नवनियुक्त कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने सोमवार को विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि वह पूर्व में भी श्रीदेव सुमन विवि में सेवाएं दे चुके हैं। ऐसे में उनके लिए विवि नया नहीं है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ शोध तथा अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य करना उनकी प्राथमिकता होगी। (जासं)

स्वरोजगार योजना में 10 हजार लोगों को लाभ

सीएम ने सब्सिडी का बजट बढ़ाकर किया 100 करोड़ रुपये

सचिवालय में उद्योग विभाग एवं सिडकुल की बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी • साभार सूचि

- सचिवालय में उद्योग व सिडकुल विभाग की समीक्षा, नए आइटी पार्क को सीएम ने दी स्वीकृति
- परियोजनाओं के पूर्ण होने तक के सभी कार्यों की समय-सीमा निर्धारित करने के निर्देश दिए
- कहा, नगरीय क्षेत्रों के साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों में रूरल बिजनेस इंक्यूबेटर को बढ़ावा दिया जाए

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादूनः प्रदेश में चल रही मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना सफलतापूर्वक चल रही है। इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष निर्धारित 8000 आवेदन के सापेक्ष 9000 आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं और काफी आवेदन अभी लंबित है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस योजना में चालू वित्तीय वर्ष में सब्सिडी के लिए किए गए 50 करोड़ के प्रविधान को बढ़ाकर 100 करोड़ रुपये करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य को संशोधित कर 10 हजार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नया आइटी पार्क बनाने की भी सहमति प्रदान की।

सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उद्योग विभाग व सिडकुल की समीक्षा की। उन्होंने उद्योग विभाग के तहत चल रही परियोजनाओं के पूर्ण होने तक के सभी कार्यों की समय-सीमा निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दो साल के भीतर पूर्ण होने वाली योजनाओं का समय सीमा सहित पूरा ब्योरा भी उपलब्ध कराने को कहा है। साथ ही औद्योगिक विकास के लिए अन्य राज्यों की बेस्ट प्रेक्टिस के आधार पर कार्य करने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने देहरादून के लालतप्पड़ क्षेत्र में 57 एकड़ में बनने वाले कन्वेंशन सेंटर का कार्य 26 जुलाई तक पूरा करने और देहरादून में चिह्नित 107 एकड़ भूमि में फिल्म सिटी के निर्माण का कार्य भी शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने हरिद्वार के अलावा ऊधम सिंह नगर और देहरादून के सेलाकुई क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्ट्री के निर्माण की कार्यवाही करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अवस्थापना विकास और तकनीकी दक्षता से संबंधित विभागों को एक ही क्षेत्र में रखा जाए। पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। निजी उद्योग क्षेत्र नीति के तहत ऐसी व्यवस्था की जाए जिसमें भू उपयोग के परिवर्तन कराने के लिए अलग से व्यवस्था न करनी पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों के साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों में रूरल बिजनेस इंक्यूबेटर को तेजी से बढ़ावा दिया जाए। कहा कि राज्य की जीडीपी को दोगुना करने के लिए विनिर्माण के क्षेत्र में 90 हजार करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा गया है, जबकि इसमें 1.26 लाख करोड़ का लक्ष्य हासिल होने की संभावना है। बैठक में अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के अध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव उद्योग विनय शंकर पांडेय आदि उपस्थित रहे।

पर्वतीय क्षेत्रों में 10 हजार युवाओं को देंगे कौशल विकास का प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादूनः प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वर्ष 2026 तक पर्वतीय क्षेत्रों के 10 हजार युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद से संबंधित कोर्स शामिल किए जाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे विभागीय वेबसाइट अपडेट रखें।

सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में सूचना प्रौद्योगिकी एवं गुड गवर्नेंस के संबंध में बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए किए अपुणि सरकार पोर्टल के माध्यम से दी जा रही सेवाओं के आवेदनों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के द्वार की भावना को साकार करने के लिए अधिकांश जनसुविधाएं आमजन को उनके घर तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि देहरादून में डोर स्टेप डिलीवरी सिस्टम के सफल प्रयोग के बाद इसे प्रदेश के अन्य शहरी निकायों में भी लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि सूचना क्रांति के इस दौर में आनलाइन सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही डाटा सिक्योरिटी का विशेष ध्यान रखा जाए। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रदान की जाने वाली धनराशि का वितरण डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के माध्यम से किया जाए। पीएम गतिशक्ति उत्तराखंड के तहत योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन हो इसके लिए निर्धारित बिंदुओं के अनुसार कार्यवाही की जाए। उन्होंने सीएम डैश बोर्ड प्रक्रिया के तहत सभी विभागों में एक माह के भीतर की-परफारमेंस इंडीकेटर बनाना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में बताया कि अभी तक आइटीडीए-सीएससी के तहत 60 हजार से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया है। जिसमें 25 प्रकार के कोर्स शामिल किए गए हैं। बैठक में अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के अध्यक्ष विश्वास डाबर, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव आइटीडीए शैलेश बगोली, अपर सचिव विजय जोगदंडे उपस्थित थे।

समाचार सार

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से सोमवार को राजभवन में स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने शिष्टाचार भेंट की • साभार सूचि

स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी सुझावों के अध्ययन को कमेटी गठित

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादूनः राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से सोमवार को राजभवन में स्वास्थ्य मंत्री डा धन सिंह रावत ने भेंट की। इस दौरान उन्होंने हाल में ही स्वास्थ्य सेवाओं में व्याप्त अंतर कम करने को अंतर विश्लेषण पर राजभवन में हुई बैठक के संबंध में विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि यह बैठक सार्थक रही। डा धन सिंह रावत ने कहा कि अंतर विश्लेषण बैठक के सुझावों को लेकर कमेटी बनाई जा रही है। कमेटी सुझावों का अध्ययन कर शीघ्र ही अपना प्रस्तुतीकरण कैबिनेट के समक्ष देगी। स्वास्थ्य मंत्री डा रावत ने अन्य विषयों पर भी राज्यपाल को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अभी तक पांच हजार गांवों को टीबी मुक्त किया जा चुका है। साथ ही निक्षय मित्र के माध्यम से टीबी रोगियों की सहायता करने में प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्यपाल के मार्ग निर्देशन में यह अभियान सुचारू चल रहा है। राज्यपाल समय-समय पर समीक्षा करते रहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में विशेषज्ञ डाक्टरों की कमी को दूर करने को उनकी सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष की गई है।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री डा. मनसुख मंडाविया से शिष्टाचार भेंट की • साभार सूचि

खेलों के लिए आइओए को निर्देशित करने का अनुरोध

देहरादूनः खेल मंत्री रेखा आर्या ने नई दिल्ली में केंद्रीय खेल मंत्री डा मनसुख मांडविया से मुलाकात कर उनसे उत्तराखंड में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों की तिथि निर्धारित करने लिए भारतीय ओलिंपिक संघ (आइओए) को निर्देशित करने का अनुरोध किया है। सोमवार को खेल मंत्री रेखा आर्या ने केंद्रीय खेल मंत्री डा मनसुख मांडविया से मुलाकात कर उन्हें नया पदभार ग्रहण करने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने केंद्रीय खेल मंत्री को बताया कि उत्तराखंड को 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिली है। इसके लिए प्रदेश में 90 प्रतिशत खेल अवस्थापना सुविधाएं सृजित की जा चुकी हैं। राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिलने के बाद प्रदेश सरकार ने भारतीय ओलिंपिक संघ से इन खेलों को इसी वर्ष अक्टूबर व नवंबर कराने का अनुरोध किया था। बावजूद इसके भारतीय ओलिंपिक संघ ने आज तक इन खेलों के आयोजन की तिथियां निर्धारित नहीं की है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि इसके लिए ओलिंपिक संघ को कार्यवाही को निर्देशित करें। (राब्यू)

हरेला पर फलदार प्रजाति के पौधे लगाएंगे विभाग

जागरणः प्रकृति पर्व हरेला पर 16 जुलाई को प्रदेशभर में कृषि एवं उद्यान विभाग बड़े पैमाने पर फलदार प्रजातियों के पौधे लगाएंगे। कृषि एवं उद्यान मंत्री गणेश जोशी ने सोमवार को हाथीबड़कला स्थित कैंप कार्यालय में हुई दोनों विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक में इसके निर्देश दिए। मंत्री जोशी ने इस बात पर भी जोर दिया कि वर्षाकालीन फलदार पौधारोपण में रंगीन फल प्रजातियों को महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य को वर्ष 2025 तक आधुनिक प्रदेश के रूप में विकसित करने और कृषकों की आय में वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। रंगीन फलों की बाजार में अधिक मांग है। इनके पौधारोपण से कृषकों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पर्वतीय व मैदानी क्षेत्रों में उपयोगी पौधों के रोपण के संबंध में उद्यान व ग्राम्य विकास के अधिकारी आपसी समन्वय से विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। उद्यान अधिकारियों ने मंत्री को जानकारी दी कि राज्यभर से अभी तक 4.52 लाख फलदार पौधों की मांग आई है। (राब्यू)

वन व राजस्व क्षेत्रों में नए खनन क्षेत्र चिह्नित करेंगे जिलाधिकारी

- प्रथम तिमाही में ही खनन विभाग 270 करोड़ का राजस्व लक्ष्य कर चुका है हासिल
- विभाग अब राजस्व को बढ़ाने के लिए नए राजस्व लक्ष्य निर्धारित कर रहा है

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादूनः प्रदेश सरकार खनन में राजस्व वृद्धि के लिए नए खनन क्षेत्र चिह्नित करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इस कड़ी में शासन ने जिलाधिकारियों को राजस्व विभाग व वन क्षेत्र में नए खनन क्षेत्र चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। कहा गया है कि जिन नदियों में मलबा अधिक बह कर गया है व वहां भू-कटाव की आशंका है उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

खनन विभाग प्रदेश के प्रमुख राजस्व देने वाले विभागों में एक है। गत वित्तीय वर्ष खनन विभाग ने 875 करोड़ राजस्व लक्ष्य के सापेक्ष 645 करोड़ राजस्व वसूला था। इस वित्तीय वर्ष में खनन विभाग को एक हजार करोड़ का राजस्व लक्ष्य दिया गया है। प्रथम तिमाही में ही खनन विभाग 270 करोड़ का राजस्व लक्ष्य हासिल कर चुका है।

अब विभाग राजस्व बढ़ाने के लिए नए राजस्व लक्ष्य निर्धारित कर रहा है। इसके लिए राजस्व व वन क्षेत्रों पर नजर दौड़ाई जा रही है। विशेष रूप से वन क्षेत्रों से बहने वाली नदियों में लगातार रेत, बजरी, बोल्डर भरने से तल ऊपर हो रहा है। इससे इन नदियों से लगी भूमि में भू-कटाव हो रहा है, साथ ही बाढ़ की आशंका बनी रहती है।

यद्यपि, पर्यावरणीय स्वीकृति न मिल पाने के कारण यहां खनन में खासी समस्या आती है। यह भी देखा गया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति की लंबी प्रक्रिया को देखते हुए कई बार विभाग भी इस ओर ज्यादा जोर नहीं देते हैं। इसके साथ ही राजस्व क्षेत्रों में भी नए खनन क्षेत्र खोले जाने की संभावनाएं हैं। इसे देखते हुए शासन ने राजस्व व वन विभाग को नए खनन क्षेत्र चिह्नित करने को कहा था। अब हाल ही में जिलाधिकारियों के साथ हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में सचिव खनन बीके संत ने सभी जिलाधिकारियों को विभागों से समन्वय बनाते हुए नए खनन क्षेत्रों को चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं।

अनुपयोगी भूमि अन्य विभागों को हस्तांतरित कर सकता है टीडीसी

देहरादूनः उत्तराखंड सीड्स एंड तराई डेवलपमेंट कारपोरेशन (टीडीसी) अपने अधीन ऐसी भूमि को अन्य विभागों को हस्तांतरित कर सकता है, जो उसके लिए अनुपयोगी है। अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में हुई टीडीसी के निदेशक मंडल की बैठक में इस बात पर जोर दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि हस्तांतरित की जाने वाली अनुपयोगी भूमि से प्राप्त आय टीडीसी के लिए अपने बकाया भुगतान चुकाने और आय के अन्य विकल्प पर कार्य करने में सहायक हो सकती है।

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि टीडीसी को मजबूती प्रदान करने के लिए उसे अन्य विकल्पों पर भी विचार करना चाहिए। अपनी क्षमता व ताकत को देखते हुए नए विकल्पों पर कार्य करने की दिशा में प्रयास होने चाहिए। इस कड़ी में पर्वतीय क्षेत्र में फल, सब्जी व फूलों के क्षेत्र में प्रयास किए जा सकते हैं। उन्होंने टीडीसी को उद्योगों के बकाये का भुगतान समय पर करने, किसानों के परिवहन भाड़ा संबंधी बकाया प्रकरणों को निस्तारित करने के निर्देश भी दिए। (राब्यू)

बदरीनाथ और मंगलौर में माहौल गर्माएगी भाजपा

- पार्टी ने दोनों विधानसभा सीटों के उपचुनाव के दृष्टिगत तय किए स्टार प्रचारकों के कार्यक्रम
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दोनों विधानसभा क्षेत्रों में छह से ज्यादा सभाओं को करेंगे संबोधित

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादूनः विधानसभा की बदरीनाथ व मंगलौर सीटों के उपचुनाव के लिए 10 जुलाई को होने वाले मतदान को देखते हुए भाजपा अब वहां माहौल गर्माने जा रही है। इस क्रम में पार्टी ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए अपने स्टार प्रचारकों के साथ ही राज्य सरकार के मंत्रियों, विधायकों, प्रांतीय पदाधिकारियों के कार्यक्रम निर्धारित कर दिए हैं। मुख्यमंत्री धामी इन विधानसभा क्षेत्रों में आधा दर्जन से अधिक सभाओं को संबोधित करेंगे।

विधानसभा की बदरीनाथ सीट से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भंडारी को भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले अपने पाले में खींच लिया था। इसके चलते यह सीट रिक्त हो गई थी। बदरीनाथ सीट के उपचुनाव में भाजपा ने यहां से राजेंद्र भंडारी को ही प्रत्याशी बनाया है। विधानसभा की मंगलौर सीट बसपा विधायक सरवत करीम अंसारी के निधन के कारण रिक्त हुई थी। यह ऐसी सीट है, जिस पर भाजपा को कभी सफलता नहीं मिल पाई। मंगलौर सीट के उपचुनाव में पार्टी ने करतार सिंह भडाना को मैदान में उतारा है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी के अनुसार उपचुनाव के दृष्टिगत दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए स्टार प्रचारकों के कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं। मंगलौर में पांच जुलाई को लिब्बरहेड़ी में वृहद रैली आयोजित की गई है, जिसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री धामी की अन्य स्थानों पर भी सभाएं होंगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज के जनसंपर्क व सभाओं के कार्यक्रम भी तय किए जा रहे हैं। इसके अलावा हरिद्वार सांसद व पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक समेत पार्टी विधायक और प्रांतीय पदाधिकारियों को मोर्चे पर लगाया गया है।

कांग्रेस नेता की विभाजनकारी सोच निंदनीय : मुख्यमंत्री

- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वक्तव्य पर उत्तराखंड में तीखी प्रतिक्रिया
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट बोले, हिंदुओं को हिंसक बताने के लिए देश से माफी मांगे राहुल

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादूनः लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हिंदुओं को लेकर दिए गए वक्तव्य पर उत्तराखंड में तीखी प्रतिक्रिया हुई है। राज्य की भाजपा सरकार और संगठन, दोनों ने इसकी कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आखिर हिंदुओं के प्रति इतनी नफरत क्यों। भगवान राम को काल्पनिक, सनातन को डेंगू और अब हिंदुओं को हिंसक, नफरत फैलाने वाला व झूठा बोलकर कांग्रेस के नेता ने एक बार फिर हमारी संस्कृति और पहचान पर प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद की राजनीति से पनपे और तुष्टिकरण की विचारधारा से ग्रसित कांग्रेस नेता की यह विभाजनकारी सोच निंदनीय है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि हिंदुओं को हिंसक बताने के लिए राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य भट्ट ने कहा कि राहुल गांधी का वक्तव्य कांग्रेस की सनातन विरोधी सोच को फिर से उजागर करता है। आपत्तिजनक यह कि राहुल ने इस बार हिंदुओं के लिए अपमानजनक शब्दावली का प्रयोग लोकतंत्र के पवित्र मंदिर में किया है। उन्होंने कहा कि राहुल और कांग्रेस को हिंदुओं से नफरत होगी, लेकिन देश में करोड़ों लोग स्वयं को गर्व से हिंदू कहते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सदन के मंच का दुरुपयोग किया है। उन्हें इस मुद्दे पर देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

राज्य के वित्त एवं शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि हिंदू भारत की आत्मा है। हिंदू समाज को हिंसक कहना भारतवर्ष का अपमान है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को हिंसक कहना राहुल गांधी की छोटी मानसिकता को दर्शाता है।

ऊधम सिंह नगर के एडीएम से स्पष्टीकरण तलब

- आपदा प्रबंधन विभाग की राज्य सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने दिए निर्देश
- आपदा से निबटने को बुलाई गई बैठक में उपस्थित नहीं हुए ऊधम सिंह नगर के एडीएम

मानसून सीजन को लेकर सोमवार को आपदा प्रबंधन विभाग की राज्य सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने सचिवालय में हुई बैठक में आपदा से निबटने के दृष्टिगत जिलों की तैयारियों को परखा • साभार सूचि

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादूनः मानसून में आपदा से निबटने के मद्देनजर बुलाई बैठक में उपस्थित न होने पर ऊधम सिंह नगर के एडीएम से स्पष्टीकरण लिया जाएगा। आपदा प्रबंधन विभाग की राज्य सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने इसके निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने सभी जिलों को आपदा के दृष्टिगत सभी तैयारियां चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। साथ ही आपदा संबंधी अलर्ट और सूचनाओं के समय पर आदान-प्रदान की जरूरत पर बल दिया।

आपदा प्रबंधन विभाग की राज्य सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष रूहेला ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में सभी जिलों में आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत की गई तैयारियों को परखा। उन्होंने कहा कि आपदा के समय सूचना तंत्र सबसे महत्वपूर्ण होता है। कहीं भी अलर्ट मिलते ही यह तुरंत पहुंचना चाहिए, ताकि लोग सतर्क हो सकें। उन्होंने सभी जिलों के कंट्रोल रूम में जरूरी विभागों के नोडल अधिकारियों की तैनाती करने, कंट्रोल रूम में जेसीबी, एंबुलेंस के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण फोन नंबर रखने, सड़कें बाधित होने पर पैदल मार्गों का निरीक्षण कर व्यवस्था दुरुस्त रखने, दवाइयां, चिकित्सकों व फार्मासिस्ट, एंबुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था रखने, नालों की सफाई सुनिश्चित करने, उपलब्ध संसाधनों का डाटाबेस तैयार करने, आपदा मित्रों का बेहतर ढंग से उपयोग करने के निर्देश भी दिए।

जलभराव का तलाशें स्थायी समाधान : ऊधम सिंह नगर जिले के जसपुर व रुद्रपुर और हरिद्वार समेत अन्य जिलों में विभिन्न स्थानों पर वर्षाकाल में जलभराव की समस्या को भी रूहेला ने रेखांकित किया। साथ ही संबंधित जिलों के अधिकारियों को इसका स्थायी समाधान निकालने को कहा। उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पशुवंश के लिए उचित उपचार की व्यवस्था करने को भी कहा।

सेटेलाइट फोन की करें नियमित टेस्टिंग: राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप ने सभी जिलों को निर्देश दिए कि वे सेटेलाइट फोन की नियमित रूप से टेस्टिंग करें, ताकि आपदा के समय कोई दिक्कत न आए। उन्होंने संभावित आपदा के दृष्टिगत जिलों को खाद्य सामग्री के पैकेट की व्यवस्था अभी से करने को कहा।

राज्य में भूस्खलन के 132 हाट स्पाट चिह्नित

उत्तराखंड भूस्खलन प्रबंधन एवं न्यूनीकरण केंद्र की डा रुचिका टंडन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में भूस्खलन के 132 हाट स्पाट चिह्नित किए गए हैं। इस दौरान राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजकुमार नेगी ने प्राधिकरण की तैयारियों और विश्व बैंक पोषित यू-प्रिपेयर के अतिरिक्त परियोजना निदेशक एसके बिरला ने भी प्रस्तुतीकरण दिए।

देहरादून की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

thsti ब्रिक–ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान **BRIC** a DBT Organization

(जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद का एक संस्थान, भारत सरकार)
एनसीआर बायोटेक साइंस क्लस्टर, तीसरा माइलस्टोन, फरीदाबाद–गुरुग्राम एक्सप्रेसवे, पी.ओ. बॉक्स नंबर 04, फरीदाबाद – 121001

भर्ती सूचना सं. टीएसएस/आरएन/27/2024

टीएचएसटीआई ने टीएचएसटीआई की परियोजनाओं के तहत निम्नलिखित पदों को भरने का प्रस्ताव रखा है: 1. प्रधान वैज्ञानिक–I 2. अनुसंधान वैज्ञानिक 3. तकनीकी अधिकारी–II 4. तकनीकी अधिकारी–I

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.thsti.res.in पर जाएं।

तेलंगाना वन विकास निगम लिमिटेड
(तेलंगाना सरकार का उपक्रम)
डिवीजन कार्यालय: सथुपल्ली, आर एंड बी गेस्ट हाउस के पास, मेन रोड सथुपल्ली, खम्मम जिला - 507303
फोन: 08761 – 282533, ई-मेल आईडी : dm.tgfdc.spl@gmail.com

संदर्भ संख्या: 3.7.165/डीएम/एसपीएल/2023-24/ दिनांक 28.06.2024

एफएससी प्रमाणित लंबे बांस की बिक्री के लिए अधिसूचना

तेलंगाना वन विकास निगम लिमिटेड, 07.07.2024, 15.07.2024, 23.07.2024 और 30.07.2024 को सुबह 11 बजे कॉर्पोरेशन टिम्बर डिपो, सथुपल्ली में खुली नीलामी बिक्री में लगभग 10,00,000 एफएससी प्रमाणित लंबे बांस की बिक्री को अधिसूचित करता है। 30.07.2024 को बिना बिके लंबे बांस की पूरी मात्रा के निपटान तक हर महीने 7 और 23 तारीख को होने वाली नियमित बिक्री में बेचा जाएगा। इच्छुक खरीदार बिक्री के दिन सीटीडी सथुपल्ली कार्यालय में 5000 रुपये ईएमडी का भुगतान करके बिक्री में भाग ले सकते हैं। इसके अलावा बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि सभी भुगतान केवल यूपीआई/ऑनलाइन/आरटीजीएस / एनईएफटी या बैंक हस्तांतरण के माध्यम से किए जाएंगे अधिक जानकारी और बिक्री शर्तों के लिए कार्य समय के दौरान उपरोक्त कार्यालय या सीटीडी सथुपल्ली में संपर्क करें।

संपर्क संख्या
बागान प्रबंधक: +91 8008301643
उप बागान प्रबंधक: +91 8886535988
डिविजनल मैनेजर : +91 8008301621
DIPR R.O. No. : 139-PP/CL-AGENCY/ADVT/1/2024-25

जी गणेश
डिविजनल मैनेजर
सथुपल्ली

प्रभाव आधारित पूर्वानुमान को लेकर माडल विकसित करें

- सचिव आपदा प्रबंधन डा रंजीत कुमार सिन्हा ने केंद्रीय संस्थानों के विज्ञानियों को दिए निर्देश
- बादल फटना, भूस्खलन, भूकंप व बाढ़ जैसी आपदाओं से निबटने को संस्थानों के कार्यों की जानकारी ली

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादूनः आपदा की दृष्टि से संवेदनशील उत्तराखंड में बादल फटना, भूस्खलन, भूकंप और नदियों की बाढ़ जैसी आपदाओं से निबटने के लिए ठोस कदम उठाने की दिशा में शासन सक्रिय हो गया है। इसी कड़ी में सचिव आपदा प्रबंधन डा रंजीत कुमार सिन्हा ने विभिन्न केंद्रीय वैज्ञानिक संस्थानों के साथ बैठक में प्राकृतिक आपदाओं और क्षति के न्यूनीकरण को लेकर विमर्श किया। साथ ही संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली और उनके अनुभव व तकनीकी को समझा।

उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में मौसम, भूस्खलन, भूकंप व बाढ़ के दृष्टिगत प्रभाव आधारित पूर्वानुमान को लेकर माडल विकसित किया जाए, ताकि संभावित आपदा के संबंध में पहले ही अलर्ट जारी किया जा सके। सचिव आपदा प्रबंधन डा सिन्हा ने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं राज्य में हर साल कई चुनौतियां लेकर आती हैं। मानसून के दौरान बादल फटना, भूस्खलन व नदियों की बाढ़ से जानमाल की काफी क्षति होती है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल एक विभाग का कार्य नहीं, बल्कि कई विभागों के आपसी सामंजस्य व तालमेल से ही आपदा की चुनौतियों से निबटा जा सकता है। विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के शोध अनुसंधान आपदा से प्रभावी तरीके से निबटने में एक नई दिशा प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने जियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया और वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के विज्ञानियों को ऐसा माडल विकसित करने को कहा, जिससे यह पता चल सके कि किस क्षेत्र में कितनी वर्षा होने पर भूस्खलन की संभावना हो सकती है। इससे क्षेत्र चिह्नित होने पर वहां संभावित आपदा की स्थिति में अर्ली वार्निंग की व्यवस्था की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आपदा के प्रभावों को कम करने के लिए प्रभाव आधारित पूर्वानुमान आवश्यक है। नेशनल सेंटर फार सिस्मोलाजी के निदेशक डा ओपी मिश्रा ने जानकारी दी कि रियल टाइम लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम पर अमृता विश्वविद्यालय ने कार्य किया है।

भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली कितनी कारगर, अब चलेगा पता: सचिव डा सिन्हा ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नियंत्रणाधीन नेशनल सेंटर फार सिस्मोलाजी को आइआइटी रुड़की द्वारा विकसित भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली का विधि मान्यकरण करने को कहा। उन्होंने आइआइटी रुड़की को इस प्रोजेक्ट से जुड़े आंकड़ों को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को भेजने के निर्देश दिए, ताकि पता चल सके कि यह कितना कारगर है।

बाढ़ प्रबंधन को लेकर बनाएं विस्तृत कार्ययोजना: इनसार तकनीकी का उल्लेख करते हुए डा सिन्हा ने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में यह व्यापक बदलाव ला सकती है। उन्होंने एनजीआरआइ के विज्ञानियों को इस पर उत्तराखंड के दृष्टिकोण से कार्य करने को कहा। साथ ही एनआइएच रुड़की को फ्लड जोनिंग की रिपोर्ट और आंकड़ों का उपयोग कर राज्य का फ्लड मैनेजमेंट प्लान बनाने के निर्देश दिए। ब

संपादकीय जागरण

मंगलवार, 2 जुलाई, 2024 : आषाढ़ कृष्ण – 11 वि. 2081

व्यक्ति की भाषा उसके व्यक्तित्व का परिचय देती है

राहुल गांधी की नजर में हिंदू

नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपने पहले संबोधन से राहुल गांधी ने निराश ही किया। उन्होंने कोई छाप छोड़ने के बजाय टकराव और कलह पैदा करने का काम किया। उन्होंने कहा कि जो अपने आपको हिंदू कहते हैं, वे 24 घंटे हिंसा और नफरत करते हैं। जब उनके इस कथन पर आपत्ति जताई गई तो वह यह कहने लगे कि भाजपा और आरएसएस ही हिंदू नहीं हैं। यह निष्कर्ष तो ठीक है, लेकिन क्या वह यह सिद्ध करना चाहते हैं कि जो भी हिंदू भाजपा या आरएसएस से जुड़ा है, वह 24 घंटे हिंसा और नफरत करता है? संभव है कि वह ऐसा ही मानते हों, लेकिन उन्हें यह याद रखना चाहिए कि हाल के लोकसभा चुनावों में भाजपा को लगभग 24 करोड़ मतदाताओं ने वोट दिया है। क्या राहुल गांधी यह कहना चाह रहे हैं कि ये सब वे हिंदू हैं, जो 24 घंटे हिंसा और नफरत करते हैं? उनका आशय जो भी हो, उनके इस कथन से इतना तो पता चलता ही है कि वह भाजपा को अपने राजनीतिक विरोधी के रूप में नहीं, बल्कि एक शत्रु के रूप में देखते हैं और उससे नफरत भी करते हैं। राहुल गांधी ने अपने संबोधन की शुरुआत जय संविधान से की और यह दावा किया कि उन्होंने इसे बचाने का काम किया है। स्पष्ट है कि वह अभी भी चुनावी मुद्रा में ही हैं। शायद इसी कारण वह सदन के स्थान पर किसी चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अधिक दिखे। यह ठीक है कि चुनाव के दौरान भी उन्होंने संविधान के खतरे में होने का हौवा खड़ा किया था और माना जाता है कि इससे उन्हें कुछ राजनीतिक लाभ भी मिला, लेकिन यदि वह संविधान के इतने ही बड़े ही हितैषी और रक्षक हैं तो फिर उस आपातकाल की आलोचना क्यों नहीं सहन कर पा रहे हैं, जिसे देश पर थोपकर न केवल संविधान को बदलने का काम किया गया था, बल्कि यह व्यवस्था भी बना दी गई थी कि कोई भी अदालत संसद से पारित किसी कानून की सुनवाई नहीं कर सकेगी। आखिर इसे तानाशाही के अतिरिक्त और क्या कहा जा सकता है? क्या यह हास्यास्पद नहीं कि राहुल गांधी एक ओर संविधान बचाने का दावा कर रहे हैं और दूसरी ओर इसी संविधान को कुचलने वाले आपातकाल की आलोचना को अनावश्यक करार दे रहे हैं? ऐसा नहीं है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा करते समय राहुल गांधी सरकार की आलोचना नहीं कर सकते थे, लेकिन उन्होंने दिखाया कि उनका उद्देश्य सरकार की आलोचना करना कम, बल्कि जनता को गुमराह करना अधिक है। इसी कारण वह यहां तक कह गए कि यदि किसी अग्निवीर की जान चली जाती है तो उसके स्वजन को सरकार कोई मुआवजा नहीं देती। आश्चर्य नहीं कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को उनके इस गलत बयान का खंडन करना पड़ा।

टेलीमेडिसिन की सार्थकता

विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने के सरकार के प्रयास जारी हैं। यह अलग बात है कि अभी तक इसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। भिन्न-भिन्न प्रकार की चुनौतियां इस मुहिम को आगे बढ़ाने की गति बाधित करती आई हैं। यद्यपि, सरकार के स्तर से इन्हें दूर करने की योजनाओं पर समानांतर रूप से काम चल रहा है। कुछ में सफलता मिली है और कुछ अभी उलझी नजर आ रही हैं। खैर, इस सबके बीच टेली मेडिसिन सेवा बड़ा संबल बन रही है। ई-संजीवनी के नाम से राज्य सरकार ने पर्वतीय क्षेत्रों के मरीजों को आनलाइन परामर्श देने की व्यवस्था की हुई है। नवोन्मेषी इस स्वास्थ्य प्रणाली का लोगों को लाभ भी हो रहा है। आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। चार वर्ष पहले शुरू की गई की इस सेवा का अब तक लगभग 13 लाख मरीज लाभ उठा चुके हैं। कोरोनाकाल में संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए टेली कंसल्टेशन की जरूरत महसूस की गई थी, तब से यह उपक्रम चल रहा है। ई-संजीवनी से ऋषिकेश स्थित एम्स के साथ ही प्रदेश के सभी मेडिकल कालेज और जिला अस्पताल जुड़े हुए हैं। यहां के चिकित्सक वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मरीज को परामर्श दे रहे हैं। इसी तरह ऋषिकेश एम्स की दूर-दराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए शुरू की गई टेलीमेडिसिन सेवा उत्तराखंड के बाहर उत्तर प्रदेश, ओडीसा, राजस्थान और झारखंड तक पहुंच बना चुकी है। प्रतिमाह 24 हजार से अधिक मरीज इसका लाभ उठा रहे हैं। ऋषिकेश एम्स की ड्रोन के माध्यम से पर्वतीय क्षेत्रों में ब्लड और दवाइयां भेजने की पहल भी मरीजों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। उम्मीद है कि आने वाले समय में मरीजों को इसका अधिक लाभ मिलेगा। यह ठीक है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए इच्छाशक्ति के साथ काम करने की जरूरत है। तभी स्वस्थ समाज की कल्पना को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ पाएंगे।

उत्तराखंड में स्वास्थ्य के मोर्चे पर राज्य सरकार को फौरी और दीर्घकालिक योजनाओं पर साथ-साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या आप मानते हैं कि टी-20 विश्व कप में भारत की जीत के पीछे आइपीएल जैसे ढांचे का योगदान है?

आज का सवाल

क्या नए क्रिकेटर टी-20 टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की कमी को पूरा कर सकेंगे?

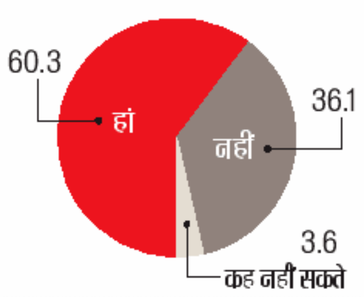

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है। सभी आंकड़े प्रतिशत में।

बहुत कुछ कहने वाली विजयगाथा

तरुण गुप्त

टी-20 विश्व कप विजय ने न केवल वर्षों से आइसीसी खिताब की प्रतीक्षा समाप्त की, बल्कि राहुल द्रविड़, रोहित शर्मा और विराट कोहली को यादगार विदाई भी दी

आखिरकार आइसीसी ट्राफी की हमारी लंबी प्रतीक्षा पूरी हुई। गत शनिवार को ब्रिजटाउन की धरती हमारे लिए इस स्वर्णिम उपलब्धि की साक्षी बनी। इससे पहले अंतिम बार 2013 में इंग्लैंड में हमने चैंपियंस ट्राफी अपने नाम की थी। क्रिकेटरों और उनके समर्थकों-प्रशंसकों की एक पूरी पीढ़ी उस उत्साह का अनुभव करने के लिए व्याकुल थी, जो केवल किसी अंतरराष्ट्रीय खिताब की प्राप्ति पर ही संभव होता है। कई वर्षों से हम सभी प्रारूपों में शीर्ष टीम के रूप में विराजमान हैं। निरंतरता के मानदंडों पर हमारा प्रदर्शन बीते कुछ वर्षों में सर्वश्रेष्ठ रहा है। द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में हमारा रिकार्ड उत्कृष्ट रहा है। साथ ही, खेल के प्रति जुनून और प्रतिभाओं की पर्याप्तता को देखते हुए हम किसी भी श्रृंखला अथवा टूर्नामेंट से पहले 'फेवरेट' यानी सबसे प्रबल दावेदार माने जाते रहे हैं। इस बार विश्व कप का मंच ऐसा रहा, जहां हमने इस फेवरेट वाले टैग के साथ पूरा न्याय किया। हम अपेक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरे।

पूरी टी-20 प्रतियोगिता के दौरान रोमांच की कहीं कोई कमी नहीं रही। ग्रुप चरण में हमने एक कम स्कोर वाले मैच में चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को परास्त किया। अगले चरण में दमदार आस्ट्रेलिया के खिलाफ रनों का अंबार लगाकर उन्हें मात दी। उस मुकाबले में रनों का ऐसा पहाड़ खड़ा किया, जो खेल के इस सबसे छोटे प्रारूप की विशेष पहचान मानी जाती है। उसके बाद सेमीफाइनल में हमने पिछले विश्व चैंपियन इंग्लैंड की चुनौती को निस्तेज किया। इस जीत के साथ ही कुछ साल पहले एडिलेड में हुए इसी प्रारूप के विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों मिली दस विकेट की शर्मनाक हार का हिसाब भी चुकता किया। अंतिम पड़ाव पर हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से हुआ। अंत तक हमारी टीम ही अपराजेय रही। हमारा विजय रथ आगे बढ़ता रहा। उसके शीर्ष तक पहुंचने की राह में क्रिकेट की महाशक्तियों से लेकर नवोदित टीमें पीछे छूटती गईं।

क्रिकेट एक टीम गेम है। फाइनल मुकाबला इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा। सीमित ओवरों के क्रिकेट के निर्विवाद रूप से सर्वकालिक महानतम बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने टी-20 करियर के अंतिम पड़ाव पर अपनी बल्लेबाजी से भारतीय पारी को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। अक्षर पटेल और शिवम दुबे सरीखे युवाओं ने पारी को आवश्यक गति प्रदान की। जसप्रीत बुमराह की तो बात ही अलग है, जो सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को दिन-प्रतिदिन नए आयाम पर लेकर जा रहे हैं। उनके प्रदर्शन का वर्णन करने के लिए लेखकों-टिप्पणीकारों को मैच दर मैच या यूं कहें कि स्पेल दर स्पेल नए विशेषण खोजने पड़ रहे हैं। फाइनल में भी उन्होंने उम्दा स्पेल डाला। सूर्यकुमार यादव के कैच ने यह साबित किया कि बड़े से बड़े टूर्नामेंट की नियति महीन एवं मामूली अंतर से निर्धारित हो सकती है।

अवधेश राजपूत

विश्व कप विजय टी-20 अंतरराष्ट्रीय से रोहित शर्मा के लिए उपयुक्त विदाई रही। उन्होंने दबाव में खुद पर नियंत्रण रखा एवं टीम को कुशाग्र नेतृत्व प्रदान किया। एक बल्लेबाज के रूप में पारी के प्रारंभ में निःस्वार्थ भाव से विस्फोटक शुरुआत देने के लिए विकसित की अपनी शैली पर ही उन्होंने भरोसा किया। उनकी इस शैली ने टीम के लिए बड़ी सफलताओं की नींव रखने का काम किया। कोच राहुल द्रविड़ के कार्यकाल की भी सफल परिणति हुई। कैरेबियाई जमीन पर ही 2007 के एक दिवसीय विश्व कप में उनके नेतृत्व में भारतीय टीम पहले चरण में बाहर हो गई थी। वह अप्रत्याशित पराजय भारी अपयश का कारण बनी थी। उसी जमीन पर यह जीत उस जख्म पर सबसे माकूल मरहम कही जा सकती है। एक खिलाड़ी के रूप में उनका रिकार्ड अभूतपूर्व रहा है। कोच के रूप में भी उनकी प्रतिबद्धता कमाल की रही है। असल में वह पार्श्व में रहकर सक्रिय रूप से अपना काम करने वाले नायक की तरह हैं, जिनकी उपलब्धियों का कुछ अन्य की तुलना में अपेक्षित महिमामंडन नहीं हो सका। यह जीत हमें यह भी सिखाती है कि आज की कड़ी प्रतिस्पर्धा के दौर में सौम्य, शालीन एवं मर्यादित आचरण वाले भी शीर्ष पर पहुंचने में सक्षम होते हैं।

इस विजयगाथा से जुड़ी कई और प्रेरक कहानियां हैं। परीकथा सरीखी रिषभ पंत की वापसी। एक बेहद खतरनाक सड़क दुर्घटना में वह बाल-बाल बचे। उनके करियर को लेकर संदेह किया जाने लगा, लेकिन उन्होंने न केवल बल्लेबाजी, बल्कि विकेट के पीछे भी कमान संभालकर प्रेरणा का नया अध्याय लिखा। कुछ समय पहले तक ट्रोलिंग के शिकार और व्यक्तिगत जीवन में तमाम तरह की उथल-पुथल झेलने वाले हार्दिक पांड्या ने उस दौर को पीछे छोड़ते हुए अपने प्रदर्शन से दृढ़ता एवं लचीलेपन का उदाहरण प्रस्तुत किया। सदाबहार रवींद्र जडेजा ने भी अपने प्रदर्शन से अपनी उपस्थिति जताई। इस प्रतियोगिता में हमें एक अलग ही अर्शदीप के दर्शन हुए, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से बड़े मंच पर बड़ी छाप छोड़ी और सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर रहे। ऐसी उपलब्धियों की एक अंतहीन सी सूची है, जो नाना प्रकार के पहलुओं को रेखांकित कर सकती है।

किसी भी बड़े टूर्नामेंट की समीक्षा में अपरिहार्य रूप से बड़े सबक छिपे होते हैं। सदैव परिणाम को लेकर आतुर रहने वाले देश के लिए पहला सबक तो यही है कि हमें प्रयासों और उनकी निष्ठा में आस्था रखनी चाहिए। ईमानदार प्रयास ही किसी बड़ी सफलता का प्रथम पड़ाव होते हैं। ऐसे प्रयासों से ही सफलता की भव्य इमारत खड़ी की जा सकती है। यदि आप अनथक प्रयास करते हैं तो 'करत-करत अभ्यास'.... वाली कहावत सार्थक होकर सफलता से आपका साक्षात्कार करा देती है। इसलिए सदैव दृढ़ता का परिचय दें। असफलताओं के प्रभाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। खेलों की इस मिसाल को हम अपने सामान्य जीवन में भी उतार सकते हैं कि प्रयास की व्यापकता, संवेदनशीलता, मंशा और ईमानदारी के भाव अनुकूल परिणामों के निमित्त बनते हैं। इस तथ्य को कभी विस्मृत नहीं किया जाना चाहिए कि महत्वपूर्ण तो प्रयास एवं प्रक्रिया होती है। परिणाम तो उनकी एक स्वाभाविक परिणति है।

response@jagran.com

नियमों के तहत सहायता मांगें राज्य

सीबीपी श्रीवास्तव

विशेष राज्य के दर्जे को लेकर दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर विचार किए जाने की आवश्यकता है

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनने के साथ ही इसकी संभावना जताई जाने लगी थी कि राजग के प्रमुख घटक दल टीडीपी और जेडीयू आंध्र और बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर सकते हैं। बीते दिनों जेडीयू के नेताओं ने विशेष राज्य के दर्जे की मांग दोहरा दी। भारत के संविधान में राज्यों का गठन स्वायत्त प्रशासनिक इकाइयों के रूप में संघ द्वारा किया जाता है। राज्यों के विकास और उनकी सुरक्षा को देखते हुए संसद को कानून बनाने का अधिकार है और कोई भी राज्य अन्य राज्यों के समान अधिकार प्राप्त करने का दावा नहीं कर सकता। भारत में संसद को यह शक्ति है कि वह कानून के तहत किसी राज्य के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों का निर्धारण कर सकती है। चूंकि राज्य प्रशासनिक इकाइयां हैं और संघ सरकार द्वारा आवंटित संसाधनों के वितरण के लिए उत्तरदायी हैं, अतः उनकी भौगोलिक, सामरिक तथा सामाजिक-आर्थिक दशाओं को देखते हुए उन्हें विशेष सहायता दी जा सकती है। यहां यह भी उल्लेख करना समीचीन होगा कि प्रशासन से संबद्ध होने के कारण ऐसा कोई उल्लेख संविधान में नहीं है, क्योंकि संविधान शासन व्यवस्था के तीनों अंगों-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को दिशा निर्देश देता है, जिसके अनुरूप विधायिका द्वारा बनाई गई विधियों के अनुरूप कार्यपालिका प्रशासनिक कार्रवाई करती है और विवादों के समाधान के लिए न्यायपालिका उत्तरदायी होती है।

प्रशासनिक सुगमता और राज्यों के विकास पर गौर करते हुए 1969 में पांचवें वित्त आयोग ने विशेष राज्य का दर्जा देने की सिफारिश की थी। इस आधार पर असम, नगालैंड और जम्मू-कश्मीर को यह दर्जा दिया गया था। इनके अतिरिक्त, हिमाचल, मणिपुर, मेघालय, सिक्किम, त्रिपुरा, अरुणाचल, मिजोरम, उत्तराखंड और तेलंगाना सहित 11 राज्यों को विशेष श्रेणी के राज्य का दर्जा दिया गया है। संप्रग सरकार के शासन में संसद द्वारा विधेयक पारित करने के बाद आंध्र प्रदेश से अलग होने पर तेलंगाना को विशेष दर्जा मिला था। 14वें वित्त आयोग ने पूर्वोत्तर और तीन पर्वतीय राज्यों को छोड़कर अन्य राज्यों के लिए 'विशेष श्रेणी का दर्जा' समाप्त कर दिया था और ऐसे राज्यों में कर हस्तांतरण के माध्यम से संसाधन अंतर को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का सुझाव दिया था।

जदयू की बैठक में उठी विशेष राज्य की मांग ● प्रेट्र

पिछले कुछ समय से बिहार के साथ आंध्र विशेष राज्य के दर्जे की मांग करते रहे हैं। यह उल्लेखनीय है कि विशेष श्रेणी राज्य विशेष दर्जे से अलग है। विशेष राज्य श्रेणी केवल आर्थिक और वित्तीय पहलुओं से संबंधित है। इस संबंध में संविधान के अनुच्छेद 371 (ए-जे) में कई राज्यों के लिए विशेष प्रविधान किए गए हैं। किसी राज्य को विशेष श्रेणी का राज्य बनने की अर्हता के लिए कई शर्तें निर्धारित हैं, जैसे-राज्य में पर्वतीय क्षेत्र, कम जनघनत्व या जनजातियों की बहुलता, अंतरराष्ट्रीय सीमा की साझेदारी, राज्य में आर्थिक और अवसंरचनागत पिछड़ापन और राज्य के वित्त की गैर-व्यवहार्य प्रकृति। इन शर्तों को ध्यान में रखते हुए अब यह विचार करना आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश और बिहार विशेष राज्य का दर्जा क्यों मांग रहे हैं?

आंध्र प्रदेश का तर्क है कि राज्य के विभाजन के बाद उसकी कुल राजस्व प्राप्तियों में कमी आ गई है, जिससे राज्य की राजकोषीय व्यवहार्यता भी कम हो गई है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि राज्य का विभाजन अतार्किक एवं समता के सिद्धांत के विरुद्ध था। जहां तक बिहार की बात है, तो वह विशेष दर्जे की मांग 2008 से ही कर रहा है। जेडीयू की नई कार्यकारिणी ने अपनी यह मांग फिर से रेखांकित की है। बिहार का यह भी तर्क है कि उसका विभाजन सही तरह नहीं किया गया। वह संसाधनों की अपर्याप्तता का दावा भी करता रहा है। बिहार के दावे में यह भी शामिल है कि उसकी सीमा अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जो नेपाल से मिलती है, लेकिन वर्ष 2015 और फिर 2023 में केंद्र सरकार ने ऐसा दर्जा देने की मांग को इस तर्क पर अस्वीकार कर दिया था कि ऐसा दर्जा देने वाली योजना समाप्त कर दी गई है।

बिहार और आंध्र प्रदेश, दोनों ही राज्य मूलतः कृषि आधारित हैं और उनके विभाजन के बाद निश्चित रूप से उनकी राजस्व प्राप्तियों में कमी आई है, लेकिन केंद्र की भी अपनी कुछ मजबूरियां हैं। संवैधानिक रूप से भारत में सहकारी संघवाद प्रचलित है, जिसके अनुसार यह संघ का दायित्व है कि वह राज्यों के आर्थिक-सामाजिक विकास के प्रति संवेदनशील हो और उनकी सहायता करे, लेकिन ध्यान देने वाली बात यह भी है कि क्या राजनीतिक दबाव बना कर ऐसे दर्जे की मांग करना उचित है? गठबंधन सरकारों की एक बड़ी समस्या यह रही है कि अक्सर उसके घटक दल दबाव समूह के रूप में कार्य करते हैं, जिसका उद्देश्य मूलतः राजनीतिक होता है। यह बहुदलीय राजनीति का एक आलोचनात्मक पक्ष है। क्षेत्रीय राजनीति के मजबूत होने से एक ओर जहां क्षेत्रीय हितों को राष्ट्रीय स्तर तक लाने में सहायता मिली है, वहीं दूसरी ओर इसकी नकारात्मकता यह रही है कि क्षेत्रीय दल अधिकांशतः राजनीतिक दबाव बना कर अपने निजी हित साधने का प्रयास करते हैं। इसे राजनीतिक ब्लैकमेलिंग के रूप में भी देखा जाता है। इस संदर्भ में पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि राजनीति जब विकास की दृष्टि से की जाती है तो वह देश के हित में होती है, लेकिन जब राजनीति का उद्देश्य केवल राजनीतिक होता है तो वह हानिकारक सिद्ध होती है। राष्ट्र हित में राजनीतिक दलों द्वारा कार्य किए जाने पर उनके राजनीतिक हित भी साधे जा सकते हैं। अतः दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर ही ऐसे संवेदनशील मुद्दों को संबोधित किया जाना उचित होगा।

(लेखक सेंटर फार अप्लायड रिसर्च इन गवर्नेंस, दिल्ली के अध्यक्ष हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

आत्मनिरीक्षण

प्रायः लोग अपना दोष नहीं देखते, परंतु दूसरों की कमी उन्हें बहुत शीघ्र दिख जाती है। आवश्यकता बाहर के दोषों को न देखकर अपनी कमियों को निहारने की है। इस प्रक्रिया को आत्मनिरीक्षण कहते हैं। यह महत्वपूर्ण विशेषता केवल मानव को मिली है। मनुष्य आत्मचेतन है, जबकि पशु सिर्फ चेतन। इसका अर्थ है कि व्यक्ति के पास वह सामर्थ्य है, जिसके द्वारा अपने को जान सकता है। स्वयं अपने दुर्गुणों को जानकर उन्हें दूर कर सकता है। जबकि पशु बाहरी चीजों के बारे में तो जान सकते हैं, पर स्वयं को जानना उनके वश की बात नहीं है। इस विशिष्ट सामर्थ्य की गरिमा तभी है, जब इसका उपयोग कर अपने दोषों एवं विकृतियों को समझकर उन्हें दूर किया जाए।

हमें अपने सोच-विचार के तौर-तरीके पर ध्यान देना चाहिए। जैसे-जैसे हमारी दृष्टि अंतर्मुखी होगी, पता चलेगा कि हमारा बहुत समय अनुपयोगी चीजों को सोचने में चला जाता है। कभी किसी की बुराई सोचते हैं। कभी बिना मतलब की कल्पनाएं करते हैं। इनमें मानसिक ऊर्जा यूं ही बर्बाद होती रहती है। दूसरों की बुराई करने, उन्हें परेशान करने के तौर-तरीके सोचने की जगह हमें अपने चिंतन को सही दिशा में लगाना चाहिए।

आत्मनिरीक्षण का क्रम तब तक अधूरा है, जब तक उसमें आत्मसुधार की विधि न जोड़ी जाए। इसका अर्थ है-ईर्ष्या-द्वेष जैसे कई दोषों को हटाकर मन में सत्प्रवृत्तियों को स्थान देना। यह काम ठीक किसानी जैसा है। किसान खेत में बोआई के पहले से खरपतवार निकालना शुरू करता है और फसल उग जाने के बाद भी निराई का अपना कार्यक्रम नहीं छोड़ता है। इसी तरह हमें भी दया, करुणा, सेवा, सहृदयता को प्रयत्नपूर्वक अपने व्यवहार में उतारने के प्रयास करने चाहिए। जैसे-जैसे इनका अभ्यास शुरू करेंगे, अपने दोष साफ-साफ दिखाई पड़ने लगेंगे। जहां पहले दूसरों के सिर्फ दोष दिखाई देते थे और अपने में केवल गुण, वहीं अब दूसरों में गुण और अपने में दोष भी दिखाई देने लगेंगे।

मुकेश ऋषि

पाठकनामा

pathaknama@nda .jagran.com

आगामी बजट की दिशा और दशा

'नए बजट का मजबूत आधार' शीर्षक से लिखे आलेख में डा. जयंतीलाल भंडारी का सुझाव है कि आगामी बजट में सरकार को अटके हुए वित्तीय एवं श्रम सुधारों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए आवंटन भी बढ़ाना चाहिए। ये दोनों क्षेत्र आम जन को बहुत प्रभावित करते हैं। ऐसे में इनका जनसुलभ होना जरूरी है। महंगाई के दीर्घकालिक समाधान के लिए भी ठोस रणनीति बनाने की आवश्यकता है। महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार को उत्पादन बढ़ाने और वितरण प्रणाली में सुधार लाने पर ध्यान देना चाहिए। रोजगार सृजन के लिए भी आज देश को कुछ नई योजनाओं की दरकार है। देश में बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार हैं और निजी क्षेत्र के सहयोग से ही रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा किए जा सकते हैं। इसके लिए सरकार को स्टार्टअप्स और लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अधिक प्रोत्साहन देना चाहिए। कृषि क्षेत्र की बात करें तो किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा अच्छी पहल है, लेकिन सिर्फ इससे ही किसानों की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं होगा। हमें कृषि सुधारों को व्यापक दृष्टिकोण से देखना होगा, जिसमें आधुनिक तकनीक और बेहतर विपणन सुविधाएं शामिल हों। यह सही है कि सरकार बुनियादी ढांचे के विकास पर बहुत जोर दे रही है। इसके बजट में बड़ी राशि आवंटित की जा रही है। जमीन पर इसका असर दिख रहा है। यह देश के दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। बहरहाल, किसी भी बजट की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि सरकार योजनाओं को कैसे लागू करती है और आम जनता को उनके लाभ कैसे पहुंचाती है। सरकार को चाहिए कि वह आगामी बजट में योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दे और आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से ले।

अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

समस्याओं पर ध्यान दे सरकार

समाचार पढ़ने को मिला कि जौनसार बावर की लाइफ लाइन कहलाने वाला कालसी- चकराता मोटर मार्ग कोरुवा के पास गड्ढों में तब्दील हो गया है। 42 किलोमीटर लंबे मोटर मार्ग के सुधारीकरण व डामरीकरण पर हर साल लोक निर्माण विभाग लाखों रुपये खर्च करता है, लेकिन मार्ग की दशा नहीं सुधरती और हादसे का खतरा हमेशा बना रहता है। पर्यटन सीजन होने के कारण आजकल पर्यटक भी इसी मोटर मार्ग से चकराता आते जाते हैं। गड्ढों के कारण हादसे का खतरा बना हुआ है। जौनसार बावर के कालसी चकराता मोटर मार्ग के किलोमीटर 30 व 31 कोरुवा गांव के समीप मार्ग की स्थिति ज्यादा खराब है। मार्ग पर जगह-जगह बड़े बड़े गड्ढे बने हैं। रात दिन चलने वाले वाहनों को सफर करना खतरेभरा साबित हो रहा है। पिछले साल बरसात में सड़क के किनारे वाली सुरक्षा दीवार भी क्षतिग्रस्त हैं, आज तक मार्ग की क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार नहीं बनाई गई है। कालसी चकराता मोटर मार्ग के किलोमीटर 30 व 31 पर मार्ग खस्ताहाल है, जगह-जगह गड्ढे बने हैं और सड़क किनारे की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त है। कई बार लोक निर्माण विभाग साहिया के अधिकारियों को शिकायत की गई है, लेकिन मार्ग की हालत नहीं सुधर पाई है।

महावीर चौहान, जौनसार बावर

डिजिटल दुनिया में सतर्कता आवश्यक

आज इंटरनेट लोग अपनी जेब में रख कर चल रहे हैं और बहुत से एप के माध्यम से अपने सामाजिक व आर्थिक कार्य संपन्न करते हैं। सरकार भी समय-समय पर नागरिकों को आनलाइन प्लेटफार्म अपनाने को प्रोत्साहित करती है। डिजिटल इंडिया भी सरकार की इसी पहल का एक हिस्सा है। लोग इतने सुविधा पसंद हैं कि वे अपने वित्त संबंधी सभी काम, आनलाइन खरीदारी व यहां तक की आनलाइन खाना तक अपने मोबाइल के माध्यम से घर पर ही मंगाने लगे हैं। डिजिटल क्रांति ने जहां व्यक्तियों को सुविधा प्रदान की तो वहीं कुछ अराजक तत्वों को अपराध करने के लिए एक नया क्षेत्र भी मुहैया करा दिया। डिजिटल क्रांति का विकृत रूप साइबर क्राइम के रूप में देखने को मिलता है। साइबर अपराधी सबसे पहले व्यक्ति के वित्तीय एवं अन्य व्यक्तिगत जानकारियां मीलों दूर से बैठे-बैठे ही जुटाता है फिर किसी न किसी माध्यम से उससे आर्थिक रूप से ठगी करता है तथा पीड़ित व्यक्ति व पुलिस की पकड़ से दूर भी रहता है। आए दिन अनेकों मामले ऐसे समाचार पत्रों में छपे रहते हैं। कई मामले तो प्रकाश में आते ही नहीं हैं। डिजिटल क्रांति जहां उपयोगी है, वहीं थोड़ी सी असावधानी साइबर अपराधियों को अपराध करने का मौका भी दे रही है व समाज को बड़ा नुकसान पहुंचा रही है। पिछले कुछ वर्षों से साइबर क्राइम का ग्राफ तेजी से दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। समाज का हर वर्ग इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रहा है।

राकेश डोभाल, देहरादून

पोस्ट

माननीय राहुल गांधी जी, मैं अपने आपको हिंदू कहता हूं और मैं हिंसा और नफरत नहीं फैलाता। मुझे आपके वक्तव्य पर आपत्ति है। कृपया मेरा विरोध दर्ज करें।

सुशांत झा @jhasushant

एक दिन कुर्ता पहनकर राहुल गांधी फिर से टी-शर्ट में आ गए। लोकसभा में उनकी भाषा, लहजा एवं भाव-भंगिमा किसी नेता की तरह नहीं लगे। हिंदू धर्म और हिंदुओं पर उनकी टिप्पणियां स्तरहीन रहीं।

मिन्हाज मर्चेंट @MinhazMerchant

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने देश के लिए बढ़िया खेला। गजब का योगदान दिया और अगली पीढ़ी के लिए जगह बनाते हुए रिटायर हुए। क्या यह सीख हमारे नेताओं को नहीं लेनी चाहिए? युवाओं का देश है। रिटायर होइए और युवाओं को मौका दीजिए।

संकेत उपाध्याय @sanket

नए आपराधिक कानूनों से तमाम विपक्षी पार्टियां इसलिए बिलबिला रही हैं, क्योंकि नए कानूनों के तहत मुकदमा दर्ज होने के तीन साल के भीतर सजा का प्रविधान है। इस प्रविधान की बंदिश कोर्ट पर भी लागू है। इतिहास साक्षी है कि दंभी और समाज विरोधियों ने ही सदैव सुधारों का विरोध किया है।

विकास भदौरिया @vikasbha

जनपथ

हिंदू को गरिया रहे पानी पी पी आप,
शायद उनको है लगा सरस्वती का शाप।
सरस्वती का शाप भूलकर मुद्दा असली,
जिह्वा उनकी रोज रोज दिखती है फिसली।
हे नेता प्रतिपक्ष! तनिक ना मौका चूको,
प्रतिदिन सुबहोशाम गालियां दो हिंदू को!!

– ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान सम्पादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान सम्पादक-संजय गुप्त.
जागरण प्रकाशन लि. के लिए : धीरेन्द्र मोहन द्वारा दैनिक जागरण प्रेस,सी 2/2-1 सेलाकुई, इण्डस्ट्रियल एरिया, देहरादून से मुद्रित एवं 918/922, पटेलनगर, इण्डस्ट्रियल एरिया, देहरादून से प्रकाशित सम्पादक (उत्तराखंड) -कुशलानन्द* दूरभाष : 0135-2728285, 2528600
E-mail: dehradun@drn.jagran.com, R.N.I. No. ,UTTHIN/2003/8916 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन ही होंगे। वर्ष 28 अंक 61

****

राहुल ने कहा-मोदी के कहने पर लागू की गई अग्निपथ योजना, राजनाथ का प्रतिकार

नीलू रंजन • जागरण

नई दिल्ली: चुनाव नतीजे के बाद से जिसकी आशंका जताई जा रही थी, वही हुआ। नई संसद में शुरू हुई पहली चर्चा में ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गर्मी चरम पर पहुंच गई। कोई भी पक्ष दूसरे के लिए एक इंच जमीन छोड़ने को तैयार नहीं था। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी खड़े हुए तो अधिकतर मुद्दे और लहजे वही थे जो वह चुनाव के दौरान उठाते रहे थे। फर्क यह था कि मजबूत और आक्रामक विपक्ष को देखते हुए सरकारी पक्ष पूरा सतर्क और तैयार था। और यही कारण है शायद पहली बार किसी नेता विपक्ष के भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई नेताओं ने खड़े होकर आपत्ति भी जताई और लगाए जा रहे आरोपों को सही साबित करने की चुनौती भी दी। लंबे अरसे के बाद कोई बहस इतनी तीखी रही। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का पहला दिन संसद के दोनों सदनों में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच भीषण संग्राम का रहा। पहली बार नेता विपक्ष की हैसियत से लोकसभा में राहुल गांधी ने आरोपों के तीखे तीर चलाए, जिसका सत्ता पक्ष की ओर से तथ्यों के साथ तीखा प्रतिकार किया गया।

लोकसभा में सोमवार को चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा नेता विपक्ष राहुल गांधी • वीडियोग्रैब/पेट्र

- रक्षा मंत्री बोले, योजना लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों के साथ पूरी चर्चा की गई थी
- धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान संसद में संग्राम, विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों हुए आक्रामक

राहुल ने कहा-स्पीकर ने पीएम के सामने सिर झुकाया, बिड़ला ने संस्कार बताया

राहुल गांधी ने कुछ व्यक्तिगत हमले भी किए और उसमें प्रधानमंत्री के साथ-साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष ने उनसे सीधे खड़े होकर हाथ मिलाया था, जबकि प्रधानमंत्री से झुककर हाथ मिलाया था। इस पर ओम बिरला ने बड़ों का सम्मान करने के अपने संस्कार का हवाला दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सदन के नेता हैं। मेरी संस्कृति और परंपराएं कहती हैं कि व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में तथा इस सीट पर मुझे उन लोगों के सामने झुकना चाहिए, जो मुझसे बड़े हैं। और जो समान हैं, उनके साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। यही मैंने सीखा है। इसी तरह से राहुल गांधी ने संसद भवन की गैलरी में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अभिवादन नहीं करने का भी आरोप लगाया।

योजना के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के कहने पर इसे लागू कर दिया गया। एक अग्निवीर की मौत के बाद उसके परिवार के सदस्यों से बातचीत का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अग्निवीरों की युद्ध के दौरान मौत पर न तो बलिदानी का दर्जा दिया जाता है और न ही मुआवजा दिया जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका तीखा प्रतिकार करते हुए इसे झूठा करार दिया। राजनाथ सिंह ने साफ किया कि अग्निपथ योजना लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों के साथ पूरी चर्चा की गई थी। ऐसी योजना अमेरिका और इंग्लैंड जैसे कई देशों में पहले से चल रही है। इसके बाद सरकार की ओर से बताया गया कि राहुल गांधी जिस अग्निवीर की मौत का हवाला दे रहे थे, उसके परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा पिछले साल ही दिया जा चुका है। इसी तरह से मोदी सरकार को किसान विरोधी बताते हुए राहुल गांधी ने किसानों को एमएसपी नहीं मिलने का आरोप जड़ दिया। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका तत्काल जवाब देते हुए मोदी सरकार के दौरान किसानों को लागत मूल्य का डेढ़ गुना एमएसपी सुनिश्चित किए जाने का तथ्य सामने रखा। गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी के भाषण में लगाए गए झूठे आरोपों की सत्यता की जांच की मांग की।

उन्होंने कहा कि नियम के मुताबिक किसी भी सदस्य द्वारा लगाए आरोप की पुष्टि के लिए दस्तावेजी सबूत दिया जाना चाहिए। उनके अनुसार राहुल गांधी के आरोप तथ्यहीन हैं और इसकी सत्यता के लिए दस्तावेज, सुबूतों को देखना जरूरी है। ओम बिरला ने शाह को राहुल गांधी के आरोपों की सत्यता की जांच कराने का भरोसा दिया। पर इस क्रम में यह स्पष्ट हो गया है कि सदन में अब अक्सर ऐसी सियासी गर्मी देखने को मिल सकती है।

धरा की कोख भरे, जलभराव न हो

आईना

गोविंद सनवाल

सूर्य ने धरा सुखाई तो अब इंद्र बरस रहे हैं। इस बार देश ही नहीं प्रदेश भर में भी जितनी भीषण गर्मी का एहसास लोगों को हुआ है उसमें मानसून की शुरुआती वर्षा अब मन को प्रफुल्लित भी कर रही है। हालांकि शहरी क्षेत्रों में यह वर्षा ही शासन-प्रशासन की पोल भी खोल रही है। सड़कें और मोहल्ले ही नहीं घर-दुकान भी जलमग्न होने लगे हैं। जल निकासी व नालियों की सफाई के नाम पर अब तक जितने भी काम हुए हैं, उनका असर कुछ दिख नहीं रहा है। इस साल का हाल भी पिछले सालों जैसा ही है। खैर, जो हुआ सो हुआ अब लकीर पीटने से कुछ होने वाला भी नहीं। लेकिन एक काम हम सबको करना होगा कि धरा की कोख को अधिकाधिक भरा जाए। गर्मियों में भूजल स्तर गिरने से हमने जो पेयजल संकट झेला वह अगली बार न झेलना पड़े। चाल-खाल, तालाब, पोखर आदि बनाएं, पौधे रोपें और उनकी देखभाल करें। जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए इतना तो बनता ही है।

हल्द्वानी की फ्रेंड्स कालोनी की सड़क पहली वर्षा में ही जलमग्न हो गई • जागरण आर्काइव

अब 420 नहीं 316 कहिए जनाब

एक जुलाई से देश में तीन नए कानून लागू हो गए हैं। आइपीसी की जगह बीएनएस ने ली है। इस बदलाव का वैसे तो असर धीरे-धीरे दिखेगा लेकिन फौरी तौर पर पुलिस के लिए नए कानूनों को ठीक से समझने और क्रियान्वयित करने की चुनौती है ही। भारतीय दंड संहिता की तमाम धाराएं पुलिस, वकील, जज से लेकर पत्रकार एवं इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की जुबां पर रहती थी। जैसे हत्या के लिए 302 और ठगी के लिए 420। यानी आम बोलचाल में भी अब आप किसी ठग या जालसाज को चार सौ बीस नहीं कहेंगे, वह 316 हो गया है। अब यह नई धारा कब तक लोगों के बोलचाल में शामिल होगी और पुरानी कब तक उतरेगी कह नहीं सकते। अब सामुदायिक सेवा को भी सजा के तौर पर लिया जाएगा। हालांकि उत्तराखंड में पिछले साल हाई कोर्ट ने एक मामले में आरोपित को पौधे लगाने और उनकी देखरेख करने का आदेश दिया था। कुल मिलाकर बदलाव सार्थक हो तो सब अच्छा।

दारोगा स्वयं भूल गए कानून का पाठ

पुलिस, अधिवक्ता व न्यायाधीश इन पदों पर आसीन व्यक्ति से कोई भी यह अपेक्षा नहीं करता कि इन्हें कानून की जानकारी नहीं होगी। कुछ अपवाद छोड़ दें तो वकील और जज को सामान्यतया विधि का पालन करते ही हैं। मगर पुलिस के मामले में छवि सुधर नहीं पा रही है। कभी प्राथमिकी दर्ज न करना तो कभी पीड़ितों को थाने-चौकी के चक्कर कटवाने के मामले आए दिन सामने आते ही रहते हैं। अब ताजा मामला पंतनगर के निलंबित थानाध्यक्ष का सामने आया है। एक युवती के वायरल आडियो से उनकी आशिकमिजाजी सार्वजनिक हो गई। कानून के रक्षक दारोगा स्वयं ही कानून भूल गए। मामले में युवती भी आत्महत्या के लिए उकसाने के केस में आरोपित है और आडियो साल भर पुराना है। किच्छा के विधायक ने डीजीपी से शिकायत की तो कार्रवाई हो रही है मगर अब राजनीति भी तेज हो गई है। पूर्व विधायक भी मैदान में उतरे हैं। देखते हैं जांच से क्या निकलकर आता है।

शराब व खनन पर वार, गले पड़ा हार

पूर्व सीएम हरीश रावत सक्रिय राजनीति से संन्यास लेते-लेते कई बार लौट चुके हैं। पुत्री को विधायक बनवाकर और पुत्र को हरिद्वार से चुनाव लड़ाने के बाद से अब तक हरदा हरि के द्वार में ही ज्यादा रमे हैं। हालांकि इंटरनेट मीडिया पर उनकी सक्रियता बिल्कुल भी कम नहीं हुई है। उन्होंने इस मंच से स्वयं को पब्लिक कनेक्ट किया हुआ है। हाल में उन्होंने प्रदेश में अवैध खनन, शराब व सूखे नशे को लेकर इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ही धामी सरकार पर वार किया है। प्रदेश को माफिया द्वारा लूटने का आरोप भी लगाया है। हरदा की यह पोस्ट सरकार को तो चेता ही रही है स्वयं उन्हें भी आईना दिखा रही है। लोगों की प्रतिक्रिया में उन पर भी तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं। कोई उनके कार्यकाल में शराब की चर्चित ब्रांड का नाम ले रहा है तो कोई खनन के ठेकों की याद दिला रहा है। हार तो हार है। चाहे वह चुनाव की हो या गले का। पब्लिक को जो कहना है वह कहेगी ही न।

राहुल के बयान से संत आहत, बोले-यह हिंदुओं के प्रति घृणात्मक सोच

जागरण टीम, नई दिल्ली: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की हिंदुओं को लेकर की गई टिप्पणी से संत-समाज बेहद आहत व आक्रोशित है। संतों ने इसे हिंदुओं के प्रति घृणात्मक सोच करार दिया। कई संतों ने टिप्पणी की निंदा की और कहा कि राहुल इसके लिए क्षमा मांगें।

राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्वामी अवधेशानंद गिरि ने एक वीडियो संदेश में कहा कि मैं उनकी बार-बार की गईं उन टिप्पणियों के लिए उनकी निंदा करता हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने संपूर्ण हिंदू समाज को कलंकित और अपमानित किया है। स्वामी बालयोगी अरुण पुरी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणियां बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। हिंदू कभी हिंसक नहीं रहे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि चुनाव समाप्त होते ही राहुल और कांग्रेस ने अपना असली चेहरा उजागर कर दिया। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने इसे सोचा-समझा एजेंडा करार दिया। निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने कहा कि विभिन्न चुनावों के दौरान हिंदू बनने का राहुल का ढोंग उनके इस बयान से उजागर हो गया। महामंडलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश ने कहा कि चंद वोट और समुदाय विशेष को प्रसन्न करने के लिए हिंदुओं के प्रति घृणा उगलकर राहुल आखिर साबित क्या करना चाहते हैं। यह टिप्पणी उनके ओछेपन और छोटी सोच को दर्शाती है। राहुल का यह बयान दुर्भाग्यपूर्ण है।

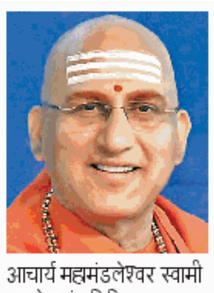

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी।

महामंडलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश।

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि।

राहुल का विचार सदैव हिंदू विरोधी रहा: अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने बयान की निंदा करते हुए कहा कि राहुल गांधी का विचार सदैव हिंदू विरोधी रहा है। पिछली सदी के नौवें दशक में जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं की हत्या, मां-बहनों से दुष्कर्म, वर्तमान में बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार व केरल में हिंदुओं की हत्या पर जो राजनीतिक दल सदैव चुप रहा, उससे हम यह अपेक्षा नहीं करते हैं कि वह हिंदू हितों की बात करेगा। हिंदुओं को आतंकवादी, अतिवादी कहने का साहस इसलिए है, क्योंकि हिंदू समाज शांत रहता है, लेकिन समय आने पर आपको जवाब अवश्य देगा।

सीटों के मामले में अभी भी काफी पीछे है कांग्रेस: विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी राहुल गांधी की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि अगर कांग्रेस नेता सोचते हैं कि हिंदुओं को किनारे करके या अपमानित करके उनकी पार्टी को वोट मिल जाएंगे तो उन्हें याद रखना चाहिए कि वह अभी भी लोकसभा में जीती गई सीटों के मामले में काफी पीछे है। एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, 'उन्हें (राहुल गांधी) याद रखना चाहिए कि 542 सीटों (हालिया संपन्न चुनावों में) में से कांग्रेस सिर्फ 99 सीटें जीत सकी और वह अभी भी अपनी प्रतिद्वंद्वी से काफी पीछे है।'

भारत माता के आत्मा को लहूलुहान किया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने निंदनीय बयान से भारत माता के आत्मा को लहूलुहान किया है। इसके लिए उन्हें दुनियाभर में फैले करोड़ों हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। सोमवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि हिंदू कोई जाति सूचक या संप्रदाय सूचक शब्द नहीं है। मत और पंथ से अलग भारत का मूल आत्मा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • जागरण आर्काइव

हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण : आरएसएस

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा, 'महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों द्वारा हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। चाहे वह (स्वामी) विवेकानंद का हिंदुत्व हो या (महात्मा) गांधी का, यह सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक है।'

मैं हिंदू हूं और हिंसक नहीं हूं : संबित पात्रा

नई दिल्ली : हिंदुओं को लेकर टिप्पणियों के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा, 'आज कुछ लोगों ने सनातन धर्म के विरुद्ध कुछ बोला। हिंदू परंपराओं की जिस तरह आलोचना की जा रही है, इसने मुझे पीड़ा पहुंचाई है। मैं एक हिंदू हूं और मैं हिंसक नहीं हूं। हिंदुओं ने कभी हिंसा नहीं की। आज द्रमुक ने हिंदुओं की आलोचना की और कहा कि वे महिलाओं को गुलाम बनाते हैं। हिंदू देवी के रूप में महिलाओं की पूजा करते हैं, गुलाम नहीं बनाते।' पात्रा ने कहा कि लोग खुश हैं कि मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता में आई है। उन्होंने कहा, 'हमें दोहरी खुशी है। पहली, हमारी सरकार बनी है और दूसरी राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बने हैं। (पेट्र)

आरएसएस पर खरगे की टिप्पणी पर राज्यसभा में जमकर हंगामा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : चुनावी नतीजों के आने के बाद संसद के भीतर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जिस तरह से टकराव और बढ़ने का अंदेशा जताया जा रहा है, वह ठीक वैसा ही होता दिख रहा है। राज्यसभा में सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए विपक्ष पूरी तरह से आक्रामक दिया। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे भी इस दौरान अपने रौ में दिखे। उन्होंने न सिर्फ पीएम मोदी पर चुनाव के दौरान दिए उनके भाषणों को लेकर तीखा हमला किया बल्कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर भी तीखी और आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। सभापति ने उन्हें जब ऐसी टिप्पणियों को करने से रोका तब भी वह नहीं मानें बल्कि आक्रामक रवैया अपनाते हुए कहा कि सौ बार बोलेंगे। इसके बाद तो सदन में काफी देर तक नारेबाजी व हंगामा होता रहा। बाद में सभापति ने आरएसएस पर उनकी टिप्पणियों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया।

राज्यसभा में सोमवार को कार्यवाही के दौरान सदन के सभापति जगदीप धनखड़ तथा नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे • वीडियोग्रैब/पेट्र

नाराज सभापति ने खरगे से कहा- उन्हें कंट्रोल करें

राज्यसभा में शोर-शराबे के बीच बार-बार अपनी सीट से खड़े हो रहे और पीठ को गलत तरीके से इशारा करने पर सभापति धनखड़ ने कांग्रेस सांसद शक्तिसिंह गोहिल को कई बार चेताया। इसके बाद भी जब वह नहीं माने तो उन्होंने खरगे से कहा कि वह गोहिल को कंट्रोल करें। इस पर खरगे ने कहा कि उन्हें बाहर कंट्रोल करने की जिम्मेदारी मेरी है, लेकिन यहां तो आपकी है। इसके बाद भी गोहिल के रवैये में जब बदलाव नहीं आया तो सभापति ने कहा कि उन्हें मेडिकली चेकअप कराना चाहिए।

सभापति धनखड़ ने इस दौरान खरगे के आरोपों को नकारते हुए कहा कि आरएसएस एक राष्ट्रहित में काम करने वाली संस्था है। देश और दुनिया के बड़ी संख्या में प्रबुद्ध लोग उससे जुड़े हैं। वहीं विश्वविद्यालयों, एनसीईआरटी व सीबीएसई आदि संस्थानों में आरएसएस से जुड़े लोगों की नियुक्ति पर उनके सवाल का भी जवाब दिया और कहा कि आरएसएस जैसी संस्था से जुड़ना कोई अपराध तो है नहीं? हंगामे के बीच सदन के नेता जेपी नड्डा ने भी आरएसएस को लेकर दिए गए उनके बयानों को गैर-जिम्मेदाराना बताया व कहा कि खरगे जी को आरएसएस का इतिहास पता नहीं है। उन्हें आरएसएस के बारे में पढ़ना चाहिए।

इस दौरान पीएम मोदी के चुनावी बयानों को लेकर खरगे के आरोपों को भी सभापति ने प्रमाणित करने को कहा। इस पर भी खूब हंगामा हुआ। बाद में इसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। खरगे ने सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा कि दस सालों तक सत्ता में रहने के बाद भी सरकार के पास चुनाव के दौरान अपने काम को बताने के लिए कुछ भी नहीं था। कांग्रेस को लेकर झूठ फैलाया।

एक सांसद की आवाज दबाने पर भाजपा को गंवानी पड़ीं 63 सीटें

नई दिल्ली, प्रेट्र : तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पिछली लोकसभा में उन्हें निष्कासित करने के लिए सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक सांसद की आवाज दबाने की बहुत भारी कीमत चुकाई है और उसे अपने 63 सांसदों का नुकसान उठाना पड़ा है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान महुआ ने कहा कि भाजपा अब विपक्ष के साथ उस तरह का व्यवहार नहीं कर पाएगी जैसा उसने पिछले सत्र के दौरान किया था। धन लेकर सवाल पूछने के मामले में 17वीं लोकसभा में दिसंबर, 2023 में अपने निष्कासन का भी उन्होंने जिक्र किया।

Josh Jagran New Media

एजुकेशन और करियर के क्षेत्र में सबसे विश्वसनीय प्लेटफ़ॉर्म

Jagranjosh.com

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफार्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

राष्ट्रगान के दौरान संसद में ही थे राहुल गांधी

विश्वास.News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

जेएनएन, नई दिल्ली: संसद के जारी सत्र के बीच इंटरनेट मीडिया पर संसदीय कार्यवाही का एक वीडियो क्लिप प्रसारित हो रहा है। इसे लेकर दावा किया जा रहा है कि राष्ट्रगान के वक्त राहुल गांधी संसद में मौजूद नहीं थे और वे वहां देर से पहुंचे।

पड़ताल: प्रसारित वीडियो लोकसभा चुनाव 24 के जनादेश के बाद नवगठित संसद का है, क्योंकि क्लिप के कैप्शन में चेयर के तौर पर प्रोटेम स्पीकर का जिक्र है। वीडियो क्लिप 56 सेकेंड का है, जिसमें प्रोटेम स्पीकर यानी कार्यवाहक अध्यक्ष भर्तृहरि महताब आसन पर हैं और राष्ट्रगान खत्म होने के बाद राहुल गांधी को आसन के समीप से अपनी कुर्सी की तरफ आते हुए देखा जा सकता है। की-वर्ड सर्च में हमें इस क्लिप से संबंधित संसदीय कार्यवाही का वीडियो संसद टीवी के आधिकारिक यू-ट्यूब चैनल पर मिला, जो 18वीं लोकसभा की 24 जून की सुबह की कार्यवाही का है। वीडियो क्लिप में 3.18 से 3.23 मिनट के बीच के फ्रेम में साफ देखा जा सकता है कि राहुल गांधी सबसे पिछली पंक्ति की कुर्सियों के पास खड़े हैं। हालांकि, लाइव प्रसारण के दौरान संसद टीवी के लोगो की वजह से उनका चेहरा नजर नहीं आ रहा है। इसके बाद जब राष्ट्रगान खत्म होता है, तो वह वहां से चलकर अपनी कुर्सी की तरफ आते हैं।

निष्कर्ष: 18वीं लोकसभा की पहली कार्यवाही के दौरान संसद में राहुल गांधी के देर से पहुंचने और राष्ट्रगान के दौरान उनके अनुपस्थित होने का दावा फेक है। इस दौरान राहुल गांधी संसद में ही मौजूद थे।

क्या हो रहा है प्रसारित?

दीपक कलाप्पट नाम के एक यूजर ने प्रसारित वीडियो को शेयर करते हुए अंग्रेजी में पोस्ट किया है। इसका हिंदी अनुवाद इस प्रकार है, 'हमेशा की तरह राहुल गांधी राष्ट्रगान के वक्त मौजूद नहीं थे और वहां देर से पहुंचे। जब 'जन गण मन' समाप्त हुआ, तब वे संसद में पहुंचे।'

झूठी खबर और अफवाहों का सच जानने के लिए विश्वास न्यूज के वाट्सएप चैनल को फालो करने के लिए कोड स्कैन करें।

बिरला बोले, पीठासीन अधिकारी के पास नहीं होता माइक का स्विच

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को विपक्षी सदस्यों के उन आरोपों पर आपत्ति जताई कि सदन में बोलते समय उनके माइक बंद कर दिए जाते हैं। दोनों ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के पास सांसदों के माइक बंद करने का कोई स्विच या रिमोट कंट्रोल नहीं होता।

बिरला ने कहा, 'चेयर सिर्फ व्यवस्था या निर्देश देती है। जिस सदस्य का नाम पुकारा जाता है, उसे सदन में बोलने का मौका मिलता है। चेयर के निर्देशानुसार माइक को नियंत्रित किया जाता है। चेयर पर बैठे व्यक्ति के पास माइक का स्विच या रिमोट कंट्रोल नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'यह चेयर की गरिमा का मामला है। कम से कम जो लोग चेयर पर बैठते हैं, उन्हें ऐसी आपत्तियां नहीं उठानी चाहिए। (के) सुरेश भी चेयर पर बैठते हैं। क्या चेयर के पास माइक का नियंत्रण है।' बाद में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फिर यह मुद्दा उठाया और सवाल किया कि माइक कौन नियंत्रित करता है। बिरला ने फिर स्पष्ट किया कि माइक का नियंत्रण उनके पास नहीं होता।

धनखड़ ने राज्यसभा में इसी तरह की टिप्पणी उस समय की जब उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोल रहे थे और इस दौरान कुछ व्यवधान उत्पन्न हुआ। सभापति ने कहा, 'किसी को भी इस माइक को बंद करने का अधिकार नहीं है... जो लोग इस तरह की गलतफहमियां फैलाते हैं, संसद को कलंकित करते हैं, हमारी संस्थाओं को नीचा दिखाते हैं।'' हंगामा जारी रहने पर धनखड़ ने कहा, ''श्रीमान खड़गे, आप जानते हैं कि यह यंत्रवत नियंत्रित है। जब मैं बोलूंगा तो किसी और का माइक चालू नहीं होगा। यह स्पष्ट है, यही अवधारणा है।

लोकसभा में सोमवार को कार्यवाही के संचालन के दौरान सदन अध्यक्ष ओम बिरला • वीडियोग्रैब/पेट्र

- स्पीकर ने कहा, चेयर के निर्देशानुसार नियंत्रित किया जाता है माइक
- माइक बंद करने जैसे विपक्षी सदस्यों के आरोपों पर जताई आपत्ति

मई 2024
26.7 M*
(यूनिक विज़िटर्स)
अप्रैल 2024
22.5 M*
(यूनिक विज़िटर्स)
19%
यूनिक विज़िटर ग्रोथ
(अप्रैल 2024 vs मई 2024)
लगातार आगे बढ़ते हुए
*Source: Comscore MMX Multiplatform, Unique Visitors & Unique Visitors % Growth, jagranjosh.com, April'24 vs May'24
वेबसाइट विज़िट करने के लिए QR कोड स्कैन करें
Jagran New Media की पहुंच 97.5** मिलियन लोगों तक है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है।
**Source: Comscore MMX Multi-Platform, Unique Visitors Mar'24, India

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
मंगलवार, 2 जुलाई, 2024

अमरेश्वर धाम

स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती
अटल पीठाधीश्वर

सनातन की अमर यात्रा

अमरनाथ यात्रा आरंभ हो चुकी है। भगवान अमरनाथ की यह यात्रा जहां सृष्टि की अमरता का दर्शन कराती है, वहीं सृष्टि विन्यास का बोध भी कराती है...

ऊबड़-खाबड़ रास्ते और बर्फ से ढकी चोटियां। अध्यात्म की भूमि हिमालय की ऊंची चोटी पर गुफा में हिम स्वरूप में विराजमान भगवान भोलेनाथ के दर्शन से अमरत्व की राह प्रशस्त करने की चाह में सब कष्टों को सहते हुए श्रद्धालु निरंतर आगे बढ़ते रहते हैं। स्कंद पुराण में बताया गया है कि अमरेश तीर्थ सब पुरुषार्थों का साधक है, वहां महादेव शिव देवी पार्वती के संग निवास करते हैं।

भगवान अमरनाथ की यह यात्रा जहां सृष्टि की अमरता का दर्शन कराती है, वहीं सृष्टि विन्यास का बोध भी कराती है। इसी कारण यह यात्रा मंगलकारी तो है ही, साथ ही यह मनुष्य को आत्मबोध कराकर मोहमाया से मुक्त होने का मार्ग भी प्रशस्त कराती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमरत्व की कथा सुनाई थी। इससे पूर्व मार्ग में उन्होंने गले में विराजे शेषनाग, सवारी नंदी, ललाट पर सुशोभित चंद्रमा को भी छोड़ दिया और श्रीअमरनाथ की गुफा की ओर बढ़ते गए। यहां पहुंचकर उन्होंने पंचतत्वों आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी का भी परित्याग कर दिया। ऐसा कर उन्होंने यह संदेश दिया कि सब त्यागकर ही अमरता की यात्रा संभव है। आवश्यक है कि देह के प्रति अभिमान भी समाप्त हो जाए। हम बाहरी वैभव का परित्याग कर अपने भीतर अमरता के विराट सौंदर्य को रचें। यही जीवन का सत्य है और यही शिव भी। यह यात्रा हमें ईश्वर के अविनाशी स्वरूप से एकाकार होने की प्रेरणा देती है। शरीर नाशवान है और आत्मा अमर, इसे स्वीकारते हुए हम अमरता के पथ का वरण करें।

अगले मंगलवार को पढ़ें मोरारी बापू का चिंतन...

सप्ताह के व्रत त्योहार

- 2 जुलाई, मंगलवार : योगिनी एकादशी व्रत
- 3 जुलाई, बुधवार : प्रदोष व्रत
- 5 जुलाई, शुक्रवार : स्नान-दान-श्राद्धादि की अमावस्या
- 7 जुलाई, रविवार : जगन्नाथपुरी रथयात्रा आरंभ

जीवन दर्शन

श्री श्री रवि शंकर
आर्ट आफ लिविंग के प्रणेता
आध्यात्मिक गुरु

मन की अवस्था लाती है जीवन में प्रसन्नता

अपेक्षाएं हमारी प्रसन्नता में बाधक होती हैं, लेकिन ये स्वाभाविक हैं। जब प्रत्येक परिस्थिति के बीच रहते हुए भी हमारी बुद्धि उससे अलिप्त हो जाती है, तब हम सहज ही प्रसन्न रहते हैं...

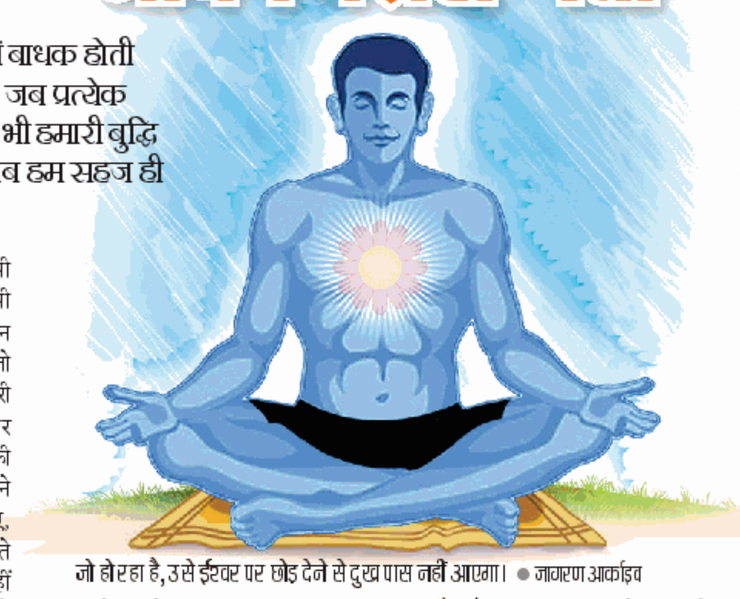

जो हो रहा है, उसे ईश्वर पर छोड़ देने से दुख पास नहीं आएगा। ● जागरण आर्काइव

दीपक की एक छोटी-सी टिमटिमाती लौ हल्की-सी हवा में बुझ जाती है, लेकिन यदि आग बड़ा रूप धारण कर ले तो उसे कोई जल्दी बुझा नहीं पाता। हमारी प्रसन्नता भी ऐसी ही है, जो अक्सर नकारात्मक बातों या घटनाओं की हवा से बुझ जाती है। प्रसन्नता पाने के लिए सत्संग अवश्य करना चाहिए, क्योंकि जब आप ज्ञान की बातें करते हैं तो वे बातें चेतना में रहती हैं, नहीं तो सारी छोटी-छोटी नकारात्मक बातें मन में घूमती रहती हैं। जीवन में रोना-धोना, सुख-दुख तो आते-जाते रहते हैं, मगर यह जान लेना चाहिए कि 'मैं एक विशाल मन का एक छोटा-सा अंग हूं'। यह सजगता आप में अथाह सहनशक्ति और ताकत लाती है।

मन में अपेक्षाएं उठना सामान्य बात है। यदि अपेक्षाएं उठ रही हैं तो यह सोचकर कि अपेक्षाएं उठना गलत बात है, उसे दबाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। जो जिस समय जैसा है, उसको वैसा ही देखें और आगे बढ़ते जाएं। यही मुक्ति है। आप तभी मुक्त हो पाएंगे, जब आपका मस्तिष्क किसी भी परिस्थिति में लिप्त न हो, क्योंकि जब मस्तिष्क किसी चीज में अटक जाता है, तब हम कहने लगते हैं कि 'यह ऐसे होना चाहिए, वह ऐसा नहीं होना चाहिए। यह हो रहा है, यह नहीं हो रहा है... आदि।' जिस प्रकार जब हलवा पक जाता है तो कढ़ाई में चिपकता नहीं है, इसी तरह जब हर परिस्थिति के बीच में रहते हुए भी हमारी बुद्धि अलिप्त हो जाती है, तब हम सहज ही प्रसन्न रहते हैं।

अपेक्षाएं अपने आप उठती हैं। यदि अपेक्षाएं पूरी हो जाती हैं, तब भी सही है और यदि नहीं पूरी हो पातीं तो उसमें भी ईश्वर की कृपा है। जब हम इस बात के प्रति सजग हो जाते हैं तो बिल्कुल मक्खन जैसे हो जाते हैं। जब आप मक्खन को पानी में या दूध में डालते हैं तो वह तैरता है, उसी प्रकार अपने मन को भी नवनीत और प्रसन्न बनाए रखिए।

कहा जाता है कि जीवन में यदि आपके मन के अनुसार काम हुआ तो अच्छा है और अगर नहीं हुआ तो और भी अच्छा है, मगर इसका अर्थ यह नहीं है कि आप कुछ करें ही नहीं! यदि आप यही सोचकर बैठे रहें कि 'सब भगवान कर देते हैं' तो यह ज्ञान का दुरुपयोग है। जो होता है, उस पर आपका अधिकार नहीं है, मगर जो करना है, उस पर पूरा अधिकार है। इसलिए जो करना है, उसमें अपना शत प्रतिशत लगाएं। लेकिन हम आम तौर पर इसके विपरीत करते हैं। जब कुछ 'करने' की बात होती है, तो कहते हैं कि जो भगवान कराते हैं, 'वही' होता है और जो 'होता' है, उस पर कर्तृत्व भाव लगाकर कर्तापन ले आते हैं। इनके पार्थक्य को जानना-समझना ही विवेक है। यह समझ में आ जाए कि जो होना है, वह प्रभु की इच्छा है, तब आप दुखी नहीं होंगे। जो हो रहा है, उसे ईश्वर पर छोड़ने से दुख नहीं होगा।

यदि हम पर कोई मुसीबत आई है, तो इसके लिए संभव है कि हमने ही बीज बोया होगा। यदि बबूल का बीज बोया है तो बबूल के कांटे ही मिलेंगे, मगर ऐसी परिस्थिति के सामने भी घबराना नहीं चाहिए। तब सोचना चाहिए कि अब क्या करना है? उस स्थिति में बबूल के पेड़ से बचकर रहना चाहिए, ताकि उसके कांटे हमें न चुभें। इस प्रकार हम 'अभी' वर्तमान में जो कर सकते हैं, उसे करना चाहिए। यह सोचकर कि बबूल का पेड़ क्यों हुआ? दुखी होना नासमझी है। बबूल के पेड़ से बचकर रहना हमारा कर्तव्य है। यदि यह बात हम सबको समझ में आ जाए, तो हम निश्चिंत हो जाते हैं। हमारे मन में शांति छा जाती है और फिर कोई भी शक्ति हमारी प्रसन्नता को प्रभावित नहीं कर सकती।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

जगन्नाथ पुरी रथयात्रा

गजपति महाराज दिब्य सिंहदेव जी
महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के प्रथम सेवक

जगत के नाथ की मानवोचित लीला

पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी में होने वाली भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा सात जुलाई से आरंभ हो रही है। जगन्नाथ जी अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ दर्शन देने मंदिर के गर्भगृह से निकलते हैं। इसका वर्णन विशेष रूप से स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में मिलता है। जानते हैं जगन्नाथ जी और इस यात्रा का माहात्म्य..

स्कंद पुराण के अनुसार, जगन्नाथ जी की पहली रथयात्रा तब हुई, जब परमात्मा परमेश्वर माधव रूप में पुरुषोत्तम क्षेत्र में साक्षात उपस्थित थे। उसी स्थान पर, जहां यह श्रीमंदिर है। जब वे अंतर्धान हो गए, उसके पश्चात अवंती (उज्जैन) के महाराजा इंद्रद्युम्न की प्रार्थना, भक्ति व तपस्या से परमात्मा का यहां दारु विग्रह के रूप में आविर्भाव हुआ। जिस स्थान पर भगवान का आविर्भाव हुआ, वह इस समय का गुंडिचा मंदिर है। उस समय यह मंदिर नहीं था। भगवान का आविर्भाव एक मंडप में हुआ। वहां पहला मंदिर महाराज इंद्रद्युम्न ने बनवाया। स्कंद पुराण के अनुसार, वहां तक की प्रथम रथयात्रा महाराज इंद्रद्युम्न के समय में हुई, जो प्रथम मन्वंतर का द्वितीय सतयुग था। यह रथयात्रा गुंडिचा मंदिर से उस समय के श्रीमंदिर तक हुई। इस पुराण में भगवान ने स्वयं कहा है कि साल में एक बार वह श्रीमंदिर से अपने जन्मस्थान जाना चाहते हैं, क्योंकि वह उन्हें बहुत प्रिय है और वहां सात दिन रहना चाहते हैं। इस यात्रा में भगवान सात दिन बाद वापस आते हैं, जिसे हम बाहुड़ा यात्रा कहते हैं। फिर भगवान अपने श्रीमंदिर में पुनः विराजमान होते हैं। यह सनातन वैदिक धर्म की अलग-सी परंपरा है। वैदिक परंपरा में जब हमारे मूल विग्रह मंदिर में अपने सिंहासन पर प्रतिष्ठित हो जाते हैं तो उन्हें वहां से हटाया नहीं जाता है, पर यहां पर जगन्नाथ जी कहते हैं कि वह सबके नाथ हैं, ऐसे में उनके दर्शन व उनकी कृपा प्राप्त करने का सबको अधिकार है। अतः वे रथ पर सवार होकर दर्शन देने निकलते हैं। जगत के नाथ जगन्नाथ जी की रथयात्रा में सभी धर्म-संप्रदाय के लोग भाग लेते हैं।

शास्त्रों के अनुसार, परमात्मा दारु विग्रह के रूप में प्रकट हुए। वह मानवोचित लीला करते हैं। वैदिक सिद्धांत में हम सभी मनुष्य सप्तधातु में गठित हैं। अस्थि से लेकर चर्म तक सप्त आवरण है। उसी प्रकार जगन्नाथ जी, बलभद्र, सुभद्रा एवं सुदर्शन जी सप्त आवरण से गठित हैं। हमारे शरीर के तत्व परिवर्तनशील हैं, उसी प्रकार भगवान जी का शरीर भी है। स्नानयात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ जी में कुछ परिवर्तन किए जाते हैं। कुछ दारु अंग निकाले जाते हैं और कुछ नए अंग लगाए जाते हैं। यह भगवान जी के सामान्य परिवर्तन का समय होता है। स्नानयात्रा से लेकर रथयात्रा के पूर्व दिन तक। हम सामान्य भावना से कहते हैं कि भगवान अस्वस्थ हैं। हमारा विश्वास है कि जगन्नाथजी परमात्मा हैं, उनके शरीर में ब्रह्म है। यही ब्रह्म नवकलेवर में उनके शरीर में प्रवेश करता है।

वर्ग पहेली-2678

बाएं से दाएं

2. पुराना समय, बीता हुआ (3)। 4. चरम सीमा, सीमांत (4)। 6. पृथकता (3)। 7. आश्चर्य (4)। 9. संबंध तोड़ लेना, अलग हो जाना (3,3)। 11. रंग हल्का पड़ना, मायूस होना (2,4)। 14. तरबतर, पूरी तरह से भीगा हुआ (4)। 16. टहल, सेवा, चाकर का काम (3)। 17. मनमुटाव, लड़ाई-झगड़ा (4)। 18. सांपों से संबंधित एक हिंदी फिल्म (3)।

ऊपर से नीचे

1. हमला करने वाला, आक्रामक (4)। 2. पता-ठिकाना (2,2)। 3. मिलनसार, भावुक (6)। 5. भयभीत, डरपोक, एक प्रकार की मछली (3)। 8. दुनिया, विश्व (3)। 10. इनकार कर देना (2,2,2)। 11. दुश्मनी (3)। 12. वस्तु के गुण-दोष, स्वाद आदि को जानने की शक्ति (4)। 13. पत्थरों से युक्त (4)। 15. खाने-पीने का सामान, रसद (3)।

© Bird Features & Writing Agency

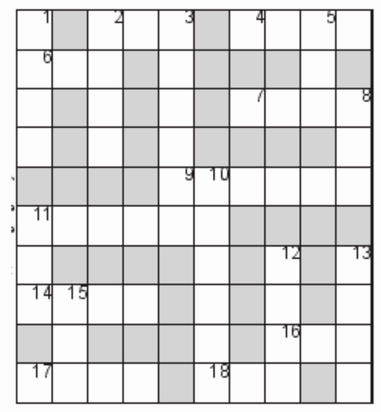

कल का हल

आ1	स	न	दे2	ना		कु3	ड	लि	नी4
श्वा			शा			ज			रां
स			ट5	न		ग			ज
न6	म	की7	न		ता8	ली	ब9	जा	ना
		र्ति		हे10	क		ल		
		गा		न11	त		खा		
उ12	प	न	य13	न		म14	ना	व	न15
प			ल		घा16	त			ज
व			शी			वा			रा
न17	ट	सा	ल		ग18	ला	छू	ट	ना

जागरण सुडोकू-2678

7		1		2		8		6
				8			9	
		2	6		9		1	
	3		2			7		5
		5		7	6		2	
2				5				4
1	5		4				7	
		8		1		2		
4			7		8			3

कल का हल

7	8	4	3	6	1	9	2	5
6	2	1	9	5	4	8	7	3
3	5	9	2	8	7	1	6	4
5	1	6	7	4	3	2	9	8
8	9	3	5	2	6	4	1	7
4	7	2	1	9	8	5	3	6
2	4	7	6	1	5	3	8	9
1	6	5	8	3	9	7	4	2
9	3	8	4	7	2	6	5	1

आज का भविष्यफल- 02 जुलाई, 2024 मंगलवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष एकादशी।
आज का राहुकाल : अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : उत्तर
आज का पर्व एवं त्योहार : योगिनी एकादशी

कल 03 जुलाई, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : प्रदोष व्रत
विशेष : गजकेसरी योग
विक्रम संवत 2081, शके 1946, उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष की द्वादशी तत्पश्चात त्रयोदशी, रोहिणी नक्षत्र तत्पश्चात मृगशिरा नक्षत्र, शूल योग तत्पश्चात गंड योग, वृष में चंद्रमा।

- **मेष :** आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
- **वृष :** गजकेसरी योग प्रतिष्ठा में वृद्धि कराएगा। रुका कार्य संपन्न होगा।
- **मिथुन :** बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
- **कर्क :** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चल रहा प्रयास सार्थक होगा।
- **सिंह :** जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा।
- **कन्या :** पिता या धर्मगुरु का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
- **तुला :** आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। तनाव मिल सकता है।
- **वृश्चिक :** दांपत्य जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
- **धनु :** स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
- **मकर :** संतान के दायित्व की पूर्ति। शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।
- **कुंभ :** गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। सुखद समाचार मिलेगा।
- **मीन :** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। प्रयास सार्थक होगा।

राष्ट्रीय जागरण

संकट में धर्म, जाति, भाषा और संस्कृति से ऊपर होता है राष्ट्रप्रेम : भागवत

- परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की जयंती पर उनके पैतृक गांव पहुंचे सरसंघचालक
- अब्दुल हमीद के बेटे जैनुल से बातचीत पर आधारित पुस्तक 'मेरे पापा परमवीर' का किया विमोचन

गाजीपुर में 1965 के भारत-पाक युद्ध के बलिदानी अब्दुल हमीद की प्रतिमा पर पुष्प भेंट करने के पश्चात श्रद्धांजलि देते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ● प्रेट्र

जागरण संवाददाता, गाजीपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि भले ही देश में धर्म, जाति, भाषा, संस्कृति के नाम पर समाज अलग-अलग बंटा दिखता हो, लेकिन जहां राष्ट्र पर खतरे की बात आती है तो सब राष्ट्रप्रेम के सूत्र में बंधकर एक साथ संकट का मुकाबला करते हैं। ऐसे में ही परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद जैसे लोग देश के लिए बलिदान देकर राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा लिखते हैं। समाज और देश के लिए जीना ही मनुष्यता है। इस तरह का जीवन जीने वालों की बहादुरी की गाथा ही हम अपनी भावी पीढ़ी को सुनाते हैं।

वीर अब्दुल हमीद की जयंती पर उनके पैतृक गांव उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के धामूपुर स्थित बलिदानी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे उन्होंने परमवीर चक्र विजेता के बड़े बेटे जैनुल हसन से बातचीत के आधार पर डा. रामचंद्रन श्रीनिवास की लिखित पुस्तक 'मेरे पापा परमवीर' का विमोचन भी किया। भागवत ने कहा कि देश में इतनी सारी भाषाएं हैं।

भूगोल के अनुसार खान-पान, रीति-रिवाज बदलते हैं। सारी विविधताओं के बावजूद हमारा देश हजारों वर्षों से एक राष्ट्र व एक समाज होने के नाते आगे बढ़ रहा है। जब कोई देश हमला करता है तब सभी मिलकर शत्रु से मुकाबला करते हैं।

पाकिस्तान व चीन के हमले इसका उदाहरण हैं। परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद जैसे लोग मनुष्यता के विकास के उदाहरण हैं, जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिया। अब्दुल हमीद ने 1965 के युद्ध में अकेले ही दुश्मन के आठ पैटन टैंकों को नष्ट कर दिया था। उनकी असाधारण वीरता के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

राष्ट्रीय की और भी खबरें पढ़ें www.jagran.com

आरएसएस की अनदेखी भाजपा को पड़ी भारी : स्वामी यतींद्रानंद गिरि

जागरण संवाददाता, मोदीपुरम (मेरठ): महामंडलेश्वर स्वामी यतिंद्रानंद गिरि ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अनदेखी भारी पड़ गई। चार सौ सीटों को जीतने का अति आत्मविश्वास भी भाजपा की सीटें घटने का कारण रहा। कहा कि कांवड़ यात्रा अब राष्ट्रीय पर्व बन चुका है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को मिलकर कांवड़ बोर्ड का गठन करना चाहिए। जिसमें सरकार, प्रशासन, कुछ धार्मिक लोग और साधु संत शामिल हों।

पल्लवपुरम में भाजपा नेता अजय भराला के घर पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए महामंडलेश्वर ने कहा कि सरकार को कांवड़ यात्रा बोर्ड का गठन करके विशेष पैकेज की व्यवस्था करनी चाहिए। कांवड़ शिविरों में भी सरकार को यथासंभव मदद उपलब्ध करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आरएसएस कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की।

बालटाल और पहलगाम आधार शिविर पर भोले के भक्तों ने डाला डेरा

- जम्मू के बजाय सीधे कश्मीर पहुंच रहे श्रद्धालु, पर्यटन स्थलों में घूम रहे
- जम्मू में रुक कर दो से तीन दिन व्यर्थ नहीं जाने देना चाहते हैं श्रद्धालु

जागरण संवाददाता, श्रीनगर : श्री अमरनाथ धाम की यात्रा शुरू हुए अभी तीन दिन ही हुए हैं, किंतु दोनों आधार शिविर पहलगाम और बालटाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरे हैं। इनमें अधिकांश श्रद्धालु वह हैं जो जम्मू में यात्री निवास पहुंचने के बजाय सीधे यहां पहुंचे हैं। कई तीर्थयात्री तो कश्मीर की सैर करने के लिए अपनी यात्रा तिथि से दो से तीन दिन पहले ही पहुंच रहे हैं। इसीलिए दोनों आधार शिविरों के आसपास के पर्यटन स्थल भी गुलजार हैं। श्रद्धालुओं का का मानना है कि जम्मू के बजाय सीधे कश्मीर आने से उनका दो से तीन दिन का समय बच जाता है।

अमरनाथ श्रद्धालुओं का पहला पड़ाव जम्मू यात्री निवास है। यहां से यात्रा के दौरान प्रत्येक दिन तड़के जत्था रवाना होता है और शाम तक बालटाल और पहलगाम पहुंच जाता है। इसके अगले दिन यहां से बाकी श्रद्धालुओं के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए आगे बढ़ता है। इस बार श्रद्धालुओं के यात्रा पर आने का तरीका बदला है। वह जम्मू के बजाय निजी या किराये पर वाहन कर सीधे कश्मीर पहुंच रहे हैं। इसी के चलते बालटाल व पहलगाम में स्थित आधार शिविरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है। गुजरात के बड़ौदा से सीधे श्रीनगर पहुंचे देवराज भटनागर श्रद्धालु ने कहा कि मेरी और मेरे दो और मित्रों की यात्रा तिथि पांच जुलाई को है, लेकिन हम सभी यहां सोमवार की सुबह ही कश्मीर पहुंच गए। हमारे पास चार दिन हैं। तब तक यहां थोड़ा घूम फिर लेंगे। यहां मौसम भी अच्छा है और गर्मी भी उतनी नहीं है। पांच जुलाई को हम बालटाल आधार शिविर में रिपोर्ट करेंगे। मुंबई के वर्ली से पिता संग यात्रा करने आए अंकित लोखंडे भी सीधे श्रीनगर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मौसम व सड़क की हालत को देख हमने श्रीनगर पहले ही पहुंचना उचित समझा। इससे समय बचता है। बिहार के अररिया के श्रद्धालु देवीप्रसाद भारद्वाज ने बताया कि वह पत्नी और दो बहनों के साथ आया हूं। चार जुलाई को पहलगाम मार्ग से यात्रा करनी है। हमें दो जुलाई को जम्मू आधार शिविर रिपोर्ट करना था, लेकिन हमने जम्मू रुकने के बजाए सीधे श्रीनगर पहुंचने का प्लान बनाया। इसका एक कारण यह था कि आधार शिविर में हमें तकरीबन दो दिनों तक रुकना था। यदि इस बीच मौसम के तेवर तीखे हो गए तो जम्मू में ही फंसे रह जाते। दूसरा, हमने सोचा कि दो-तीन दिन पहले ही कश्मीर पहुंचकर थोड़ा घूम फिर लेंगे। इसी कारण 30 जून को जम्मू में रुके बगैर सीधे कश्मीर पहुंच गए।

मनोरंजन

'किल' फिल्म के लिए अपने आप को किया टार्चर : लक्ष्य

फिल्म में जबरदस्त एक्शन करते दिखेंगे लक्ष्य ● @itslakshya (इंस्टाग्राम)

फिल्मों में आने के लिए कोई माडलिंग का सहारा लेता है तो कोई टीवी का। हालांकि किल फिल्म के अभिनेता लक्ष्य का ऐसा कोई लक्ष्य नहीं रहा। कुछ बड़ा करने की चाहत उन्हें टीवी से सिनेमा की ओर लाई। यही वजह रही कि टीवी शो पोरस के बाद लक्ष्य ने छह साल तक इंतजार किया। अब उनकी फिल्म किल पांच जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी यह फिल्म प्रदर्शित की गई थी। इसमें फिल्म ने काफी सराहना बटोरी थी।

जिद थी फिल्मों में काम करना है: सिनेमा में आने को लेकर लक्ष्य कहते हैं, 'मैंने कभी ये सोचकर काम नहीं किया था कि टीवी करियर की पहली सीढ़ी बनेगी या सिनेमा दूसरी सीढ़ी बनेगी। मैं दिल्ली से आया था। एमटीवी पर पहला शो वारियर हाई मिल गया था। मुझे सिर्फ काम की शुरुआत करनी थी। ऐसे में जो मिला वो किया। जब टीवी कर रहा था, तो उस दौरान कई ऐसे टीवी के नाम थे, जो सिनेमा में बड़े नाम बन चुके थे। मैं तब सोचता था कि ऐसा क्या बड़ा करूं, जो मैं सबसे बड़ा स्टार बन जाऊं। तब मैं 19-20 साल का था। टीवी पर पोरस जैसा बड़ा शो कर लिया था। फिर टीवी छोड़ा और देखा कि चीजें होती हैं या नहीं। फिर कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा से मिला। उन्होंने आडिशन के लिए लाइनअप किए। फिर धर्मा प्रोडक्शन से फिल्म दोस्ताना 2 मिली, लेकिन बनीं नहीं। धैर्य काफी रखना पड़ा। मेरा डर वाजिब था कि मैं दिख नहीं रहा हूं, काम नहीं आ रहा है, घर पर पैसा नहीं आ रहा है तो जिंदगी कैसे चलेगी। उम्मीद थी कि ऐसा काम करूंगा कि लोग देखते रह जाएंगे। इसलिए टीवी से ब्रेक लिया, हालांकि वहां पर अच्छे निर्देशकों से काम के आफर आ रहे थे, लेकिन जिद थी कि फिल्मों में प्रयास करना है।'

ऐसे हुई करण जौहर से पहली मुलाकात

किल के निर्माता करण जौहर से मुलाकात की कहानी बताते हुए लक्ष्य कहते हैं, 'उनसे मुलाकात कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा के जरिये हुई थी। उन्होंने मेरा किसी और फिल्म के लिए आडिशन लिया था, जिसमें मेरा काम नहीं हो पाया था। मैं परेशान था। उन्होंने कहा कि कुछ ना कुछ होगा क्योंकि मुझे तुम पर भरोसा है। उनके यह कहने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। दो-तीन दिन के बाद फोन आया कि करण अपनी किसी दूसरी फिल्म के लिए एक नए लड़के की तलाश में हैं। उस फिल्म के लिए आडिशन प्रक्रिया चालू हुई। उन्हें मेरा आडिशन पसंद आया, फिर मीटिंग हुई। उसके बाद फिर बुलाया गया कि कुछ और आडिशन करने हैं। फिर पांच-छह महीने में इसका हिस्सा बन गया।'

ट्रेन के भीतर की गई 66 दिनों की शूटिंग

फिल्म की 66 दिनों की शूटिंग ट्रेन के भीतर की गई है। लक्ष्य बताते हैं, 'ट्रेन का सेट लगाया गया था। उसमें नीचे हाइड्रोलिक्स और मूवर्स लगे थे, जिससे महसूस होता था कि ट्रेन चल रही है। ट्रेन की जो दीवारें थीं, वह सब खुल सकती थीं। ऐसे में वहां एक्शन करना कठिन था। स्पेस कम था, तो आपको देखना पड़ता था कि सहकलाकार को चोट न लगे। मजा आ रहा था, क्योंकि पहले ऐसा किया नहीं है। इस फिल्म के लिए मुझे साइकोलाजिकली काफी चीजें बदलनी पड़ी थी। मैं अपने आपको टार्चर करता था। जानबूझकर कम सो रहा था, ताकि अगले दिन आंखें सूजी हुई लगे। दोस्तों से मिलना कम कर दिया था, ताकि अच्छी यादें साथ न रहे। फिल्म की शूटिंग खत्म हो जाने के बाद उस जोन से बाहर निकलने के लिए मुझे एक सप्ताह लगा।'

फिल्म सिकंदर ने पार किया पहला पड़ाव

आमतौर पर ईद के मौके पर अपनी फिल्में प्रदर्शित करने वाले अभिनेता सलमान खान की इस साल ईद पर कोई भी फिल्म प्रदर्शित नहीं हुई। हालांकि, वह अगले साल की ईद को अपने हाथों से नहीं जाने देना चाहते हैं। इसलिए वह अपनी आगामी फिल्म सिकंदर की शूटिंग में कोई लापरवाही नहीं बरत रहे हैं। फिल्मकार ए आर मुरुगदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म ने सफलतापूर्वक शूटिंग का पहला चरण पार कर लिया है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, सोमवार को फिल्म की टीम ने सलमान के साथ मुंबई स्थित पांच सितारा होटल ताज लैंड्स एंड में एक महत्वपूर्ण एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग की। इसके साथ ही फिल्म का पहला शेड्यूल भी पूरा हो गया। इससे पहले टीम ने मुंबई के अंधेरी क्षेत्र में स्थित चित्रकूट ग्राउंड में सलमान और अभिनेता प्रतीक बब्बर के साथ जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग की थी। इस एक्शन सीन के लिए एक विशेष प्लेन के सेट का भी निर्माण किया गया था। पहला शेड्यूल खत्म करने के बाद मानसून को देखते हुए शूटिंग में करीब डेढ़ महीने का ब्रेक होगा।

टाइगर 3 के बाद एक्शन में कुछ नया करने के प्रयास में हैं सलमान ● जागरण आर्काइव

कल्कि 2898 एडी के लिए आए फोन को मजाक समझा था

हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन और प्रभास अभिनीत फिल्म कल्कि 2898 एडी की रविवार तक वैश्विक कमाई 555 करोड़ रुपये हो चुकी है। हालांकि, फिल्म में काउंसलर बानी की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अनिल जार्ज को जब इसके लिए फोन आया था तो वह मजाक समझ बैठे थे। दैनिक जागरण से बातचीत में अनिल बताते हैं, 'फिल्म के प्रोडक्शन हाउस की तरफ से किसी राहुल ने मुझे फोन पर कहा कि हम आपको एक फिल्म के लिए कास्ट करना चाहते हैं। इसके साथ उन्होंने अमिताभ बच्चन साहब के साथ दो-तीन बड़े कलाकारों के नाम लिए। तब मुझे लगा कि शायद कोई मुझसे मजाक कर रहा है। फिर मैं एक अन्य फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में बुडापेस्ट गया हुआ था। वहां मुझे दोबारा राहुल का फोन आया तो मैंने उन्हें तंज कसते हुए कहा कि आप तो बच्चन साहब के साथ फिल्म दिलाने वाले थे। उन्होंने कहा बिल्कुल और मुझे हैदराबाद बुलाया।'

कल्कि 2898 एडी में बानी की भूमिका में हैं अनिल ● इंस्टाग्राम

****

एक नजर में

सीमा पार खुदरा भुगतान के लिए बनेगा प्लेटफार्म

मुंबई: सीमा पार खुदरा भुगतान की सुविधा के लिए आरबीआइ और आसियान देश मिलकर एक नया प्लेटफार्म तैयार करेंगे। आरबीआइ ने सोमवार को एक बयान में कहा कि 2026 में इस प्लेटफार्म के शुरू होने की उम्मीद है। यह प्लेटफार्म घरेलू फास्ट पेमेंट्स सिस्टम्स (एफपीएस) के साथ जुड़कर सीमा पार खुदरा भुगतान को तेज बनाएगा। अन्य देशों को इससे जोड़ा जा सकता है। (प्रेट्र)

दो हजार रुपये के 97.87 प्रतिशत नोट वापस आए

मुंबई: आरबीआइ ने सोमवार को बताया कि चलन से बाहर किए गए दो हजार रुपये के अब तक 97.87 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। अब केवल 7,581 करोड़ रुपये के नोट लोगों के पास बचे हैं। आरबीआइ के 19 क्षेत्रीय कार्यालयों में इन नोटों को बदला या अपने बैंक खाते में जमा किया जा सकता है। डाक के जरिये भी नोटों को आरबीआइ के पास भेजकर खाते में जमा कराया जा सकता है। (प्रेट्र)

एकसमान शुल्क वसूलें बाजार से जुड़े सभी संस्थान

नई दिल्ली: मार्केट रेगुलेटर सेबी ने सोमवार को शेयर बाजारों और बाजार से जुड़े सभी संस्थानों से कहा कि वह अपने ग्राहकों से संख्या के बजाय एक समान शुल्क वसूलें। बाजार से जुड़े अन्य संस्थानों में क्लीयरिंग कारपोरेशन, सिक्युरिटी डिपाजिटरीज आदि शामिल हैं। सेबी ने इन संस्थानों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि जो शुल्क अंतिम ग्राहकों से वसूला जा रहा है, वह उसी मात्रा में उनके पास पहुंचना चाहिए। (प्रेट्र)

पहली तिमाही में इरेडा ने 9,136 करोड़ के लोन बांटे

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने सोमवार को बताया कि उसने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून 2024 के दौरान 9,136 करोड़ रुपये के लोन बांटे हैं। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 5,320 करोड़ रुपये के मुकाबले 67.61 प्रतिशत ज्यादा है। अब इरेडा का बकाया लोन 3,150 करोड़ रुपये हो गया है। (प्रेट्र)

जून में 1.74 लाख करोड़ रहा जीएसटी संग्रह

अप्रैल-जून 2024 में 5.57 लाख करोड़ रुपये रहा कुल संग्रह

1.61 लाख करोड़ रुपये था पिछले साल जून में कर संग्रह

2.10 लाख करोड़ रुपये का रिकार्ड कर संग्रह हुआ था अप्रैल में

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: जीएसटी संग्रह में तेजी का सिलसिला जारी है। वित्त मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इस साल जून में जीएसटी संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल जून के मुकाबले आठ प्रतिशत अधिक है। पिछले साल जून में जीएसटी संग्रह 1.61 लाख करोड़ रुपये था। इस साल मई में 1.73 लाख करोड़ रुपये तो इस साल अप्रैल में रिकार्ड 2.10 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह किया गया था। इस प्रकार चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीएसटी संग्रह 5.57 लाख करोड़ रुपये रहा जबकि गत वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में जीएसटी संग्रह 5.05 लाख करोड़ रुपये था।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जीएसटी संग्रह में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी से साफ जाहिर है कि अर्थव्यवस्था में तेजी बरकरार है। जीएसटी संग्रह में तेजी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं की खपत में तेजी को दर्शाता है क्योंकि जीएसटी संग्रह का सीधा संबंध वस्तुओं की बिक्री से होता है। जून में एसजीएसटी और सीजीएसटी, आइजीएसटी और सेस के अलग-अलग संग्रह को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। महीने की पहली तारीख होने के बावजूद जीएसटी संग्रह का आधिकारिक तौर पर आंकड़ा जारी नहीं किया गया। प्रेट्र के अनुसार, सूत्रों का कहना है कि अब सरकार जीएसटी संग्रह का आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं करेगी।

जीएसटी से घरेलू सामानों पर कर की दरें घटीं : वित्त मंत्रालय

नई कर प्रणाली के तौर पर जीएसटी के सात वर्ष पूरे, सीबीआइसी चेयरमैन ने कहा- करदाताओं की संख्या भी बढ़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि जीएसटी आने से घरेलू उत्पादों और मोबाइल फोन के लिए कर की दरें कम हुई हैं और इससे हर घर को राहत मिली है। नई अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के तौर पर जीएसटी ने सोमवार को अपने सात साल पूरे किए हैं। जीएसटी में लगभग 17 स्थानीय कर एवं उपकर शामिल किए गए और इसे एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था। सातवें जीएसटी दिवस का विषय 'सशक्त व्यापार, समग्र विकास' है।

मंत्रालय ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, 'जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू सामानों पर कर की दरें कम होने से घरेलू उपकरणों और मोबाइल फोन पर कम जीएसटी के माध्यम से हर घर को खुशी और राहत मिली है।' जीएसटी करदाताओं का आधार अप्रैल 2018 तक 1.05 करोड़ था जो बढ़कर अप्रैल 2024 में 1.46 करोड़ हो गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने कहा, 'हमने बेहतर अनुपालन के साथ ही करदाताओं के आधार में तगड़ा उछाल देखा है।' मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद हर घर में खाद्य पदार्थों और उपभोग की वस्तुओं पर खर्च कम हुआ है। बिना पैकिंग वाले खाद्य पदार्थों पर कर शून्य हो गया है।

नए ठेकों के चलते जून के दौरान मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में तेज वृद्धि

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का उत्पादन जून में तेज गति से बढ़ा है। अनुकूल मांग परिस्थितियों के बीच नए ठेके मिलने जारी रहे और इसके परिणामस्वरूप रोजगार में रिकार्ड वृद्धि हुई। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआइ) जून में बढ़कर 58.3 हो गया जो मई में 57.5 था। पीएमआइ के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

जून के आंकड़ों के अनुसार भारत में मैन्यूफैक्चरर्स की बिक्री में मजबूत वृद्धि मुख्य रूप से मजबूत मांग, उच्च निर्यात और सफल विज्ञापन के कारण हुई। नए ठेके मिलने में लगातार बढ़ोतरी के परिणामस्वरूप कंपनियों द्वारा भर्ती में तेजी आई। रोजगार सृजन की दर तेज हुई और मार्च 2005 में डेटा संग्रह शुरू होने के बाद से सबसे मजबूत रही।

देश में बिजली खपत में नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी

देश में बिजली की खपत जून में सालाना आधार पर करीब नौ प्रतिशत बढ़कर 152.38 अरब यूनिट रही। भीषण गर्मी के कारण घरों और दफ्तरों में एयर कंडीशनर और कूलर जैसे उपकरणों का अत्यधिक इस्तेमाल इसकी मुख्य वजह रही। जून 2023 में बिजली की खपत 140.27 अरब यूनिट थी। एक दिन में सर्वाधिक आपूर्ति (पूरी की गई अधिकतम मांग) भी जून 2024 में बढ़कर 245.41 गीगावाट हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 223.29 गीगावाट थी। इस साल मई में बिजली की अधिकतम मांग सर्वकालिक उच्च स्तर 250.20 गीगावाट पर पहुंच गई। इससे पहले, अब तक की अधिकतम मांग 243.27 गीगावाट सितंबर 2023 में रही थी।

बजट से पहले बाजार में निवेश से बचें

- कैपिटलमाइंड ने पिछले 24 वर्षों के बजट के पहले और बाद शेयर बाजार के हालात पर जारी की रिपोर्ट
- कहा- बजट घोषणाओं से प्रभावित होने वाले सेक्टरों पर तुरंत पैसे नहीं लगाने चाहिए

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: यदि आप इसी महीने पेश होने वाले आम बजट से पहले लाभ के लिए शेयर बाजारों में निवेश करने की सोच रहे हैं तो सतर्क रहें। कैपिटलमाइंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने पिछले 24 वर्षों के दौरान बजट के पहले और बाद के दिनों में शेयर बाजार की स्थिति पर सोमवार को एक रिपोर्ट जारी की है। इसका निष्कर्ष यह है कि आम निवेशकों को बजट से ठीक पहले अल्प लाभ के लिए बाजार में निवेश नहीं करना चाहिए। रिपोर्ट में आम निवेशकों को सावधान किया गया है कि आम बजट की घोषणाओं की उम्मीद से प्रभावित होने वाले शेयरों से बचें और उन्हीं कंपनियों पर अपना दांव लगाएं, जिनकी बुनियाद मजबूत हो।

यह रिपोर्ट बताती है कि बजट से पहले ही नहीं बल्कि बजट की घोषणाओं के आधार पर तुरंत उन सेक्टरों में भी पैसे नहीं लगाने चाहिए, जिन पर बहुत ज्यादा असर पड़ रहा हो। निफ्टी-500 के आधार पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2000 के बाद आम बजट से एक वर्ष पहले औसतन 13.2 प्रतिशत का रिटर्न मिला है, जबकि एक महीने पहले की अवधि में औसतन 2.2 प्रतिशत की गिरावट और एक हफ्ते पहले के कारोबार में 1.4 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। जबकि बजट के एक हफ्ते बाद औसतन 1.3 प्रतिशत का रिटर्न, एक महीने बाद 0.5 प्रतिशत की गिरावट और 12 महीने बाद 12.2 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न मिला है। बजट से एक वर्ष पहले और एक वर्ष बाद का सालाना औसतन रिटर्न तकरीबन एक जैसा है। इसमें यह भी बताया गया है कि अगर बजट से एक दिन पहले शेयर बाजार में रिटर्न किया जाता है तो 54 प्रतिशत इस बात की संभावना है कि एक महीने बाद भी उसका रिटर्न निगेटिव में ही रहेगा।

नए रिकार्ड स्तर पर पहुंचे घरेलू शेयर बाजार

बैंकिंग और आइटी क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी की बदौलत सोमवार को मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक 443 अंकों की तेजी के साथ 79,476 अंकों पर बंद हुआ। एनएसई भी 24,142 (131 अंकों की तेजी) के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। इस तेजी के साथ बीएसई सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार पूंजीकरण 4,43.05 लाख करोड़ रुपये या 5.31 ट्रिलियन डालर के नए उच्चस्तर पर पहुंच गया है।

30 रुपये सस्ता हुआ कामर्शियल सिलेंडर

नई दिल्ली, प्रेट्र: होटल और रेस्तरां में उपयोग किए जाने वाले कामर्शियल सिलेंडर की कीमत में 30 रुपये की कटौती की गई है। अब दिल्ली में 19 किलो वाले कामर्शियल सिलेंडर की कीमत 30 रुपये घटकर 1,646 रुपये हो गई है। कीमतों में यह लगातार चौथी कटौती है। पिछली बार एक जून को सिलेंडर की कीमत में 69 रुपये की कटौती की गई थी। इससे पहले एक मई को 19 रुपये और एक अप्रैल को 30.50 रुपये की कटौती की गई थी। हालांकि, घरेलू उपयोग में आने वाले रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलो) की कीमत 803 रुपये पर अपरिवर्तित रही।

वहीं तेल कंपनियों ने जेट ईंधन या एटीएफ की कीमत में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि की है। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में एटीएफ की कीमत 1,179.37 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 96,148.38 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। यह वृद्धि एक जून को 6.5 प्रतिशत (6,673.87 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी कटौती के बाद हुई है।

मांग में सुस्ती से यात्री वाहनों की बिक्री घटी

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुस्त मांग के कारण जून में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में चार प्रतिशत की मामूली वृद्धि देखी गई। पिछले महीने कुल यात्री वाहनों की बिक्री 3,40,784 इकाई रही, जो जून 2023 में 3,28,710 इकाई की तुलना में 3.67 प्रतिशत अधिक है।

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी की बात करें तो जून में उसकी कुल थोक बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 1,79,228 यूनिट रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने अपने डीलरों को 1,59,418 इकाइयां भेजी थीं। पिछले महीने कुल घरेलू यात्री वाहन की बिक्री 1,37,160 इकाई थी, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1,33,027 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसका निर्यात 31,033 इकाई रहा। आल्टो और एस-प्रेसो सहित मिनी सेगमेंट कारों की बिक्री पिछले साल जून के 14,054 यूनिट से घटकर 9,395 यूनिट रह गई। बलेनो और वैगनआर सहित कांपैक्ट कारों की बिक्री 64,049 इकाई रही है।

हुंडई की थोक बिक्री में एक प्रतिशत की कमी

देश की दूसरी सबसे बड़ी कार कंपनी हुंडई की थोक बिक्री जून में एक प्रतिशत घटकर 64,803 इकाई रह गई। पिछले साल जून में कंपनी ने डीलरों को 65,601 यूनिट भेजी थीं। इस साल जनवरी से जून की अवधि में कंपनी ने कुल 3,85,772 कारें बेचीं जबकि पिछले साल इसी अवधि में कंपनी ने 3,65,030 कारें बेची थीं। जून में टाटा मोटर्स के वाहनों की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 74,147 यूनिट रही।

- टोयोटा की बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 27,474 यूनिट रही। एक साल पहले की समान अवधि में बिक्री 19,608 थी।
- जेएसडब्ल्यू एमजीमोटर की बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 4,644 यूनिट रही। कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत रही।
- महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री जून में 11 प्रतिशत बढ़कर 69,397 यूनिट रही। एक साल पहले की समान अवधि में यह 62,429 यूनिट थी।
- किआ इंडिया की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर जून में 21,300 हो गई थी। 2024 के पहले छह महीनों के दौरान कंपनी ने 1,26,137 कारें बेचीं है।
- आडी इंडिया की बिक्री छह प्रतिशत घटकर जून में 1,421 यूनिट रही। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 1,524 वाहन बेचे थे।

राष्ट्रीय जागरण

होम-पर्सनल केयर कारोबार को बेचेगी पतंजलि आयुर्वेद

हरिद्वार (वि): पतंजलि फूड्स लिमिटेड बोर्ड ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के होम एंड पर्सनल केयर बिजनेस के अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। जिससे कंपनी के एक अग्रणी एफएमसीजी कंपनी के रूप में परिवर्तन की गति तेज होगी।

पीएएल एचपीसी व्यवसाय में वर्तमान में चार प्रमुख क्षेत्र डेंटल केयर, स्किन केयर, होम केयर, हेयर केयर शामिल हैं। एचपीसी व्यवसाय के अधिग्रहण की यह रणनीतिक पहल कंपनी के मौजूदा एफएमसीजी उत्पाद के पोर्टफोलियो को प्रतिष्ठित ब्रांडों की एक श्रंखला के साथ मजबूत करेगी और राजस्व व एबिटा की बढ़ोतरी में भी योगदान देगी। पीएफएल, पीएएल के संपूर्ण एचपीसी व्यवसाय को एक चालू व्यवसाय के आधार पर अधिग्रहित करने के लिए तैयार है और इसमें व्यवसाय, संबंधित कर्मचारियों, वितरण नेटवर्क, अनुबंधों, लाइसेंसों, परमिटों, सहमतियों और इस आपरेशन के लिए आवश्यक अनुमोदनों से संबंधित सभी परिसंपत्तियां और देनदारियां शामिल हैं। अधिग्रहण का समापन विभिन्न पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति के अधीन है, जो मुख्य रूप से व्यावसायिक उपक्रम के हस्तांतरण के लिए नियामक अनुमोदन हैं। कंपनी एचपीसी व्यवसाय के उत्पाद पोर्टफोलियो के बौद्धिक संपदा के मूल्य और इसके बाजार महत्व को भी स्वीकार करती है। एचपीसी व्यवसाय के हस्तांतरण के लिए कंपनी और पीएएल के बीच 1100 करोड़ की राशि पर पारस्परिक रूप से बातचीत की गई। अलग से, कंपनी व पीएएल में 3% टर्नओवर आधारित शुल्क के साथ-साथ अन्य शर्तों के लिए की लाइसेंसिंग व्यवस्था पर सहमति हुई है।

जीएसटी कमिश्नरेट का अधिकारी गिरफ्तार

गुवाहाटी: सीबीआइ ने गुवाहाटी जीएसटी आयुक्तालय के अधिकारी को घूस लेते रंग हाथों गिरफ्तार किया है।

सीबीआइ ने सोमवार को बयान में बताया कि जीएसटी कमिश्नरेट में सहायक आयुक्त, सीजीएसटी, एम. श्रीनिवास राव को शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये घूस मांगने और स्वीकारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। (प्रेट्र)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा, उत्तराखण्ड पेयजल निगम डीडीहाट, पिथौरागढ़

अल्पकालीन निविदा सूचना

अध्यक्ष उत्तराखण्ड पेयजल एवं संसाधन विकास निर्माण निगम, देहरादून की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा उत्तराखण्ड पेयजल निगम में पंजीकृत ठेकेदारों से राज्य सैक्टर (ग्रामीण) पेयजल योजना अन्तर्गत पाईप लाईन, जलाशय एवं तत्सम्बन्धी कार्यों हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. कार्य का नामः- 1 मल्ला जी (जयकोट) पे०यो०।
2. निविदा क्रय करने की तिथिः- 15.07.2024 अपरान्ह 3:00 बजे तक।
3. निविदा जमा करने की तिथिः- 15.07.2024 अपरान्ह 5:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने तिथिः- 16.07.2024 पूर्वान्ह 11:00 बजे।

निविदा सूचना संख्या-1696/निविदा/240
दिनांक- 01.07.2024
(संजय कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

कार्यालय प्रभागीय विक्रय प्रबंधक
उत्तराखण्ड वन विकास निगम
विक्रय प्रभाग देहरादून
चन्दबनी, देहरादून, email id : dmmdehradun@gmail.com

प्रकाष्ठ-जड़ी बूटी नीलाम सूचना

विक्रय प्रभाग, देहरादून के अन्तर्गत प्रकाष्ठ विक्रय डिपुओं में उपलब्ध प्रकाष्ठ, जड़ जलौनी, चौर प्रकाष्ठ, जड़ी बूटी एवं बी-01 प्रकाष्ठ (जहाँ है जैसा है के आधार पर) विक्रय हेतु माह जुलाई-2024 में सार्वजनिक/भौतिक नीलाम निम्न तिथियों पर निम्नानुसार सम्पन्न किये जायेंगे।

डिपो	नीलाम स्थल	नीलाम तिथि	प्रजाति
रायवाला/छिद्दरवाला	रायवाला	05.07.2024	साल, शीशम, सागौन, कोकाट कोमल काष्ठ एवं शंकुधारी प्रकाष्ठ आदि।
बीबीवाला	बीबीवाला	07.07.2024	जड़ी-बूटी एवं शंकुधारी प्रकाष्ठ आदि।
हरबर्टपुर/सेलाकुई	हरबर्टपुर	14.07.2024	साल, शीशम, सागौन, कोकाट कोमल काष्ठ एवं शंकुधारी प्रकाष्ठ आदि।
रायवाला	रायवाला	21.07.2024	चौर प्रकाष्ठ (टिहरी एवं गढ़वाल क्षेत्र के समस्त डिपो)
बीबीवाला	बीबीवाला	22.07.2024	जड़ी-बूटी।
चन्दबनी	चन्दबनी	23.07.2024	साल, सागौन, कोकाट एवं कोमल प्रकाष्ठ आदि।
सेलाकुई/हरबर्टपुर	सेलाकुई	26.07.2024	साल, शीशम, सागौन, कोकाट कोमल काष्ठ एवं शंकुधारी प्रकाष्ठ आदि।

सम्बन्धित डिपुओं की विक्रय सूची वेबसाइट ukfdc.uk.gov.in पर उपलब्ध है। नीलाम प्रक्रिया निर्धारित समय 11:00 बजे प्रारम्भ कर दी जायेगी। बीबीवाला डिपो में 11:00 बजे से 11:45 बजे तक जड़ी-बूटी एवं 11:45 बजे के पश्चात प्रकाष्ठ का नीलाम सम्पन्न किया जायेगा। इच्छुक क्रेताओं से नीलाम में भाग लेने हेतु अनुरोध है। विस्तृत विवरण सम्बन्धित डिपो से प्राप्त किये जा सकते हैं।

पत्रांक वि०-950/16-5-2/नीलाम सूचना, दिनांक: 29.06.2024
प्रभागीय विक्रय प्रबंधक
उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून

उत्तराखण्ड लाईवस्टाक डेवलपमेण्ट बोर्ड
पशुधन भवन, प्रथम तल, मोथरोवाला रोड, देहरादून-248001
Website: www.uldb.org, Email: ceouldb2019@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना

यू०एल०डी०बी० द्वारा 1.5 लीटर तरल नत्रजन पात्रों हेतु 500 Carry Bags के क्रय के लिए निविदाएं दिनांक 18.07.2024 की पूर्वाह्न 11:00 बजे तक आमंत्रित की जा रही हैं जो उसी दिन पूर्वाह्न 11:30 बजे खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://uktenders.gov.in पर दिनांक 02.07.2024 से उपलब्ध होंगी। यू.एल.डी.बी. को बिना कोई कारण बताये निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।

मुख्य अधिशासी अधिकारी, यू.एल.डी.बी.

यूजेवीएन लिमिटेड

सं० 554 | **अभिव्यक्ति की अभिरूचि** | दिनांक: 01.07.2024

कार्यालय उप-महाप्रबन्धक, आनतरिक सम्प्रेक्षा, यूजेवीएन लिमिटेड, "उज्जवल" महारानी बाग, जी०एम०एस० रोड, देहरादून इच्छुक आवेदनकर्ता सीए फर्मो द्वारा आनतरिक सम्प्रेक्षण 2024-25, 2025-26 एवं 2026-27 कार्यों हेतु अभिव्यक्ति की अभिरूचि आमंत्रित करता है।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है :
01/उप महाप्रबन्धक, आन्तरिक सम्प्रेक्षा/2024-25
कार्य/पूर्ति/सेवायें का नाम: चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स फर्म का एम्पैनलमेन्ट
वेबसाइट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि: जुलाई 02, 2024 से
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि: जुलाई 18, 2024, 18.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : जुलाई 19, 2024, 11.00 बजे
अन्य जानकारी हेतु निगम वेबसाइट www.ujvnl.com देखें।

उप-महाप्रबन्धक (आनतरिक सम्प्रेक्षा)

" बिजली का बरबादीपूर्ण उपयोग न करें "

कार्यालय निदेशक, बागवानी मिशन, उत्तराखण्ड
राजकीय उद्यान, सर्किट हाउस, देहरादून

पत्रांक 685/HMNEH/Polyhouse/shadenet house Registration/ 2024-25
दिनांकः देहरादूनः 29 जून/2024

विज्ञप्ति

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तराखण्ड में संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) के अन्तर्गत हॉर्टिकल्चर मिशन फॉर नार्थ ईस्ट एण्ड हिमालयन स्टेटस (HMNEH) एवं विभाग में संचालित अन्य योजनाओं हेतु संरक्षित खेती (Protected Cultivation) घटक के अन्तर्गत पॉलीहाउस तथा शेडनेट हाउस के निर्माणकर्ता फर्मो/कम्पनियों का पंजीकरण किया जाना है। पॉलीहाउस/शेडनेट हाउस निर्माण करने वाली फर्म/कम्पनियों द्वारा पंजीकरण हेतु निर्धारित प्रारूप एवं शर्तें बागवानी मिशन की वेबसाइट www.shm.uk.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

निदेशक, बागवानी मिशन

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग
हरिद्वार
पिन कोड- 249404

संख्या :: 117/23/E-01/DR/PCS/2023-24 | दिनाँक :: 01 जुलाई, 2024

विज्ञप्ति

उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य (सिविल) प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा, 2024

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य (सिविल) प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा, 2024 के अन्तर्गत विभिन्न विभागों में रिक्त 189 पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से चयन हेतु विज्ञापन संख्या- A-2/E-1/PCS/2023-24, दिनांक 14 मार्च 2024 प्रकाशित किया गया था, शासन के पत्र संख्या-220972/XXX(2)/2024-E68175, दिनांक 27 जून, 2024 द्वारा प्रेषित उत्तराखण्ड लोक सेवा (कुशल खिलाड़ियों के लिए क्षैतिज आरक्षण) अधिनियम, 2024 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 09, वर्ष 2024) के द्वारा 04 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण अनुमन्य होने के आधार पर उत्तराखण्ड राज्य के कुशल खिलाड़ियों हेतु उप शिक्षा अधिकारी/स्टाफ ऑफिसर/विधि अधिकारी (विद्यालयी शिक्षा विभाग), लेवल-10 पद के सापेक्ष ओलम्पिक खेलों में पदक विजेता/प्रतिभाग करने वाले तथा राज्य कर अधिकारी (वित्त विभाग) लेवल-07 पद के सापेक्ष ओलम्पिक खेलों में पदक विजेता/प्रतिभाग करने वाले अथवा विश्व कप/विश्व चैम्पियनशिप/एशियन खेलों में पदक विजेता/प्रतिभाग करने वाले अथवा कॉमनवेल्थ खेल/एशियन चैम्पियनशिप में पदक विजेता/प्रतिभाग करने वाले कुशल खिलाड़ियों के लिए ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने हेतु आयोग की वेबसाईट psc.uk.gov.in अथवा ukpsc.net.in पर लिंक खोले गये हैं, जिसकी महत्वपूर्ण तिथियां निम्नवत् है-

ऑनलाइन आवेदन भरने की प्रारम्भ तिथि	::	01 जुलाई, 2024
ऑनलाइन आवेदन भरने की अन्तिम तिथि	::	07 जुलाई, 2024 (रात्रि 11:59:59 बजे तक)

उक्त के संबंध में विस्तृत विज्ञप्ति आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध है, अभ्यर्थी उक्त का अवलोकन करने का कष्ट करें।

(गिरधारी सिंह रावत) सचिव।

कार्यालय जिलाधिकारी देहरादून।

संख्या-88/प्रशा०अधि०-नजा०-(ले०सा०-निविदा)/2024-25 | दिनांक: 01/07/2024

निविदा-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कलेक्ट्रेट देहरादून, जनपद की समस्त तहसीलों, भू-लेख अधिष्ठान, संग्रह अधिष्ठान, ई-डिस्ट्रिक्ट केन्द्र के साथ अन्य राजकीय कार्यालयो में लेखन सामग्री, कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफटवेयर, कम्प्यूटर स्टेशनरी, कम्प्यूटर कार्टेज, कार्ट्रेज रिफलिंग, फोटोस्टेट मशीन कार्ट्रेज, ड्रम इत्यादि की आपूर्ति के लिए उत्तराखण्ड राज्य की एकल, स्वयं, साझेदारी विक्रेताओं/पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों से ई-टेण्डर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदाएं, तकनीकी बिड एवं वित्तीय बिड, के रूप में दो पृथक-पृथक शील्ड बन्द लिफाफों में दिनांक 20/07/2024 को अपरान्ह 03:00 बजे तक प्रभारी अधिकारी (नजारत) कलेक्ट्रेट देहरादून के समक्ष जमा किये जायेंगे तथा उसी दिन सायं 04:00 बजे सक्षम प्राधिकारी कलेक्ट्रेट देहरादून के समक्ष खोली जायेंगी। निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार जिलाधिकारी देहरादून को है।

निविदा की सामान्य शर्तें निम्न प्रकार हैं, जबकि विस्तृत निर्देश एवं शर्तों की जानकारी विभागीय वेबसाईट/प्रधान नाजिर सदर कलेक्ट्रेट देहरादून से ज्ञात की जा सकती हैं तथा तकनीकी बिड एवं वित्तीय बिड का प्रारूप (निविदा फॉर्म) विभागीय वेबसाईट www.uktenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है, जिस हेतु निर्धारित शुल्क, तकनीकी बिड एवं वित्तीय बिड की हार्ड कॉपी जमा करते समय प्रधान नाजिर सदर कलेक्ट्रेट देहरादून के पास नकद रूप से जमा करनी होगी।

1. निविदा प्रपत्र के साथ धरोहर राशि के रूप मे रु.50,000.00 (रुपया पचास हजार मात्र) की एफ.डी.आर. जिलाधिकारी देहरादून के पक्ष में देय होगी।
2. विक्रेता फर्म के प्रबंधक को सक्षम प्राधिकारी (उपजिलाधिकारी) द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जो छः मास से अधिक पुराना ना हो।
3. पेन कार्ड, टिन नम्बर, जी.एस.टी नम्बर की छायाप्रति जमा करनी होगी।
4. इस आशय के साथ शपथ पत्र कि कम्पनी/विक्रेता फर्म ब्लैक लिस्टेड नहीं है।
5. कम-से-कम दो राजकीय विभागों में वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22 एवं 2022-23 से सामग्री की आपूर्ति किये जाने संबंधी संबंधित विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष द्वारा निर्गत अनुभव प्रमाण पत्र।
6. वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22 एवं 2022-23 में जमा आयकर रिटर्न/फार्म-16 एवं सीए आडिट बैलेन्स शीट की रसीद CA द्वारा प्रमाणित छायाप्रति।
7. वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22 एवं 2022-23 में फर्म की विभिन्न प्रकार की लेखन सामग्री तथा कम्प्यूटर प्रिंटर, फोटोस्टेट मशीन, लेजर प्रिन्टर एवं फैक्स मशीन के लिए टोनर कार्टेज आदि की आपूर्ति करने का औसत टर्नओवर, जो 25.00 लाख से कम न हो, से संबंधित अभिलेख CA द्वारा प्रमाणित होने चाहिए।

जिलाधिकारी, देहरादून।

कार्यालय, प्राचार्य, सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान अल्मोड़ा
निकट विकास भवन, पाण्डेखोला, अल्मोड़ा, जिला-अल्मोड़ा-263601 (उत्तराखण्ड)
ई-मेल: principal.gmcalmora@gmail.com
http://www.ssjgimsralmora.org
मो0- 9412410759, फोन एवं फैक्स: 05962-230557

पत्रांक- 83/जीमएसीए/विज्ञापन | दिनांक- 01.07.2024

ई-निविदा नोटिस

सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान अल्मोड़ा तथा सम्बद्ध गोवर्धन तिवारी राजकीय बेस चिकित्सालय अल्मोड़ा में भर्ती रोगियों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराने हेतु Two Bid System के अन्तर्गत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की समस्त शर्तें एवं जानकारी www.uktender.gov.in पर दिनांक-01.07.2024 से उपलब्ध रहेगी।

प्राचार्य
सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान अल्मोड़ा

Uttarakhand State Council for Science & Technology (UCOST)
Department of IT, Suraj and Science Technology (Govt. of Uttarakhand)
Jhajra, PO Jhajra, Dehradun, Uttarakhand-248015
Tel: 0135-2976266; email: ucost@ucost.in; Web-www.ucost.uk.gov.in

No. UCS&T/PMU/2024-25/25882 | Dated: 01.07.2024

WALK-IN INTERVIEW
Advertisement for Appointment of the Project Staff Under Project Management Unit (PMU) Project

Walk-In Interview for the post of Senior Project Associate, Chemist, Lab Assistants, Sampling Assistants purely on temporary basis under the **Project Management Unit (PMU)** for "26 Water Quality Testing and Monitoring Laboratories in Uttarakhand" will be conducted on **12th July 2024 at 10.30 AM** at UCOST, Vigyan Dham, Jhajra, Dehradun. Interested/Eligible candidates should bring complete application form along with all the necessary documents and experience certificates (both original and photocopies). All the necessary details are uploaded on the website: www.ucost.uk.gov.in

(Administrative Officer)

एन० सी० सी० ग्रुप मुख्यालय, 9 नीति नगर आई०आई०टी० कैम्पस रूड़की -247667
Tele :- +91-7906526822 e-mail address-topgproorkee@gmail.com

पत्रांक VSC-2024/Q | दिनांक : 02 जुलाई, 2024

अल्पकालिन निविदा सूचना

1. इस ग्रुप मुख्यालय की 38 एन0सी0सी0 कैडिटों को वायु सैनिक शिविर-2024 में प्रतिभाग करने वाले दल के लिए वर्दी/साज-सज्जा वाली अन्य वस्तुओं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतू अल्पकालिक निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। सीलबंद निविदायें दिनांक 22 जुलाई 2024 को प्रातः 1000 बजे तक ही स्वीकार की जायेगीं। प्राप्त की गई सीलबंद निविदाऐं दिनांक 22 जुलाई 2024 को प्रातः 12 बजे तक नामित समिति के समक्ष खोली जायेगीं।
2. अल्पकालिक निविदा फॉर्म एवं आवश्यक सामग्री की सूची एन0सी0सी0 ग्रुप मुख्यालय रुड़की से किसी भी कार्य दिवस पर दिनांक 02 जुलाई से 21 जुलाई 2024 के दौरान प्रातः 10:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक प्राप्त की जा सकती हैं।
3. किसी भी निविदा को निरस्त करने का अधिकार ग्रुप कमाण्डर महोदय का होगा।
4. तिथि या अन्य व्यवस्थात्मक परिवर्तन की सूचना अलग से नहीं दी जायेगी। कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी जायेगी।

ग्रुप कमाण्डर
एन0सी0सी0 ग्रुप मुख्यालय, रूड़की।

****

T20 आइसीसी विश्व कप अमेरिका व वेस्टइंडीज 2024

विश्व विजेता

लगातार दूसरे दिन **चक्रवाती तूफान बेरिल** के कारण बंद रहा ग्रांटली एडम्स एयरपोर्ट, शाह टीम को निकालने का कर रहे प्रयास

बारबाडोस में ही फंसी है भारतीय टीम

अभिषेक त्रिपाठी
ब्रिजटाउन

ब्रिजटाउन में सोमवार को भी चक्रवती तूफान बेरिल के कारण भारी वर्षा हुई ● अभिषेक त्रिपाठी

बेरिल चक्रवाती तूफान के कारण विश्व विजेता भारतीय टीम बारबाडोस में ही फंसी है। भारतीय टीम ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को टी-20 विश्व कप फाइनल में सात रन से हराकर चौथी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया था। टीम के खिलाड़ी जल्द से जल्द ट्राफी लेकर भारत पहुंचना चाहते थे लेकिन यह हो नहीं सका है।

बारबाडोस की सरकार ने चक्रवात को देखते हुए रविवार शाम छह बजे से एयरपोर्ट को बंद कर दिया था। यहां रविवार की रात को शुरू हुई वर्षा सोमवार की सुबह तेज तूफान में बदल गई। करीब तीन लाख की आबादी वाले बारबाडोस की सरकार ने रविवार की रात आठ बजे से ही लाकडाउन लगा दिया था। इसके बाद से सब अपने घरों और होटलों के अंदर थे। सोमवार दोपहर को जब तूफान शांत हुआ तो सरकार ने लाकडाउन हटाया।

अटलांटिक महासागर में बसे इस द्वीप के समुद्री तटों में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही थीं। भारतीय टीम और उनके परिवार के अलावा यहां बीसीसीआइ सचिव जय शाह, अध्यक्ष रोजर बिन्नी, बीसीसीआइ के कुछ सदस्य, स्टार स्पोर्ट्स क्रू, भारतीय मीडिया के सदस्य और बहुत सारे प्रशंसक फंसे हुए हैं। बेरिल चक्रवात कैरेबियाई द्वीप विंडवर्ड से टकराया है। यह चौथी कैटेगरी का तूफान था। पिछले दो दशक में कैरेबियाई द्वीपों में आया यह सबसे शक्तिशाली तूफान था। हिंसक हवाओं, समुद्री तटों की लहरों में तूफानी उछाल और बाढ़ के खतरे के कारण कई द्वीपों पर जानमाल का नुकसान हुआ है। रविवार की शाम को यहां पर जरूरी सामान खरीदने के लिए लंबी-लंबी लाइन लगी थीं। पूरे बारबाडोस में नल से पानी की सप्लाई बंद हो गई और कई जगह बिजली भी गुल हो गई। बारबाडोस के ग्रांटली एडम्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रबंधन की तरफ से बताया गया कि सोमवार सुबह लगभग 70 मील प्रति घंटे की गति से हवाएं चल रही थीं। यह बीच-बीच में 40 से 45 मील प्रति घंटे की रफ्तार पर भी आईं। एयरपोर्ट में भी काफी नुकसान हुआ है। बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने कहा कि आप लोगों की तरह हम भी यहां फंसे हुए हैं। मुझे रविवार की दोपहर ही निकलना था लेकिन इस चक्रवात के कारण मैंने टीम के साथ जाने का निर्णय लिया। मैं टीम को अकेले छोड़कर नहीं जा सकता था। हम सोमवार के लिए एक चार्टर उड़ान का प्रयास कर रहे थे लेकिन हवाई अड्डा बंद होने से वह विकल्प खत्म हो गया है। हम चार्टर उड़ानों का संचालन करने वालों के संपर्क में हैं लेकिन यह सब हवाई अड्डे के परिचालन पर निर्भर करता है। वर्तमान स्थिति में न तो कोई विमान यहां उतर सकता है और न ही उड़ान भर सकता है। जय ने कहा कि हम मौसम पर नजर बनाए हुए हैं और जैसे ही एयरपोर्ट खुलता है, टीम और उनके परिवार को लेकर हम भारत रवाना जाएंगे। हमारी योजना अमेरिका या यूरोप में ईंधन भरने के बाद सीधे भारत के लिए उड़ान भरने की है। मंगलवार दोपहर तक हवाई अड्डा बंद रहने की संभावना है। अगर मौसम में काफी सुधार हुआ तो यह पहले भी खुल सकता है। उड़ान संचालन शुरू करने के लिए हवा की गति कम होनी चाहिए। जय शाह यहां फंसी हुई मीडिया को भी भारत साथ ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। कई मीडियाकर्मियों की भी फ्लाइट रद हुई हैं।

बारबाडोस, ग्रेनेडा और त्रिनिदाद और टोबैगो द्वीपों पर सोमवार की सुबह बेरिल का प्रकोप देखने को मिला। अटलांटिक महासागर में अमूमन सितंबर में इस तरह के तूफान आते हैं लेकिन गैर-लाभकारी संस्था फर्स्ट स्ट्रीट फाउंडेशन के तूफान विशेषज्ञ और विज्ञान सलाहकार जिम कोसिन ने कहा कि बेरिल जून के रिकार्ड तोड़ रहा है क्योंकि समुद्र अब उतना ही गर्म है जितना कि तूफान के मौसम के चरम पर होता है।

श्रीलंका दौरे से टीम के साथ जुड़ेंगे नए कोच : जय शाह

जय शाह।

ब्रिजटाउन : बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने सोमवार को कहा कि भारतीय टीम के नए मुख्य कोच इस महीने के आखिर में श्रीलंका में सीमित ओवरों की सीरीज के साथ टीम से जुड़ेंगे। कोच के लिए गौतम गंभीर के नाम की अटकलें लगाई जा रही हैं। क्रिकेट सलाहकार समिति ने गंभीर के अलावा पूर्व कोच डब्ल्यूवी रमन का साक्षात्कार लिया है। शाह ने कहा कि मुख्य कोच और एक चयनकर्ता की नियुक्ति जल्दी ही होगी। सीएसी ने दो उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया है और मुंबई जाने के बाद जो उनका निर्णय होगा। हम उस पर अमल करेंगे। छह जुलाई से शुरू हो रहे जिंबाब्वे दौरे पर वीवीएस लक्ष्मण जाएंगे, लेकिन नया कोच श्रीलंका सीरीज से ही जुड़ेगा। भारतीय टीम 27 जुलाई से तीन टी-20 और तीन वनडे खेलने श्रीलंका जाएगी।

बीसीसीआइ सचिव ने कहा कि अगले साल चैंपियंस ट्राफी और भारत के क्वालीफाई करने पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में सीनियर खिलाड़ी खेलेंगे, जबकि अगले टी-20 कप्तान का निर्णय चयनकर्ता करेंगे। टूर्नामेंट के बाद कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा टी-20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था। शाह ने कहा कि इन तीनों दिग्गजों के संन्यास के साथ बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। जिस तरह से यह टीम खेल रही है, हमारा लक्ष्य विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और चैंपियंस ट्राफी जीतना है। लगभग यही टीम उसमें खेलेगी और सीनियर भी टीम में होंगे। इसके मायने हैं कि फिट रहने पर सीनियर खिलाड़ी पाकिस्तान में फरवरी मार्च में होने वाली चैंपियंस ट्राफी से पहले भारतीय टीम के नौ वनडे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

हार्दिक पांड्या को टी-20 टीम का कप्तान बनाए जाने की संभावना पर शाह ने कहा, कप्तान चयन समिति चुनेगी और उनसे बातचीत के बाद हम घोषणा करेंगे।

टी-20 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम में रोहित समेत छह भारतीय

फाइनल में मैच जिताऊ पारी खेलने वाले विराट को आइसीसी की टीम में जगह नहीं, अफगानिस्तान के तीन खिलाड़ियों को मिली जगह

आइसीसी टीम आफ द टूर्नामेंट
रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह (सभी भारतीय), रहमानुल्लाह गुरबाज, राशिद खान, फजलहक फारूकी (सभी अफगानिस्तान), मार्कस स्टोइनिस (आस्ट्रेलिया), निकोलस पूरन (वेस्टइंडीज), 12वां खिलाड़ी : एनरिक नोर्त्जे (दक्षिण अफ्रीका)।

दुबई, प्रेट्र : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने टी-20 विश्व कप की 'टूर्नामेंट की टीम' में रोहित शर्मा सहित छह भारतीयों को शामिल किया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध फाइनल में प्लेयर आफ द मैच रहे स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को इसमें जगह नहीं मिली है। आरंभिक बल्लेबाज की भूमिका निभाने वाले कोहली फाइनल से पहले किसी मैच में नहीं चल पाए थे। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर 11 साल बाद आइसीसी खिताब जीता था।

आइसीसी एकादश में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को जगह मिली है। रोहित ने 156.7 की स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए। उन्होंने अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज के बाद टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए। प्लेयर आफ द टूर्नामेंट और भारत के ट्रंप कार्ड जसप्रीत बुमराह ने 15 विकेट लिए और उनका इकोनामी रेट 4.17 था जो पुरुषों के टी-20 विश्व कप में किसी एक सत्र में किसी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ औसत है।

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अफगानिस्तान के तीन खिलाड़ी फजलहक फारूकी, गुरबाज और कप्तान राशिद खान भी टीम में है। आस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस और वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन को भी टीम में जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका का एक भी खिलाड़ी एकादश में नहीं है। तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे 12वें खिलाड़ी हैं।

एक नजर में

संसद में टीम की सराहना

नई दिल्ली : बारबाडोस में टी-20 विश्व कप 2024 जीतने पर सोमवार को संसद के दोनों सदनों में भारतीय क्रिकेट टीम को सराहा गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि देश के युवा और खिलाड़ी इस जीत से प्रेरणा लेंगे। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा की अगुआई वाली पूरी टीम की प्रशंसा की। वहीं, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि देश के हर नागरिक को बड़े सपने देखने, मेहनत करने और उसे प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। (प्रेट्र)

रजा होंगे जिंबाब्वे के कप्तान

हरारे: अनुभवी बल्लेबाज सिकंदर रजा को विश्व चैंपियन भारत के विरुद्ध छह जुलाई से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए सोमवार को जिंबाब्वे की युवा टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। **टीम :** रजा (कप्तान), अकरम, ब्रायन, कैंपबेल, चतारा, ल्यूक, इनोसेंट, क्लाइव, वेस्ली, तादिवानाशे, वेलिंगटन, ब्रैंडन, ब्लेसिंग, मायर्स, नकवी, नगारवा, मिल्टन। (प्रेट्र)

आरसीबी के मेंटर बने दिनेश

बेंगलुरु: भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को सोमवार को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु का बल्लेबाजी कोच और मेंटोर बनाया गया। कार्तिक ने पिछले महीने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। आरसीबी ने एक्स पर लिखा, 'दिनेश कार्तिक का आरसीबी में स्वागत है। डीके आरसीबी पुरुष टीम के बल्लेबाजी कोच और मेंटर होंगे।' (प्रेट्र)

आनंद ने जीता लियोन मास्टर्स

शतरंज डायरी

लियोन, प्रेट्र: पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद लियोन मास्टर्स के फाइनल में स्पेन के जैमे सैंटोस लटासा को 3-1 से हराकर यहां 10वीं बार चैंपियन बनें। आनंद ने 28 वर्ष पहले 1996 में यहां अपना पहला खिताब जीता था। इस प्रारूप में चार खिलाड़ी शामिल थे, जिसमें आनंद और उनके हमवतन अर्जुन एरिगैसी के अलावा बुल्गारिया के वेसेलिन टोपालोव और लटासा शामिल थे।

भारत को नहीं मिली मेजबानी: भारत के शतरंज स्टार डी गुकेश और चीन के डिंग लिरेन के बीच 2024 विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी सिंगापुर करेगा। गुकेश दिल्ली या चेन्नई में यह मुकाबला नहीं खेल सकेंगे चूंकि भारत के ये दोनों शहर सिंगापुर से पिछड़ गए। यह मुकाबला 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच होगा। फिडे ने कहा, 'सिंगापुर शतरंज महासंघ ने फिडे विश्व चैंपियनशिप मुकाबला 2024 की मेजबानी हासिल की है।

ट्राफी के साथ विश्वनाथन ● एक्स

भारतीय महिलाओं की ऐतिहासिक जीत

चेन्नई, प्रेट्र : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकमात्र टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को सोमवार को चौथे व अंतिम दिन 10 विकेट से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका को दूसरी पारी में 373 रन पर आउट करने के बाद भारत को जीत के लिए 37 रन का आसान लक्ष्य मिला, जो मेजबान टीम ने बिना विकेट गंवाए 9.2 ओवर में ही प्राप्त कर लिया। पहली पारी में आठ और दूसरी पारी में दो विकेट लेने वाली स्नेह राणा को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

भारत ने पहली पारी में 603 रन पर घोषित की थी, जो महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर था। आरंभिक जोड़ी शुभा सतीश (13*) और शेफाली वर्मा (24*) ने टीम को आसान जीत दिला दी। यह दूसरा अवसर है, जब भारतीय टीम ने टेस्ट मैच 10 विकेट से जीता है। इससे पहले, भारत ने 2002 में दक्षिण अफ्रीका को उसके ही घर में 10 विकेट से मात दी थी।

स्नेह राणा ● प्रेट्र

भारत ने 37 रन का लक्ष्य 9.2 ओवर में प्राप्त किया, स्नेह राणा बनीं प्लेयर आफ द मैच

पहली पारी में 266 रन पर आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में बेहतर प्रदर्शन किया। लौरा वोल्वार्ट ने 314 गेंद में 122 और सुने लुस ने 203 गेंद में 109 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने रविवार के स्कोर दो विकेट पर 232 रन से आगे खेलते हुए वोल्वार्ट और मरिजाने कैप ने रन बनाना जारी रखा। वोल्वार्ट ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा और एक ही साल में टेस्ट, वनडे तथा टी20 में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। कैप को दीप्ति ने 31 पर एलबीडब्ल्यू आउट किया।

द. अफ्रीका में होगा वर्ल्ड मास्टर्स लीग

नई दिल्ली, जेएनएन : दक्षिण अफ्रीका के डरबन में स्थित किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम विश्व मास्टर्स लीग टी-20 के अगले सत्र की मेजबानी के लिए तैयार है। अगस्त 2024 के पहले सप्ताह में शुरू होने वाली लीग में ये छह गतिशील टीमें शामिल होंगी : इंद्रप्रस्थ वारियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टंस, कोलंबो टाइटंस, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स।

वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी20 में भारत, आस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और कई अन्य क्रिकेट पावरहाउस के स्टार खिलाड़ी खेलेंगे। आयोजन स्थल की घोषणा के बारे में वर्ल्ड मास्टर्स लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने बताया, "हम वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी20 को प्रतिष्ठित किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम में लाकर रोमांचित हैं। इस स्थल का एक समृद्ध इतिहास है और यह कुछ महानतम क्रिकेट के लिए एकदम सही पृष्ठभूमि प्रदान करेगा।" पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर हर्शल गिब्स वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी-20 में खेलेंगे। इस प्रतिष्ठित मंच पर गिब्स के साथ पूर्व भारतीय क्रिकेटर मुनाफ पटेल, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक और श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर एंजेलो परेरा और धमिका प्रसाद भी शामिल होंगे।

जार्जिया को 4-1 से रौंदकर स्पेन क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

कोलोन, एपी : शुरुआती गोल से उबरते हुए स्पेन ने जार्जिया को 4-1 से हराकर यूरो 2024 फुटबाल चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। स्पेन के नोरमांड ने 18वें मिनट में आत्मघाती गोल करके जार्जिया को बढ़त दे दी थी। इसके बाद रोड्री और फेबियन रूई ने गोल करके स्पेन को मैच में लौटाया। निको विलियम्स और डानी ओल्मो ने बाकी दो गोल किए। स्पेन का सामना शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में मेजबान जर्मनी से होगा। हार के साथ ही जार्जिया के स्वर्णिम अभियान पर रोक लग गई जिसने पुर्तगाल को 2-0 से हराया था।

मैच के दौरान रोड्री ● एपी

फ्रांस ने बेल्जियम को हराया

डुसेलडोर्फ, रायटर : बेल्जियम यूरो चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में अंतिम समय में आए आत्मघाती गोल के कारण फ्रांस से हार गया। मैच के दौरान 85वें मिनट में जैन वेर्टोंघन के गोल से टीम 1-0 से पिछड़ गई और यही गोल मैच में निर्णायक साबित हुआ।

मेक्सिको से ड्रा के बाद इक्वाडोर अंतिम आठ में

ग्लेनडेल, एपी : इक्वाडोर ने स्टापेज टाइम में पेनाल्टी शाट बचाया और मेक्सिको से गोलरहित ड्रा के बाद कोपा अमेरिका फुटबाल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। मेक्सिको ने दूसरे हाफ में कई हमले किए जिन्हें इक्वाडोर ने बचाया। अब इक्वाडोर का सामना गुरुवार को ग्रुप ए की विजेता अर्जेंटीना से होगा। मेक्सिको चौथी बार ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सका। दो साल पहले कतर में विश्व कप से टीम पहले ही दौर में बाहर हो गई थी।

आज के मैच

बोलिविया vs पनामा
सुबह 6.30 बजे | स्थान : ओर्लांडो

अमेरिका vs उरुग्वे
सुबह 6.30 बजे | स्थान : कंसास सिटी

वेनेजुएला ने जमैका को हराया: एडुअर्ड बेलो के गोल के दम पर वेनेजुएला ने ग्रुप बी के मैच में जमैका को 3-0 से हराया। वेनेजुएला ने ग्रुप चरण के तीनों मुकाबले जीत लिए हैं। ग्रुप में शीर्ष पर रहने के कारण अब वेनेजुएला को क्वार्टर फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना से नहीं खेलना होगा।

गत चैंपियन की लाजल पर आसान जीत

लंदन, रायटर: गत चैंपियन कार्लोस अलकराज, पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनिल मेदवेदेव और महिलाओं में मारिया सक्कारी ने सोमवार को विंबलडन के पहले दौर के अपने-अपने मैच में जीते।

अलकराज ने क्वालीफायर मार्क लाजल पर सीधे सेटों में 7-6 (3), 7-5, 6-2 से जीत दर्ज की। विश्व रैंकिंग में 269वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी लाजल ने हालांकि शुरुआती दो सेट में स्पेन के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी। तीसरी वरीयता प्राप्त अलकराज ने भी माना कि एस्तोनिया के खिलाड़ी ने उन्हें 'आश्चर्यचकित' किया। तीन सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन जीतने वाले अलकराज ने पिछले वर्ष विंबलडन फाइनल में जोकोविक को हराया था। वहीं, मेदवेदेव ने अमेरिकी अलेक्जेंडर कोवासेविक पर 6-3, 6-4, 6-2 से जीत के साथ विंबलडन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। 28 वर्षीय रूसी खिलाड़ी को 88वीं रैंकिंग वाले अमेरिकी खिलाड़ी को हराने में एक घंटे 46 मिनट का समय लगा। 2021 में यूएस ओपन जीतने वाले डेनिल मेदवेदेव ने दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब का पीछा करते हुए 25 वर्षीय कोवासेविक पर जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बनाई। गैर वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 19वें नंबर के खिलाड़ी निकोलस जैरी को 6-1, 7-5, 6-4 से हराया।

कार्लोस अलकराज ● एपी

सक्कारी ने मेकार्टनी को हराया

मारिया सक्कारी ने मेकार्टनी केसलर को 6-3, 6-1 से शिकस्त दी। जैस्मिन पाओलिनी अपने चौथे प्रयास में पहली बार विंबलडन के पहले दौर की बाधा को पार करने में सफल रहीं। उन्होंने सारा सोरिब्स टोर्मो को 7-5, 6-3 से हराया।

अपराध घटित की तिथि पुरानी तो पुराने कानून में दर्ज होगा मुकदमा

माला दीक्षित ● जागरण

- लेकिन मामले की जांच और अदालती कार्यवाही के वक्त लागू होगा नया कानून
- एक ही केस में अलग-अलग स्तर पर नए-पुराने कानून का घालमेल थोड़े दिन चलेगा

नए-पुराने कानून के बीच घालमेल की स्थिति में अदालतें व्याख्या करके कानूनी पेंचीदगियां तय करेंगी जो नजीर बनेंगी। कुछ वर्षों तक ऐसा होगा और धीरे-धीरे नया कानून स्थिरता ले लेगा।

- ज्ञानंत सिंह, सुप्रीम कोर्ट के वकील

नई दिल्ली: देश में अपराधों पर कार्रवाई और आपराधिक प्रक्रिया तय करने वाले तीन नए कानून एक जुलाई से लागू हो चुके हैं। ऐसे में एक जुलाई के बाद जो भी अपराध घटित होगा उसकी प्राथमिकी (एफआइआर) पुलिस नए कानून में दर्ज करेगी। लेकिन नए कानून लागू होने के बावजूद जो अपराध कानून लागू होने की तिथि एक जुलाई से पहले घटित हुआ होगा, उसकी प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) में ही दर्ज होगी चाहे प्राथमिकी एक जुलाई के बाद ही क्यों न दर्ज कराई जाए। ऐसे मामलों में अपराध तो आइपीसी में दर्ज होगा, लेकिन केस की जांच और अदालती कार्यवाही में नया कानून ही लागू होगा। इस तरह नए कानून लागू होने के बाद भी कुछ समय तक घालमेल बना रहेगा व कानूनीं पेंच भी फंसेंगे जिन्हें अदालतें तय करेंगी और धीरे-धीरे नए कानून स्थिरता ले लेंगे।

अपराध के मामले में संवैधानिक व्यवस्था तय है कि अपराध घटित होने की तिथि पर जो कानून लागू था, उसी के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। यानी एफआइआर किस कानून में दर्ज होगी, यह बात अपराध घटित होने की तिथि पर निर्भर करेगी। सुप्रीम कोर्ट के वकील अभिषेक राय और ज्ञानंत सिंह कहते हैं कि जो एफआइआर एक जुलाई के बाद दर्ज होगी, वह भले ही आइपीसी में दर्ज हुई हो, लेकिन प्रोसिजरल ला नया ही लागू होगा। यानी मामले की जांच, चार्जशीट, अदालती कार्यवाही की प्रक्रिया नए कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रविधानों के मुताबिक होगी। उसमें जो प्रक्रिया और डेटलाइन दी गई है, उसी का पालन किया जाएगा। इसके बाद जब आइपीसी में दर्ज मामले में आरोपित की जमानत का मुद्दा कोर्ट पहुंचेगा तो माननीय न्यायाधीश जमानत अर्जी पर विचार करते समय यह देखेंगे कि अभियुक्त जिस अपराध में जमानत मांग रहा है वह अपराध आइपीसी में जमानती है या गैरजमानती, लेकिन उसी वक्त जमानत देने की प्रक्रिया में नया कानून लागू करेंगे। इस तरह एक ही केस में अलग-अलग स्तर पर नए और पुराने कानून का घालमेल थोड़े दिन चलता रहेगा और यही घालमेल आरोपित एवं अभियोजन दोनों को अपने पक्ष में केस को घुमाने की गुंजाइश देगा। ज्ञानंत समझाते हैं कि बात अभियुक्त की निजी स्वतंत्रता को लेकर आएगी और पुराने सीआरपीसी के प्रविधान ज्यादा लाभकारी दिखेंगे तो वकील निश्चित तौर पर सीआरपीसी के लाभकारी प्रविधान को लागू करने की मांग कर सकते हैं क्योंकि घटना एक जुलाई से पहले की है और उस तिथि पर सीआरपीसी लागू थी। ऐसी स्थिति में अदालतें प्रविधानों की व्याख्या करके कानूनी पेंचीदगियों को तय करेंगी जो कि नजीर बनेंगी। कुछ वर्षों तक ऐसा होगा और धीरे-धीरे नया कानून स्थिरता ले लेगा। नए-पुराने कानूनों के घालमेल के अलावा नए कानूनों का पुराने लंबित मुकदमों पर असर नहीं होगा। पुराने लंबित आपराधिक मुकदमे आइपीसी और सीआरपीसी से ही चलेंगे।

नए आपराधिक कानून क्रियान्वयन के मुद्दों से निपटने के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

नई दिल्ली, प्रेट्र: देशभर में तीन नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद विभिन्न राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस विभागों तथा न्यायिक अधिकारियों के मुद्दों को हल करने के लिए पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) के मुख्यालय में एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। बीपीआरडी पर देश में बेहतर पुलिस व्यवस्था के लिए नीतियां बनाने का जिम्मा है। यह गृह मंत्रालय (एमएचए) के अधीन काम करता है। बीपीआरडी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) की तैयारी और क्रियान्वयन के लिए नोडल विभाग बनाया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीपीआरडी में केंद्रीय नियंत्रण कक्ष काफी समय से क्रियाशील है और यह तीनों आपराधिक कानूनों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने के लिए विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय पुलिस संगठनों को मार्गदर्शन दे रहा है। उन्होंने बताया कि नियंत्रण कक्ष में बीपीआरडी, पुलिस और कानूनी संस्थाओं के तकनीकी और कानूनी विशेषज्ञ मौजूद हैं, यहां तक कि गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री भी इस नियंत्रण कक्ष में समीक्षा कर रहे हैं।

नए आपराधिक कानूनों को कुछ ने बताया अहम, तो कुछ ने कहा- दिखावटी

कानूनविदों की राय

- पूर्व एससीबीए अध्यक्ष अदिश अग्रवाल ने कहा, समयबद्ध न्याय की दिशा में अहम कदम
- सिंघवी बोले- कानूनों में किए गए बदलाव दिखावटी, 90 प्रतिशत प्रविधान पहले की तरह

नई दिल्ली, प्रेट्र : एक जुलाई से लागू तीन नए आपराधिक कानूनों पर कानूनविदों की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है। कुछ लोगों ने इन्हें आपराधिक न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है, जबकि अन्य ने इन्हें कठोर और दिखावटी बताया।

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व अध्यक्ष अदिश अग्रवाल ने नए आपराधिक कानूनों को आपराधिक न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण एवं समयबद्ध न्याय की दिशा में अहम कदम करार दिया। भाजपा सांसद एवं वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी एवं विकास पाहवा ने भी उनके विचार से सहमति जताई। जेठमलानी ने कहा कि विपक्षी पार्टियां यह नहीं समझतीं कि ये कानून सभी के लिए हैं, अभियोजन के लिए, पीड़ितों के लिए और अपराधियों के लिए। पाहवा ने कहा कि इन कानूनों कई सारे सकारात्मक बिंदु हैं। सबसे बड़ा सकारात्मक बिंदु तकनीक का क्रियान्वयन है। अब पूरी आपराधिक न्याय प्रणाली तकनीक से संचालित होगी। संवैधानिक कानून के विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने इस विचार से सहमति नहीं जताई कि नए कानून वकीलों एवं अन्य हितधारकों के लिए चुनौती पेश करेंगे। अपनी दलील के समर्थन में उन्होंने अतीत में इंसोल्वेंसी एंड बैंकरप्टसी कोड जैसे नए कानूनों के क्रियान्वयन का हवाला दिया।

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, 'यह वास्तविक सुधार करने का अवसर है। दुर्भाग्य से दिखावटी बदलाव किए गए हैं, 90 प्रतिशत प्रविधान पहले की तरह हैं, संख्याएं बदल गई हैं और यहां-वहां कुछ शब्द बदले गए हैं।'

उन्होंने कहा कि एक चीज जो पूरी तरह भुला दी गई कि जज लंबित मामलों के ढेर से जूझ रहे हैं। हमारी निचली अदालतों में करीब 3.5 या चार करोड़ लंबित मामले हैं, हमारे हाई कोर्टों में लगभग 60 लाख और सुप्रीम कोर्ट में करीब 75-80 हजार मामले लंबित हैं। सिंघवी ने कहा कि नए कानूनों के क्रियान्वयन से लंबित मामलों की संख्या में काफी ज्यादा वृद्धि होगी। अधिवक्ता कामिनी जायसवाल ने कहा, 'मुझे समझ में नहीं आता कि इसका फायदा किसे मिलेगा, न आम आदमी को, न वकीलों को, न जांच एजेंसियों को, किसी को नहीं। मैं चाहती हूं कि सरकार दूसरी चीजों पर भी ध्यान दे, इससे बेरोजगारी में कैसे मदद मिलेगी।'

कांग्रेस नेता एवं अधिवक्ता मनीष तिवारी ने कहा कि अब से दो समानांतर व्यवस्थाएं काम करेंगी। 3.4 करोड़ मामले लंबित हैं और उनमें से अधिकांश आपराधिक मामले हैं, जबर्दस्त भ्रम फैलने वाला है।

उत्तराखंड की और भी खबरें पढ़ें www.jagran.com

****

आइएमडी ने कहा- पिछले पांच साल में जून में सबसे कम वर्षा, जून में सामान्य 165.3 मिमी की तुलना में 147.2 मिमी वर्षा हुई

जून में सामान्य से 11% कम वर्षा, जुलाई में अधिक बारिश के आसार

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में जून में सामान्य से 11 प्रतिशत कम बारिश हुई। यह पिछले पांच साल में इस माह में सबसे कम वर्षा है। मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने सोमवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश में अब जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है।

आइएमडी के आंकड़ों के अनुसार, देश में जून महीने में 147.2 मिमी बारिश हुई जबकि सामान्य बारिश 165.3 मिमी होती है। इस तरह वर्ष 2001 के बाद से यह सातवां सबसे कम बारिश वाला महीना रहा। देश में चार महीने के मानसून के दौरान औसतन कुल 87 सेमी वर्षा में से जून की वर्षा का हिस्सा 15 प्रतिशत है। मानसून ने 30 मई को केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में जल्दी पहुंचने और महाराष्ट्र तक सामान्य रूप से आगे बढ़ने के बाद अपनी गति खो दी, जिससे बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में बारिश का इंतजार बढ़ गया और उत्तर-पश्चिम भारत में भीषण गर्मी का असर देखने को मिला। आइएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि देश में 11 जून से 27 जून तक 16 दिन सामान्य से कम वर्षा हुई। इस वजह से कुल मिलाकर सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई।

उत्तर-पश्चिम भारत में 33 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। वहीं, मध्य भारत में 14 प्रतिशत की कमी और पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में 13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। जून में केवल दक्षिण भारत में ही अतिरिक्त बारिश (14 प्रतिशत) दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जुलाई की औसत बारिश सामान्य से अधिक होने की संभावना है जो लंबी अवधि के औसत (एलपीए) 28.04 सेमी से 106 प्रतिशत अधिक रह सकती है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों और उत्तर-पश्चिम, पूर्व और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने के आसार हैं।

महापात्र ने कहा कि पश्चिमी तट को छोड़कर उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। मध्य भारत, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों और पश्चिमी तट पर सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि हम जुलाई में मानसून के दौरान अच्छी बारिश की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत में जून का महीना 1901 के बाद से अब तक का सबसे गर्म महीना रहा, जिसमें औसत तापमान 31.73 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 1.65 डिग्री सेल्सियस अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, इस क्षेत्र में मासिक औसत अधिकतम तापमान 38.02 डिग्री सेल्सियस रहा जोकि सामान्य से 1.96 डिग्री सेल्सियस अधिक है। यही नहीं, औसत न्यूनतम तापमान 25.44 डिग्री सेल्सियस रहा जोकि सामान्य से 1.35 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

भारत में 52 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर

भारत में 52 प्रतिशत शुद्ध खेती योग्य क्षेत्र मानसून पर निर्भर है। देशभर में पेयजल और बिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण जलाशयों को फिर से भरने के लिए भी यह महत्वपूर्ण है। जून और जुलाई को कृषि के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानसून महीने माना जाता है, क्योंकि खरीफ फसल की अधिकांश बोआई इसी दौरान होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्तमान में अल नीनो की स्थिति बनी हुई है और अगस्त-सितंबर तक ला नीना की शुरुआत हो सकती है।

काजीरंगा नेशनल पार्क के बाढ़ग्रस्त होने के बाद अनेक जीव-जंतु सुरक्षित आश्रय के लिए इधर-उधर भट क रहे हैं। इस दौरान सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पार करते हिरण ● प्रेट्र

बाढ़ से काजीरंगा में वन शिविर जलमग्न

जोरहाट, प्रेट्र : असम में बाढ़ की स्थिति बिगड़ने पर जल स्तर बढ़ गया है। इसके कारण काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व के 233 वन शिविरों में से 43 प्रतिशत से अधिक शिविर जलमग्न हो गया है। जानवर अपने को बचाने के लिए सुरक्षित स्थान ढूंढ रहे हैं। यही कारण है कि पूर्वी कार्बी आंगलोंग जिले में दक्षिण दिशा की ओर ऊंचे स्थानों की तलाश में बड़ी संख्या में जानवर राष्ट्रीय राजमार्ग-715 को पार करने लगे हैं।

भारतीय सेना आत्मनिर्भर बनने के लिए तत्पर : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, आइएएनएस : सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना बदलाव के पथ पर है और आत्मनिर्भर बनने के लिए तत्पर है। चूंकि भारतीय सेना देश की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पदभार संभालने के एक दिन बाद सोमवार को दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। नवनियुक्त सेना प्रमुख को साउथ ब्लाक में गार्ड आफ आनर से सम्मानित किया गया और उसके बाद उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए जोर दिया कि भारतीय सेना युद्ध की नई रणनीतियों पर काम करेगी। जनरल द्विवेदी ने कहा, 'भारतीय सेना का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है। यह मेरे लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण है। भारतीय सेना अद्वितीय संचालन चुनौतियों का सामना करती है। ऐसे खतरों और विनाशकारी आवश्यकताओं के लिए तैयार रहने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने सैनिकों को अत्याधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी से निरंतर लैस करते रहें। साथ ही अपनी युद्ध-लड़ने की रणनीतियों को भी विकसित करते रहें।'

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना परिवर्तन की राह पर है। हम आत्मनिर्भर बनने की आकांक्षा रखते हैं। इसे हासिल करने के लिए हम स्वदेशी पहल को प्रोत्साहित करेंगे। अपने देश में निर्मित अधिकतम युद्ध प्रणालियों और उपकरणों को शामिल करेंगे। मैं देश और साथी नागरिकों को आश्वस्त करता हूं कि भारतीय सेना सभी मौजूदा और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में पूरी तरह सक्षम और तैयार है। जनरल द्विवेदी को थिएटर कमांड शुरू करने की केंद्र की महत्वाकांक्षी योजना पर नौसेना और भारतीय वायुसेना के साथ समन्वय करना होगा।

थल सेना प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद सोमवार को नई दिल्ली में साउथ ब्लाक के लान में गार्ड आफ आनर के निरीक्षण अवसर पर उपस्थित बड़े भाई का पैर छूकर आशीर्वाद लेते जनरल उपेंद्र द्विवेदी ● एएनआइ

ले.जनरल एनएस राजा ने उपसेना प्रमुख का प्रभार संभाला

नई दिल्ली, प्रेट्र : लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रामणि ने बतौर उप सेना प्रमुख कार्यभार संभाल लिया है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी के सेना प्रमुख बनते ही सेना की मध्य कमान संभाल रहे एनएस राजा ने उप सेना प्रमुख का पद संभाल लिया है। ले.जनरल सुब्रामणि को पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर अभियानों की गहरी समझ है। वह गढ़वाल राइफल्स में 1985 में कमीशन हुए थे। उनका सैन्य अनुभव 37 साल से अधिक का है।

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित

नई दिल्ली : संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा, 2024 के परिणाम सोमवार को घोषित किए गए। यह परीक्षा 16 जून को आयोजित की गई थी।

आधिकारिक बयान के अनुसार परीक्षा के अंक, कट आफ अंक और उत्तर कुंजी को यूपीएससी की वेबसाइट पर सिविल सेवा परीक्षा और भारतीय वन सेवा परीक्षा की पूरी प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अर्थात अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद अपलोड किया जाएगा। यूपीएससी ने धौलपुर हाउस नई दिल्ली में अपने परिसर में परीक्षा हाल भवन के पास एक सुविधा काउंटर बनाया है। उम्मीदवार परीक्षा परिणाम के बारे में कोई भी जानकारी या स्पष्टीकरण प्राप्त कर सकते हैं।(प्रेट्र)

मूसेवाला की तर्ज पर सलमान की हत्या की थी साजिश

मिड डे, मुंबई : फिल्म अभिनेता सलमान खान की हत्या की साजिश के मामले में नवी मुंबई पुलिस ने आरोप पत्र में बहुत सनसनीखेज ब्योरा देते हुए बताया कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या की तर्ज पर मारने की साजिश थी। बिश्नोई गैंग ने अभिनेता सलमान की हर गतिविधि पर नजर रखी। उनके बांद्रा वाले घर से पनवेल वाले फार्महाउस और फिल्म सिटी आने-जाने की गतिविधियों का ब्योरा जुटाया। वह इस हत्या के लिए एके-47, एम 16 और एके-92 का इस्तेमाल करने वाले थे जिसे पाकिस्तान से बिश्नोई गैंग का एक सदस्य लाया था। शूटरों को सलमान खान की हत्या के लिए 25 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी।

- पुलिस के आरोपपत्र में बिश्नोई गैंग के 25 लाख की सुपारी देने का ब्योरा
- पाकिस्तान से मंगाई गई थीं एके-47, एम 16 व एके-92

पनवेल सिटी पुलिस ने अपने आरोप पत्र में बताया है कि फिल्म अभिनेता सलमान खान को मारने की साजिश बिश्नोई गैंग ने अगस्त, 2023 से अप्रैल 2024 के बीच रची थी। पुलिस ने अपने आरोप पत्र में बिश्नोई गैंग के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया। इन आरोपितों में उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार धनंजय सिंह उर्फ अजय कश्यप, गुजरात से गिरफ्तार गौरव भाटिया उर्फ नहाई उर्फ संदीप बिश्नोई, संभाजीनगर से गिरफ्तार वास्पी महमूद खान उर्फ वसीम चिकना, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार जिशान जकरुल हसन उर्फ जावेद खान और दीपल हवा सिंह गोगालिया उर्फ जान वाल्मिकी शामिल हैं। पिछले महीने पनवेल मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष दायर किए गए आरोप पत्र के अनुसार आरोपितों ने एक वाट्सएप ग्रुप बनाया है और सलमान की हत्या के लिए हाईटेक हथियारों के उपयोग के संबंध में उसी में सारे संदेश साझा किए जाते थे। इन्हीं संदेशों और वाट्सएप काल में बताया गया कि वैसे ही हथियारों का इस्तेमाल किया जाएगा जैसे हथियारों का इस्तेमाल पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में किया गया था। आरोप पत्र में यह भी बताया गया कि यह सारी साजिश लारेंस बिश्नोई, उसके भाई अमोल बिश्नोई और गोल्डी बरार ने रची थी। इन वाट्सएप वीडियो काल में एक और व्यक्ति की पहचान पाकिस्तान के डोगर के रूप में हुई। डोगर ने वाट्सएप काल में आरोपितों से बात की है। सलमान की हत्या की साजिश में 60-70 लोग शामिल रहे हैं। उनकी विभिन्न स्थानों जैसे बांद्रा स्थित घर गैलेक्सी अपार्टमेंट, पनवेल फार्महाउस और फिल्मसिटी के पूरे रास्ते की रेकी की गई। डोगर ने वीडियो काल में कहा था कि इन हाईटेक हथियारों को वह खरीद लेगा लेकिन इसका भुगतान उसके बास गोल्डी बरार के कनाडा के खाते में करना होगा। उसने कहा कि शूटरों को बरार और अमोल बिश्नोई के सलमान को मारने के आदेश देने का इंतजार है।

आयोग ने पीसीएस-जे 2022 के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी स्वीकारी

विधि संवाददाता, जागरण ● प्रयागराज : इलाहाबाद हाई कोर्ट में उप्र लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने पीसीएस-जे मुख्य परीक्षा 2022 के परिणाम में गड़बड़ी स्वीकार कर ली है। गड़बड़ी वाले अभ्यर्थियों के तीन अगस्त तक नए सिरे से पुनः परिणाम घोषित करने का हलफनामा दाखिल किया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एसडी सिंह तथा न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने मामले को गंभीर माना और आयोग के चेयरमैन को बेहतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब इस केस में अगली सुनवाई आठ जुलाई को होगी।

कोर्ट में सोमवार को अभ्यर्थी श्रवण पांडेय की याचिका की सुनवाई हुई। याची की ओर से अधिवक्ता विभु राय ने बताया कि आयोग के उप सचिव के हलफनामे में स्वीकार किया गया है कि इंटरमिक्सिंग हुई है। ऐसे 50 अभ्यर्थियों के परिणाम में गड़बड़ी का पता चला है। इनके परिणाम फिर जारी किए जाएंगे। खंडपीठ ने उपसचिव के हलफनामे को संतोषजनक नहीं माना और चेयरमैन को चार बिंदुओं पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। पूछा है कि कितने अभ्यर्थियों का परिणाम सही नहीं है। यदि फिर से इनके परिणाम तैयार होंगे तो कितने लोग बाहर होंगे। चयन से बाहर जाने व अंदर आने वालों के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

कोर्ट ने तीन अगस्त की टाइमलाइन को भी सही नहीं माना और कहा कि पहले कार्यवाही पूरी की जाए। इससे पहले कोर्ट ने आयोग को अभ्यर्थियों की सभी छह प्रश्न-पत्रों की उत्तर पुस्तिकाएं कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। याची श्रवण पांडेय अभ्यर्थी का आरोप लगाया है कि उसकी अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिका में हैंडराइटिंग बदली गई है तथा एक अन्य उत्तर पुस्तिका के कुछ पन्ने फाड़े गए हैं। इस वजह से वह मुख्य परीक्षा में सफल नहीं हो पाया। याची पीसीएसजे मुख्य परीक्षा 2022 में शामिल हुआ। परिणाम 30 अगस्त 2023 को जारी किया गया। उसे मुख्य परीक्षा में जो भी अंक मिले थे उससे वह संतुष्ट नहीं था।

उसने आरटीआइ के तहत आयोग से जानकारी मांगी तो उसे छह प्रश्नपत्रों में मिले प्राप्तांक की जानकारी मिली। पता चला कि अंग्रेजी प्रश्नपत्र में उसे 200 में मात्र 47 अंक मिले हैं। असंतुष्ट होकर उसने आरटीआइ के तहत छह प्रश्न पत्रों की उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने की मांग की। उत्तर पुस्तिकाएं देखने पर पता चला कि अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिका में उसकी हैंडराइटिंग नहीं है। साथ ही हिंदी की उत्तर पुस्तिका के तीन चार पन्ने फटे हुए पाए गए।

कापी में अदला-बदली, पांच के खिलाफ कार्रवाई

पीसीएस-जे 2022 मुख्य परीक्षा में उत्तर पुस्तिकाओं की अदला-बदली हुई थी। जांच में पुष्टि के बाद आयोग ने पांच अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। सेवानिवृत सहायक समीक्षा अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन से अनुमति मांगी गई है। कोडिंग प्रक्रिया को शत-प्रतिशत त्रुटि रहित करने के लिए कई बदलाव भी किए गए हैं।

बंगाल में फिर ली युवक की जान, 10 दिन में पांचवीं वारदात

कोलकाता : बंगाल में पीट-पीटकर फिर एक युवक की जान ले ली गई। हुगली जिले के नैता मालपहाड़पुर ग्राम पंचायत के रहने वाले बिस्वजीत मन्ना को 50 हजार रुपये कर्ज नहीं चुकाने पर आरोपितों ने मार डाला। इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। राज्य में पिछले 10 दिनों में पीट-पीटकर हत्या किए जाने की यह पांचवीं वारदात है। इससे पहले कोलकाता में दो, झाड़ग्राम व हुगली में एक-एक ऐसी ही वारदात हुई हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रविवार रात को जब मन्ना अपने घर पर सो रहे थे तो आरोपितों ने उन्हें बुलाया। (राब्यू)

मतांतरण की अनुमति दी तो बहुसंख्यक आबादी हो जाएगी अल्पसंख्यक

विधि संवाददाता, जागरण ● प्रयागराज : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मतांतरण (धर्मांतरण) को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि यदि धार्मिक सभाओं में धर्मांतरण की प्रवृत्ति जारी रही तो एक दिन भारत की बहुसंख्यक आबादी ही अल्पसंख्यक हो जाएगी। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने हिंदुओं को ईसाई बनाने के आरोपित मौदहा हमीरपुर के कैलाश की जमानत अर्जी को खारिज करते हुए सोमवार को यह आदेश दिया है।

कोर्ट ने कहा कि लोगों को धर्म के प्रचार-प्रसार की छूट है, लेकिन धर्म बदलवाने की अनुमति नहीं है। ऐसे आयोजन संविधान के अनुच्छेद 25 द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के विरुद्ध हैं। यह अनुच्छेद किसी को भी धर्म मानने व पूजा करने व अपने धर्म का प्रचार करने की स्वतंत्रता देता है। धर्म प्रचार की स्वतंत्रता किसी को धर्म परिवर्तन कराने की अनुमति नहीं देती। कोर्ट ने कहा कि जानकारी में आया है कि उत्तर प्रदेश में धार्मिक आयोजनों से भोले-भाले गरीब लोगों को गुमराह कर ईसाई बनाया जा रहा है। ऐसे में धर्म परिवर्तन कराने के आरोप की गंभीरता को देखते हुए याची को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने कैलाश की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

> मतांतरण करने वाली धार्मिक सभाओं पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत लोगों को धर्म के प्रचार-प्रसार की छूट है, लेकिन धर्म बदलवाने की अनुमति नहीं है।
>
> **इलाहाबाद हाई कोर्ट**

आलीराजपुर में फंदे पर लटके मिले एक ही परिवार के पांच लोग

नईदुनिया प्रतिनिधि, आलीराजपुर : मध्य प्रदेश के आलीराजपुर जिले के गांव रावड़ी में दिल दहला देने वाली घटना में सोमवार सुबह एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव उनके घर में अलग-अलग फंदों पर संदिग्ध परिस्थितियों में लटके मिले। मृतकों में पति-पत्नी, उनके दो मासूम बेटे और बेटी हैं। पुलिस प्रारंभिक जांच के बाद इसे सामूहिक आत्महत्या मान रही है। हालांकि, आत्महत्या को लेकर कोई वजह सामने नहीं आई है, न ही मौके पर कोई सुसाइड नोट बरामद हुआ है। पोस्टमार्टम में मृतकों के शरीर पर चोट के निशान भी नहीं पाए गए, केवल गले में फंदे के निशान हैं। जिले से करीब 35 किलोमीटर दूर गांव रावड़ी में सुबह करीब साढ़े छह बजे मृतक के चाचा उनके घर चारा लेने पहुंचे तो सभी के शव देखकर बदहवास हो गए।

नीट यूजी की ओएमआर शीट की याचिका पर दो हफ्ते बाद सुनवाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने विवादों में घिरे नीट-यूजी, 2024 में ओएमआर शीट में हेरफेर का आरोप लगाने वाली याचिका सोमवार को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए तय की।

याचिका जस्टिस सीटी रविकुमार और जस्टिस मनोज मिश्रा की अवकाश पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। सुप्रीम कोर्ट ने पांच मई को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में ओएमआर शीट में हेरफेर करने में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों की संलिप्तता का आरोप लगाने वाली याचिका पर दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए तय की।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा देने वाले याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि उसकी ओएमआर शीट बदल दी गई थी। पीठ ने वकील से कहा कि याचिकाकर्ता 23 जून को हुई दोबारा परीक्षा में शामिल होने की अनुमति मांग रहा है। पीठ ने कहा, 'परीक्षा (पुनः परीक्षा) 23 जून को समाप्त हो गई है।' याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-अंडरग्रेजुएट (नीट-यूजी) 2024 को रद करने की मांग करने वाली कई अन्य याचिकाएं शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित हैं। उल्लेखनीय है कि विगत 27 जून को अलग याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को ओएमआर शीट में ग्रेस मार्क देने का आधार पूछा था।

चिकित्सक भर्ती में मौके बेशुमार, अभ्यर्थी नहीं तैयार

मृत्युंजय मिश्र ● जागरण

प्रयागराज : केंद्रीय मंत्री और अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की ओर से साक्षात्कार आधारित सीधी भर्ती में आरक्षण पर सवाल उठाने के बाद छिड़े सियासी विवाद के बीच उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की चिकित्सा अधिकारी ग्रेड-2 विशेषज्ञ चिकित्सक सीधी भर्ती के आंकड़े चौंका रहे हैं। विशेषज्ञ चिकित्सक की 24 विधाओं के 2,532 पदों पर चल रही सीधी भर्ती के तहत 18 विधाओं के परिणाम जारी हो गए हैं, पर उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं मिल रहे हैं।

विशेषज्ञ इसके पीछे सरकारी अस्पतालों में सामान्य संसाधनों की कमी, प्रतिकूल सेवा शर्तों व अफसरशाही को बड़ी वजह मान रहे हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि विशेषज्ञ चिकित्सक की आरक्षित वर्ग तो दूर सामान्य श्रेणी की सीटें ही भरना मुश्किल है। अब तक 18 विधाओं के 1,028 पदों पर जारी परिणाम के अनुसार अनारक्षित श्रेणी के 284 में से 115 पद ही भरे जा सके। ओबीसी के 316 में से 11 पद, एससी के 262 में से 16, एसटी के 21 में से एक पद ही भरा गया। ईडब्ल्यूएस श्रेणी में 94 पदों के सापेक्ष मात्र तीन पद ही भरे गए। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों के संकट के बीच विशेषज्ञ चिकित्सक पद पर नौकरी के लिए चिकित्सक बेरुखी दिखा रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि 12 वर्ष की पढ़ाई के बाद वह विशेषज्ञ बनते हैं। उदाहरण के तौर पर हड्डी रोड विशेषज्ञ या रेडियोलाजिस्ट को ही लें तो उनकी तैनाती छोटे अस्पतालों में कर दी जा जाती है, जहां सामान्य सुविधाएं नहीं हैं। ऐसे में इस नौकरी से बेहतर है कि वह अपनी प्रैक्टिस शुरू कर दें। हालांकि, पैथालाजिस्ट, चेस्ट सर्जन, माइक्रोबायोलाजिस्ट, आर्थोपेडिशियन और पब्लिक हेल्थ स्पेशियलिस्ट में तो सभी पद भरे गए, पर 11 ऐसी विधाएं हैं, जिनमें आरक्षित श्रेणी के पद लगभग खाली हैं और आवेदन करने के बाद भी अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए नहीं आए। इन 11 विधाओं पीडियाट्रिशियन, रेडियोलाजिस्ट, न्यूरो सर्जन, फारेंसिक विशेषज्ञ, आफथलमोलाजिस्ट, साइकियाट्रिस्ट, ईएनटी, प्लास्टिक सर्जन, डर्मेटोलाजिस्ट, नेफ्रोलाजिस्ट व कार्डियोलाजिस्ट शामिल हैं। इनमें 11 विधाओं में विज्ञापित 926 पदों में अनारक्षित श्रेणी में 253 में से 103 पद नहीं भरे जा सके। आरक्षित श्रेणियों की बात करें तो ओबीसी में 286 में 278 सीटों पर अभ्यर्थी नहीं मिले, वहीं एससी की 248 में 240 पद बिना भरे रह गए।

- यूपीपीएससी द्वारा विशेषज्ञ चिकित्सक की 24 विधाओं के 2,532 पदों पर चल रही भर्ती
- इनमें से 18 विधाओं के 1028 पदों में से मात्र 211 भरे, एससी-एसटी, ओबीसी के पद रहे खाली

जागरण विशेष

जलवायु परिवर्तन के अनुकूल सब्जियों की प्रजाति की विकसित

मुकेश चंद्र श्रीवास्तव ● जागरण

वाराणसी के आइआइवीआर में हुआ शोध, अधिक तापमान में पैदा होने वाली गोभी, टमाटर, मूली पर मिली सफलता

वाराणसी : जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव गंभीर रूप से सामने आने लगे हैं। इस वर्ष डेढ़ महीने से भी अधिक समय तक पूरा उत्तर भारत 46-47 डिग्री सेल्सियस तापमान पर झुलसता रहा। भीषण गर्मी की बढ़ती समय अवधि के कारण अब सब्जी और अन्य फसलों पर भी खतरा मंडरा रहा है। क्योंकि जिस तापमान पर सब्जियों की पैदावार होती है, तापमान उससे लगातार ऊपर बना हुआ है। ऐसे में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आइआइवीआर) के विज्ञानी पौष्टिकता बढ़ाने के साथ-साथ जलवायु के अनुकूल सब्जियों की किस्मों को विकसित करने पर तेजी से काम कर रहे हैं। संस्थान के विज्ञानियों को अधिक तापमान में भी पैदा होने वाली गोभी, टमाटर, मूली की संकर प्रजातियों को विकसित करने में सफलता भी मिल चुकी है। आमतौर पर सर्दियों की सब्जियां मानी जाने वाली गोभी, टमाटर, मूली अब 34 डिग्री से लेकर 43 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी पैदा की जा सकेंगी।

आइआइवीआर में विकसित की गई लाल भिंडी ● स्रोत- संस्थान

भिंडी व मूली भी हो गई लाल

डा. नागेंद्र के अनुसार संस्थान में लाल भिंडी की किस्म तैयार की गई है। इसके अलावा 'काशी कृष्णा' काला गाजर की किस्म भी विकसित की गई है। इसमें 36 गुना तक एंटी आक्सीडेंट हैं। ऐसे ही अधिक एंटी आक्सीडेंट की मात्रा वाली लाल मूली भी विकसित की गई है। इसमें मौजूद एंटी आक्सीडेंट से डायबिटीज, हाइपरटेंशन व कैंसर की तीव्रता में भी कमी आएगी। यहां विकसित पंखिया सेम की खासियत यह है कि इसके फूल, फल, पत्ते, तने और जड़ सभी को फायदे के लिए खाने में उपयोग किया जा सकता है।

आइआइवीआर में पिछले वर्ष कलमी साग काशी मनु की खेती की गई थी, जिसका अभी तक उत्पादन हो रहा है ● स्रोत- संस्थान

संस्थान ने अब तक विभिन्न सब्जियों, फसलों की 125 से अधिक किस्मों को विकसित किया है। पोषण सुरक्षा के लिए अन्य सब्जियों पर भी शोध हो रहा है जो अधिक गर्मी में भी उगाई जा सकें।

डा. नागेंद्र राय,
कार्यकारी निदेशक, आइआइवीआर

आइआइवीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. राकेश कुमार दुबे ने बताया कि संस्थान में टमाटर की दो संकर प्रजातियां 'काशी अद्भुत' और 'काशी तपस' विकसित की गई हैं, जिनकी पैदावार 34 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी अच्छी मिलेगी। 'काशी ऋतुराज' मूली 38 से 43 डिग्री तक का ताप सह सकती है। यानी टमाटर और मूली की इस प्रजाति की पैदावार सर्दियों के साथ गर्मी के मौसम में की जा सकेगी। 'काशी तपस' को उप्र में व्यावसायिक खेती के लिए हरी झंडी भी मिल गई है। इसके साथ ही काशी अद्भुत की सिफारिश की गई है। इसकी रोपाई फरवरी के पहले सप्ताह में की जाती है और तोड़ाई जून के तीसरे सप्ताह तक जारी रहती है। अंतिम तोड़ाई तक इसके फलों का आकार (45-60 ग्राम) और फलों का रंग (लाल) स्थिर रहता है। अभी बाजार में जो मूली की प्रजाति है उसमें दाग बहुत हैं, लेकिन 'काशी ऋतुराज' बेहतर साबित होगी। विभिन्न ऋतुओं में इसकी उच्च विपणन योग्य उपज क्षमता 35-70 टन/हेक्टेयर तक है।

60 डिग्री में भी पैदा होगा काशी मनु साग: कलमी साग (करमुआ) 'काशी मनु' को तो 60 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान सहने के लिए तैयार किया जा रहा है। डा. दुबे ने बताया कि पिछले महीने केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति की ओर से इस साग का नाम काशी मनु तय किया गया। 28 राज्यों में गोभी, टमाटर, मूली व साग की नई किस्म का सफल परीक्षण किया जा चुका है और कुछ स्थानों पर तो पैदावार भी शुरू हो गई है। आइआइवीआर के कार्यकारी निदेशक डा. नागेंद्र राय बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन के दौर में कलमी साग काफी कारगर सिद्ध होगा। इसे सूखा और अत्यधिक बारिश दोनों ही परिस्थितियों भी उगाया जा सकता है। लागत न के बराबर और मुनाफा इतना की किसानों की आय दोगुनी करने में कलमी साग की खेती काफी प्रभावी सिद्ध होगी। इसका प्रयोग पोषण एवं औषधीय गुणों के लिए प्राचीन काल से होता आया है। संस्थान में पालक की भी एक ऐसी किस्म 'काशी बारामासी' विकसित की गई है, जिसकी जब चाहे बोआई कर सकते हैं। इसकी खास बात यह है कि बोने के मात्र 25-30 दिन बाद ही कटाई कर खाया जा सकता है। इसमें भी 40-45 डिग्री सेल्सियस तापमान सहने की शक्ति है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

पीएम मोदी ने की डिजिटल इंडिया से सुखद बदलाव की प्रशंसा

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के 'डिजिटल इंडिया अभियान' के नौ साल सफलतापूर्वक पूरे होने पर उससे हुए सुखद बदलाव की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अब सशक्त भारत का प्रतीक बन चुका है। इससे 'ईज आफ लिविंग' और पारदर्शिता का बढ़ावा मिला है।

इंटरनेट मीडिया के प्लेटफार्म एक्स पर 'माइगावइंडिया' के एक थ्रेड को साझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा,'तकनीक के प्रभावशाली उपयोग के लिए धन्यवाद। यह थ्रेड एक दशक की उपलब्धियों की झलक देता है।' 'माइगावइंडिया' ने एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि डिजिटल भुगतान के क्रांतिकारी कदमों से तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था और तेजी से आगे बढ़ेगी। भारत का पिछले नौ सालों का सफर बेहद असामान्य है। 'माइगावइंडिया' ने अपनी पोस्ट में कहा कि पीएम मोदी सरकार के नेतृत्व में 'डिजिटल इंडिया पहल' ने देश के डिजिटल स्वरूप को ही बदल दिया है। भारत के प्रक्षेप पथ की मिसाल यही है कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआइ) समाज को बदलने और प्रगति लाने का मूलभूत माध्यम बन गया है। देश एक प्रमुख 'ग्लोबल फिनटेक इकोसिस्टम' बनने की ओर अग्रसर है। इसका श्रेय डीपीआइ जैसे माडल यूपीआइ (यूनिफाइड पेयमेंट्स इंटरफेस) को जाता है। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में विगत मई में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि कई देश जनता को सशक्त बनाने वाले भारत के इस समाधान को स्वीकारने के लिए तत्पर हैं। तब प्रधानमंत्री ने कहा था कि जब एक जुलाई, 2015 में इसे शुरू किया गया था तो विपक्ष ने इसकी काफी आलोचना की थी।

- कहा-नौ साल पूरे होने पर 'माइगावइंडिया' ने पीएम की पोस्ट साझा की
- कहा-डिजिटल भुगतान के क्रांतिकारी कदमों से विकसित होती अर्थव्यवस्था

देश-विदेश जागरण

भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ शिमला समझौता

1972 में आज ही भारत-पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता हुआ था। इसके तहत भारत ने 90 हजार से ज्यादा पाक युद्धबंदियो को रिहा कर दिया था। इसमें तय हुआ था कि दोनों देश यूएन के दखल के बिना आपसी बातचीत के जरिये कश्मीर से जुड़े विवाद सुलझाएंगे।

विश्व के पहले स्व-निहित कृत्रिम हृदय का किया गया प्रत्यारोपण

2001 में आज ही अमेरिका में मरीज राबर्ट टूल्स में पहली बार स्व-निहित कृत्रिम हृदय एबियोकोर प्रत्यारोपित किया गया था। धातु और प्लास्टिक से बने इस हृदय में मोटर चालित हाइड्रोलिक पंप लगे थे जिसकी वजह से इसमें किसी बाहरी तार या पंप की आवश्यकता नहीं पड़ती थी।

आज भी दिल को सुकून पहुंचाते हैं मोहम्मद अजीज के गीत

बहुत जताते हो चाह हमसे, दिल दिया है जां भी देंगे, आप के आ जाने से जैसे गीतों को गाने वाले मोहम्मद अजीज का जन्म 1954 में आज ही कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ था। अपने संगीत करियर की शुरुआत रेस्तरां में गायक के रूप में की। 1984 में बांग्ला फिल्म 'ज्योति' से फिल्मी करियर की शुरुआत की। 1985 में मर्द फिल्म के गीत 'मैं हूं मर्द तांगे वाला' से रातों रात स्टार बन गए। करियर में उन्होंने इमली का बूटा, लाल दुपट्टा मलमल का, मैं से मीना से न साकी से जैसे सैकड़ों हिट गाने गाए हैं।

इधर-उधर की

63 पत्तियों वाला घास उगाकर बनाया रिकार्ड

2012 में योशीहारू ने अपने बगीचे में लगाया था घास ● इंटरनेट मीडिया

टोक्यो, एजेंसी: आजकल ज्यादातर लोग अपनी बालकनी या फिर बगीचे में तरह-तरह के पौधे लगाते हैं। हालांकि जापान के 45 वर्षीय योशीहारू वतनबे ने 63 पत्तियों वाला क्लोवर यानी तिपतिया घास उगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया है। तिपतिया घास में आमतौर पर तीन पत्तियां ही होती हैं। योशीहारू ने 2012 में खेत से तिपतिया घास को चुनकर अपने घर के बगीचे में लगाया था। अधिक पत्तियों वाला तिपतिया घास उगाने के लिए उन्होंने क्रास-पालिनेशन तकनीक का उपयोग किया। योशीहारू ने बताया कि साल दर साल पत्तियों की संख्या असामान्य रूप से बढ़ने लगी। इससे पहले यह रिकार्ड जापान के ही शिगियो ओबारा के नाम था। उन्होंने 2009 में 56 पत्तियों वाला तिपतिया घास उगाया था।

बेलारूस सीमा पर यूक्रेनी सैनिकों का जमावड़ा चिंताजनक : रूस

मास्को: रूस ने कहा है कि बेलारूस की सैन्य रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेनी सैनिकों का उसकी सीमा पर लगातार जमावड़ा हो रहा है, यह चिंता का विषय है। वहीं, यूक्रेन के सीमा गार्ड की ओर से इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया गया है।

बेलारूस 28 माह से चल रहे युद्ध में रूस का निकट सहयोगी है। वह रूस का लगातार समर्थन कर रहा है। क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि बेलारूस की सैन्य रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। यह पहली बार नहीं है जब बेलारूस यूक्रेनी सैनिकों को लेकर खतरा जता रहा है। रूस ने कहा कि यह रिपोर्ट केवल बेलारूस के लिए नहीं बल्कि रूस के लिए भी चिंता का विषय है। बेलारूस हमारा निकट सहयोगी और साझेदार है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और बेलारूस के नेता अलेक्जेंडर लुकाशेंको दोनों कजाखस्तान में 3-4 जुलाई को होने वाले शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन में भाग लेंगे। उस दौरान दोनों नेता यदि जरूरी हुआ तो इस पर चर्चा करेंगे। (रायटर)

इजरायल पर गाजा पट्टी से राकेटों की बौछार

नौ महीने के युद्ध के बाद भी फलस्तीनी लड़ाके हमले में सक्षम, इजरायली सेना ने भी किया जवाबी हमला

यरुशलम, रायटर : युद्ध छिड़ने के करीब नौ महीने बाद गाजा के फलस्तीनी सशस्त्र संगठन इस्लामिक जिहाद ने इजरायल पर राकेटों की बौछार की है। इस हमले में इजरायल को हुए नुकसान का पता नहीं लगा है। इस बीच गाजा सिटी के उपनगर शेजया और रफाह पर इजरायली सेना ने टैंकों से बड़े हमले किए हैं।

ईरान समर्थित इस्लामिक जिहाद ने कहा कि दुश्मनों द्वारा फलस्तीनी लोगों पर किए जा रहे अत्याचार के जवाब में लड़ाकों ने इजरायल पर राकेट हमले किए हैं। इजरायली सेना ने कहा है कि गाजा से इजरायल पर करीब 20 राकेट दागे गए लेकिन उनसे कोई जनहानि नहीं हुई है। लेकिन इस हमले ने यह जता दिया है कि लड़ाकों के पास अभी भी इजरायल पर हमले की क्षमता है। सेना ने कहा कि हम फलस्तीनी आतंकियों की इसी क्षमता को खत्म करने की लड़ाई लड़ रहे हैं। जबकि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हम हमास की सैन्य क्षमता खत्म करने के नजदीक हैं। इस बीच इजरायली टैंक गाजा सिटी के उपनगर शेजया में और भीतर तक घुस गए हैं और वहां पर गोलाबारी कर रहे हैं। वहां पर पांच दिनों से इजरायली सेना और फलस्तीनी लड़ाकों के बीच लड़ाई जारी है। इजरायली सेना ने कहा है कि शेजया में बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए हैं और काफी हथियार बरामद किए गए हैं। मिस्र की सीमा पर स्थित रफाह में भी इजरायली सेना टैंकों से गोलाबारी कर रही है। हमास ने दावा किया है कि वहां पर इजरायली सैनिकों को एक मकान में फंसाकर उस मकान को विस्फोट से ध्वस्त कर दिया गया। इस घटना में कई इजरायली सैनिक मारे गए हैं लेकिन इजरायली सेना ने रफाह में एक सैनिक के मारे जाने की जानकारी दी है। लगभग दो महीनों से जारी लड़ाई में इजरायली सेना इस शहर पर कब्जा नहीं कर पाई है। लेकिन गाजा में सात अक्टूबर, 2023 से मारे गए फलस्तीनियों की संख्या 38 हजार के करीब पहुंच गई है। इस बीच वेस्ट बैंक में इजरायल की कार्रवाई में एक महिला और उसके बेटे के मारे जाने की सूचना है।

दक्षिण गाजा पट्टी के खान यूनीस में सोमवार को इजरायल के हवाई हमले में ध्वस्त हुए मकानों के बीच से अपने बच्चों को ले जाता फलस्तीनी ● रायटर

अस्पताल के निदेशक की रिहाई

गाजा के सबसे बड़े अल शिफा अस्पताल के निदेशक मुहम्मद अबू सेलमिया को इजरायली सेना ने सात महीने की हिरासत के बाद सोमवार को रिहा कर दिया। सेलमिया को बिना किसी आरोप के इजरायली सेना ने अपने कमांड सेंटर में रखा और उनसे पूछताछ की।

19 इजरायली सैनिक घायल

इजरायल के कब्जे वाले गोलन पहाड़ी क्षेत्र में स्थित इजरायली सैन्य ठिकाने पर रविवार सुबह ड्रोन हमले में 19 सैनिक घायल हो गए। इजरायली सेना ने कहा है कि यह हमला लेबनान के सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला ने किया।

राष्ट्रपति बाइडन के साथ मजबूती से खड़ी हुई पार्टी

- शीर्ष नेताओं ने जो बाइडन के दौड़ से हटने की संभावना को किया खारिज
- कहा, हम लोग प्रतिबद्धता जता चुके हैं, उन्हें जिताने की करेंगे पूरी कोशिश

वाशिंगटन, रायटर: डोनाल्ड ट्रंप से प्रेसिडेंशियल डिबेट में पिछड़ने के बाद से अमेरिका में जो बाइडन को डेमोक्रेट प्रत्याशी न बनाने की मांग होने लगी है। वहीं, पार्टी बाइडन के साथ मजबूती के साथ खड़ी हो गई है। डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेताओं ने राष्ट्रपति बाइडन के स्थान पर किसी दूसरे के नाम पर विचार की संभावना से साफ इन्कार किया है। इस बीच, राष्ट्रपति बाइडन ने सोमवार को अपनी बढ़ती उम्र को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि मैं पहले की तरह आसानी से नहीं चल पाऊंगा या सहजता से बात नहीं कर पाऊंगा। मैं शायद पहले की तरह बहस नहीं कर पाऊंगा। लेकिन मैं यह जानता हूं कि सच कैसे बोलना है। उन्होंने संकेत दिया कि वह दौड़ नहीं छोड़ रहे हैं।

रविवार को जब राष्ट्रपति जो बाइडन पारिवारिक मिलन समारोह के लिए कैंप डेविड में थे, तो प्रमुख अमेरिकी डेमोक्रेटिक नेता उनके साथ मजबूती से खड़े थे। बाइडन को समर्थन करने वालों में जार्जिया के डेमोक्रेट सीनेटर राफील वार्नाक, प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज जैसे नेता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रतिबद्धता जता चुके हैं और जी जान से राष्ट्रपति बाइडन के साथ खड़े हैं। उम्मीद जताई कि अगली बहस में बाइडन वापसी करेंगे।

हिंदुओं का साथ देंगे अमेरिकी सांसद

- हिंदूफोबिया और मंदिरों पर बढ़ते हमले को लेकर जताई चिंता
- कहा, हिंदुओं के प्रति घृणा अपराध बर्दाश्त नहीं किया जा सकता

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिका में हिंदूफोबिया व अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के विरुद्ध बढ़ते भेदभाव को लेकर आवाज तेज होती जा रही है। अमेरिका के प्रभावशाली सांसदों ने आश्वस्त किया है कि वे हिंदूफोबिया और मंदिरों पर हो रहे हमले के विरुद्ध लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर चलते रहेंगे।

उत्तर अमेरिका के हिंदू गठबंधन (सीओएचएनए) द्वारा बीते 28 जून को आयोजित तीसरे राष्ट्रीय वकालत दिवस में बड़ी संख्या में हिंदू छात्र, शोधकर्ता व सामदायिक नेता सम्मिलित हुए। इसमें अमेरिका में रह रहे हिंदुओं द्वारा सामना की जानी वाली समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए चर्चा की गई। हाउस रिजोल्युशन 1131 पेश करने वाले डेमोक्रेट सांसद श्री थानेदार ने कहा कि आपकी आवाज कांग्रेस में हिंदू समुदाय की आवाज है। यह प्रस्ताव हिंदूफोबिया व मंदिरों पर हमले की निंदा करता है और हिंदू-अमेरिकी समुदाय के योगदान की सराहना करता है। उन्होंने कहा, हिंदुओं के प्रति घृणा अपराध बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

रिपब्लिकन सांसद रिच मैककार्मिक ने नीति निर्माण में हिंदू-अमेरिकी व भारतीय-अमेरिकी समुदाय की भागीदारी और अमेरिका के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में उनकी भूमिका की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने रिजोल्युशन 1131 को समर्थन देने को लेकर ध्यान आकर्षित किया।

सांसद ग्लेन ग्रोथमैन और सांसद रो खन्ना ने बीते दशक में समुदाय के योगदान की प्रशंसा की। इसी तरह सांसद मैक्स मिलर ने कहा इस कठिन समय में वह हिंदू समुदाय के साथ खड़े हैं। सीओएचएनए ने बताया, हाउस रिजोल्युशन 1,131 का समर्थन करने के लिए उसके 40 से अधिक कोर स्वयंसेवकों ने 115 सांसदों के कार्यालय में संपर्क किया।

चीन का राकेट अपने आप लांच होने के बाद हुआ दुर्घटनाग्रस्त

बीजिंग: चीन में एक शक्तिशाली राकेट रविवार को जमीनी परीक्षण के दौरान अपने आप लांच हो गया। यह आकस्मिक प्रक्षेपण संरचनात्मक विफलता के कारण हुआ। हालांकि, कुछ समय बाद ही यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राकेट से जुड़ी निजी कंपनी स्पेस पायनियर ने कहा कि तियानलोंग-3 राकेट हेनान प्रांत के गोंगयी काउंटी में स्टेटिक फायर टेस्ट के दौरान अप्रत्याशित रूप से लांच हो गया। यह पास स्थित पहाड़ी इलाके में जा गिरा। इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि परीक्षण से पहले ही इलाके के लोगों को हटा दिया गया था। (प्रेट्र)

ट्रंप को नहीं मिलेगी कानूनी प्रक्रिया में छूट

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कानूनी प्रक्रिया में किसी तरह की छूट देने से इन्कार कर दिया है। कहा है कि जब वह देश में राष्ट्रपति पद पर थे तब इस छूट के हकदार थे लेकिन पद से हटने के बाद उन्हें ऐसी कोई सुविधा नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट में नौ न्यायाधीशों की पीठ ने 6-3 के बहुमत से यह फैसला सुनाया है।

पीठ ने अपने फैसले में कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति को कुछ ऐसे में मामलों में कानूनी प्रक्रिया में छूट हासिल है जिनसे संबंधित फैसले उन्होंने राष्ट्रपति के कार्यकाल में लिए हों। लेकिन आपराधिक मामलों में छूट का कोई प्रविधान नहीं है। इसलिए ट्रंप को 2020 का चुनाव हारने के बाद किए कृत्यों पर छूट नहीं मिल सकती है। इस प्रकार से सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमा चलाए जाने से छूट की ट्रंप की अर्जी को खारिज कर दिया है। अमेरिका में 18 सदी में देश की स्थापना के बाद यह पहला मौका है जब सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति को आपराधिक मामलों में कानूनी प्रक्रिया में किसी तरह की छूट देने से स्पष्ट रूप से इन्कार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश जान राबर्ट ने बहुमत के आधार पर लिए गए इस फैसले का एलान किया।

ट्रंप के सहयोगी स्टीव बैनन ने किया आत्मसमर्पण

डैनबरी, एपी: ट्रंप के सहयोगी रहे स्टीव बैनन ने सोमवार को डैनबरी स्थित फेडरल जेल में आत्मसमर्पण कर दिया। बैनन को कैपिटल हिंसा मामले में संसदीय समिति की जांच में शामिल होने के लिए भेजे गए समन की अवहेलना पर अवमानना का दोषी पाया गया है। इस कारण बैनन को चार महीने की सजा सुनाई गई है। एक जज ने बैनन को अपील करने तक लगभग दो साल तक जेल जाने से छूट दी थी, लेकिन अपील न्यायालय के पैनल द्वारा कांग्रेस की अवमानना के लिए उनके दोषसिद्धि को बरकरार रखने के बाद उन्हें सोमवार को जेल में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया।

आस्ट्रेलिया में छात्र वीजा शुल्क दोगुना से अधिक, भारतीयों पर पड़ेगा असर

- विदेशी छात्रों की संख्या में रिकार्ड बढ़ोतरी से निपटने के लिए उठाया कदम
- विजिटर वीजा व अस्थायी स्नातक वीजा धारकों के छात्र वीजा पर प्रतिबंध

सिडनी, रायटर: आस्ट्रेलिया में पढ़ाई के लिए भारतीय समेत विदेशी छात्रों को अब अधिक खर्च करना होगा। आस्ट्रेलिया ने सोमवार से अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा शुल्क में दोगुना से अधिक बढ़ोतरी कर दी। आस्ट्रेलिया सरकार ने यह कदम हाल में विदेशी छात्रों की संख्या में रिकार्ड बढ़ोतरी के चलते हाउसिंग मार्केट पर बढ़े दबाव के चलते उठाया है।

आस्ट्रेलिया ने एक जुलाई से अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा शुल्क 710 आस्ट्रेलियाई डालर (करीब 39,527 रुपये) से बढ़ाकर 1,600 आस्ट्रेलियाई डालर (करीब 89,059 रुपये) कर दिया है। इसके साथ ही विजिटर वीजा धारक और अस्थायी स्नातक वीजा धारकों को छात्र वीजा के आवेदन से प्रतिबंधित कर दिया गया है। आस्ट्रेलिया के गृह मंत्री क्लेर ओ नील ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली की अखंडता को बरकरार रखने और बेहतर प्रवासन प्रणाली बनाने में ये बदलाव सहायक होंगे।

श्रीलंका के वरिष्ठ नेता संपंथन का निधन

कोलंबो: श्रीलंका के वरिष्ठ नेता आर संपंथन का रविवार रात निधन हो गया। 91 वर्षीय संपंथन का लंबे समय से इलाज चल रहा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने श्रीलंकाई तमिल नेता के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर के साथ एक्स पोस्ट किया, "दिग्गज टीएनए नेता आर. संपंथन के परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा। उन्होंने श्रीलंका के तमिल नागरिकों के लिए शांति, सुरक्षा, समानता, न्याय और सम्मानित जीवन सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किए।(प्रेट्र)

कैल्शियम के अधिक सेवन से कम होगा बीपी विकार

अनुसंधान

दौरान हाइपरटेंशन की दवा भ्रूण के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। इसलिए शोध दल प्रीक्लैम्सिया से मां बनने की योजना बनाने से पहले उचित खान-पान को लेकर जानकारी जरूरी है। एक नए शोध में पाया गया है कि गर्भधारण से तीन महीने पहले कैल्शियम और जिंक का अधिक सेवन प्रीक्लैम्सिया जैसे हाई ब्लड प्रेशर विकार की खतरनाक समस्याओं से बचा सकता है।

अमेरिकी शोधकर्ताओं ने गर्भधारण से पहले पोषक आहार के महत्व को रेखांकित किया है। हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर गर्भावस्था की एक आम समस्या है, यह विकार मां और विकसित हो रहे भ्रूण दोनों के लिए हानिकारक है। गर्भावस्था के सुरक्षा के लिए पोषण जैसे कारकों पर फोकस करते हैं। शोध के लेखक व कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पोस्टडाक्टोरियल रिसर्च साइंटिस्ट व वर्तमान में बाल स्टेट यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर लिपिंग लू ने कहा कि हमारा अध्ययन गर्भधारण से पहले कैल्सियम व जिंक जैसे पोषक तत्वों की मात्रा पर प्रकाश डालता है। शोध का निष्कर्ष शिकागो में अमेरिका सोसाइटी फार न्यूट्रिशन की 29 जून से दो जुलाई के बीच आयोजित वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया जाना है।

प्रीक्लैम्सिया के चलते गर्भावस्था के बीच में हाई ब्लड प्रेशर, सूजन आदि समस्याएं पैदा होती हैं, जिससे भ्रूण का विकास प्रभावित हो सकता है। शोध दल का निष्कर्ष दो जिंक और कैल्शयम पर किए गए दो अलग-अलग अध्ययनों पर आधारित है।

इसके लिए उन्होंने अमेरिका भर से 7,700 गर्भवती महिलाओं के आंकड़ों का इस्तेमाल किया। गर्भावस्था से पहले कैल्शयम की अधिक मात्रा लेने वाली महिलाओं ने तुलनात्मक रूप से 24 प्रतिशत व जिंक का अधिक सेवन करनी वाली महिलाओं ने तुलनात्मक रूप से 38 प्रतिशत हाइपरटेंशन विकार का कम सामना किया।(आइएएनएस)

देश-विदेश की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

प्रीतम सिंह वर्कर्स पार्टी के महासचिव चुने गए

सिंगापुर: सिंगापुर में विपक्ष के नेता भारतवंशी प्रीतम सिंह को वर्कर्स पार्टी का फिर से महासचिव चुना गया है। यह कदम अगले वर्ष होने वाले चुनाव से पहले उठाया गया है। पार्टी के महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था केंद्रीय कार्यकारी कमेटी (सीईसी) में 14 सदस्यों ने मतदान किया। वह निर्विरोध चुने गए।

वर्ष 2018 से प्रीतम सिंह वर्कर्स पार्टी के महासचिव हैं। सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, शानदार परिणाम रहा। हम अगले दो वर्षों तक इस सीईसी के साथ काम करने की उम्मीद कर रहे हैं। यह चुनाव उम्मीदवारी के बारे में नहीं था, यह पार्टी का आंतरिक चुनाव था। (प्रेट्र)

****